THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

पीएम मोदी ने 1000 दीदियों को ड्रोन सौंपे

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री मोदी आज सोमवार को दिल्ली में सशक्त नारी-विकसित भारत प्रोग्राम में शामिल हुए हैं। उन्होंने एक हजार दीदियों को ड्रोन सौपे। ये ड्रोन फसलों की निगरानी, पेस्टिसाइड्स-फर्टिलाइजर का छिड़काव और बीज बुवाई जैसे कामों में मददगार होंगे। पीएम इंडियन एग्रिकल्चर रिसर्च इंस्टीट्यूट में नमो ड्रोन दीदियों की ओर से आयोजित कृषि ड्रोन प्रदर्शन देखेंगे। इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि जब भी मैंने महिला सशक्तिकरण पर बात की, तब कांग्रेस जैसी पार्टियों ने मेरा मजाक उड़ाया और अपमान किया। मोदी की स्कीम जमीनी अनुभवों के नतीजों पर आधारित हैं। आज हमने 10,000 करोड़ रुपये की राशि इन दीदीयों के खाते में जमा कराई गई हैं। >14

वर्ष-28 अंक : 354 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन शु.2/3 2080 मंगलवार, 12 मार्च-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सरकार ने जारी की सीएए की अधिसूचना

तीन देशों के अल्पसंख्यकों को मिलेगी नागरिकता

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आज नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) नियमों को अधिसूचित कर दिया है। इसके तहत शरणार्थियों को देश की नागरिकता मिल सकेगी। जानकारी के मुताबिक, सीएए के नियम जारी होने के बाद अब पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के अल्पसंख्यक शरणार्थियों को भारत की नागरिकता मिल सकेगी।

देश में लोकसभा चुनाव से पहले 'नागरिकता संशोधन अधिनियम' (सीएए) के नियम लागू करने को लेकर विपक्ष सरकार पर सवाल उठा रहा है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी तो इस मामले में केंद्र पर सीधे-सीधे हमलावर हो गई हैं। नागरिकता संशोधन अधिनियम के नियमों के तहत भारत के तीन मुस्लिम पड़ोसी देश, जिनमें पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश शामिल हैं, से आए गैर मुस्लिम प्रवासी लोगों के लिए भारत की नागरिकता लेने के नियम आसान हो जाएंगे। इन छह समुदायों में हिंदू, ईसाई, सिख, जैन, बौद्ध और पारसी शामिल हैं। नागरिकता संशोधन विधेयक 11 दिसंबर, 2019 को संसद द्वारा पारित किया गया था। एक दिन बाद ही इस विधेयक को राष्ट्रपति की सहमति मिल गई थी। सीएए के जरिए पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदायों से संबंधित अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता लेने में आसानी होगी। ऐसे अल्पसंख्यक, 31 दिसंबर, 2014 को या उससे पहले भारत में प्रवेश कर चुके हों। इससे पहले भारत की नागरिकता हासिल करने के लिए किसी भी व्यक्ति को कम से कम 11 साल तक भारत में रहना जरूरी था। नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 के अंतर्गत इस नियम को आसान बनाया गया है। >14

* क्या होंगे सीएए के नियम *

सीएए नियमों के तहत ऑनलाइन पोर्टल के जरिए आवेदन मांगे जाएंगे। इस प्रक्रिया का काम पूरा हो चुका है। नागरिकता संशोधन अधिनियम के नियमों के तहत भारत के तीन मुस्लिम पड़ोसी देश (जिनमें पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान शामिल हैं) से आए गैर मुस्लिम प्रवासी लोगों के लिए भारत की नागरिकता लेने के नियम आसान हो जाएंगे। इन छह समुदायों में हिंदू, ईसाई, सिख, जैन, बौद्ध और पारसी, शामिल हैं। नागरिकता संशोधन विधेयक 11 दिसंबर, 2019 को संसद द्वारा पारित किया गया था। एक दिन बाद ही इस विधेयक को राष्ट्रपति की सहमति मिल गई थी। सीएए के जरिए पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदायों से संबंधित अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता लेने में आसानी होगी। सीएए, किसी व्यक्ति को खुद नागरिकता नहीं देता है। इसके जरिए पात्र व्यक्ति, आवेदन करने के योग्य बनता है। यह कानून उन लोगों पर लागू होगा, जो 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से भारत आए थे।

इसमें प्रवासियों को वह अवधि साबित करनी होगी कि वे इतने समय में भारत में रह चुके हैं। उन्हें यह भी साबित करना होगा कि वे अपने देशों से धार्मिक उत्पीड़न की वजह से भारत आए हैं। वे लोग उन भाषाओं को बोलते हैं, जो संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल हैं। उन्हें नागरिक कानून 1955 की तीसरी सूची की अनिवार्यताओं को भी पूरा करना होगा। इसके बाद ही प्रवासी आवेदन के पात्र होंगे।

देश बदला, कांग्रेस का चश्मा नहीं : पीएम

गुरुग्राम, 11 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के गुरुग्राम से सोमवार को द्वारका एक्सप्रेसवे समेत 112 प्रोजेक्टों का उद्घाटन किया। इससे पहले उन्होंने रोड शो निकाला और द्वारका एक्सप्रेसवे का निरीक्षण किया। उनके साथ केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और हरियाणा सीएम मनोहर लाल समेत अन्य नेता मौजूद रहे।

इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के इस विकास में अगर सबसे ज्यादा किसी को दिक्कत है तो वह कांग्रेस और उसके घमंडिया गठबंधन को। उनकी नींद हराम हो गई है। देश कहां से कहा पहुंच गया, लेकिन कांग्रेस और उनके दोस्तों का चश्मा नहीं बदला। उनके चश्मे का नंबर अभी भी वही है ऑल नेगेटिव। उन्होंने कहा कि ये तो वो लोग हैं जो केवल चुनावी सरकार चलाते थे। इन्होंने 2006 में 1000 करोड़ किलोमीटर का एक्सप्रेस वे बनाने की घोषणा की थी, लेकिन वह घोंसले में घुस गए, लेकिन इसको हमने 2018 में पूरा किया। पीएम ने कहा कि मेरा सपना है कि 2047 तक देश विकसित होना चाहिए।

स्वतंत्र, निष्पक्ष, भय और प्रलोभन मुक्त चुनाव सुनिश्चित करें

सीईसी का पर्यवेक्षकों को निर्देश

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। चुनाव आयोग (ईसीआई) ने सोमवार को अपने पर्यवेक्षकों से जोर-जबरदस्ती और भय से मुक्त चुनाव सुनिश्चित करने को कहा। आयोग ने केंद्रीय और राज्य बलों के विवेकपूर्ण इस्तेमाल पर जोर दिया और कहा कि उनकी तैनाती किसी खास दल को फायदा नहीं पहुंचाएगी।

लोकसभा और कुछ राज्यों में विधानसभा चुनावों के एलान से पहले मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने अधिकारियों की एक बैठक को संबोधित किया। बैठक में 2,100 से ज्यादा पुलिस अधिकारी और व्यय पर्यवेक्षक मौजूद थे। कुमार ने उन्हें स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए निर्देश दिया।

आयोग का प्रतिनिधित्व करते हैं पर्यवेक्षक

उन्होंने कहा कि चुनाव भय और प्रलोभन से मुक्त होने चाहिए। सीईसी ने उन्हें याद दिलाया कि वे एक पर्यवेक्षक के रूप में आयोग का प्रतिनिधित्व करते हैं और उनसे पेशवर आचरण करने और उम्मीदवारों सहित सभी हितधारकों के लिए सुलभ होने की उम्मीद की जाती है।

वाहनों में जीपीएस ट्रैकर लगाने का प्रस्ताव

आयोग ने एक बयान में कहा कि पर्यवेक्षकों को अपने काम के प्रति आचरण में सख्त लेकिन लोगों के साथ विनम्र रहने का निर्देश दिया गया। पर्यवेक्षकों को पूरी चुनावी प्रक्रिया के दौरान आवंटित संसदीय निर्वाचन क्षेत्र की सीमाओं के भीतर सीमित रहने के लिए भी कहा गया। इसमें कहा गया है कि उनके वाहनों में जीपीएस ट्रैकर लगाने का प्रस्ताव दिया गया।

शिकायतों को गंभीरता से लेगा आयोग :

उनसे कहा गया कि वे अपने फोन और ईमेल पर हमेशा उपलब्ध रहें और उम्मीदवारों, दलों, मतदाताओं और मतदान कर्मियों की कॉल का जवाब दें। इसमें कहा गया है कि इस संबंध में किसी भी शिकायत को आयोग द्वारा गंभीरता से लिया जाएगा। बयान में कहा गया कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान पर्यवेक्षकों को अपनी आरामदायक स्थिति (कंफर्ट जोन) से बाहर आने की जरूरत है।

'स्वतंत्र-निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करें'

बैठक के दौरान अधिकारियों, वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त, उप चुनाव आयुक्तों और अन्य लोगों को चुनाव प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। पर्यवेक्षकों को एक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है। उन्हें चुनाव की घोषणा से पहले चुनावी क्षेत्रों में तैनात किया जाता है और वे राज्यों में चुनाव प्राधिकरण की आंख और कान के रूप में काम करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश : एसबीआई आज दे इलेक्टोरल बॉन्ड का डेटा

> चुनाव आयोग 15 मार्च तक वेबसाइट पर डाले
> एसबीआई ने मांगा था 30 जून तक का समय

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। इलेक्टोरल बॉन्ड की जानकारी देने से जुड़े केस में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की याचिका पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने करीब 40 मिनट में फैसला सुना दिया।

एसबीआई ने कोर्ट से कहा- बॉन्ड से जुड़ी जानकारी देने में हमें कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन इसके लिए कुछ समय चाहिए। इस पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने पूछा- पिछली सुनवाई (15 फरवरी) से अब तक 26 दिनों में आपने क्या किया? करीब 40 मिनट की सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संविधान पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा, एसबीआई 12 मार्च तक सारी जानकारी का खुलासा करे। इलेक्शन कमीशन सारी जानकारी को इकट्ठा कर 15 मार्च शाम 5 बजे तक इसे वेबसाइट पर पब्लिश करे। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संविधान पीठ ने 15 फरवरी को इलेक्टोरल बॉन्ड की बिक्री पर रोक लगा दी थी। साथ ही एसबीआई को 12 अप्रैल 2019 से अब तक खरीदे गए इलेक्टोरल बॉन्ड की जानकारी 6 मार्च तक इलेक्शन कमीशन को देने का निर्देश दिया था।

4 मार्च को एसबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाकर इसकी जानकारी देने के लिए 30 जून तक का वक्त मांगा था। इसके अलावा कोर्ट एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की उस याचिका पर भी सुनवाई की, जिसमें 6 मार्च तक जानकारी नहीं देने पर एसबीआई के खिलाफ अवमानना का केस चलाने की मांग की गई थी।

चाइल्ड पोर्नोग्राफी मामले में मद्रास हाईकोर्ट के फैसले की होगी 'सुप्रीम' जांच

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने चाइल्ड पोर्नोग्राफी से जुड़े एक मामले में मद्रास हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुनवाई के लिए अपनी सहमति दे दी है। शीर्ष अदालत की मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने मद्रास हाई कोर्ट के फैसले को अत्याचारपूर्ण करार दिया। साथ ही कहा कि वह इस फैसले की जांच करेगा। गौरतलब है कि मद्रास हाईकोर्ट ने 11 जनवरी को अपने मोबाइल फोन में चाइल्ड पोर्न डाउनलोड़ करने के मामले में फैसला सुनाया था। हाइकोर्ट ने बच्चों से जुड़ी अश्लील सामग्री डाउनलोड करने के आरोप में 28 वर्षीय एक व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही रद्द कर दी थी। साथ ही कहा था कि चाइल्ड पोर्न डाउनलोड करना और देखना पॉक्सो और आईटी कानूनों के तहत अपराध नहीं है। >14

साईबाबा को बरी करने के आदेश पर रोक से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को महाराष्ट्र सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें बॉम्बे हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई थी, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर जीएन साईबाबा और अन्य को माओवादी संबंध मामले में बरी कर दिया गया था। पीठ ने अपील को जल्द सूचीबद्ध करने के लिए महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू के मौखिक अपील को भी खारिज कर दिया और कहा कि यह सही समय पर आएगा। पीठ ने एसवी राजू ने कहा कि सजा को पलटने के आदेश में कोई जल्दबाजी नहीं की जा सकती। अगर यह दूसरा तरीका होता, तो हम इस पर विचार करते। गौरतलब है कि पांच मार्च को बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर पीठ ने 54 वर्षीय साई बाबा और अन्य को बरी कर दिया, यह देखते हुए कि अभियोजन पक्ष उनके खिलाफ मामले को उचित संदेह से परे साबित करने में विफल रहा। हाईकोर्ट ने साईबाबा की आजीवन कारावास की सजा को भी रद्द कर दिया था और मामले में पांच अन्य आरोपियों को बरी कर दिया था।

क्या आप माफी मांगना चाहते हैं?

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल से पूछा सवाल

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने आपराधिक मानहानि के मामले में सोमवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से पूछा कि क्या वह इस मामले में शिकायतकर्ता से माफी मांगना चाहते हैं। मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय ने उनके खिलाफ समन जारी किया था। इसके बाद आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक ने इस समन के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

इससे पहले केजरीवाल ने 26 फरवरी को शीर्ष अदालत से कहा था कि उन्होंने भाजपा आईटी सेल पर यूट्यूबर ध्रुव राठी के वीडियो को रीट्वीट करके गलती की है। शिकायतकर्ता विकास सांकृत्यायन के वकील न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांक दत्ता की पीठ के समक्ष पेश हुए। उन्होंने शीर्ष अदालत को बताया कि केजरीवाल एक्स या इंस्टाग्राम जैसे सार्वजनिक प्लेटफॉर्म पर माफी मांग सकते हैं। पीठ ने वकील से कहा, आप हमें बताएं कि आप क्या चाहते हैं। हम इसे दूसरी तरफ रख सकते हैं। हम आपके जूते या दूसरे पक्ष के जूते में अपने पैर रखने नहीं जा रहे हैं। वहीं, केजरीवाल की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी पेश हुए। अदालत ने सिंघवी से कहा, अगर आप माफी मांगना चाहते हैं तो आप इसे अपने अधिकारों और तर्कों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना प्रसारित कर सकते हैं। अन्यथा हम कानूनी मुद्दे की जांच करेंगे कि केवल रीट्वीट करना अपराध है या नहीं। हम इसकी जांच करेंगे। इसके बाद जब शिकायतकर्ता के वकील ने निर्देश पाने के लिए समय मांगा तो पीठ ने कहा, उनके लिए क्षमा याचना दिखाइए। अगर वह इसके लिए (माफीनामा) सहमत होते हैं, तो ठीक है। पीठ ने इस मामले की सुनवाई 13 मई से शुरू होने वाले सप्ताह के लिए सूचीबद्ध किया। पीठ ने कहा कि निचली अदालत को 11 मार्च तक मानहानि मामले में सुनवाई न करने को कहने वाला उसका पिछला आदेश सुनवाई की अगली तारीख तक जारी रहेगा। शीर्ष अदालत ने 26 फरवरी को केजरीवाल की याचिका पर नोटिस जारी किए बिना शिकायतकर्ता से पूछा था कि क्या वह इस मामले को बंद करना चाहते हैं।

सुप्रीम कोर्ट में महुआ की याचिका पर मई में सुनवाई

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की नेता महुआ मोइत्रा का याचिका पर अब सुप्रीम कोर्ट मई में सुनवाई करेगा। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने सोमवार 11 मार्च को हुई सुनवाई में ये बात कही। संसद में सवाल पूछने के बदले पैसे लेने (कैश फॉर क्वेरी) के केस में टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा की 8 दिसंबर को सांसदी चली गई थी। महुआ ने निष्कासन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है। बेंच ने कहा कि 6 मई से शुरू होने वाले हफ्ते में एक नॉन-मिसलेनियस डे (ऐसा दिन, जब) पर सूची बनाएं। उधर, महुआ की ओर से पेश वकील ने कहा कि हमारा इस मामले में लोकसभा महासचिव की तरफ से दाखिल हलफनामे पर जवाब दाखिल करने का इरादा नहीं है। इससे पहले 3 जनवरी को जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच में सुनवाई हुई थी। तब कोर्ट ने लोकसभा सचिवालय से जवाब मांगा था।

5000 किमी रेंज वाली अग्नि-5 मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अग्नि-5 मिसाइल के पहले सफल परीक्षण पर रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन यानी डीआरडीओ के वैज्ञानिकों को बधाई दी है। उन्होंने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- मिशन दिव्यास्त्र के लिए हमें अपने वैज्ञानिकों पर गर्व है।

इससे पहले कयास थे कि प्रधानमंत्री देश को संबोधित करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा था कि वे देश में सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट यानी सीएए लागू करने का ऐलान कर सकते हैं। सीएए को हिंदी में नागरिकता संशोधन कानून कहा जाता है। इससे पाकिस्तान, बांग्लादेश अफगानिस्तान से आए गैर-मुस्लिम शरणार्थियों को नागरिकता मिलने का रास्ता साफ हो जाएगा। अग्नि-5 एक एडवांस्ड एमआईआरवी मिसाइल है। एमआईआरवी का अर्थ मल्टीपल इंडिपेंडेंटली-टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल है। ट्रेडिशनल मिसाइल में केवल एक वॉरहेड ले जाया जा सकता है, जबकि एमआईआरवी में मल्टीपल वॉरहेड एक साथ कैरी कर सकते हैं। वॉरहेड यानी, मिसाइल का अगला भाग जिसमें विस्फोटक होते हैं। इस खासियत के मायने ये हुए कि एक दूसरे से सैकड़ों किलोमीटर दूर मौजूद कई टारगेट्स को एक ही मिसाइल के जरिए तबाह किया जा सकता है। एक ही टारगेट पर मल्टीपल वॉरहेड को एक बार में लॉन्च किया जा सकता है। एमआईआरवी तकनीक सबसे पहले अमेरिका ने 1970 में विकसित की थी। 20वीं सदी के अंत तक अमेरिका और सोवियत संघ दोनों के पास एमआईआरवी से लैस कई इंटरकॉन्टिनेंटल और सबमरीन लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइलें थीं।

एसयूवी ने खड़ी कार को टक्कर मारी 6 की मौत

रेवाड़ी, 11 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के रेवाड़ी में रविवार रात करीब साढ़े 11 बजे इनोवा कार को एसयूवी ने टक्कर मार दी। हादसे में 4 महिलाओं समेत 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 7 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को रेवाड़ी और गुरुग्राम के प्राइवेट अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया गया है।

हादसा दिल्ली रोड पर मसानी गांव के पास हुआ। इनोवा सवार महिलाएं खाटू श्याम से दर्शन कर लौट रही थीं। रास्ते में उनकी कार का टायर पंक्चर हो गया। उसी दौरान तेज रफ्तार में आई दूसरी कार इनोवा में घुस गई। मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद निवासी रंजना कपूर (39), नीलम (54), पूनम जैन (50), शिखा (40), हिमाचल के रहने वाला ड्राइवर विजय (40) और रेवाड़ी के खरखड़ा गांव निवासी सुनील (24) के रूप में हुई है। घायलों में रेवाड़ी के खरखड़ा गांव निवासी रोहित (24), अजय (35), सोनू (23), मिलन (28), बरखा (50) और गाजियाबाद की रहने वाली रजनी (46) शामिल हैं।

लुधियाना में फिर मिले 25 गायों के शव

लोगों में प्रशासन के खिलाफ रोष; 2 दिन पहले भी 10 गोवंश मिले थे

लुधियाना, 11 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के लुधियाना में आज सुबह फिर ताजपुर रोड पानी वाली टंकी के पास गायों के शव मिले हैं। इनमें करीब 19 गोवंश और 5 से 6 गाय हैं। ये गाय किन कारणों से मरी हैं, इस बारे में अभी कोई खुलासा नहीं हुआ। लगातार पशुओं के शव मिलना चिंता का विषय है। हिंदू धर्म के लोगों में गायों के शव मिलने के कारण प्रशासन के खिलाफ गुस्सा है।

बता दें कि इस घटना से दो दिन पहले टिब्बा रोड स्थित कूड़ा डंप से 10 से अधिक गायों के शव मिले थे। पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला भी दर्ज किया था। आज सुबह इलाका निवासी समाज सेवक भोला सैर करने निकले तो उन्होंने कई गोवंश मृत अवस्था में पड़े देखे, जिन्होंने शोर मचाया और लोगों को एकत्र किया।

प.बंगाल में पूर्व पति-पत्नी एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे

बिष्णुपुर सीट से भाजपा के सौमित्र खान के खिलाफ टीएमसी ने सुजाता मंडल को उतारा

कोलकाता, 11 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के बिष्णुपुर लोकसभा सीट से पूर्व पति-पत्नी एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। तृणमूल कांग्रेस ने 42 सीटों पर कैंडिडेट्स का ऐलान किया। इसमें बिष्णुपुर से सुजाता मंडल को उम्मीदवार बनाया है। वहीं 2 मार्च को आई भाजपा की सूची में इसी सीट से सौमित्र खान को उतारा गया है। सौमित्र यहां से मौजूदा सांसद हैं।

सौमित्र और सुजाता के बीच 2021 में तलाक हो गया था। दोनों के अलग होने की कहानी भी राजनीतिक है। दरअसल, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले सुजाता मंडल अपने पति के साथ भाजपा में थीं, लेकिन फिर उन्होंने पार्टी छोड़ दी। इससे नाराज होकर सौमित्र ने कैमरे पर ऐलान किया था कि वे सुजाता से अलग हो रहे हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले सौमित्र खान भी टीएमसी में ही थे। भाजपा में शामिल होने के बाद उन्हें बिष्णुपुर लोकसभा सीट से टिकट मिला था। वे चुनाव भी जीते थे। इसमें सुजाता ने उनके लिए कैंपेनिंग भी की थी। विधानसभा चुनाव 2021 में टीएमसी ने सुजाता को आरामबाग से उम्मीदवार बनाया था, लेकिन वे हार गई थीं।

सुजाता ने भाजपा की पॉलिटिक्स को डर्टी बताया था

सुजाता ने 21 दिसंबर 2020 को टीएमसी के सीनियर लीडर और एमपी सौगत रॉय की मौजूदगी में पार्टी जॉइन की थी। उन्होंने कहा था कि भाजपा की डर्टी पॉलिटिक्स की वजह से तृणमूल से जुड़ने का फैसला लिया है। भाजपा लुभावने सपने दिखाकर दूसरी पार्टियों के नेताओं को अपनी ओर खींच रही है। भाजपा की ओर से नेताओं को अच्छी पोस्ट देने और कुछ नेताओं को सीएम बनाने का वादा किया जा रहा है। उन्होंने कहा था कि भाजपा में उन लोगों का सम्मान नहीं हो रहा है, जो वाकई इसके लायक हैं। पश्चिम बंगाल को सिर्फ ममता बनर्जी ही विकास के रास्ते पर आगे ले जा सकती हैं। सिर्फ ममता ही राज्य को बांटने की राजनीति से बचा सकती हैं इसलिए मैं दीदी के साथ जुड़कर काफी खुश हूं। सौमित्र ने बिष्णुपुर में कम्युनिस्टों का 43 साल का राज खत्म किया

सौमित्र खान फिलहाल बिष्णुपुर लोकसभा सीट से ही भाजपा सांसद हैं। इस सीट पर 1971 के बाद से लगातार कम्युनिस्ट पार्टी जीतती आ रही थी। 2014 में सौमित्र ने TMC की ओर से चुनाव लड़ा और जीता। 2019 में उन्होंने इसी सीट पर भाजपा की ओर से चुनाव लड़ा और फिर जीते। इस समय वे भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं।

सौमित्र ने राजनीति की शुरुआत कांग्रेस से की थी

सौमित्र ने सियासत की शुरुआत कांग्रेस से की थी। तब वे विधायक का चुनाव जीते थे। 2013 में उन्होंने टीएमसी का दामन थाम लिया और सांसद बन गए। 2019 में भाजपा में आने के बाद उन पर नौकरी के लिए लोगों से रुपये लेने का आरोप लगा। उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया। कोलकाता हाईकोर्ट ने उनके निर्वाचन क्षेत्र में जाने पर रोक लगा दी थी। इसके बावजूद उन्होंने 78,000 से ज्यादा वोटों से जीत हासिल की।

खबरे जरा हटके

धरती से स्पेस तक बनेंगे एलीवेटर्स फिल्मी फंतासी बनेगी हकीकत

साइंटिस्ट का दावा, ज्यादा नहीं लगेगा वक्त

जिस तरह से स्पेस रिसर्च में गहनता बढ़ने के साथ विस्तार हो रहा है उससे कई काल्पनिक चीजें वैज्ञानिक तक संभव मानने लगे हैं. इनमें से स्वर्ग तक सीढ़ियों का विचार तो आपने जरूर सुना होगा. मिथकों में इस तरह की बातें बहुत सुनने के मिलती हैं पर क्या आप यकीन करेंगे की अब स्पेस तक क एलीवेटर भी बनने वाला है. जी हां वैज्ञानिकों का कहना है कि अब स्पेस एलीवेटर अब दूर की कौड़ी नहीं रहने वाले हैं. और ऐसा केवल दो तीन दशक में ही देखने को मिल सकता है. यह विचार अपने आपमें कितनी भी गप्प सा क्यों ना लगे, वैज्ञानिकों का कहना है जल्दी ही स्पेस एलीवेटर धरती से स्पेस में चीजों और लोगों को ले जाते दिखने लगेंगे. इस तरह की तकनीक स्टार वार्स मूवी में दिखाई गई थी जिसमें लोग और जहाज स्पेस में बिना अंतरिक्ष यान के पहुंचाए जाते थे. इसी विचार को ए सर्टेन मैजिकल इंडेक्स नाम की जापानी एनीमेटेड सीरीज में भी दिखाया गया था. एक्सपर्ट का कहना है कि अभी यह विचार कितना ही बेहूदा सा क्यों ना लगे जल्दी ही ऐसा होने वाला है और स्पेसएक्स जैसी कंपनियां लोगों को स्पेस में भेजने की तकनीकों पर काम कर रही हैं. वहीं कइयों ने लोगों के लिए टिकट बेचना भी शुरू कर दिया है.

साइंटिफिक अमेरिकन में भौतिकी के प्रोफेसर स्टीफन कोहेन ने लिखा है कि स्पेस एलीवेटर्स को लोग विज्ञान फंतासी के तौर पर खारिज कर देते हैं, लेकिन उन्हें लगता है कि ये दो तीन दशक में दिखाई देने लगेंगे. कोहेन बताते हैं कि स्पेस एलीवेटर लंबी केबल होती है जो पृथ्वी की भूमध्य रेखा से एक उपग्रह से जुड़ेगा और यह सिस्टम पृथ्वी के साथ ही चक्कर लगाएगा. स्टार वार मूवी में स्पेस एलीवेटर विभिन्न ग्रहों के अलग अलग वातावरण के कारण जरूरी हो गए थे. वास्तव में पृथ्वी के लिए स्पेस एलीवेटर स्पेस ट्रैवल में लगने वाले संसाधनों की बचत करेंगे. स्पेस एलीवेटर्स से अंतरिक्ष यात्राओं में लगने वाली सकल लागत में बचत देखने को मिलेगी. इससे सैटेलाइट प्रक्षेपण, जहाजों, और एस्ट्रोनॉट्स भेजने में मदद मिलेगी.

नहीं देखा होगा ऐसा अनोखा स्कूल, यहां सिर्फ एक छात्र और उसको पढ़ा रहे दो शिक्षक, सरकार करेगी बंद!

उत्तराखंड के नैनीताल जिले के घुग्घूखाम में स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में बीते कुछ साल में छात्रों की संख्या कम हुई है. यह संख्या कम होते-होते सिर्फ एक छात्र तक पहुंच गई है. इस स्कूल में सिर्फ एक छात्र है, जिसकी पढ़ाई का जिम्मा दो शिक्षकों पर है. आमतौर पर सरकारी स्कूलों में टीचरों की कमी के कारण पढ़ाई प्रभावित होने की बात सामने आती है, पर नैनीताल जिले में स्थित एक प्राथमिक विद्यालय की तस्वीर कुछ अलग है. यहां एक छात्र को पढ़ाने के लिए दो शिक्षक तैनात हैं. जिला मुख्यालय से लगभग 19 किलोमीटर दूर घुग्घूखाम ग्राम सभा में 500 से अधिक की आबादी है. इस ग्राम सभा के बच्चों के लिए सबसे पास यही प्राइमरी स्कूल है, लेकिन सवाल यह उठता है कि पूरी ग्राम सभा में सिर्फ एक प्राथमिक विद्यालय होने के बावजूद भी बच्चों की संख्या इतनी कम क्यों है.

साल दर साल हाल कम हुई छात्रों की संख्या

प्राइमरी स्कूल की प्रिंसिपल शबाना सिद्दीकी बताती हैं कि अभिभावक खुद अपने बच्चों का नाम कटवा कर शहर में स्थित प्राइवेट स्कूलों में भेज रहे हैं. उन्होंने बताया कि इस तरह धीरे-धीरे हमारे स्कूल में बच्चों की संख्या कम होती गई और आज पूरे स्कूल में सिर्फ एक बच्चा है, जिसकी पढ़ाई का जिम्मा दो टीचरों पर है.

दुनिया का आठवां अजूबा...चूल्हे पर नहीं, सिर पर आग जलाकर बना लेता है चाय, गजब है ये इंसान

कलाकारी दिखाने की कोई उम्र नहीं होती है. यह बात मध्य प्रदेश में आज भी चरितार्थ होते दिखाई दे रही है. महाराष्ट्र के जामभोरा गांव के रहने वाले किसान दौलत राव पाटिल के बेटे पिछले 10 वर्षों से अपने सिर पर आग लगाकर चाय बनाने की कलाकारी लोगों को दिखा रहे हैं. अब लोग भी उनकी कलाकारी के दीवाने हो गए हैं. उनका जिस भी स्थान पर कार्यक्रम होता है वहां पर लोगों की भीड़ लग जाती है. वे निशुल्क कार्यक्रमों में अपनी सेवा देते हैं. जब लोकल 18 ने बुजुर्ग कलाकार शंकर दौलतराव पाटिल से बात की तो उन्होंने बताया कि मेरे पिता किसान है. मैं भी खेती करता हु. अब मैं पिछले 10 वर्षों से अपने सिर पर आग जलाकर चाय बना रहा हूं. मैं करीब आधे घंटे तक अपने सिर पर आग जला कर रखता हूं. यह कलाकारी मुझे गॉड गिफ्ट मिली है. ब्रह्माकुमारी आश्रम बुरहानपुर मैं बीके मंगल दीदी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में निशुल्क सेवा दे रहा हूं. मेरे द्वारा मानसरोवर मेले में यह कलाकारी दिखाई गई. मेरी कलाकारी देखने के लिए मध्य प्रदेश महाराष्ट्र और गुजरात के भक्त भी इस मेले में शामिल हुए. लाकार का कहना है कि सबसे पहले 10 वर्ष पहले मेने माउंट टापू में इस कलाकारी को सीखा था. यह कलाकारी मैं सीख कर बताना शुरू की. सबसे पहले मैं कपड़े की चंबल बनाता हूं. जिसमें मिट्टी का तेल डालता हूं. उसके बाद आग लगाता हूं. और सर पर एक गिला कपड़ा रखता हूं. एक मिट्टी का लेयर अपने सिर पर डालता हूं. जिससे आधे घंटे तक यह आग जलती रहती है.

कांग्रेस प्रवक्ता ने केरल में कैंडिडेट सिलेक्शन पर सवाल उठाया

सिर्फ एक महिला को टिकट क्यों; प्रदेश अध्यक्ष का जवाब-उनकी हैसियत क्या है

तिरुवनंतपुरम, 11 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी ने 8 मार्च को 8 राज्य और 1 केंद्र शासित प्रदेश की 39 लोकसभा सीटों पर प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी की थी। इसमें सबसे ज्यादा केरल से 16 प्रत्याशियों के नाम थे। पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने इस पर सवाल उठाए हैं। शमा ने कहा- केरल से सिर्फ एक महिला को ही टिकट क्यों दिया गया?

शमा ने केरल के कन्नूर में कहा- कांग्रेस पहली पार्टी थी, जिसने महिला आरक्षण बिल संसद में पेश किया था। इसके बावजूद हमारी ही पार्टी की केरल की कैंडिडेट लिस्ट में सिर्फ एक महिला का नाम है। पिछले लोकसभा चुनाव में हमने 2 महिलाओं को टिकट दी थी। केरल कांग्रेस अध्यक्ष के. सुधाकरन ने शमा के बयान का जवाब दिया है। सुधाकरन ने कहा- शमा मोहम्मद की पार्टी में कोई हैसियत नहीं है।

वो पार्टी में भी नहीं है। वो सिर्फ टीवी चैनलों पर कांग्रेस का पक्ष रखती हैं। उधर, भाजपा ने कहा कि कांग्रेस कभी महिला आरक्षण बिल को लेकर सीरियस ही नहीं थी।

बीजेपी ने केरल की 12 उम्मीदवारों की लिस्ट में 3 महिलाओं को टिकट दिए हैं। वहीं, लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) ने 20 में से 2 महिलाओं को कैंडिडेट बनाया है।

शमा बोलीं-दूसरी पार्टियों में जा रहे महिलाओं के वोट्स

शमा ने कहा-केरल के पलक्कड़ जिले से अलाथुर सीट से राम्या हरिदास एक अकेली महिला नेता हैं, जिसे टिकट दिया गया है। वो भी इसलिए क्योंकि अलाथुर एससी कम्युनिटी के लिए आरक्षित सीट है। मैं शिकायत नहीं कर रही हूं, बस पार्टी से मांग कर रही हूं कि महिलाओं के वोट पाने के लिए हमें उन्हें ज्यादा टिकट देना चाहिए। फिलहाल दूसरी पार्टियों को ये वोट्स जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वायनाड से सांसद राहुल गांधी भी कई बार बोल चुके हैं कि राजनीति में महिलाओं की हिस्सेदारी को बढ़ाना चाहिए। उन्होंने हाल ही में कोच्चि में महिला कांग्रेस के प्रोग्राम में कहा था कि अगले 10 साल में देश के 50% से ज्यादा मुख्यमंत्री के पदों पर महिलाएं होनी चाहिए। मैं चाहती हूं कि केरल के कांग्रेस नेता भी इस बात को माने।

8 मार्च को आई थी कांग्रेस की पहली लिस्ट

कांग्रेस पार्टी ने पहली लिस्ट में केरल की 20 में से 16 सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं। राहुल गांधी को वायनाड और तिरुवनंतपुरम से तीन बार के सांसद शशि थरूर को चौथी बार टिकट दिया गया है। इसके अलावा पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल अलपुझा से चुनाव लड़ेंगे।

ज्ञानवापी के बाद अब धार भोजशाला का सर्वे होगा

हाईकोर्ट ने दिया आदेश

इंदौर, 11 मार्च (एजेंसियां)। ज्ञानवापी की तर्ज पर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने धार भोजशाला का सर्वे कराने के आदेश दे दिए हैं। इस मुद्दे पर सुनवाई के बाद सोमवार को कोर्ट ने आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया को पांच एक्सपर्ट की टीम बनाने को कहा है। छह सप्ताह में इस टीम को अपनी रिपोर्ट बनाकर सौंपनी होगी। बता दें कि अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने मामले को लेकर ट्वीट किया है। उन्होंने आदेश की कॉपी के साथ लिखा है कि मध्य प्रदेश में भोजशाला/धार के एएसआई सर्वेक्षण के लिए मेरे अनुरोध को इंदौर उच्च न्यायालय ने अनुमति दे दी है...। गौरतलब है कि हिंदू पक्ष की ओर से इसका पुरातात्विक सर्वेक्षण कराने की मांग की गई थी। जिस पर इंदौर हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था, हिंदू पक्ष ने यहां होने वाली नमाज पर भी रोक लगाने की मांग की थी। यह भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण यानी एएसआई द्वारा संरक्षित स्मारक है, जिसका नाम राजा भोज पर रखा गया था। धार की भोजशाला राजा भोज ने बनवाई थी। जिला प्रशासन की वेबसाइट के अनुसार यह एक यूनिवर्सिटी थी, जिसमें वाग्देवी की प्रतिमा स्थापित की गई थी। मुस्लिम शासक ने इसे मस्जिद में बदल दिया था। इसके अवशेष प्रसिद्ध मौलाना कमालुद्दीन मस्जिद में भी देखे जा सकते हैं। यह मस्जिद भोजशाला के कैंपस में ही स्थित है जबकि देवी प्रतिमा लंदन के म्यूजियम में रखी है।

हिंदू मुस्लिम दोनों पक्षों को अनुमति

भोजशाला में मुस्लिम पक्ष को नमाज पढ़ने के लिए दोपहर एक से तीन बजे तक प्रवेश दिया जाता है। वहीं मंगलवार को हिंदू पक्ष को पूजा-अर्चना करने की अनुमति है। दोनों पक्षों को इसके लिए निःशुल्क प्रवेश है। बाकी के दिनों में एक रुपए का टिकट लगता है। इसके अलावा वसंत पंचमी पर सरस्वती पूजा के लिए हिंदू पक्ष को पूरे दिन पूजा और हवन करने की अनुमति है।

गैस कीमतों पर बोलते हुए फिसली कांग्रेस नेता की जुबान, पीएम मोदी को कहे अपशब्द

बेंगलुरु, 11 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री मोदी ने महिला दिवस के मौके पर घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में 100 रुपये कम करने का एलान किया था। केंद्र सरकार ने दावा किया था कि इस फैसले से देश की आधी आबादी को फायदा होगा। हालांकि उनके इस एलान के साथ ही विपक्ष केंद्र पर हमलावर हो गया। विपक्ष ने इसे चुनावी जुमला करार देते हुए बड़े आरोप लगाए थे। इस बीच, कर्नाटक कांग्रेस के नेता जीएस मंजूनाथ ने गैस कीमतों में कमी को लेकर बिना प्रधानमंत्री मोदी का नाम लिए उनके खिलाफ आपत्तिजनक बयान देते हुए हमला किया है।

दो पूर्व कांग्रेस विधायकों ने भाजपा जॉइन की

पूर्व सीएम कैलाश जोशी के बेटे दीपक भी छोड़ेंगे कांग्रेस

भोपाल, 11 मार्च (एजेंसियां)। पन्ना के गुनौर से कांग्रेस विधायक रहे शिवदयाल बागरी और सागर जिले की खुरई सीट से विधायक रहे अरुणोदय चौबे ने सोमवार को भाजपा जॉइन कर ली। पूर्व सीएम कैलाश जोशी के बेटे और भाजपा से तीन बार विधायक रहे दीपक जोशी भी एक बार फिर भाजपा जॉइन करेंगे। अलीराजपुर जिले में 6 बार सरपंच और 3 बार जनपद सदस्य रहे भील नेता कमरू भाई ने भाजपा जॉइन कर ली। उन्होंने सीएम डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, न्यू जॉइनिंग टोली के संयोजक नरोत्तम मिश्रा, मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, नागर सिंह चौहान, सागर की लोकसभा प्रत्याशी लता वानखेड़े के सामने सदस्यता ली।

बता दें, शनिवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, पूर्व सांसद गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी, इंदौर के पूर्व विधायक संजय शुक्ला, विशाल पटेल, अर्जुन पलिया और सतपाल पलिया ने भाजपा जॉइन कर ली थी। दीपक विधानसभा चुनाव से पहले 6 मई 2023 को कांग्रेस में शामिल हो गए थे। दीपक ने दैनिक भास्कर से कहा- मैं तो सुबह का भूला हूं, शाम को घर लौट रहा हूं। शिवदयाल बागरी कांग्रेस के टिकट पर

2018 में गुनौर से विधायक बने थे। 2023 में कांग्रेस ने उनका टिकट काटकर जीवन लाल सिद्धार्थ को दे दिया था। टिकट कटने के बाद से ही शिवदयाल नाराज चल रहे थे। शिवदयाल बागरी इससे पहले विधानसभा चुनाव के पूर्व चर्चा में आए थे, तब उनका राई डांसर के साथ नाचते हुए वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो भाजपा प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। बागरी इस वीडियो में होठों में नोट दबाकर नाचते दिख रहे हैं। इस पर उन्होंने कहा था कि वीडियो पुराना है। गुनौर सीट से सपा की विधानसभा प्रत्याशी रहीं अमिता बागरी ने भी तीन दिन पहले बीजेपी में घर वापसी की है। सागर जिले की खुरई सीट से कांग्रेस के विधायक रहे अरुणोदय चौबे विधानसभा चुनाव में खुरई सीट से मुख्य दावेदार माने जा रहे थे, लेकिन उन्होंने चुनाव के कुछ महीने पहले ही कांग्रेस के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया था। कांग्रेस ने खुरई में रक्षा राजपूत को प्रत्याशी बनाया था। इस लोकसभा चुनाव में अरुणोदय सागर सीट से कांग्रेस के मजबूत दावेदार माने जा रहे थे, लेकिन उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया के जरिए अपनी उम्मीदवारी से कदम पीछे खींच लिए थे। लोकसभा उम्मीदवारी से चौबे के सरेंडर किए जाने के बाद अब कांग्रेस को नए सिरे से सागर सीट पर मजबूत उम्मीदवार खोजने की चुनौती बढ़ गई है।कांग्रेस छोड़ने के बाद अरुणोदय चौबे ने कहा, पीएम नरेंद्र मोदी के प्रभाव के चलते भाजपा में आया हूं। कांग्रेस से विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने पर बोले, मेरी व्यक्तिगत वजह थी। लोकसभा के लिए भी मेरा नाम कांग्रेस में पहले नंबर पर था, लेकिन मैं भाजपा कैंडिडेट को सपोर्ट करना चाहता हूं।

उम्मीदवारों के चयन को लेकर तृणमूल में घमासान, सयंतिका बनर्जी ने दिया इस्तीफा

कोलकाता, 11 मार्च (एजेंसियां)। आगामी लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन को लेकर तृणमूल कांग्रेस में आंतरिक कलह शुरू हो गई है। पार्टी के उम्मीदवारों की सूची की घोषणा रविवार दोपहर में की गई।

घोषणा के कुछ घंटों बाद, पार्टी की राज्य महासचिव और अभिनेत्री से नेता बनी सयंतिका बनर्जी ने पद से इस्तीफा दे दिया। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बख्शी को भेजे गए इस्तीफे में उन्होंने कहा है कि व्यक्तिगत कारणों से उन्होंने इस्तीफा दिया है।

पार्टी के उनके करीबी सूत्रों ने कहा कि अपने इस्तीफे में, बनर्जी ने विस्तार से बताया है कि कैसे उन्होंने पार्टी लाइन के अनुसार काम किया और तीन वर्षों से नियमित रूप से पार्टी कार्यक्रमों में भाग लिया। दरअसल, उनकी नाराजगी अभिषेक बनर्जी द्वारा उम्मीदवारों की सूची घोषित करने के तुरंत बाद ही स्पष्ट हो गई थी। वह ब्रिगेड परेड मैदान में मेगा रैली में मौजूद थीं, जहां से उम्मीदवारों की घोषणा की गई। इस घोषणा के बाद उन्हें गंभीर चेहरे के साथ

कार्यक्रम स्थल से बाहर निकलते और अपने मोबाइल फोन पर किसी से बात करते देखा गया। बनर्जी ने 2021 में पश्चिम बंगाल में बांकुरा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा, हालांकि, वह हार गईं। इसके बाद उन्हें पार्टी का राज्य महासचिव बनाया गया। बनर्जी ने जहां अपना इस्तीफा दे दिया है, वहीं उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर लोकसभा क्षेत्र से मौजूदा सांसद अर्जुन सिंह ने तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व पर उनसे किए गए वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया है। सिंह का नाम उम्मीदवारों सूची से हटा दिया गया है और उनके स्थान पर पार्टी ने राज्य के सिंचाई मंत्री पाठा भौमिक को उम्मीदवार बनाया है। लोकसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस छोड़ने के बाद 2019 में अर्जुन सिंह भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुने गए। लेकिन 2022 में अभिषेक बनर्जी की मौजूदगी में वह फिर से तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए। सिंह ने आरोप लगाया है कि जब वह 2022 में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए, तो उन्हें बैरकपुर से उम्मीदवार बनाने का वादा किया गया था।

लेकिन अब मुझे क्षेत्र से बाहर का बताते हुए टिकट देने से इनकार कर दिया गया है। पार्टी का फैसला मेरे लिए काफी चौंकाने वाला है। उन्होंने कहा, अगर मुझे पहले बताया गया होता, तो मैं पार्टी में शामिल नहीं होता। बार-बार पूछे जाने के बावजूद वह अपने अगले राजनीतिक कदम के बारे में चुप रहे। अर्जुन सिंह के सहयोगी बैरकपुर से भौमिक को उम्मीदवार बनाए जाने का विरोध कर रहे हैं।

सु वि चा र
आवाज ऊंची होगी तो कुछ लोग ही सुनेंगे, लेकिन अगर बात ऊंची होगी तो बहुत लोग सुनेंगे।

सीएम रेवंत ने यदागिरिगुट्टा मंदिर का दौरा किया

यदाद्रि, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को यदाद्री भोनगिर जिले के यदागिरिगुट्टा में श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर का दौरा किया। उन्होंने 11 मार्च से 21 मार्च तक आयोजित होने वाले मंदिर के वार्षिक ब्रह्मोत्सवम से संबंधित अनुष्ठानों में भी भाग लिया। मुख्यमंत्री अपनी पत्नी के साथ बेगमपेट हवाई अड्डे से विशेष विमान से यादगिरिगुट्टा मंदिर आये।

मुख्यमंत्री के रूप में पहली बार मंदिर आए रेवंत रेड्डी का मंदिर कर्मचारियों ने भव्य स्वागत किया। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, उत्तम कुमार रेड्डी और कोंडा सुरेखा, सरकारी सचेतक बीरला इलैया, कांग्रेस विधायकों और अधिकारियों के साथ, रेवंत रेड्डी ने पीठासीन देवता को रेशम के कपड़े चढ़ाए और विशेष पूजा की। मुख्यमंत्री दंपत्ति ने मंदिर के पुजारियों द्वारा प्रस्तुत वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी से आशीर्वाद लिया।

मेडचल रोड कल्लाकल स्थित श्री आईजी गौशाला में अमावस्या के अवसर पर गौ सेवा करते हुए गौशाला के संस्थापक ताराराम सिरवी, मारवाड़ी युवा मंच मेडचल शाखा के अध्यक्ष गोगाराम सिरवी, भीकाराम गुर्जर, चिमनाराम, सोहनलाल, मोहनलाल, राजेश सिरवी, मांगीलाल आदि ने धर्म लाभ लिया।

जनता कांग्रेस सरकार को दंडित करेगी : पोन्नाला लक्ष्मैया

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस पार्टी के नेता पोन्नाला लक्ष्मैया ने आज सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी को चेतावनी दी कि अगर चुनाव अभियान के दौरान किए गए वादों को लागू नहीं किया गया तो उन्हें लोगों से सजा भुगतनी पड़ेगी। लक्ष्मैया ने सोमवार को तेलंगाना भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य में किसानों की समस्या गंभीर है और राज्य सरकार द्वारा नदी जल की कोई समीक्षा नहीं की गई है। उन्होंने जलाशयों में पानी नहीं होने पर अधीरता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को सत्ता में आए 90 दिन से अधिक हो गए हैं। उन्होंने सिंचाई जल के प्रति उपेक्षापूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाया। वे लोगों से झूठ बोलकर सत्ता में आए। एक बार फिर, वे वही झूठ बोलकर वोट पाने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने जवाब मांगा कि समुद्र में चार टीएमसी पानी क्यों छोड़ा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि 3,000 करोड़ रुपये की लागत से बनी मेडीगड्डा में बीआरएस पार्टी पर 1 लाख करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार का आरोप है। उन्होंने कहा कि गर्मी से पहले ही राज्य में बिजली कटौती शुरू हो गयी थी। उन्होंने सुझाव दिया कि सत्तारूढ़ दल के नेताओं को झूठ बोलना बंद कर लोगों की सेवा करनी चाहिए।

किशन रेड्डी आज लेजर आधारित ध्वनि और प्रकाश शो राष्ट्र को समर्पित करेंगे

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी आज राज्य की राजधानी के निवासियों को हुसैन सागर में लेजर आधारित ध्वनि और प्रकाश शो समर्पित करेंगे। लाइट शो में विश्व प्रसिद्ध कोहिनूर हीरे की कहानी होगी। यह सर्वविदित तथ्य है कि कोहिनूर हीरा तेलंगाना की धरती पर पाया गया था। राज्यसभा सांसद और प्रसिद्ध लेखक विजयेंद्र प्रसाद और एसएस ने कोहिनूर हीरे के बारे में कहानी लिखी थी। प्रसिद्ध पार्श्व गायिका ने कहानी के लिए अपनी आवाज दी और प्रसिद्ध संगीत निर्देशक वंदेमातरम श्रीनिवास ने कहानी का संगीत तैयार किया। पूरे देश में यह पहली बार है कि हमें झील की लहरों पर बैठा हुआ दिखाया गया है। अधिकारियों ने आयोजन स्थल पर 800 से 1000 लोगों के बैठने के लिए उचित साइनेज लगाए हैं। राज्य के पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव और अन्य लोग भी शो में हिस्सा लेंगे।

ऊंची जाति के कांग्रेस नेता कर रहे हैं डिप्टी सीएम का अपमान : बीआरएस पार्टी

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य विपक्षी बीआरएस पार्टी ने आज दावा किया कि कांग्रेस पार्टी के ऊंची जाति के नेताओं ने यदाद्री मंदिर की यात्रा के दौरान राज्य के डिप्टी सीएम मल्लू भट्टी विक्रमार्क और राज्य मंत्री कोंडा सुरेखा का अपमान किया था।

बीआरएस पार्टी के नेता बाल्का सुमन, देवी प्रसाद और वासु देवा रेड्डी ने तेलंगाना भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि डिप्टी सीएम और कोंडा सुरेखा को सीएम ए रेवंत रेड्डी सहित कांग्रेस के उच्च जाति के नेताओं ने फर्श पर बैठाया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सीएम की पत्नी को डिप्टी सीएम के बगल वाली कुर्सी पर बैठाया गया।

सीएस ने राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति की तेलंगाना यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक की और 15 मार्च से राष्ट्रपति की तेलंगाना राज्य की यात्रा के संबंध में की जाने वाली व्यवस्थाओं की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को यह भी बताया कि भारत के उपराष्ट्रपति भी 16 मार्च को तेलंगाना का दौरा करेंगे और अधिकारियों को यह सुनिश्चित करते हुए कि संबंधित विभागों के बीच पूर्ण समन्वय है, सभी व्यवस्थाएं पहले से ही उचित तरीके से करने का निर्देश दिया। उन्होंने पुलिस विभाग को ब्लू बुक के अनुसार पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, कानून व्यवस्था, यातायात और बंदोबस्त व्यवस्था करने को कहा। इसी प्रकार एयरपोर्ट, राजभवन एवं सभी आयोजन स्थलों पर अग्निशमन की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाय। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सहायक कर्मचारियों के साथ महिला चिकित्सक की सेवाएं उपलब्ध कराने और कार्यालय की आवश्यकताओं के अनुसार आवश्यक चिकित्सा व्यवस्था करने के लिए कहा गया। इसी तरह, आर एंड बी विभाग को छावनी बोर्ड और जीएचएमसी के अधिकारियों के साथ समन्वय में भारत के राष्ट्रपति के काफिले द्वारा उपयोग किए जाने वाले आकस्मिक मार्गों सहित सड़कों की मरम्मत करने के लिए कहा गया था। आर एंड बी विभाग के अधिकारियों को पुलिस के साथ समन्वय में राष्ट्रपति निलयम और राजभवन में आवश्यक व्यवस्था करने के लिए भी कहा गया। ऊर्जा विभाग को सभी स्थानों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में डीजीपी रवि गुप्ता, प्रधान सचिव गृह जितेंद्र, सचिव राजनीतिक रघुनंदन राव, टीएसपीडीसीएल के सीएमडी मुशर्रफ और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

कांग्रेस उपमुख्यमंत्री का अपमान करने के बीआरएस पार्टी के अभियान की निन्दा की

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मल्लू रवि ने बीआरएस पार्टी द्वारा कथित तौर पर सोशल मीडिया पर प्रसारित किए जा रहे दुर्भावनापूर्ण अभियान की निंदा की है कि सोमवार को यादगिरिगुट्टा मंदिर के दर्शन के दौरान उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क का मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा अपमान किया गया था। बीआरएस पार्टी ने अपने ट्वीट में आरोप लगाया कि यदागिरिगुट्टा मंदिर में दर्शन के दौरान उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क फर्श पर बैठे, जबकि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और अन्य मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी और उत्तम कुमार रेड्डी कुर्सियों पर बैठे। सोमवार को यहां एक प्रेस विज्ञप्ति में मल्लू रवि ने दलितों के प्रति घड़ियाली आंसू बहाने के लिए बीआरएस पार्टी की आलोचना की और कहा कि विपक्षी दल को दलितों के बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है।

कांग्रेस नेता ने कहा, हर कोई जानता है कि कांग्रेस पार्टी ने एक दलित नेता को उपमुख्यमंत्री का पद दिया है। इसी तरह, लोग जानते हैं कि बीआरएस सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान दलित नेताओं का किस तरह अपमान किया है।

पिछले बीआरएस शासन में, भट्टी विक्रमार्क को विधानसभा में कांग्रेस के फ्लोर लीडर का दर्जा देने से इनकार कर दिया गया था और उन्हें हर तरह से अपमानित किया गया था। यादगिरिगुट्टा में, नलगोंडा जिले के मंत्रियों को मुख्यमंत्री के बगल में बैठाया गया था। भद्राचलम में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क बैठे थे। किसी का अपमान नहीं किया गया है और यह प्रचार पूरी तरह से बीआरएस पार्टी द्वारा बनाया गया है।

कृषि विकास सहित ग्रामीण क्षेत्र में समृद्धि में एफपीओ का योगदान सराहनीय : श्रीमती रश्मी ए. दराद

हैदराबाद, 11 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी -भाकृअनुप (नार्म) राजेन्द्रनगर हैदराबाद के टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर ए-आयडिया ने "एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट" विकास कार्यक्रम (एबीएमडीपी)" लॉन्च किया।

इस संदर्भ में, नार्म के वरिष्ठ आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, उपरोक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में नाबार्ड, महाराष्ट्र क्षेत्रीय कार्यालय मुख्य महाप्रबंधक श्रीमती रश्मी ए दराद उपस्थित हुई। जिसमें मुख्य अतिथि श्रीमती रश्मी ए दराद ने अपने संबोधन कहा कि, जो एफपीओ(किसान उत्पादक संगठन) के संभावित सीईओ के लिए एक अनूठा पचास दिवसीय पाठ्यक्रम है। जिसे नाबार्ड, महाराष्ट्र क्षेत्रीय कार्यालय के सहयोग से नार्म में लॉन्च किया गया। उपरोक्त पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अभ्यर्थियों द्वारा उद्यमशीलता कौशल, विपणन और रणनीतिक प्रबंधन, एफपीओ कानूनी अनुपालन के बारे में तत्संबंधित निर्णय लेने, विश्लेषणात्मक, समस्या-समाधान विकसित करना है तथा अभ्यर्थियों को एबीएम दृष्टिकोण और उद्यमशीलता की दक्षताओं से परिचित कराना है एवं जिसमें सबसे महत्वपूर्ण तौर पर प्रशिक्षित अभ्यर्थियों को समस्त महाराष्ट्र राज्य में एफपीओ के लिए सीईओ के रूप में नियुक्त किया जाए। इस कार्यक्रम के लिए 18% आवेदकों में से लगभग 30 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष, ए-आइडिया व निदेशक, आईसीएआर-नार्म हैदराबाद डॉ. श्रीनिवास राव चौधरी ने की। जिसमें ए-आइडिया सीईओ व ईएसएम डिवीजन प्रमुख व आईसीएआर-एनएएआरएम प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस. सेंथिल विनायगम ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का गर्मजोशी से स्वागत किया और कहा कि, गत 2 बैचों के लगभग 62 प्रशिक्षु, जो दोनों तेलंगाना व आंध्र प्रदेश राज्यों में एफपीओ के सीईओ के रूप में अपनी भूमिका निभाते हुए उत्कृष्ट रूप से कार्यरत हैं।

इस कार्यक्रम में जिन अन्य संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया उनमें नाबार्ड अधिकारीगण, मेन्टर्स, नार्म संकाय और ए-आइडिया कर्मचारीगण शामिल हैं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, 15433781Y HAV Dharmender want to change my mother name and DOB Krishna 01/01/1962 instead of krishana 10/03/1972 mentioned in my army service records.

I,15433781Y HAV Dharmender want to change my father DOB Ishwar 20/03/1962 instead of Ishwar 05/08/1970 mentioned in my army service record.

I, P Krishnaveni, Spouse of IC-41299M Col Patri Gopala Krishna (Retd) resident of 1-29-51/L-16 AWHO Colony Ved Vihar Subash Nagar Trimulgherry, Pin- 500015 have changed my name from P Krishnaveni to Patri Krishnaveni vide Affidavit dated 09/03/2024 before City Civil Court, West Marredpally Secunderabad.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

गुजरात के अधिकारियों के लिए एक्सपोजर विजिट-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम

डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान में आज से शुरू

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान, तेलंगाना 11 से 16 मार्च, 2024 तक गुजरात के नव भर्ती राजपत्रित अधिकारियों (समूह I और II) के लिए एक एक्सपोजर विजिट-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। गुजरात राज्य के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों से संबंधित 50 से अधिक अधिकारी एक्सपोजर विजिट में भाग ले रहे हैं। यात्रा के एक भाग के रूप में अधिकारी हैदराबाद में कई संस्थानों का दौरा करेंगे, जिनमें तेलंगाना राज्य पुलिस एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र, टी-हब, शिल्परामम, तेलंगाना सचिवालय, रामोजी फिल्म सिटी आदि शामिल हैं। एक महफ़िल-ए-ग़ज़ल कार्यक्रम वारसी ब्रदर्स द्वारा भी आयोजित किया गया था। डॉ. शशांक गोयल महानिदेशक, डॉ. एमसीआर जीआरडी संस्थान और तेलंगाना सरकार के विशेष मुख्य सचिव, जो उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि थे।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान की वर्षों से एक्सपोजर विजिट-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। डॉ. शशांक गोयल ने कहा कि एक्सपोजर विजिट-कम-ट्रेनिंग प्रोग्राम, जिसमें न केवल कक्षाओं के सत्र शामिल हैं बल्कि हैदराबाद में विभिन्न संस्थानों का दौरा भी शामिल है, अधिकारियों को तेलंगाना द्वारा संकल्पित और क्रियान्वित नीतियों और योजनाओं को समझने का एक दुर्लभ अवसर प्रदान करता है। अपने संबोधन को जारी रखते हुए, डॉ. शशांक गोयल ने कहा कि तेलंगाना राज्य अपनी नवीन योजनाओं के लिए देश भर में प्रसिद्ध है और इसे अन्य राज्यों में भी दोहराया जा सकता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि, गुजरात भी जीवंत राज्यों में से एक है और इसलिए, इसकी सफलता की कहानियों से सीखने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा, गुजरात और तेलंगाना राज्यों को आपसी भलाई के लिए अपनी-अपनी सफलता की कहानियों से सीखने की जरूरत है। डॉ. शशांक गोयल ने कहा कि एक्सपोजर विजिट-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम गुजरात के अधिकारियों को न केवल तेलंगाना राज्य की नीतियों और योजनाओं का अध्ययन करने बल्कि इसकी समृद्ध संस्कृति और विरासत को समझने का भी अवसर प्रदान करता है। पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. माधवी रावुलापति ने गुजरात के अधिकारियों का स्वागत किया और धन्यवाद प्रस्ताव भी दिया।

यूपी को 3666 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात

सीएम योगी बोले-लखनऊ सहित पूरे प्रदेश की बदलेगी तस्वीर

लखनऊ, 11 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अटल मेडिकल यूनिवर्सिटी सहित विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास लखनऊ सहित पूरे प्रदेश की तस्वीर बदल देगा। उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ देश के रक्षा तंत्र को मजबूत करेगा बल्कि युवाओं को रोजगार भी उपलब्ध कराएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को वर्चुअल माध्यम से 3,666 करोड़ की 206 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इस मौके पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित यूपी कैबिनेट के कई मंत्री मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि रिंग रोड बनने से लखनऊ में जाम की समस्या खत्म होगी। कानपुर से आने वालों को अयोध्या जाने के लिए लखनऊ के अंदर आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसी तरह पूरे प्रदेश के लोगों को फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे चौड़ी सड़क भाजपा सरकार ने बनाई। उन्होंने कहा कि लखनऊ में विकास कार्य की झड़ी लगी है। रक्षामंत्री ने पहले शहीद पथ बनवाया और अब रिंग रोड बनवा दिया है।

गोरखपुर में दरोगा को पीट-पीटकर मार डाला

गोरखपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। गोरखपुर में एक दरोगा की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। वह लखीमपुर के जिला कारागार में प्रधान बंदी रक्षक के पद पर तैनात थे।

उनका कसूर सिर्फ इतना था कि वे दो पड़ोसियों के बीच झगड़ा छुड़ाने पहुंचे थे। मारपीट के दौरान एक पक्ष ने डंडा से उन पर हमला कर दिया। जिससे वे घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। जहां पर उनकी मौत हो गई।

उन्होंने अभी कुछ दिनों पहले ही ओपन हार्ट सर्जरी कराए थी। उनकी मौत का सही कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। हार्ट अटैक से भी मौत की आशंका जताई जा रही है। क्योंकि उनके शरीर पर कोई गंभीर चोट के निशान नहीं हैं। पुलिस ने मृतक के भाई की तहरीर के आधार पर हत्या का केस दर्ज कर लिया है।

चुनाव से पहले वाराणसी पुलिस कमिश्नर बने मोहित अग्रवाल

> मुथा अशोक जैन को पुलिस भर्ती बोर्ड का जिम्मा
> यूपी एटीएस चीफ नीलाब्जा चौधरी बनाए गए

लखनऊ, 11 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले यूपी सरकार ने 3 बड़े आईपीएस अफसरों के ट्रांसफर किए हैं। वाराणसी पुलिस कमिश्नर मुथा अशोक जैन को हटा दिया गया है। उनकी जगह पर एटीएस चीफ मोहित अग्रवाल को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मुथा जैन को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती और प्रोन्नति बोर्ड में अपर पुलिस महानिदेशक बनाया गया है। वहीं, मोहित अग्रवाल की जगह पर आईपीएस नीलाब्जा चौधरी को एटीएस चीफ बनाया गया है।

मुथा अशोक जैन मूलरुप से आंध्र प्रदेश के गुंटूर के रहने वाले हैं। वो 1995 के बैच के आईपीएस अफसर हैं। उन्होंने बैंकिंग, अकाउंट्स और सांख्यिकी से बीकॉम किया है। वाराणसी में तैनाती से पहले मुथा जैन काफी समय तक एनसीबी (नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो) के चीफ थे। इनकी सुशांत सिंह सुसाइड केस में रिया चक्रवर्ती पर लगे ड्रग्स लेने के आरोपों की जांच में अहम भूमिका रही। इसके अलावा शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान पर लगे ड्रग्स लेने के आरोपों के दौरान भी एनसीबी की कमान मुथा जैन के हाथों में ही थी। परिवार की बात करें

मोहित अग्रवाल | मुथा अशोक जैन

तो मुथा जैन अशोक मुथा जैन की बेटी दीक्षा जैन आईएएस हैं। वह फिरोजाबाद में सीडीओ के पद पर तैनात हैं। दीक्षा जैन की यूपीएससी में 22वीं रैंक थी। उनकी पति अनुभव सिंह आईएएस अफसर हैं।

मोहित अग्रवाल 1997 बैच आईपीएस अफसर हैं। इससे पहले उनकी कानपुर रेंज में तैनाती चार जुलाई 2019 को हुई थी। करीब सवा 2 साल के लंबे कार्यकाल में उन्होंने कई बार पुलिस के लिए संकटमोचक की भूमिका निभाई। बिकरू कांड के बाद हुए वकीलों के साथ हुई पुलिस की पहली मुठभेड़ में मोहित अग्रवाल खुद शामिल रहे और दो बदमाशों को ढेर कर दिया। उन्हीं की निगरानी में कुख्यात विकास दुबे का किलानुमा घर पुलिस ने ढहा दिया था। पूरे मामले में पुलिस पर जब जब सवाल उठे, तब मोहित अग्रवाल ने आगे आकर बचाव किया। मोहित अग्रवाल के कार्यकाल में दूसरी बड़ी घटना फर्रुखाबाद में हुई थी। जब एक सिरफिरे ने जन्मदिन की पार्टी के बहाने पत्नी की मदद से गांव के दो दर्जन बच्चों को बंधक बना लिया। मोहित अग्रवाल सूचना मिलते ही फर्रुखाबाद पहुंचे और बच्चों को मुक्त कराया। इस घटना में किडनैपर पुलिस के हाथों मारा गया, जबकि उसकी पत्नी को गांव वालों ने पीट-पीटकर मार डाला था। दंपती की बेटी की मोहित अग्रवाल अब तक देखभाल कर रहे हैं।

गाजीपुर में एचटी लाइन के संपर्क में आने से बस में लगी आग, चार लोगों का मिला शव

गाजीपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में बड़ा हादसा हुआ है। यहां बस में लगी आग के बाद अभी तक पांच शव बाहर निकाले गए हैं। कई लोग झुलस गए हैं। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर चीख-पुकार मची है। हादसे का शिकार हुई बस बरातियों से भरी बताई जा रही है।

कुल 38 बराती बस में सवार थे। सूचना पाकर मौके पर मोबाइल फोरेंसिक टीम भी पड़ताल के लिए पहुंच गई है। इस हादसे में चार लोगों के मौत की पुष्टि हुई है, जिसमें दो पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। वहीं, दर्जनभर लोग झुलसे हुए हैं। दो लोगों की हालत गंभीर है, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। सूत्रों के अनुसार, बताया जा रहा है कि यहां एक निजी बस में आग आग लग गई है। एचटी लाइन के संपर्क में आने से बस हादसे का शिकार हो गई। आग की चपेट में आने से कई लोग झुलस गए हैं। हालांकि, अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। बस मऊ से एक वैवाहिक कार्यक्रम में जा रही थी। मरदह थाना के 400 मीटर के पास एचटी तार के संपर्क में आने से बस में आ आग लग गई। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी और पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह भी मौके पर पहुंच गए हैं। एसपी ने बताया कि गाड़ी जनपद के बाहर की है। यह घटना कैसे हुई है, देखा जा रहा है।

सीएम ने मुआवजे का किया ऐलान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गाजीपुर हादसे का संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने झुलसे लोगों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। सीएम के अनुसार, मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख की आर्थिक सहायता दी जाएगी। वहीं, झुलसे लोगों को 50-50 हजार की सहायता देने का ऐलान हुआ है। बस में सवार एक महिला ने कूदकर अपनी जाच बचाई। उसने बताया कि बस में महिलाओं के साथ बच्चे भी सवार थे। विवाह में जाने के लिए लोग हंसी-खुशी जा रहे थे। हादसा अचानक हुआ। जब तक लोग बचते तब तक आगे ने विकराल रुप ले लिया था। चंद सेकंड में पूरी आग जल उठी। दर्दनाक घटना की सूचना पर राज्य मंत्री अनिल राजभर ने अस्पताल में घायलों का हाल जाना। उन्होंने मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर आनंद मिश्रा को निर्देशित किया कि घायलों का त्वरित और उचित इलाज किया जाए। इससे पूर्व मौके पर पहुंचे एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने ग्रामीणों के बीच जाकर शांति बनाए रखने की अपील की।

प्रेमिका के पुराने प्रेमी की कैंची से गोदकर हत्या

मेरठ, 11 मार्च (एजेंसियां)। मेरठ में 20 दिन पहले बहसूमा में मिली युवक की अधजली लाश की पहचान कर पुलिस ने घटना का खुलासा कर दिया है। मामले में पुलिस ने 3 आरोपियों को अरेस्ट किया है।

जिसमें मृतक की प्रेमिका, उसका नया प्रेमी और एक अन्य युवक शामिल हैं। तीनों आरोपियों से पुलिस ने हत्या में प्रयोग हुई कैंची भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार लव ट्राएंगल में आरोपी ने हत्या को अंजाम दिया।

10 रुपए का लालच देकर 15 दिन रेप

सहरसा, 11 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के सहरसा में 10 रुपए का लालच देकर नाबालिग के साथ एक शख्स ने 15 दिनों तक रेप किया। बच्ची को आरोपी की पत्नी किसी बहाने से अपने पति के पास कभी दुकान तो कभी घर पर भेजा करती थी। पीड़िता का कहना है कि अंकल मेरे साथ गंदा काम करते थे। विरोध करने पर मां-पिता को जान से मारने की धमकी दी जाती थी।

जब लड़की की तबीयत बिगड़ी तो उसने सारी बात अपने घर वालों को बताई। मामला सदर थाना इलाके का है। रेप का आरोप पड़ोसी पर लगा है। पीड़ित बच्ची की मां का कहना है कि उसकी बेटी 5वीं क्लास में पढ़ती है। उसके पड़ोस की महिला भी उसी स्कूल में रसोइया है। वो लड़की को स्कूल से अपने पति की मेडिकल दुकान पर भेजती थी और गंदा काम करवाती थी। महिला का पति के 10- 20 रुपए का लालच देकर दुकान पर ही उसके साथ गंदा काम करता था। पीड़ित महिला थाने में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने आरोपी पत्नी को हिरासत में लिया है। पति फरार है।

भाजपा पीडीए का वोट लेना चाहती है सम्मान देना नहीं

अखिलेश बोले-ये चुनाव संविधान बचाने का है, गठबंधन की जीत होगी

लखनऊ, 11 मार्च (एजेंसियां)। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को भाजपा पर जोरदार हमला बोला। अखिलेश ने कहा, ₹यह जो नारा देते हैं सबका साथ सबका विकास, यह सबसे ज्यादा झूठ है।

जो लोग 46 में 56 की बात कहते थे आज बताएं वाइस चांसलर जो अप्वॉइंट हुए उसमें पीडीए कितने हुए? जिलों के अधिकारियों की पोस्टिंग में पीडीए कितने हैं? भाजपा पीडीए का केवल वोट लेना जानती है पर उन्हें हक और सम्मान नहीं देना चाहती। ये बातें अखिलेश यादव ने लखनऊ में सपा कार्यालय पर कांग्रेस के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कही। अखिलेश यादव ने भाजपा का नाम लिए बिना तंज कसते हुए कहा, ₹कहते हैं कि हम दुनिया की पांचवी अर्थव्यवस्था बन गए, विश्व गुरु बन गए। 80 करोड़ लोगों को राशन दे रहे हैं, 90 परसेंट लड़का पढ़ा लिखा बेरोजगार है। ना पीडीए का, ना किसान की आय दोगुनी का, ना महंगाई का और ना ही नौकरी का जवाब है भाजपा के पास।

यह चुनाव संविधान बचाने का है। आप देखना सबसे पहले जीत का जो संदेश आएगा वह सपा और गठबंधन का होगा। अखिलेश ने कहा, पूरे देश की जनता को इस बात की खुशी है कि सुप्रीम कोर्ट के माध्यम से कम से कम वह सूची आ जाएगी। जिससे पता लग जाएगा कि इलेक्टोरल बॉन्ड किसने दिए है, सवाल यह है कि वह सार्वजनिक हो पाएगा कि नहीं।

उत्तर प्रदेश में 17 सीटों के उम्मीदवारों के नाम पर मंथन

सोमवार को एक बार फिर यूपी कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने अखिलेश यादव से मुलाकात की। उनके साथ कांग्रेस नेता आराधना मिश्रा मोना भी थी। इस दौरान लोकसभा उम्मीदवारों को लेकर उत्तर प्रदेश में 17 सीटों पर नाम के ऐलान पर चर्चा की गई है। अजय राय ने बताया, हमने शीर्ष नेतृत्व को पत्र लिखकर अमेठी और रायबरेली से गांधी परिवार के सदस्य के चुनाव लड़ाए जाने की मांग की है।

मौलाना तौकीर रजा के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

कोर्ट ने गिरफ्तार कर पेश करने का दिया आदेश

बरेली, 11 मार्च (एजेंसियां)। बरेली में एडीजे प्रथम फास्ट ट्रैक रवि कुमार दिवाकर की कोर्ट ने सोमवार को आईएमसी (इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल) के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है। कोर्ट ने सीओ सिटी प्रथम को आदेश दिया है कि 13 मार्च तक मौलाना को वारंट तामील कराकर गिरफ्तार कर कोर्ट में हाजिर करें।

कोर्ट ने मौलाना तौकीर रजा को वर्ष 2010 के बरेली दंगे का मास्टरमाइंड बताकर सोमवार को तलब किया था। उनको सूचना देने के लिए समन जारी किया गया था। इसके बाद से प्रेमनगर व कोतवाली पुलिस ने मौलाना तौकीर के आवास के कई चक्कर लगाए, लेकिन वह नहीं मिले। रविवार शाम पुलिस फिर मौलाना तौकीर के आवास पर पहुंची थी। इंस्पेक्टर आशुतोष रघुवंशी ने बताया था कि मौलाना तौकीर रजा के घर पर कई दिनों से ताला पड़ा है। उनके परिजन भी नहीं मिले थे। मोबाइल नंबर भी या तो बंद रहता है या फिर कॉल रिसीव नहीं होती। पड़ोसियों के मुताबिक मौलाना लंबे वक्त से दिल्ली में हैं। इस वजह से समन तामील नहीं हो सका। इधर, सोमवार को मौलाना तौकीर रजा कोर्ट में हाजिर नहीं हुए। कोर्ट में हाजिर न होने पर मौलाना की मुश्किलें बढ़ गई हैं। एडीजे प्रथम फास्ट ट्रैक रवि कुमार दिवाकर ने मौलाना तौकीर रजा के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है। कोर्ट ने पुलिस से सवाल किया कि तौकीर रजा हाजिर होना नहीं चाहते या फरार हो गए हैं।

सुभासपा नेत्री की हत्या, कोतवाल-चौकी इंचार्ज लाइन हाजिर

कई पुलिसकर्मियों का तबादला, तीन आरोपी गिरफ्तार, एक फरार; एसआईटी जांच में जुटी

संतकबीर नगर, 11 मार्च (एजेंसियां)। जिले में हुई सुभासपा नेत्री के हत्याकांड में पुलिसकर्मियों पर एक्शन हुआ है। आईजी ने जब जिले के मातहतों की जमकर क्लास ली तो जिले की पुलिस जगी। उसके बाद आईजी ने आधा दर्जन से अधिक पुलिसकर्मियों के स्थानांतरण की और दो को लाइन हाजिर किया। उसके बाद ताबडतोड़ पुलिस की कार्यवाही शुरू हुई। देर रात तक नामजद तीन अभियुक्त को पुलिस गिरफ्तार कर लिया है। एक की तलाश में दबिश दी जा रही है। एक अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार पहले किया था।

दोपहर 3 बजे के करीब सुभासपा नेत्री नंदनी राजभर पत्नी अच्छे लाल की धारदार हथियार से गोदकर हत्या कर दी गई थी, जिसमें उनके चचेरे ससुर की 10 दिन पहले भी हत्या करने का आरोप परिजन लगा रहे है, जिसमे एक मार्च को मुकदमा भी दर्ज हुआ था । जब महिला नेत्री की हत्या की गई तो परिजन व ग्रामीण आक्रोशित हो उठे और भड़क गए। उसके बाद पुलिस की लापरवाही का आरोप लगाते हुए अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। इसके बाद मामला आईजी की संज्ञान में आया । तब आईजी ने घटनास्थल पर देर रात पहुंचे उसके बाद परिजनों से उनकी मांग की जानकारी की। परिजनों ने पुलिस के ऊपर शिथिलता बरतने का आरोप लगाया, जिस पर आईजी ने तुरंत संज्ञान लेते हुए कोतवाल बृजेंद्र प्रसाद पटेल को लाइन हाजिर कर दिया वही घटनास्थल जिस चौकी के अंतर्गत पड़ता है। वहां के प्रभारी अरविंद कुमार यादव प्रभारी चौकी औद्योगिक क्षेत्र को भी तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया। रामकृपाल सिंह को शहर का नया कोतवाल बनाया गया। अनिल पांडे को औद्योगिक क्षेत्र का नया चौकी प्रभारी बनाया गया। उप निरीक्षक श्यामदेव प्रसाद को कोतवाली खलीलाबाद से हटाकर प्रभारी चौकी कारागार और उप निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह को प्रभारी चौकी बिसोवा। उप निरीक्षक चंद्रशेखर यादव को थाना मेहदावल से महिला सहायता प्रकोष्ठ इन्वेस्टमेंट सेल बनाया गया।

भाजपा के 7 और सहयोगी दलों के तीन उम्मीदवारों ने भरा नामांकन

लखनऊ, 11 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानपरिषद में 13 सीटों के लिए हो रहे चुनाव के लिए सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सात और उसके सहयोगी दल रालोद, अपना दल और सुभासपा के एक-एक उम्मीदवार ने नामांकन किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और उपमुख्यमंत्री केशव और ब्रजेश पाठक मौजूद रहे। भाजपा की तरफ से विजय बहादुर पाठक, मोहित बेनीवाल, डॉक्टर महेंद्र सिंह, अशोक कटारिया, धर्मेंद्र सिंह राय, संतोष सिंह, रामतीरथ सिंहल ने नामांकन किया। राष्ट्रीय लोकदल की तरफ से योगेश चौधरी, अपना दल (एस) की तरफ से आशीष पटेल और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) की तरफ से विच्छे लाल राजभर को उमीवार बनाया गया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि विधानपरिषद में 13 रिक्त सीटों के लिए नामांकन की आज अंतिम तारीख है।

इसके लिए भाजपा ने सात उमीदवार उतारे हैं। जबकि तीन सीटें अपने सहयोगियों को दिया है। मुझे विश्वास है कि हमारे सभी उम्मीदवारों के जीतने के बाद पीएम मोदी के संकल्प को पूरा करेंगे।

सदन में झाड़ू लेकर पहुंची कांग्रेस पार्षद

6 महीने के लिए निष्कासित; मेयर बोलीं-2 मिनट में ठीक कर दूंगी

सदन में भिड़े महाना गुट के पार्षद

कानपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। कानपुर नगर निगम सदन की कार्यवाही सोमवार को शुरू होने से पहले ही हंगामेदार हो गई। बैठक में तब स्थिति असहज हो गई जब कांग्रेस की महिला पार्षद शालू कनौजिया झाड़ू लेकर सदन में पहुंच गईं। पार्षद शालू का कहना था कि वार्ड में विकास काम नहीं हो रहे हैं। वह सदन में झाड़ू लेकर बैठी रहीं। थोड़ी देर बाद मेयर पहुंचीं, तो झाड़ू देख वह नाराज हो गईं। मेयर ने पार्षद शालू को 6 महीने के लिए सदन से निष्कासित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने महिला पार्षद को सदन से बाहर किया।

सदन में बाहरी लोगों को देख मेयर नाराज हुई

सदन में पहुंचीं मेयर प्रमिला पांडेय ने कई बाहरी लोगों को देखा, जो पार्षदों के साथ आए थे। इस पर उन्होंने नाराजगी जताई। उन्होंने 2 बाहरी लोगों को सदन से बाहर कराया। साथ ही कहा- अगली बार कोई पकड़ा गया तो मुकदमा कराऊंगी। बाहरी लोग यहां न बैठें, वरना 2 मिनट में ठीक कर दूंगी। शालू के झाड़ू लेकर पहुंचने का कई पार्षदों ने विरोध किया। भाजपा के उप नेता सदन नवीन पंडित ने कहा कि यह अशोभनीय है। सदन में इस तरह झाड़ू लेकर आना उचित नहीं है। कृपया झाड़ू को बाहर ले जाएं। दो महिला पुलिसकर्मी भी सदन में पहुंच गईं और शालू कनौजिया से आग्रह किया कि झाड़ू बाहर लेकर जाएं। शालू ने किसी की बात नहीं मानी और झाड़ू लेकर सदन में बैठी रहीं। उन्होंने कहा कि अगर मेयर मना करेंगी, तो बाहर ले जाएंगे। मेयर ने आते ही एक्शन लिया। पुलिस बुलवाकर झाड़ू छिनवा ली और सदन से 6 महीने के लिए बाहर कर दिया।

सपा पार्षद ने मांगी अलग कुर्सी

सपा से 2 दिन पहले निष्कासित किए गए पार्षद अभिषेक गुप्ता मोनू सदन पहुंचे। मेयर से उन्होंने बैठने के लिए अलग कुर्सी की मांग उठाई। इस पर मेयर ने उनसे कहा कि ये आपकी पार्टी का मामला है। हालांकि मोनू भाजपा की लाइन में बैठ गए। उनका भाजपा में जाना भी लगभग तय है। वहीं, सदन में मेयर और नगर आयुक्त के बीच तल्खियां भी सामने आईं। मेयर ने नगर आयुक्त से सवाल किए कि जब नगर निगम निधि से स्ट्रीट लाइट लगाई जा सकती थी, तो दिवाली पर शहर को अंधेरे में क्यों रखा गया? मेयर ने कहा कि विधायक और सांसद के लोग नगर निगम आकर विकास कामों की 15-15 फाइलें बनवा रहे हैं।

राजस्थान के सीएम बोले-जल्द ही विश्व की सबसे बड़ी सांस्कृतिक नगरी बनेगी अयोध्या

अयोध्या, 11 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा कैबिनेट के साथ सोमवार को अयोध्या पहुंचे। उनके साथ 133 सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल आया है। वहीं, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला भी अयोध्या पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री व लोकसभा अध्यक्ष ने दशरथ कुंड पर 100 करोड़ की लागत से बनने वाले माहेश्वरी समाज की धर्मशाला की नींव रखी। सीएम ने कहा कि मैं पहले भी यहां कई बार आया। पहले रामलला के दर्शन टेंट में किए थे, लेकिन इस बार हमें रामलला के दर्शन भव्य दरबार में हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि 500 साल से रामलला टेंट में विराजमान थे। 22 जनवरी को भव्य मंदिर में विराजमान हुए। आने वाले समय में आप देखेंगे कि देश-दुनिया से आने वालों की कतार लगेगी। ये दुनिया की सबसे बड़ी सांस्कृतिक गौरव बढ़ाने वाली धरती होगी। मैं पहले भी यहां कई बार आया। पहले रामलला के दर्शन टेंट मे किए थे लेकिन इस बार हमें रामलला के दर्शन भव्य दरबार में प्राप्त होंगे। माहेश्वरी समाज लोगों के उत्थान का काम करता है। ये धर्मशाला श्रद्धालुओं की सेवा के लिए बहुत उपयोगी होगी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने कहा कि श्रीरामजन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन का सौभाग्य मिला है। अयोध्या ऊर्जा देने वाली, प्रेरणा देने वाली नगरी है। आज पूरे विश्व में भारत की सांस्कृतिक चेतना का जागरण हुआ। यह कालखंड हमारे लिए सौभाग्यशाली है। सदियों तक जिसका इंतजार करते रहे वह मंदिर आज बनकर तैयार है। भगवान राम का जीवन एक आदर्श जीवन है। इस कालखंड में नए भारत का उदय दुनिया देखेगी।

लोकसभा चुनाव-40% तक बढ़ेगी प्राइवेट हेलिकॉप्टर्स की मांग

किराया 2 लाख तक बढ़ सकता है; कम वक्त में दूर-दराज तक पहुंचने के लिए हेलिकॉप्टर पहली पसंद

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। देश में लोकसभा चुनाव की तैयारियां चल रही हैं। बीजेपी, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी समेत कई पार्टियों अपने उम्मीदवारों की लिस्ट घोषित कर रही हैं। वहीं उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में चार्टर्ड विमानों और हेलिकॉप्टरों की मांग पिछले चुनावों की तुलना में 40% तक बढ़ने की उम्मीद है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि फिक्स्ड-विंग प्लेन की तुलना में हेलिकॉप्टरों की डिमांड ज्यादा होगी, क्योंकि हेलिकॉप्टर कम समय में ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों तक पहुंच सकते हैं।

30 से 40% बढ़ेगी मांग, किराया भी होगा महंगा

बिजनेस एयरक्राफ्ट ऑपरेटर्स एसोसिएशन के मैनेजिंग ऑपरेटर कैप्टन आरके बाली ने बताया कि लोकसभा चुनाव के दौरान निजी चार्टर्ड प्लेन और हेलिकॉप्टरों की मांग पिछले चुनाव की तुलना में 30 से 40% बढ़ने की उम्मीद है। चार्टर्ड प्लेन और हेलिकॉप्टर सर्विस प्रति घंटे के हिसाब से पैसा लेती है। विशेषज्ञों की राय है कि चार्टर्ड प्लेन के लिए कीमतें 4.5 लाख से 5.25 लाख रुपए प्रति घंटे के बीच हो सकती हैं। वहीं, एक हेलिकॉप्टर के लिए प्रति घंटे का चार्ज करीब 1.5 लाख रुपए होता है, कुछ मामलों में प्रति घंटा दरें 3.5 लाख रुपए तक भी पहुंच रही हैं।

भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) को सौंपी गई 2019-20 के लिए पार्टी के एनुअल ऑडिट अकाउंट रिपोर्ट के अनुसार सत्तारूढ़ भाजपा ने विमान/हेलिकॉप्टर पर कुल 250 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए थे। जबकि इसी समय में कांग्रेस पार्टी ने 126 करोड़ रुपए चुनावों में खर्च किए थे। पार्टी ने हेलिकॉप्टर खर्चों की अलग से डीटेल नहीं दी थी।

नॉन शेड्यूल्ड का रोल अहम होगा

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर 2023 के आखिरी में 112 नॉन शेड्यूल्ड ऑपरेटर (एनएसओपी) थे। एनएसओपी ऐसी संस्थाएं हैं जिनका कोई विशेष निर्धारित कार्यक्रम नहीं होता है और जरूरत पड़ने पर उड़ान भरती हैं। इनके पास हेलिकॉप्टरों समेत लगभग 450 विमान होने का अनुमान है। इन ऑपरेटरों के पास 3 से 37 तक बैठने की क्षमता वाले प्लेन और हेलिकॉप्टर हैं।

जितनी उपलब्धता उससे ज्यादा होगी मांग

खबर के मुताबिक प्राइवेट कंपनी क्लब वन एयर के सीईओ राजन मेहरा ने बताया कि प्राइवेट प्लेन की मांग तेजी से बढ़ेगी और यह मांग चार्टर्ड प्लेन और हेलिकॉप्टरों की उपलब्धता से ज्यादा होने की उम्मीद है। चार्टर्ड प्लेन और हेलिकॉप्टरों की आपूर्ति सीमित है। बढ़ती मांग के कारण कुछ कंपनियां आम चुनावों के दौरान चार्टर्ड विमान और हेलिकॉप्टर पट्टे पर लेंगे, जिसके लिए आने वाले दिनों में तारीखों की घोषणा होने की उम्मीद है।

लोकसभा 2024 में 1.20 लाख करोड़ खर्च होने का अनुमान

चुनाव विश्लेषक एन भास्कर राव के मुताबिक आगामी लोकसभा चुनाव के दौरान कुल खर्च करीब 1.20 लाख करोड़ रुपए होने का अनुमान है।

उन्होंने कहा कि अकेले 2024 के लोकसभा चुनाव खर्च में लगभग एक लाख बीस हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसमें से भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) का मुश्किल से 20% खर्च होने का अनुमान है।

छिंदवाड़ा किसी हालत में नहीं छोड़ूंगा : कमलनाथ

छिंदवाड़ा, 11 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कमल नाथ ने जबलपुर से चुनाव लड़ाए जाने को लेकर चल रही चर्चाओं के जवाब में कहा कि छिंदवाड़ा को किसी भी हालत में नहीं छोड़ूंगा। कमल नाथ ने सोमवार को संवाददाताओं से उनके जबलपुर लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की चर्चाओं को लेकर सवाल किया तो उन्होंने साफ तौर पर कहा, ऐसा कोई प्लान नहीं है। मैं छिंदवाड़ा किसी भी हालत में नहीं छोड़ूंगा। राज्य में कांग्रेस के तमाम बड़े नेता पार्टी छोड़कर भाजपा का दामन थाम रहे हैं और आने वाले समय में भी कई नेताओं के भाजपा में जाने की संभावनाएं बनी हुई हैं। इस पर कमल नाथ का कहना है कि सुरेश पचौरी शामिल हुए हैं, उनकी मर्जी है। अरुणोदय चौबे ने तो पहले ही कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। ज्ञात हो कि छिंदवाड़ा क्षेत्र के कई नेता कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जा चुके हैं। पार्षदों ने अभी हाल ही में भाजपा का दामन थामा है। उसके बाद से ही कमल नाथ के आगामी लोकसभा चुनाव जबलपुर से लड़ने की चर्चा जोर पकड़े हुए है। कहा जा रहा है कि कांग्रेस हाई कमान राज्य के प्रमुख नेताओं को प्रमुख संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ाने के मूड में है।

मालेगांव बम ब्लास्ट : प्रज्ञा ठाकुर के खिलाफ जमानती वारंट जारी

सुनवाई के दौरान मौजूद न रहने पर कोर्ट खफा

मुंबई, 11 मार्च (एजेंसियां)। 2008 में हुए मालेगांव विस्फोट मामले की सुनवाई कर रही मुंबई की विशेष एनआईए अदालत ने भाजपा सासंद प्रज्ञा सिंह ठाकुर के खिलाफ 10 हजार रुपये का जमानती वारंट जारी किया है। बता दें मालेगांव विस्फोट मामले में सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर आरोपी है। कोर्ट ने उन्हें सुनवाई के दौरान उपस्थित रहने को कहा था। उनके वकील ने चिकित्सा आधार पर छूट के लिए याचिका दायर की थी, लेकिन अदालन ने उसे खारिज कर दिया और उनके खिलाफ जमानती वारंट जारी किया।

बयान दर्ज करने के दौरान भावुक हुई थी प्रज्ञा ठाकुर

गौरतलब है कि पिछले साल मालेगांव विस्फोट मामले में बयान दर्ज के दौरान भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर सवालों के जवाब देते हुए भावुक हो गई थी। विशेष राष्ट्रीय जांच एजेंसी(एनआईए) अदालत उनके बयानों को दर्ज कर रहा था। ट्रायल कोर्ट ने आपराधिक प्रक्रिया संहिता के तहत मामले में प्रज्ञा ठाकुर समेत छह आरोपियों के बयान दर्ज करना शुरु किए था। इस दौरान उन्हें कही कठिन सवालों से गुजरना पड़ा। घायलों का इलाज करने और शव परीक्षण करने वाले डॉक्टरों की गवाही से जुड़े करीब 60 सवाल आरोपियों से पूछे गए थे। इसके बाद भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर भावुक हो गई।

महिला ने 2 करोड़ की इनकम पर नहीं भरा आईटीआर

कोर्ट ने सुनाई 6 महीने की सजा

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने दो करोड़ रुपये की इनकम पर आयकर रिटर्न दाखिल नहीं करने पर एक महिला को दोषी ठहराया है। कोर्ट ने महिला को छह महीने जेल की सजा सुनाई है। यह मामला आयकर कार्यालय (आईटीओ) द्वारा दायर एक शिकायत से संबंधित है जिसमें आरोप लगाया गया है कि 2 करोड़ की पेमेंट पर टीडीएस के रूप में दो लाख रुपये काट लिये गये। वित्त वर्ष 2014-15 के लिए इस आय पर कोई रिटर्न दाखिल नहीं किया गया था।

अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) मयंक मित्तल ने दलीलें सुनने और मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करने के बाद सावित्री नाम की महिला को सजा सुनाई।

अनंत हेगड़े के संविधान संशोधन को लेकर दिए बयान से भाजपा ने किया किनारा, मांगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा सांसद अनंत हेगड़े के संविधान संशोधन को लेकर दिए गए बयान पर हंगामा हो गया है। राजनीतिक पार्टियों ने इस मुद्दे पर भाजपा को घेरने की कोशिश की, लेकिन भाजपा ने खुद को अनंत हेगड़े के बयान से अलग कर लिया है और इसे अनंत हेगड़े का निजी बयान बताया है। भाजपा ने अनंत हेगड़े से उनके बयान पर स्पष्टीकरण भी मांगा है।

भाजपा ने अनंत हेगड़े से मांगा जवाब

भाजपा नेता और पार्टी प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि हेगड़े का बयान उनका निजी बयान है और यह पार्टी के विचार नहीं हैं। भाजपा ने बयान पर संज्ञान लिया है और उनसे बयान पर स्पष्टीकरण मांगा है। गौरव भाटिया ने कहा कि पार्टी ने जो भी कदम उठाए हैं, वो देशहित में और संविधान को ध्यान में रखकर उठाए गए हैं। कर्नाटक भाजपा ने भी अनंत हेगड़े के बयान से किनारा कर लिया। कर्नाटक भाजपा ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि अनंत हेगड़े का बयान उनकी निजी बयान है और यह पार्टी का स्टैंड नहीं है।

भाजपा सांसद के बयान पर हुआ हंगामा

गौरतलब है कि कर्नाटक से भाजपा सांसद अनंत हेगड़े ने शनिवार को उत्तर कन्नड़ जिले के सिद्दापुर में आयोजित हुए एक कार्यक्रम में कहा कि संविधान को संशोधित किया जाएगा। कांग्रेस के लोगों ने संविधान में कुछ गैर जरूरी बदलाव किए हैं ताकि हिंदू समुदाय को दबाया जा सके। अगर इसे बदलना है तो यह बिना दो तिहाई बहुमत के संभव नहीं है। भाजपा के छह बार के लोकसभा सांसद हेगड़े ने ये भी कहा कि संविधान संशोधन के लिए भाजपा की 20 से ज्यादा राज्यों में सरकार होना जरूरी है। हेगड़े ने कहा कि पीएम मोदी ने कहा है कि अब की बार 400 बार, लेकिन 400 से ज्यादा ही क्यों? हमारे पास लोकसभा में दो तिहाई समर्थन है, लेकिन राज्यसभा में हमारे पास दो तिहाई बहुमत नहीं है। हमारे पास छोटा बहुमत है। राज्य सरकारों में भी हमारे पास पर्याप्त बहुमत नहीं है। हेगड़े ने कहा कि अगर भाजपा 400 से ज्यादा सीटें जीतने में सफल रहती है तो इससे राज्यसभा में भी बहुमत आएगा। दो तिहाई राज्यों में भी सरकार की जरूरत होगी।

चुनाव से पहले महिला मतदाताओं को साधने की बड़ी तैयारी

तीन करोड़ लखपति दीदी बनाएगी सरकार

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि लखपति दीदी योजना से महिलाओं को बड़ा लाभ हो रहा है। वे आर्थिक तौर पर आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ स्वावलंबी और सामाजिक तौर पर ज्यादा सशक्त बन रही हैं।

अब तक लगभग एक करोड़ महिलाओं ने लखपति दीदी योजना का लाभ उठाया है। योजना के सकारात्मक असर को देखते हुए सरकार ने अब तीन करोड़ लखपति दीदी तैयार करने का निर्णय किया है। इससे न केवल महिलाओं की आर्थिक तरक्की होगी, बल्कि निचले स्तर पर परिवारों को आर्थिक तौर पर मजबूत करने में मदद मिलेगी।

क्या है लखपति दीदी योजना?

मुख्य रूप से लखपति दीदी योजना महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने वाला कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम है। इसके अंतर्गत 18 वर्ष से 50 वर्ष के बीच की कोई भी महिला किसी स्वयं सहायता ग्रुप से जुड़ी होनी चाहिए। इसके बाद वह लखपति दीदी योजना के अंतर्गत स्वयं को पंजीकृत कराकर कई तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में से कोई एक प्रशिक्षण लेकर अपनी आय बढ़ा सकती है। आधार, पैन कार्ड, मतदाता कार्ड और बैंक खाते की जानकारी देकर ये महिलाएं सरकार से बेहद कम ब्याज दर पर धन प्राप्त कर सकती हैं। इससे वे अपने रोजगार से संबंधित मशीनें खरीद कर या कोई उद्यम लगाकर कमाई कर सकती हैं। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा है कि अब लखपति दीदियों को विभिन्न अलग-अलग योजनाओं से जोड़कर उन्हें करोड़पति बनने में भी मदद की जानी चाहिए। यदि सरकार की तरफ से इस तरह का कोई कदम सामने आता है, तो इससे महिलाओं के जीवन में बड़ा क्रांतिकारी परिवर्तन आ सकता है।

योजना का उद्देश्य

चूंकि, महिलाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बड़ी समर्थक बनकर उभरी हैं, माना जा रहा है कि इसके सहारे केंद्र सरकार लोकसभा चुनावों के ठीक पहले महिलाओं को साधना चाहती है। इस बार होने वाले लोकसभा चुनाव में 47 करोड़ से अधिक महिला मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में दर्ज हैं। चूंकि, पिछले कई चुनावों में देखा जा रहा है कि महिलाएं पुरुषों की तुलना में ज्यादा बढ़चढ़कर वोट कर रही हैं, माना जा रहा है कि सरकार की इस योजना के केंद्र में वही हैं। हालांकि, एक सच्चाई यह भी है कि महिलाओं के आर्थिक तौर पर सशक्त होने से परिवारों की स्थिति में सुधार होता है। परिवार में अतिरिक्त आय आने से बच्चों की शिक्षा और खानपान बेहतर होता है। इससे परिवार और बच्चों का भविष्य सुधरता है। यानी लखपति दीदी योजना का असर केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और बहुउद्देश्यीय भी है।

कुल महिला मतदाता कितनी

केंद्र सरकार द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, 2019 के लोकसभा चुनाव में कुल मतदाताओं की संख्या 89 करोड़ 78 लाख 11 हजार 627 थी। 2024 के लोकसभा चुनाव में मतदाताओं की कुल संख्या 96.88 लाख होने का अनुमान है। इनमें लगभग 47 फीसदी या 47.15 करोड़ संख्या महिलाओं की है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को लगाई फटकार

जमीन आवंटन में देरी पर जताई नाराजगी

मुंबई, 11 मार्च (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने नई कोर्ट बिल्डिंग के लिए जमीन आवंटन में हो रही देरी के लिए महाराष्ट्र सरकार को फटकार लगाई है। नई कोर्ट बिल्डिंग मुंबई के उपनगर बांद्रा में बनाई जानी है। हाईकोर्ट की जस्टिस देवेंद्र उपाध्याय और जस्टिस आरिफ डॉक्टर की सदस्यता वाली डिविजन बेंच ने राज्य सरकार के प्रति नाराजगी जताई और कहा कि वह कोई असहज स्थिति पैदा नहीं करना चाहते हैं।

सरकार पर 2018 के आदेश के उल्लंघन का आरोप

पीठ ने वकील अहमद अब्दी की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह बात कही। याचिका में आरोप लगाया गया कि सरकार ने साल 2018 के हाईकोर्ट के आदेश का पालन नहीं किया, जिसमें हाईकोर्ट ने सरकार को अदालत की नई इमारत के लिए जमीन आवंटन करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने माना कि दक्षिण मुंबई में मौजूद कोर्ट बिल्डिंग जर्जर हालत में है और उसमें न्यायिक अधिकारियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बीते साल सरकार ने कोर्ट को बताया था कि 30 एकड़ जमीन के आवंटन की मंजूरी दे दी गई है और राज्य के राजस्व दस्तावेजों में जरूरी बदलावों के बाद जमीन आवंटित कर दी जाएगी।

कोर्ट ने जताई नाराजगी

वहीं सरकार की तरफ से पेश हुए वकील अभय पाटकी ने बताया कि जिस जमीन का आवंटन किया जाना है, उस पर कुछ न्यायिक अधिकारियों के आवास हैं और पहले उन आवासों के लिए वैकल्पिक जगह की तलाश की जा रही है। इस पर चीफ जस्टिस उपाध्याय ने कहा कि 'बॉम्बे हाईकोर्ट की इमारत की स्थिति सभी को पता है। इस इमारत की और एनेक्सी इमारत की हालत भी खराब है। हमारे अधिकारी वहां काम करते हैं और उनकी जिंदगी पर संकट है। वे खतरनाक हालात में काम करते हैं उनके पास स्टोरेज और घूमने के लिए जगह नहीं है। सीढ़ियों की भी हालत खराब है।'

कोर्ट ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि सरकार को पता था कि जमीन खाली नहीं है फिर इतने लंबे समय से कुछ क्यों नहीं किया गया? क्या पुनर्वास के लिए कोई योजना है? याचिका में आरोप लगाया गया कि जानबूझकर जमीन आवंटन में देरी की जा रही है क्योंकि सरकार की जमीन आवंटन में कोई रुचि नहीं है। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को 28 मार्च तक हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया है, जिसमें सरकार को जमीन खाली करने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी देने को कहा गया है।

बागेश्वर धाम पहुंचे द ग्रेट खली : 156 कन्याओं की सामूहिक शादी में शामिल हुए; बोले-ऐसी शक्ति कहीं नहीं देखी, जैसी यहां

लुधियाना, 11 मार्च (एजेंसियां)। डब्ल्यूडब्ल्यूई के दिग्गज रेसलर द ग्रेट खली हाल ही में मध्यप्रदेश स्थित बागेश्वर धाम पहुंचे। उन्होंने बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से मुलाकात की। खली बुंदेलखंड में आयोजित विशाल सामूहिक कन्या विवाह सम्मेलन में गए थे। वहां कुल 156 जोड़ों की शादी कराई गई थी, जिसमें सीएम मोहन यादव भी शामिल हुए।

खली ने इस आयोजन पर पंडित धीरेंद्र शास्त्री का धन्यवाद किया। खली ने कहा-"मैं दुनिया में घूमा हूं और कई जगह गया हूं, लेकिन यहां जो शक्ति है, ऐसी मैंने कहीं भी अपने जीवन में नहीं देखी। खली की धीरेंद्र शास्त्री के साथ वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। खली ने कहा-"यहां एक डिसिप्लेन है, जो जहां बैठे हैं, कोई भागदौड़ नहीं है। सभी आराम से सत्संग सुन रहे हैं। मुझे बड़ा अच्छा महसूस हो रहा है कि मैं आज यहां आया। मेरा भी पर्चा निकाला गया कि ग्रेट खली आपको आना है।

धीरेंद्र शास्त्री को कहा धन्यवाद

खली ने 156 बेटियों की शादी कराने पर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की तारीफ करते हुए कहा, 'यहां पर आज जो 156 बेटियों की जो शादी हुई है, उनको मैं बहुत-बहुत बधाई देता हूं। आज के समय में एक ही शादी करना बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है, लेकिन हमारे जो महाराज जी हैं, वह 156 बेटियों की शादी करा रहे हैं और सिर्फ शादी ही नहीं बल्कि उनके घर के लिए जरूरी चीजें भी उपलब्ध करा रहे हैं। यह बहुत बड़ी बात है। मैंने आज तक एक छत के नीचे इतनी शादियां और इतना बड़ा प्रोग्राम आज तक नहीं देखा। सभी संस्थाओं और संतों को जरूरतमंद बेटियों की शादियां करानी चाहिए। भगवान ने आपके लिए महाराज जी को भेजा है, जिन्होंने आपका हाथ एक इज्जत के साथ पकड़ा है।

कौन हैं ग्रेट खली

खली एकमात्र भारतीय रेसलर हैं, जिन्होंने विदेश में जाकर बड़े दिग्गज रेसलरों को हराकर डब्ल्यूडब्ल्यूई का टाइटल अपने नाम किया था। खली साल 2006 से 2014 तक डब्ल्यूडब्ल्यूई में रहे और इस दौरान उन्होंने कई दिग्गज पहलवान जिसमें अंडरटेकर, केन, बिग-शो, जॉन सीना, ब्रोक लेसनर, रे-मीस्टिरियो, दि रॉक, ट्रिपल एच, रेंडिऑर्टन सहित कई पहलवानों से फाइट की और जीते भी।

52 वर्षीय खली 160 किलो भारवर्ग के खिलाड़ी हैं, जिनकी हाइट 7 फीट 1 इंच है। खली रेस्लिंग के साथ-साथ हॉलीवुड, बॉलीवुड और टेलीविजन शो में भी काम कर चुके हैं।

पंजाब पुलिस जॉइन करने के बाद बदल गई किस्मत

दिलीप सिंह राणा का जन्म हिमाचल प्रदेश के एक गरीब किसान परिवार में हुआ। सात भाई, बहनों में इनका शरीर अलग ही था। शुरुआती दिनों में खली मजदूरी करते रहे हैं। एक बार पंजाब पुलिस के डीजीपी रहे एमएस ढिल्लों हिमाचल गए तो उनकी नजर दिलीप सिंह राणा पर पड़ी। उन्होंने खली को पंजाब पुलिस जॉइन करवाई, जिसके बाद खली प्रोफेशनल रेस्लिंग में गए और भारत का नाम रोशन किया।

ग्रेट काली से बने द ग्रेट खली

खली ने बताया कि चूंकि मैं भारत से था, इसलिए डब्ल्यूडब्ल्यूई मैनेजमेंट ने भारत की संस्कृति और इतिहास को देखा। शुरुआती दिनों में फाइट रेस्लिंग के दिग्गज खिलाड़ियों से हुई थी और मैंने सबको हरा दिया था। मां काली ने जिस तरह राक्षसों का संहार किया था, उसी के तर्ज पर मुझे भी ग्रेट काली का नाम दिया, लेकिन धार्मिक रूप से किसी को आपत्ति न हो और वाद-विवाद से बचने के लिए ग्रेट काली से द ग्रेट खली बने।

12 हजार करोड़ से बनी मुंबई कोस्टल रोड का हुआ उद्घाटन

सीएम शिंदे बोले-यह इंजीनियरिंग का चमत्कार

मुंबई, 11 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को मुंबई कोस्टल रोड के पहले चरण का उद्घाटन कर दिया। पहले चरण में कोस्टल रोड दक्षिण मुंबई के वर्ली से मरीन ड्राइव को जोड़ेगी। साढ़े दस किलोमीटर लंबे इस मार्ग को आज आम जनता के लिए खोल दिया गया है। सीएम ने इस रोड की जमकर तारीफ की और इसे इंजीनियरिंग का चमत्कार बताया।

12 हजार करोड़ की लागत से बनी है कोस्टल रोड

अधिकारियों ने बताया कि कार चालक वर्ली सीफेस और हाजी अली इंटरचेंज, अमरसन इंटरचेंज से कोस्टल रोड पर एंट्री ले सकते हैं और मरीन लाइंस पर रोड से बाहर आ सकते हैं। डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार भी उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। उद्घाटन के बाद सीएम एकनाथ शिंदे और अन्य नेताओं ने बेस्ट की इलेक्ट्रिक बस को हरी झंडी दिखाकर कोस्टल रोड से रवाना किया। साथ ही एक विंटेज कार रैली को भी हरी झंडी दिखाई गई। इस प्रोजेक्ट की लागत 12,721 करोड़ रुपये है।

इस महत्वकांक्षी योजना पर 13 अक्तूबर 2018 को काम शुरू हुआ था। इस प्रोजेक्ट के तहत कई एकड़ में फैला सेंट्रल पार्क भी बनाया जा रहा है। सीएम शिंदे ने बताया कि इस सड़क का नाम 'धर्मवीर संभाजी महाराज कोस्टल रोड' रखा गया है। कोस्टल रोड के पास वर्ली में संभाजी महाराज की प्रतिमा भी लगाई जाएगी।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 12 मार्च- 2024

काशी से जय महादेव जय श्रीराम का शंखनाद, 400 के पार!

सुरेश गांधी

फिरहाल, लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर बीजेपी पूरी तैयारी के साथ चुनावी समर में कूद पड़ी है। खास बात है कि पीएम मोदी ने भी खुद को पूरी तरह इसमें झोंक दिया है. कुछ दिनों की बात है. चुनाव आयोग, चुनावी कार्यक्रमों की घोषणा करने ही वाला है, पीएम मोदी इससे पहले ही एक्टिव मोड में आ चुके हैं और कार्यकर्ताओं को भी सक्रियता के साथ जुट जाने का संदेश दे रहे है. इसी कड़ी में पूर्वांचल को सेट करने निकले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आजमगढ़ से यूपी सहित देश के सात राज्यों को 34,676 करोड़ रुपये की 782 विकास परियोजनाओं की सौगात देकर बता दिया कि विकास वे ही करेंगें। इसमें रेलवे और बुनियादी ढांचों से संबंधित कई परियोजनाएं शामिल हैं। प्रधानमंत्री मंदुरी एयरपोर्ट आजमगढ़ और महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय का भी लोकार्पण किया। करीब सवा घंटे में यूपी के साथ ही महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, दिल्ली, पंजाब, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश की जनता को रिझाया, बल्कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय की 9,804 करोड़ की 15 परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण भी किया। इसमें भारतीय रेलवे की 8,176 करोड़ की 11 परियोजनाएं भी शामिल हैं। पीएम जल शक्ति मंत्रालय की 1114 करोड़ की तीन परियोजनाओं, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की पांच, आवास और शहरी मंत्रालय की 264 करोड़ की दो, ग्रामीण विकास मंत्रालय की 744 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। मतलब साफ है काशी व आजमगढ़ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूपी और बिहार के साथ ही दक्षिण भारत का राजनीतिक समीकरण एक साथ साधा हैं। खासकर 2019 के लोकसभा चुनाव में जिन सीटों पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था, वहां की जनता से समर्थन मांगा। बता दें, गाजीपुर, मऊ की घोसी, आजमगढ़, लालगंज और जौनपुर में भी भाजपा की हार हुई थी। हालांकि भाजपा ने उपचुनाव में आजमगढ़ सीट जीत ली थी। मिर्जापुर, आजमगढ़ और वाराणसी मंडल के दस जिलों से ही करीब 14 लोकसभा सीटें जुड़ी हैं। 2019 के चुनाव में भाजपा को नौ सीटें ही मिल पाई थीं। इस बार पार्टी बाजी पलटने के इरादे से चुनाव मैदान में उतर रही है। इसी का नतीजा है कि लोकसभा चुनाव के एलान से पहले ही आजमगढ़ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा कराई गयी। पार्टी प्रत्याशियों की पहली ही सूची में प्रधानमंत्री का नाम है। प्रधानमंत्री के काशी से चुनाव लड़ने का असर पूरे पूर्वांचल में जाता है। कहा जा सकता है लोकार्पित होने वाली इन परियोजनाएं से आजमगढ़ के लोगों के जीवन स्तर में सुधार का बड़ा माध्यम बनेंगी। इतना ही नहीं, पूर्वांचल की मजबूत कनेक्टिविटी के साथ आजमगढ़ विकास की रफ्तार पकड़ेगा। सड़क, शिक्षा व उड्डयन से जुड़ी परियोजनाएं आजमगढ़ के विकास में एक नया अध्याय जोड़ेंगी। जहां तक काशी से प्रधानमंत्री का चुनावी बिगुल का सवाल है तो बनारस संस्कृतियों के संगम के लिए ख्यात है। देश भर की संस्कृतियां एकाकार होकर काशी में रच-बस जाती हैं। तभी तो यहां की गलियों में 'मिनी भारत' का दर्शन सुगम हो जाता है। यही काशी अब विकास का प्रतीक है और पूरे देश में सनातन धर्म की प्रतिष्ठा का संदेश दे रही है। इसी अंदाज में मोदी ने बाबा के दरबार से जीत एवं विकास का संदेश दिया। बनारस के सांसद के रूप में अपनी यात्रा की शुरुआत में ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बाबा विश्वनाथ धाम तक भक्तों की राह सुगम करने का खाका खींचा। अकल्पनीय और अविश्वसनीय प्रकल्प जब 13 दिसंबर, 2021 बाबा विश्वनाथ धाम एवं 22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर लोकार्पित हुआ तो देश में धार्मिक चेतना झंकृत हो उठी। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम एवं श्रीराम मंदिर का नव्य-भव्य स्वरूप देवाधिदेव महादेव की नगरी काशी और अयोध्या सनातन संस्कृति के नाम सबसे बड़ा अनुष्ठान कहा जा सकता है। आंकड़े बता रहे हैं लोकार्पण के दो साल में ढाई करोड़ लोगों ने बाबा धाम में दर्शन-पूजन किया। अर्थात काशी से पूरे देश को विकास का संदेश गया है। बीते दो साल से काशी-तमिल संगमम्‌ उत्तर-दक्षिण के सांस्कृतिक संबंधों को मजबूती देने का सेतु बना। सांसद सांस्कृतिक और खेलकूद प्रतियोगिता ने हर आयु वर्ग की कला मेधा को मंच दिया। बात पूर्वांचल की चुनावी राजनीति की करें तो कभी गोबर से गेहूं निकाल कर खाने वालों की बात प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू से कहकर विश्वनाथ सिंह गहमरी संसद में रो पड़े थे। काशी पूर्वांचल के विकास का केंद्र बिंदु है। हर चुनाव में पूर्वांचल का पिछड़ापन मुद्दे के रूप में जी उठता था। पिछला एक दशक इस क्षेत्र के भूगोल और राजनीतिक-सामाजिक स्थिति में परिवर्तन का रहा है। आज भाजपा मोदी की गारंटी और विकास के दम पर काशी और पूर्वांचल का माडल देश भर में पेश कर रही है। अपने संसदीय क्षेत्र को लेकर नरेन्द्र मोदी बहुत संवेदी और चैतन्य रहते हैं। अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के क्रम में जब राहुल गांधी ने बनारस में शराबी और नशेड़ी युवा पाए जाने का जिक्र किया तो प्रधानमंत्री ने काशी से ही इसका कड़ा प्रतिवाद किया। विकास की बहुलता से काशी संसदीय सीट की श्रेष्ठता सिद्ध हो रही है। प्रधानमंत्री के संसदीय कार्यकाल में वाराणसी से निकलने वाली जौनपुर, आजमगढ़, गाजीपुर की सड़क को फोरलेन कर दिया गया। वाहनों की राह को रिंगरोड ने सुगम कर दिया। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे ने गाजीपुर, मऊ, बलिया, आजमगढ़ से लखनऊ पहुंचने का समय आधा कर दिया है। पूरे पूर्वांचल की फल-सब्जी बनारस से खाड़ी देशों को भेजकर किसानों की आर्थिकी को सुधारने का क्रम जारी है। अभी हाल ही में प्रधानमंत्री ने बनारस के करखियांव एग्रो पार्क में अमूल प्लांट का उद्घाटन किया। यहां 18 जिलों के दुग्ध उत्पादकों से दूध लिया जाएगा। सिगरा स्टेडियम में स्पोर्ट्स कांप्लेक्स तैयार है। अगले वर्ष तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम भी पूर्वांचल के लोगों को मिल जाएगा। खास यह है कि राष्ट्रवाद की इस लहर में अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण 5 सदियों का इंतजार खत्म किया है। गुजरात के पावागढ़ में 500 साल बाद धर्म ध्वजा फहराई गई है। 7 दशक बाद करतारपुर साहिब राहदारी खोली गयी है। 7 दशक के इंतजार के बाद देश को आर्टिकल 370 से मुक्ति मिली है। इसकी गुंज अब नार्थ-ईस्ट में भी सुनाई देने लगी है। इसके साथ ही पीएम मोदी ने इस बार पसमांदा मुसलमानों तक पहुंचने का प्लान बनाया है. यही वजह है कि पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे विपक्ष को बेनकाब करें और अल्पसंख्यकों के लिए मोदी सरकार के लिए गए फायदें गिनाएं. कहा कि जिन लोगों ने दशकों तक शासन किया, उनके मूल में बेईमानी है। 2014 से पहले भ्रष्टाचार व बेईमानी का कारोबार चलता था। कालाबाजारी व भ्रष्टाचार की खबरों से अखबार भरे रहते थे। अब विकास की खबरें छपती हैं। जनकल्याण की बात होती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जो संसाधन पहले थे, वही अब भी हैं। लेकिन सरकार बदलने के साथ नियत बदली है। इसी का नतीजा है कि गरीब कल्याण की योजनाएं तेजी से आगे बढ़ाई जा रही हैं। देश का इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत किया। इसी के मद्देनजर एकबार फिर मोदी ने पूर्वांचल को रिझाया। उन्हें हजारों करोड़ रुपये की सौगात दी। देखा जाएं तो पूर्वांचल में संगठनात्मक रूप से भाजपा ने 27 लोकसभा क्षेत्रों को काशी और गोरखपुर क्षेत्र में बांटा है। काशी क्षेत्र का केंद्र वाराणसी और गोरखपुर क्षेत्र का केंद्र गोरखपुर ही है। काशी क्षेत्र की 14 लोकसभा सीटों में से भाजपा के पास 12 सीटें हैं जबकि गोरखपुर क्षेत्र की 13 में से दस लोकसभा सीटों पर भाजपा का कब्जा है। दोनों क्षेत्रों की अंबेडकर नगर, गाजीपुर, घोसी, जौनपुर और लालगंज सीट पर बसपा काबिज है। पूर्वांचल की आजमगढ़ सीट को सपा का गढ़ माना जाता है हालाकि उप चुनाव में यह सीट भाजपा ने छीन ली थी।

महंगी हुई शाकाहारी थाली

ठंड के मौसम में आमतौर पर बाजार में हरी सब्जियों की भरमार रहती है। उत्पादन और आपूर्ति ठीकठाक होने की वजह से बाजार में उसकी कीमतों में इजाफा भी कम ही होता है। नतीजतन हरी सब्जियों की कीमतों में आई कमी की वजह से महंगाई से भी काफी हद तक निजात मिल जाती है। लेकिन ठंड का मौसम बीतने के साथ ही एक बार फिर महंगाई सिर उठाने लगी है। सब्जियों के दाम सुनते ही ग्राहक नाक-भौं सिकोड़ने पर मजबर हो गया है। बाजार में खुदरा वस्तुओं के दाम में अचानक आई तेजी ने लोगों की थाली पर असर डालना शुरू कर दिया है। देखा जाए तो पिछले महीने ही सामान की कीमतों में आए उछाल ने यह संकेत तो दे ही दिया था कि गर्मी में महंगाई की मार झेलनी पड सकती है। आखिरकार मार्च महीने में महंगाई का असर दिखाई देने लगा है।'क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिसिस' की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि महंगाई की मार का ज्यादा असर शाकाहारी व्यंजनों पर पड़ा है। खासकर प्याज और टमाटर के दाम में सालाना आधार पर क्रमशः 29 फीसद और 38 फीसद की बढ़ोतरी हो गई है। इसकी वजह से शाकाहारी थाली सात फीसद तक महंगी हो गई है। खास बात तो यह है कि इस अवधि के दौरान मांसाहारी भोजन में कुछ कमी देखी गई है। स्वाभाविक ही कीमतों में इस बढ़ोतरी ने लोगों में इनके उपयोग को लेकर हिचक पैदा की है। प्याज और टमाटर हर रसोई की पहली जरूरत होती है, इसलिए, मांसाहारी थाली पर भी इसका असर पड़ा है। इसके बावजूद मांसाहारी भोजन में उतना असर नही दिखाई दे रहा है जितना कि शाकाहारी पर। देखा जाए तो आम उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें ऊंची होती हैं तो लोग उनकी खरीदारी को लेकर कई बार प्राथमिकता का निर्धारण करने लगते हैं। कम जरूरी चीजों की खरीदारी बाद के लिए टाल दी जाती है, मगर खाने-पीने सहित कुछ अनिवार्य चीजों की कीमतें कई बार बढ़ने के बावजूद खरीदना जरूरी ही रहता है इसलिए घर के बजट को वह असंतुलित कर देती हैं। आमतौर पर शाकाहार के अभ्यस्त लोगों के खानपान में प्याज-टमाटर एक जरूरी हिस्सा होता है, जो उनकी थाली की सब्जियों के स्वाद को बढ़ाता है। मगर इनके साथ-साथ अब अन्य हरी सब्जियों के दाम ने भी शाकाहार के सामने चुनौती पेश की है। यों ठंड के मौसम में आमतौर पर हरी सब्जियों का उत्पादन और आपूर्ति ठीकठाक होने की वजह से बाजार में उसकी कीमतें भी काफी नरम रहती हैं। मगर इस वर्ष लगभग सभी हरी सब्जियों के दाम जिस स्तर पर स्थिर रहे, उसे इनका सस्ता होना नही कहा जा सकता। अगर खासी तादाद में लोग सब्जी खरीदते हुए हाथ खींचने लगते हैं, तब इसका मतलब है कि बाजार में कीमतों को लेकर सरकार को जरूरी कदम उठाने की जरूरत है। सरकार समय-समय पर जरूरी कदम उठाती तो है लेकिन तब, जब लोग इसकी मांग को लेकर मुखर होने लगते हैं।

सार्थक आत्मकथ्यात्मक अभिव्यक्ति बीती हुई बतियां

संजीव ठाकुर

आत्मकथात्मक लेखन साहित्य की दुरूह विधा है और इस विधा को बड़े भोले और मासूम तरीके से नवोदित लेखिका बलजीत कौर 'सब्र' ने अपनी प्रथम कृति बीती हुई बतियां में पिरोया है। बचपन से लेकर अब तक की इनके निजी अनुभवों की जीवंत गाथा को अपने संस्करण में लिपिबद्ध किया है। यह लेखिका के लिए शुभ लक्षण है कि बाल्य काल से ही उनकी पठन-पाठन में गहन रुचि रही है और उसी का सम्यक प्रतिफल का प्रमाण इस कृति के रूप में हमारे हाथों में है। यह बचपन के विभिन्न अध्यायों में विभक्त संस्करणों का एक बड़ा कैनवास है जिसमें लेखिका ने अपनी तूलिका से अलग-अलग रंगों से सजाया है। लिखे गए साहित्य में लेखिका की अपनी स्वयं की अनुभूतियों तथा संवेदनाओं के स्मरण का संप्रेषण तथा अभिव्यक्ति दी है, कलात्मक अभिव्यक्ति में सादा भोलापन,मूल मानवीय संवेदना और सपाट वक्तव्य भी समाहित हैं, उनके लेखन में कृत्रिमिता कहीं भी दृष्टिगोचर नहीं होती है आडंबर विहीन शब्दों का चयन करके लेखिका ने इसको बड़े ही निजी अंदाज में संकलित किया है।

इस किताब में आठ आलेखों में अब तक के अनुभवों का विस्तृत विवरण समाहित है। बीती हुई बतिया में कुछ बातें जो दैनंदिनी की दिनचर्या में उल्लेखित है किंतु कुछ ऐसी बातें जो मन में घूमड घूमड कर मस्तिष्क के तंतुओं में आकर रुक जाती हैं उन्हें भी लिखकर ने भावनात्मक संश्लेषण में अभिव्यक्त किया है। बचपन वाला इश्क, चाय, बारिश को सजदा, स्कूल की अनमोल सखियां, छत पर गुजरे लम्हे, कुछ बातें जो दिल के करीब है, वो दौर, और इस महत्वपूर्ण कृति की मुख्य पृष्ठभूमि में शीर्षक बीती हुई बतियां में लेखिका ने अपने जीवन का निचोड़ प्रस्फुटित किया है। निसंदेह इनका यह प्रथम प्रयास साहित्य जगत के लिए शुभ संकेत है। सचमुच मानवीय संबंधों को पंख और उड़ान देती है चाय की मीठी चुस्कियां यह उनका गहन व्यक्तिगत अनुभव है और चाय को केवल चाय न मानकर बतरस का बेहद रोचक और संग्रहणीय जरिया बनाया है, चाय एक अंतरण बातों का खूबसूरत माध्यम भी हो सकता है यह लेखिका ने साबित किया है। बारिश को सजदा में अंतरंग भावनाओं को अंतस की तपिस को बारिश की बूंदों में शांत करते हुए लेखिका का मन सचमुच अंतरंग बातों से भीग भीग जाता है यह लेखिका की सफलता है। बाल मन में मित्रता सखियां और बाल मित्र संबंधों की सीमाओं से परे जाकर अंतरंग रिश्ते में परिवर्तित हो जाती है बचपन मित्रता को समर्पित होता है और इन्हीं स्मृतियां को इस कृति में बड़े ही मार्मिक तरीके से इंगित किया गया है।

छत पर गुजरे हुए लमहे हर व्यक्ति की जिंदगी में एक अलग अनुभव और विशेषताओं को दर्शाता है यह केवल अनुभव नहीं बचपन की मधुर स्मृतियां जैसे हर मनुष्य लम्हा गुजर जाने के बाद फिर से पाने का प्रयास करता है, इसी जादूगरी में बड़ी दक्षता के साथ लेखिका ने अपनी बात रखी है। बीती हुई रतियों में आकाश के तारों को ताकते हुए भविष्य की कल्पनाओं में खोना मनुष्य का खूबसूरत स्वप्न होता है। उन्हें स्वप्नों को लेखिका ने स्वयं अपने दिल में जिया है। लेखिका भावनात्मक रूप से संवेदनशील है और यही वजह है कि उन्होंने बडे ही संवेदनशील तरीके से अपनी बातों को अपनी किताब में प्रस्तुत किया है। कुछ बातें जो दिल के करीब है मैं लेखिका ने अपने मन की बात को जैसा का वैसा ही लेखन में उतार दिया है उनके लेखन में कहीं भी आत्मश्लाघा, या आत्म प्रवंचना नहीं है, आत्म विश्लेषण होते हुए भी सब कुछ बड़ा खुला एवं स्पष्ट है।

'एकला चलो' टीएमसी की मजबूरी' है या रणनीति ?

अशोक भाटिया

इंडिया गठबंधन को करारा झटका देते हुए, विपक्षी गुट के मुख्य घटक दलों में से एक, तृणमूल कांग्रेस ने आज पश्चिम बंगाल में अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया। राज्य की सभी 42 लोकसभा सीटों के लिए टीएमसी ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। वैसे लोकसभा चुनाव को लेकर सभी पार्टियों का एक-दूसरे पर आरोपों का सिलसिला जारी है पर देखने योग्य है कि इसी बीच इंडिया गठबंधन को ममता बनर्जी के अकेले चुनाव लड़ने के ऐलान साथ बड़ा झटका लगा है। टीएमसी प्रमुख ने 'एकला चलो रे' का नारा बढ़ाते हुए गठबंधन को अलविदा कह दिया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के ऐलान के बाद कांग्रेस के सामने जो विकल्प बचे हैं, वे इस प्रकार हैं। अनुमान ये लगाया जा रहा है कि जिस प्रकार उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच लंबे समय तक सीटों के बंटवारे पर मंथन होता रहा और अंत में कांग्रेस की झोली में 17 सीटें आ गईं, उसी तरह से पश्चिम बंगाल में भी इस बात का कयास लगाया जा रहा है कि ममता कुछ सीटों पर अपने उम्मीदवार वापस ले लें।वैसे तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का एक बयान पिछले कुछ दिनों से काफी सुर्खियों में चल रहा था । 2024 के लोक सभा चुनाव में एकला चलो की चुनावी रणनीति से जुड़े बयान पर तमाम तरह की सियासी अटकलें लगाई जा रही है। कुछ लोगों का मानना था कि ममता बनर्जी इसी बहाने केंद्र की राजनीति में अपना प्रभुत्व स्थापित करना चाहती थी और खुद को विपक्ष का प्रधानमंत्री चेहरा बनवाना चाहती हैं लेकिन ममता बनर्जी जब कहती है कि टीएमसी आगामी लोकसभा चुनाव में किसी भी राजनीतिक दल के साथ गठबंधन नहीं करने वाली, तो ये उनकी मजबूरी और पश्चिम बंगाल में टीएमसी की राजनीतिक हैसियत को बनाए रखने की चिंता है। दरअसल ममता बनर्जी के सामने 2024 में विपक्ष का प्रधानमंत्री पद का चेहरा बनने का लक्ष्य नहीं है बल्कि अपने घर को बचाने की इससे भी बड़ी चुनौती है । 2024 में पश्चिम बंगाल में टीएमसी की राजनीतिक हैसियत दांव पर होगी और इसकी वजह है राज्य में बीजेपी का बढ़ता जनाधार। यही वजह है कि ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल की जनता को ऐसा कोई संदेश नहीं देना चाहती जिससे आगामी लोकसभा चुनाव में टीएमसी का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाए। गौरतलब है कि जब दो मार्च को नगालैंड, त्रिपुरा और मेघालय विधानसभा चुनाव के नतीजों की घोषणा होती है, उसी दिन मुर्शिदाबाद जिले के सागरदिघी विधानसभा उपचुनाव का भी नतीजा आता है। मुस्लिम बहुल इस सीट पर 2011, 2016 और 2021 में टीएमसी की जीत हुई थी लेकिन इस साल के उपचुनाव में ये सीट टीएमसी के हाथों से निकल जाती है। कांग्रेस उम्मीदवार बायरन बिस्वास बड़े अंतर से इस सीट पर जीत जाते हैं।इसके बाद ही ममता बनर्जी की ओर से 'एकला चलो' को लेकर नया बयान गूंजने लगा था । ममता बनर्जी कहती रहती थी कि जो भी लोग बीजेपी को हराना चाहते हैं, वे टीएमसी को वोट करेंगे। आगे बढ़कर वे कहती थी कि जो लोग प्रधानमंत्री और कांग्रेस को वोट दे रहे हैं, वास्तविक रूप से भाजपा को ही वोट दे रहे हैं। इसी के साथ ममता बनर्जी साफ कर देती थी कि 2024 में टीएमसी किसी के साथ नहीं जाएगी और राज्य की जनता के समर्थन के बल पर अकेले चुनाव लड़ेंगी। सबसे पहली बात ये है कि ममता बनर्जी की राजनीति का आधार ही पश्चिम बंगाल है। पश्चिम बंगाल से बाहर टीएमसी का लोकसभा के नजरिए से कोई अस्तित्व नहीं है। वैसे पिछले 20 साल से टीएमसी पूर्वोत्तर के 7 राज्यों के अलावा गोवा जैसे राज्यों में भी अपना जनाधार बनाने की कोशिश कर रही है लेकिन उसमें पार्टी को ख़ास सफलता हासिल नहीं हुई है। टीएमसी के पास इस वक्त कुल 23 लोकसभा सांसद हैं और ये सभी सांसद पश्चिम बंगाल से हैं। इसी से जुड़ा अहम पहलू है कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का राजनीतिक अस्तित्व ही कांग्रेस और सीप्रधानमंत्री विरोध पर टिकी है। ऐसे में अगर ममता बनर्जी की ओर से कोई भी एक संदेश ऐसा गया कि वो राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ विपक्ष के उस मोर्चे का हिस्सा बनने की मंशा रखती हैं जिसमें कांग्रेस और प्रधानमंत्री भी जुड़ सकते हैं तो ये पश्चिम बंगाल में टीएमसी के राजनीतिक विचारधारा के बिल्कुल खिलाफ चला जाता । ममता बनर्जी की वजह से 2011 में पश्चिम बंगाल की राजनीति बिल्कुल बदल गई। उस वक्त तक यहां वाम मोर्चा , कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस का ही राजनीतिक अस्तित्व था।

वहीं भाजपा एक तरह से गौण अवस्था में थी। 2011 के विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी का ऐसा जादू चला कि पश्चिम बंगाल में 34 साल से चली वाम मोर्चा की सत्ता नेस्तनाबूद हो गई और यहां से राज्य के लोगों को एक नया विकल्प मिल गया। इसके बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति में टीएमसी का एकछत्र राज कायम हो गया। इसी का नतीजा था कि 2016 और 2021 के विधानसभा चुनाव में कभी धुर विरोधी रहे वाम मोर्चा और कांग्रेस ने मिलकर चुनाव लड़ा। हालांकि इन दोनों ही पार्टियों का साथ भी ममता बनर्जी की सत्ता के लिए कुछ ख़ास खतरा नहीं बन पाया। 2016 और 2021 के विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी भारी जीत हासिल कर सत्ता बरकरार रखने में कामयाब रही। इस समय पश्चिम बंगाल में पिछले 10 साल में धीरे-धीरे कर भाजपा ममता बनर्जी के लिए बड़ा खतरा बनती जा रही है । 2011 के विधानसभा चुनाव में भाजपा कुल 294 में से 289 सीटों पर चुनाव लड़ी और एक भी सीट जीतने में कामयाब नहीं हो सकी। उस वक्त पश्चिम बंगाल में भाजपा की क्या हालत थी, ये इसी से पता चलता है कि उसके 285 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी। हालांकि भाजपा 4% वोट हासिल करने में कामयाब रही थी। यही वो चुनाव था जिसमें एक तरह से पहली बार भाजपा ने भी पूरे राज्य में अपने उम्मीदवार उतारे थे। पश्चिम बंगाल में 2011 और उसके बाद का वक्त जहां वाम मोर्चा के अवसान का दौर था, वहीं बीजेपी के उत्थान की कहानी भी शुरू हो चुकी थी। 2016 के विधानसभा चुनाव में भाजपा 291 सीटों पर चुनाव लड़ी और पहली बार 3 सीटें जीतने में सफल रही। उससे भी बड़ी बात ये हुई कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल में पहली बार विधानसभा चुनाव में 10 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल करने के पड़ाव को पार कर ली और यहीं से राज्य में तृणमूल कांग्रेस के लिए अब वाम मोर्चा और कांग्रेस की बजाए भाजपा मुख्य विरोधी पार्टी बनने की राह पर चलने लगी।

2016 में ममता बनर्जी की पार्टी भले ही 211 सीटें जीतकर सरकार में बनी रही, लेकिन ये भाजपा ने ये जरूर संकेत दे दिया था कि आने वाले वक्त में टीएमसी के लिए वहीं सबसे बड़ा खतरा साबित होने वाली है।

अवांछनीय गतिविधियों का अड्डा बने अवैध मदरसे!

मनोज कुमार अग्रवाल

उत्तर प्रदेश में अवैध मदरसों का संचालन कर उनके माध्यम से कट्टरपंथी विचारों की फसल तैयार की जा रही है इस के लिए खाद पानी खाड़ी देशों से हवाले के जरिए आ रही अवैध फंडिंग से जुटाया जा रहा है अब गैर मान्यता प्राप्त अवैध रूप से बनाए व संचालित किए जा रहे मदरसों पर गाज गिरना तय है । मदरसों की जांच के लिए बनाई गई एसआइटी ने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है। सूत्रों के मुताबिक़, इस रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश के क़रीब 13 हज़ार अवैध मदरसों को बंद करने की सिफारिश की गई है। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने इस रिपोर्ट पर कहा है कि शिक्षा की आड़ में अगर देश के खिलाफ गतिविधियां होगी तो जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई भी होगी। अवैध मदरसों पर एसआईटी की रिपोर्ट में खुलासा किया है। अवैध मदरसों से जुड़ी जांच रिपोर्ट एसआईटी ने शासन को सौंपी। सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी ने 13 हज़ार अवैध मदरसों को बंद करने की सिफारिश की। ऐसे ज्यादातर मदरसे नेपाल सीमा से जुड़े शहरों में हैं। आशंका है कि हवाला के जरिए मिली रकम से मदरसों का निर्माण हुआ है। ज्यादातर मदरसे अपने हिसाब-किताब का ब्यौरा नहीं दे पाए। चंदे से मदरसे निर्माण की बात संचालकों ने बताई। खाड़ी देशों से भी भारी मात्रा में चंदा मिलने की बात बताई गई। चंदा देने वालों का नाम, पता भी नहीं बता पाए ज्यादातर मदरसा संचालक। ऐसे अवैध मदरसों से शिक्षा प्राप्त करने वालों को नौकरी भी नहीं मिल पाती है। बीते 25 सालों में बहराइच, श्रावस्ती ,महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर जैसे जिलों में ऐसे मदरसे बहुत तेजी से बने है । नेपाल सीमा से लगे शहरों के 80 मदरसों को विदेशों से करीब 100 करोड़ रुपए की फंडिंग की बात भी सामने आई थी। इस जानकारी के बाद ही एसआईटी जांच के आदेश दिए गए थे।मदरसों में शैक्षिक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए हो रही विदेशी फंडिंग के दुरुपयोग की जांच के दौरान उत्तर प्रदेश में 8,848 मदरसे अवैध पाए गए हैं। एसआइअटी की जांच में सामने आया है कि इन मदरसों का संचालन बिना किसी अनुमति के हो रहा था और इनके संचालक अपनी आय के स्त्रोत का कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे सके। मानकों को दरकिनार कर चलाए जा रहे इन मदरसों को खाड़ी देशों से फंडिंग भी हो रही थी। इनमें मदरसा बोर्ड व जिला अल्पसंख्यक अधिकारी की कोई मानीटरिंग नहीं है। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार अवैध पाए गए ज्यादातर मदरसे 2005 के बाद से संचालित हो रहे हैं। इनमें सिद्धार्थनगर में 800 से अधिक व श्रावस्ती में 400 से अधिक अवैध मदरसे हैं। एक अधिकारी के अनुसार नेपाल सीमा से सटे बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी व पीलीभीत के अलावा आसपास के कुछ अन्य जिलों में पांच सौ से एक हजार तक मदरसे संचालित हो रहे हैं।आशंका है कि इनकी फंडिंग खाड़ी देशों से हुई। और यह रकम भी अवैध रूप से हवाले के जरिए भेजी गई। एसआइटी मामले में अब तक दो अंतरिम रिपोर्ट सौंप चुकी है। इनमें अवैध पाए गए मदरसों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की संस्तुति की गई है। माना जा रहा है कि बोर्ड परीक्षा के बाद अवैध मदरसों को बंद किए जाने की कार्रवाई शुरू हो सकती है।प्रदेश में संचालित लगभग 16 हजार मदरसों की जांच अभी चल रही है। इनमें लगभग साढ़े पांच हजार मदरसे मान्यता प्राप्त हैं, जबकि लगभग 10 हजार मदरसे ऐसे हैं, जिन्हें तीन से पांच वर्ष की अस्थायी मान्यता प्राप्त थी। अधिकांश ऐसे हैं, जिनकी मान्यता अवधि समाप्त होने के बाद दोबारा मान्यता ही नहीं कराई गई। इनमें न खेल के मैदान हैं और न ही अन्य मानक पूरे किए गए हैं। 90 प्रतिशत मदरसों के संचालक अपनी आय-व्यय का ब्योरा नहीं दे सके हैं।मदरसे चंदे की रकम से बनाए गए हैं पर उसका ब्योरा उपलब्ध नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मदरसों को हो रही विदेशी फंडिंग के दुरुपयोग की जांच के लिए एडीजी एटीएस मोहित अग्रवाल की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय एसआइटी का गठन किया गया था।एटीएस ने अक्टूबर 2023 में बांग्लादेशी नागरिकों व रोहिंग्या की घुसपैठ कराने वाले गिरोह के सक्रिय सदस्यों को पकड़ा था। जांच में सामने आया था कि दिल्ली से संचालित एनजीओ के माध्यम से तीन वर्षों में 20 करोड़ रुपये की विदेशी फंडिंग की बात सामने आई थी। अलग-अलग एनजीओ को यह रकम शैक्षिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए भेजी जा रही थी। एटीएस ने जनवरी, 2024 में विदेशी फंडिंग के मास्टरमाइंड अबू सालेह मंडल को गिरफ्तार किया था।

खरीदने की ताकत

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

उधर गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ीं। इधर जनता हाय-हाय करने लगी। यह बात अंधभक्तों को बुरी लगी। वे लोगों को समझाने निकल पड़े कि गैस सिलेंडर की कीमतें नहीं बढ़ी हैं बल्कि आम जनता में खरीदने की क्षमता में कमी हुई है। जनता कामचोर होती जा रही है। विकासशील देश में ऐसी जनता का होना नाक कटाने से कम नहीं है। कुछ अतिउत्साही अंधभक्तों ने टोली बनाई और तय किया कि ऐसी कामचोर जनता जहाँ भी मिलेगी हम उनकी खूब कुटाई करेंगे और उनसे जमीन पर नाक रगड़वाकर कहलवायेंगे कि दुनिया में इतना सस्ता गैस सिलेंडर कहीं नहीं मिल सकता। और तो और उनसे यह भी कबूलवाने का प्रयास करेंगे कि गैस सिलेंडर में कोई ऐसी-वैसी गैस नहीं है। इसमें देशभक्ति की गैस भरी है। इस गैस से पका पकवान राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रभक्ति का संचार करेगा। जो गैस सिलेंडर की कीमतों का विरोध करेगा वह राष्ट्रद्रोही और देश के नाम पर कलंक कहलाएगा। अंधभक्तों ने एक बस्ती पर धावा बोला। वहाँ जाकर लोगों के गैस सिलेंडर उठा लाए। हर किसी के पास एक या दो सिलेंडर थे। अंधभक्तों के मुखिया ने कहा – लोगों से बहस कर सिलेंडर हथियाने में रात हो गई। कल मीडिया में इस खबर के बारे में रिपोर्ट जारी की जाएगी कि किस प्रकार सरकार से मुफ्त के गैस सिलेंडर लेकर उन्हीं पर अंगुली उठा रहे हैं। ऐसा करने से गैस सिलेंडर की कीमतों का विरोध करने वालों के मुँह पर ताला पड़ जाएगा। कल दोपहर को सब मीडिया प्वाइंट के पास मिलेंगे। चूँकि गैस सिलेंडर भरे हुए हैं सो सभी एक सिलेंडर अपने-अपने घर ले जाओ। सभी मैं ले जाऊँगा तो बस्ती भर के लोग इसी पर खाना पकाना शुरु कर देंगे। वैसे नेता का मतलब लूटी हुई सामग्री का एक समान आबंटन करने वाला होता है। तुम सबको तो पता ही है कि इन्हीं सिलेंडरों को होटलों, दुकानों में बेचकर हमारा धंधा पानी चलता है। इसलिए तुम सब भी यही करना। बदले में खाली सिलेंडर उठा लाना।

अगले दिन दोपहर को सब मिले पर सिलेंडर कोई नहीं लाया था। अंधभक्त मुखिया ने कहा – सभी अपने-अपने सिलेंडर यहाँ दे दो। इन्हें दिखाकर मीडिया के सामने भोली भाली कहलाने वाली जनता का असली चेहरा बेनकाब करते हैं। सरकारी स्किम का लाभ उठाने वालों को मजा चखाने का समय आ गया है। लेकिन सिलेंडर कोई नहीं लाया था। एक अंधभक्त ने कहा – अभी सिलेंडर का इंतजाम नहीं हो सकता। जिस दुकान में मैंने बेचा है उसने किसी और को बेच दिया है। दो-तीन दिन में देने का वादा किया है। दूसरे अंधभक्त ने कहा – मुफ्त का गैस सिलेंडर देख घरवालों ने उसी पर खाना पकाना शुरु कर दिया।

क्यों 14 वर्ष बीतने पर भी लंका नहीं गए श्रीराम?

भरत को लेकर क्या था डर!

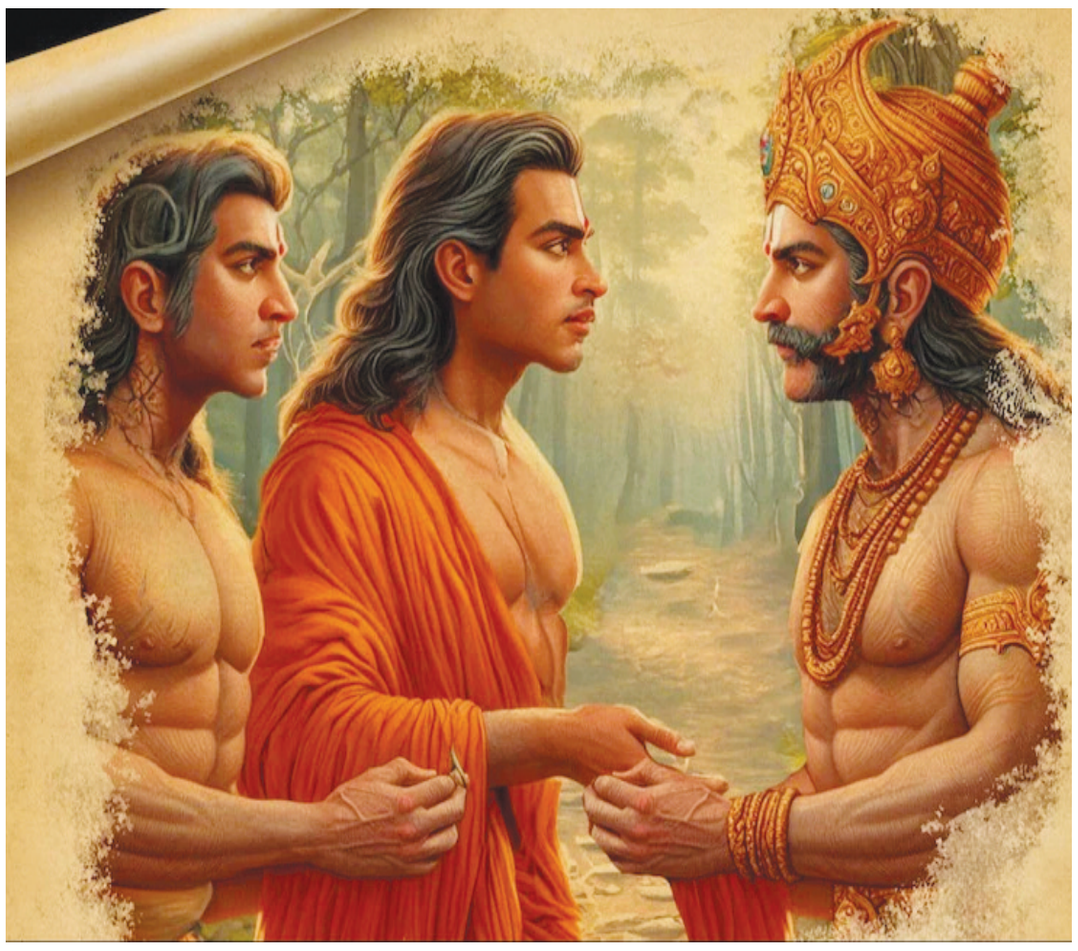

सिर और भुजाएं बहुत बार काटी गईं। फिर भी वीर रावण मरता नहीं। प्रभु तो खेल कर रहे हैं, परन्तु मुनि, सिद्ध और देवता उस क्लेश को देखकर प्रभु को क्लेश पाते समझकर व्याकुल हैं। काटते ही सिरों का समूह बढ़ जाता है, जैसे प्रत्येक लाभ पर लोभ बढ़ता है। शत्रु मरता नहीं और परिश्रम बहुत हुआ। तब श्री रामचंद्रजी ने विभीषण की ओर देखा। जिसकी इच्छा मात्र से काल भी मर जाता है, वही प्रभु सेवक की प्रीति की परीक्षा ले रहे हैं। विभीषणजी ने कहा- हे सर्वज्ञ! हे चराचर के स्वामी! हे शरणागत के पालन करने वाले! हे देवता और मुनियों को सुख देने वाले! सुनिए-इसके नाभिकुंड में अमृत का निवास है। हे नाथ! रावण उसी के बल पर जीता है। विभीषण के वचन सुनते ही कृपालु श्री रघुनाथजी ने हर्षित होकर हाथ में विकराल बाण लिए। उस समय नाना प्रकार के अपशकुन होने लगे। बहुत से गदहे, स्यार और कुत्ते रोने लगे। जगत के दुःख (अशुभ) को सूचित करने के लिए पक्षी बोलने लगे। आकाश में जहां-तहां केतु (पुच्छल तारे) प्रकट हो गए। दसों दिशाओं में अत्यंत दाह होने लगा (आग लगने लगी) बिना ही पर्व (योग) के सूर्यग्रहण होने लगा। मंदोदरी का हृदय बहुत कांपने लगा। मूर्तियां नेत्र मार्ग से जल बहाने लगीं। मूर्तियां रोने लगीं, आकाश से वज्रपात होने लगे, अत्यंत प्रचण्ड वायु बहने लगी, पृथ्वी हिलने लगी, बादल रक्त, बाल और धूल की वर्षा करने लगे। इस प्रकार इतने अधिक अमंगल होने लगे कि उनको कौन कह सकता है? अपरिमित उत्पात देखकर आकाश में देवता व्याकुल होकर जय-जय पुकार उठे। देवताओं को भयभीत जानकर कृपालु श्री रघुनाथजी धनुष पर बाण सन्धान करने लगे। कानों तक धनुष को खींचकर श्री रघुनाथजी ने इकतीस बाण छोड़े। वे श्री रामचंद्रजी के बाण ऐसे चले मानो कालसर्प हों। एक बाण ने नाभि के अमृत कुंड को सोख लिया। दूसरे तीस बाण कोप करके उसके सिरों और भुजाओं में लगे। बाण सिरों और भुजाओं को लेकर चले। सिरों और भुजाओं से रहित रुण्ड (धड़) पृथ्वी पर नाचने लगा। धड़ प्रचण्ड वेग से दौड़ता है, जिससे धरती धंसने लगी। तब प्रभु ने बाण मारकर उसके दो टुकड़े कर दिए। मरते समय रावण बड़े घोर शब्द से गरजकर बोला- राम कहां हैं? मैं ललकारकर उनको युद्ध में मारूं! रावण के गिरते ही पृथ्वी हिल गई। समुद्र, नदियां, दिशाओं के हाथी और पर्वत क्षुब्ध हो उठे। रावण धड़ के दोनों टुकड़ों को फैलाकर भालू और वानरों के समुदाय को दबाता हुआ पृथ्वी पर गिर पड़ा। रावण की भुजाओं और सिरों को मंदोदरी के सामने रखकर रामबाण वहां चले, जहां जगदीश्वर श्री रामजी थे। सब बाण जाकर तरकस में प्रवेश कर गए। यह देखकर देवताओं ने नगाड़े बजाए। रावण का तेज प्रभु के मुख में समा गया। यह देखकर शिवजी और ब्रह्माजी हर्षित हुए। ब्रह्माण्डभर में जय-जय की ध्वनि भर गई। प्रबल भुजदंडों वाले श्री रघुवीर की जय हो। देवता और मुनियों के समूह फूल बरसाते हैं और कहते हैं- कृपालु की जय हो, मुकुन्द की जय हो, जय हो! हे कृपा के कंद! हे मोक्षदाता मुकुन्द! हे (राग-द्वेष, हर्ष-शोक, जन्म-मृत्यु आदि) द्वंद्वों के हरने वाले! हे शरणागत को सुख देने वाले प्रभो! हे दुष्ट दल को विदीर्ण करने वाले! हे कारणों के भी परम कारण! हे सदा करुणा करने वाले! हे सर्वव्यापक विभो! आपकी जय हो। देवता हर्ष में भरे हुए पुष्प बरसाते हैं, घमाघम नगाड़े बज रहे हैं। रणभूमि में श्री रामचंद्रजी के अंगों ने बहुत से कामदेवों की शोभा प्राप्त की। सिर पर जटाओं का मुकुट है, जिसके बीच में अत्यंत मनोहर पुष्प शोभा दे रहे हैं। मानो नीले पर्वत पर बिजली के समूह सहित नक्षत्र सुशोभित हो रहे हैं। श्री रामजी अपने भुजदण्डों से बाण और धनुष फिरा रहे हैं। शरीर पर रुधिर के कण अत्यंत सुंदर लगते हैं। मानो तमाल के वृक्ष पर बहुत सी ललमुनियां चिड़ियां अपने महान सुख में मग्न हुई निश्चल बैठी हों। प्रभु श्री रामचंद्रजी ने कृपा दृष्टि की वर्षा करके देव समूह को निर्भय कर दिया। वानर-भालू सब हर्षित हुए और सुखधाम मुकुन्द की जय हो, ऐसा पुकारने लगे। पति के सिर देखते ही मंदोदरी व्याकुल और मूर्च्छित होकर धरती पर गिर पड़ी। स्त्रियां रोती हुई दौड़ीं और उस (मंदोदरी) को उठाकर रावण के पास आईं। पति की दशा देखकर वे पुकार-पुकारकर रोने लगीं। उनके बाल खुल गए, देह की संभाल नहीं रहीं। वे अनेकों प्रकार से छाती पीटती हैं और रोती हुई रावण के प्रताप का बखान करती हैं। वे कहती हैं- हे नाथ! तुम्हारे बल से पृथ्वी सदा कांपती रहती थी। अग्नि, चंद्रमा और सूर्य तुम्हारे सामने तेजहीन थे। शेष और कच्छप भी जिसका भार नहीं सह सकते थे, वही तुम्हारा शरीर आज धूल में भरा हुआ पृथ्वी पर पड़ा है! वरुण, कुबेर, इंद्र और वायु, इनमें से किसी ने भी रण में तुम्हारे सामने धैर्य धारण नहीं किया। हे स्वामी! **(जारी)**

धन के दाता शुक्र करेंगे अपनी उच्च राशि मीन में प्रवेश

इन 3 राशि वालों को मिलेगा अपार पैसा और पद- प्रतिष्ठा

वैदिक ज्योतिष अनुसार शुक्र ग्रह को विलासता, भौतिक सुख, धन, वैभव और कामुकता का कारक माना जाता है। इसलिए जब भी शुक्र ग्रह की चाल में बदलाव होता है। तो इन सेक्टरों पर विशेष प्रभाव पड़ता है। आपको बता दें कि 31 मार्च को शुक्र ग्रह अपना उच्च राशि मीन में प्रवेश करने जा रहे हैं। जिसका प्रभाव सभी राशियों के जातकों पर पड़ेगा। लेकिन 3 राशियां ऐसी हैं, जिनको इस समय अपार धनलाभ हो सकता है। साथ ही वैवाहिक सुख और धन- दौलत की प्राप्ति हो सकती है। आइए जानते हैं ये भाग्यशाली राशियां कौन सी हैं...

वृष राशि - आप लोगों के लिए शुक्र ग्रह का राशि परिवर्तन लाभकारी साबित हो सकता है। क्योंकि शुक्र ग्रह एक तो आपकी राशि के स्वामी हैं। साथ ही शुक्र ग्रह आपकी राशि से इनकम भाव पर भ्रमण करने जा रहे हैं। इसलिए इस समय आपकी आय में जबरदस्त बढ़ोतरी हो सकती है। साथ ही आय के नए- नए सोर्स बन सकते हैं। वहीं आपकी कारोबार से जुड़ी योजनाएं सफल होंगी। नौकरी जो लोग करते हैं उनका प्रमोशन हो सकता है। आप नया वाहन और संपत्ति खरीद सकते हैं। वहीं आपको इस समय संतान से जुड़ा कोई शुभ समाचार मिल सकता है। साथ ही आपको शेयर बाजार सट्टा और लॉटरी में अच्छा धनलाभ हो सकता है।

मिथुन राशि - शुक्र ग्रह का गोचर मिथुन राशि के लोगों को अनुकूल सिद्ध हो सकता है। क्योंकि यह गोचर आपकी गोचर कुंडली के कर्म भाव पर होने जा रहा है। इसलिए इस समय आपको काम- कारोबार में अच्छी सफलता मिल सकती है। साथ ही अगर आप कोई नया बिजनस आरंभ करने के बारे में सोच रहे हैं तो इस वक्त आपका अपना काम शुरू हो सकता है। वहीं इस समय बेरोजगार लोगों को नई नौकरी मिल सकती है। साथ ही इस समय आपको पैतृक संपत्ति का लाभ मिल सकता है। साथ ही इस समय आपके पिता के साथ संबंध अच्छे रहेंगे।

कुंभ राशि - आप लोगों के लिए शुक्र ग्रह का राशि परिवर्तन लाभप्रद साबित हो सकता है। क्योंकि यह राशि परिवर्तन आपकी राशि से धन और वाणी स्थान पर होने जा रहा है। इसलिए इस समय आपको समय-समय पर आकस्मिक धनलाभ हो सकता है। परिवार के लोग आपका साथ हर मोड़ पर देंगे। विदेश से व्यापार करने वाले भी अच्छी कमाई कर लेंगे। साथ ही इस समय कारोबारियों को फंसा हुआ धन मिलेगा। वहीं आप इस समय धन की सेविंग करने में सफल रहेंगे। साथ ही परिवार के लोग आपका साथ हर मोड़ पर देंगे। विदेश से व्यापार करने वाले भी अच्छी कमाई कर लेंगे।

शून्य से ही महाशून्य का मिलन हो सकता है

मैं तो कहता हूं: आ ही गया है वह दिन, सदा से आया हुआ है वह दिन। अमी झरत, बिगसत कंवल। अभी झर रहा अमृत, अभी कमल खिल रहे हैं। तुम आंख खोलो। तुम जरा सजग होओ। तुम जरा ध्यान के जल में स्नान करो। गंगाओं में नहीं, यमुनाओं में नहीं, नर्मदाओं में नहीं, ध्यान में! ध्यान की सरस्वती में थोड़े नहाओ। उस अदृश्य ध्यान की धारा में थोड़े उतरो। मन के विचार, मन के कोलाहल को थोड़ा जाने दो। शांत, मौन निर्विचार–और तुम्हारे भीतर उठेगी एक लपट, जो तुम्हारे अतीत को भस्मीभूत कर देगी। और जो तुम्हारे भविष्य को सदा के लिए विदा कर देगी। रह जाएगा शुद्ध वर्तमान। और उस वर्तमान में उठती है प्रेम की गंध। उस वर्तमान में झरता है प्रेम का प्रकाश। मगर कठिन है बात! रहिमन मैन तुरंग चढ़ि, चलिबो पावक माहिं।

प्रेम-पंथ ऐसो कठिन, सब कोई निबहत नाहिं।। हिम्मत हो तो चुनौती स्वीकार करो! तो चढ़ो इस तुरंग पर! तो चलो चलें, आग तो लगी है जंगल में। जिनके भीतर थोड़ी भी क्षमता है, प्रतिभा है, वे इस चुनौती को स्वीकार करेंगे ही, क्योंकि यह चुनौती अभियान है। सिर्फ नपुंसक, सिर्फ कायर मुंह ओढ़ कर चुनौती को इनकार करके रह जाते हैं, सिर्फ आलसी। और उनकी भीड़ है। और साधु-संत उन पर जीते हैं। तो वे समझाते हैं कि भक्ति-मार्ग बड़ा सरल है। घंटी बजा दी टुन-टुन-टुन, और भक्ति-मार्ग पूरा! खुद भी न बजाई तो एक नौकर रख लिया घंटी बजाने के लिए, उसने बजा दी, भक्ति-मार्ग पूरा! तिलक-चंदन लगा लिया, भक्ति-मार्ग पूरा! पागल हो गए हो? जलना होगा! प्राणों के अंतरतम को निखारना होगा! प्रेम तुम्हारी सर्वाधिक शुद्ध दशा है। और शुद्ध का ही शुद्ध से मिलन हो सकता है। प्रेम तुम्हारे न होने की दशा है, शून्य की, निर-अहंकार की। और शून्य से ही महाशून्य का मिलन हो सकता है। कठिन है, मैं कहता, लेकिन असंभव नहीं। और सच तो यह है, कठिन है, इसलिए रसपूर्ण है। सस्ता होता, बाजार में बिकता होता, मजा ही क्या रह जाता! कठिन है, चुनौती है, अभियान है, पुकार है। जिनमें भी थोड़ा बल है, वे जगेंगे और यात्रा पर निकलेंगे। लेकिन एक बात अंत में जोड़ दूं– अंत में जोड़ रहा हूं, क्योंकि पहले यह बात मैं कहता तो तुम गलत समझते। जिस दिन तुम प्रेम को जान लोगे, उस दिन तुम भी शायद कहो कि सरल है, सुगम है। क्यों? क्योंकि प्रेम तुम्हारी निजता है, तुम्हारा स्वरूप है। इसलिए जान कर तो कोई कह सकता है कि सरल है, सुगम है। लेकिन उस सरलता और सुगमता का कलियुग से कोई संबंध नहीं है। उस सरलता और सुगमता का तुमसे कोई संबंध नहीं है। हां, बुद्ध को, नारद को, मीरा को सरल है, सुगम है। सच तो यह पूछो, मंजिल पहुंच कर सभी को सुगम हो जाती है। पहुंच कर। मगर यह बात उनको मत कहना जो रास्ते पर हैं। उन्हें तो कठिन है। उन्हें तो पुकारे जाना, उन्हें तो नये-नये और निमंत्रण दिए जाना। नहीं तो वे कहीं भी शिथिल होकर बैठ जाएंगे, किसी मील के पत्थर को छाती से लगा लेंगे। पहुंच कर तो सभी मंजिलें सुगम हो जाती हैं। बड़े से बड़ी खोज सत्य की, एक बार हो गई, तो सुगम हो जाती है। जानते ही सुगम हो जाती है। मगर यह मंजिल पर पहुंचने वाले की बात है। अगर बुद्ध कबीर को कहें कि सुगम है, तो ठीक। कि कबीर दादू को कहें कि सुगम है, तो ठीक। मगर यह गुफ्तगू है, यह संत आपस में एक-दूसरे को कहें तो ठीक। यह बीमारों से कहने की बात नहीं है कि सुगम है। **(क्रमशः)**

वास्तु दोष हो या फिर कुंडली दोष, इन उपायों से मिलेगा छुटकारा

जीवन में नकारात्मकता व्यक्ति को आगे बढ़ने से रोकती है। जिस वजह से व्यक्ति डिप्रेशन से गुजरता है या फिर कई बार जीवन में अनचाही परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कई बार ऐसा होता है बाहर तो हमारा मन काफी खुश रहता है लेकिन जैसे ही हम घर आते है तो मन परेशान हो जाता है या फिर किसी भी काम में मन नहीं लगता। लेकिन ज्योतिष शास्त्र में इससे छुटकारा पाने के लिए भी बहुत से नियम बताए हैं। आज बात करेंगे कि आपकी या फिर आपकी कुंडली में यदि किसी प्रकार की नेगेटिविटी चल रही है तो उसे कैसा हटाया जाए।

ईशान कोण घर का एक ऐसा कोना है जहां से हम अपने घर की बुरी वाइब्स को दूर कर सकते हैं। ऐसा करने के लिए एक छोटा सा चांदी का लोटा ले कर आएं और उसमे गंगाजल भरें और इस दिशा में रख दें। जब भी ये सूखने लगे इसे तुरंत भर दें। गंगा जल गुरु और चंद्र का मिक्स है। ये आपके घर के ऊर्जा का स्तर इतना बढ़ा देते हैं। थोड़े दिन ऐसा करने के बाद आप देखेंगे कि जल्द ही आपके घर में सुख-शांति का वास रहने लगेगा।

पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर को घर की पूजा स्थान पर रखें या फिर इसे घर के रसोई घर में रखें। लेकिन इस बात का बेहद ध्यान रखें यदि आपके घर में मांसाहारी बनता है तो ऐसा न करें। ऐसा करने से आप पाप के भागीदार बन जाते हैं। जिस घर में वास्तु दोष होता है उस घर की नेगेटिविटी जल्द ही दूर हो जाती है। इनके तस्वीर के आगे बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ जरूर करें।

नेगेटिविटी को भगाने का सबसे आसान तरीका है घर में तुलसी रखें। श्यामा और राम दोनों तरह की तुलसी रखें। इस गमले में एक कामधेनु गाय की छोटी सी मूर्ति भी रख दें। इसको घर के नॉर्थ साइड में रख दें। अगर ऐसा नहीं कर सकते तो कहीं भी रख दें। इन दोनों को एक ही गमले में रखें। बस इनके ऊपर लाल चुनरी न डालें। रोग और क्लेश से मुक्ति पाने के लिए मिट्टी के बर्तन में तेज पत्ता लें और उसे गाय के घी में डुबा कर जला दें। इसके धुएं को घर में घुमा दें। ऐसा प्रतिदिन करने से नजर दोष से मुक्ति मिलेगी। डार्क कलर से जितना हो सके उतना परहेज करें। घर का कबाड़ रहने न दें तुरंत बाहर निकाल दें। घर की छत को हमेशा साफ़ रखें। पीली सरसों किसी भी बर्तन में डाल कर बेड के पास रख दें। और इसे अपने सिर से 7 बार उल्टी तरफ घुमा के बाहर की तरफ फेंक दें। ऐसा करने से कुंडली में चल रहे दुष्प्रभावों से छुटकारा मिलेगा।

जिस व्यक्ति के पास होती है ये चीज कभी नहीं होता वो कंगाल

ईश्वर ने हमें सबसे बड़ी मूल्यवान वस्तु हमारा शरीर दिया है। इस मूल्यवान वस्तु की हम कद्र न करते हुए इसके द्वारा कमाई गई सांसारिक वस्तुओं की कद्र इससे ज्यादा करते हैं, जो किसी भी मायने में सही नहीं है। अहमद नामक एक फकीर थे। उनका ज्यादातर वक्त इबादत या लोगों की मदद में गुजरता था। वह लोगों की समस्याओं का समाधान चुटकियों में कर देते थे। वह जो उपाय या तरीके बताते थे, लोग उन पर आंख मूंदकर अमल करते थे।एक दिन उनके पड़ोस में रहने वाले व्यापारी बहराम के घर से रोने-धोने की आवाज सुनाई पड़ी। यह सुनते ही अहमद ने जब पूछताछ की तो उन्हें पता चला कि बहराम जब खरीदा गया माल ऊंटों पर लाद कर घर ला रहा था, तो रास्ते में डाकुओं ने उसका सारा सामान लूट लिया। उसकी सारी सम्पत्ति लुट जाने के कारण वह पागल-सा हो गया था और आत्महत्या करने जा रहा था।ऐन मौके पर कुछ लोगों ने आकर उसे आत्महत्या जैसा गलत कार्य करने से रोक लिया। खुद कुछ न कर पाने के कारण वह आवेश में बिना सोचे-समझे रो-रो कर बोल रहा था कि अब कंगाल होकर जीने का क्या मतलब है ? मैं आखिर जिंदा क्यों रहूं ? अहमद को सामने देख कर उसे थोड़ी राहत मिली।अहमद ने उसके पास आकर पूछा, ''जब तुम पैदा हुए थे तो क्या धन तुम्हारे पास था, जो लुटेरों ने लूट लिया ?''बहराम ने कहा, ''नहीं, मैंने बड़ी मेहनत से दौलत इकट्ठी की थी।''इस पर अहमद बोले, ''क्या लुटेरों ने मेहनत करने वाले तुम्हारे दोनों हाथों को भी लूट लिया है ?''बहराम बोला, ''नहीं।''इस पर अहमद ने कहा, ''तुम को तो किसी ने नहीं लूटा है। तुम्हारी असली दौलत यानी तुम्हारे हाथ-पैर सही सलामत हैं और फिर तुम्हारे दिल में रहम है। इससे बढ़कर कोई धन नहीं है फिर तुम अपने आपको कंगाल कैसे बता रहे हो ?''अहमद के शब्दों को सुन कर बहराम का सारा दुख-दर्द दूर हो गया। अगले ही दिन से वह पूरी लगन के साथ व्यापार में जुट गया।

घर में रखें इस रंग का मटका

सर्दियां खत्म होने वाली हैं और जल्द ही गर्मियों का मौसम आने वाला है। ऐसे में ज्यादातर इस दौरान हर घर में मटके तो देखने को मिलते ही हैं। आमतौर पर वैसे तो मटका पानी भरने के लिए ही रखा जाता है लेकिन ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में इसे बेहद ही शुभ और खास माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार हर घर में एक मटका अवश्य होना चाहिए। अब ये तो सबको पता ही है कि मटका रखना चाहिए लेकिन किस रंग का रखना चाहिए। इस बारे में जानकारी हर व्यक्ति को नहीं होती है। बाजार में काले और लाल रंग के मटके मिलते हैं। काले रंग को देखकर अक्सर लोग नेगेटिविटी का अंदाजा लगा लेते हैं लेकिन ये सही नहीं है। वास्तु शास्त्र के लिहाज से इसे बेहद ही शुभ माना जाता है। तो चलिए जानते हैं -

घर में काले रंग का मटका रखने के फायदे वास्तु शास्त्र के मुताबिक घर में रखा हुआ मटका घर को बुरी नजर से बचाता है और सकारात्मकता की बढ़ोतरी करता है। वहीं आपको बता दें कि अगर आप घर में काले रंग का मटका रखना चाहते हैं तो रख सकते हैं। इसे घर में रखने से बहुत से लाभ देखने को मिलते हैं जैसे कि बुरी नजर से मुक्ति और वास्तु दोष से भी छुटकारा मिलता है। कुछ वास्तु एक्सपर्ट्स के अनुसार यूं भी कहा जाता है कि अगर आपके साथ यदि कुछ बुरा होने वाला होता है तो ये मटका अपने आप फूट जाता है।

राहु के दुष्प्रभाव से मुक्ति पाने के लिए भी ये मटका बेहद ही खास माना जाता है। इसके अलावा घर में काला मटका रखने से न्याय के देवता शनि देव का भी आशीर्वाद प्राप्त होता है। जिस व्यक्ति के घर में ये मटका होता है उसे शनि देव के बुरे प्रभावों का सामना नहीं करना पड़ता है।

सारे आभूषणों में सबसे बड़ा है यह आभूषण

ईश्वरचंद विद्यासागर की मां हर किसी की मदद के लिए हमेशा तैयार रहती थीं। वे इस बात की परवाह नहीं करती थीं कि घर में पैसे हैं या नहीं ? तंगी के दिनों में भी वह अपनी चिंता छोड़कर दूसरों का ज्यादा याल रखती थीं। जब विद्यासागर जी अच्छे पद पर नियुक्त हो गए, तब घर की आर्थिक स्थिति सुधरी लेकिन उनके रहन-सहन में कोई बदलाव नहीं आया और उन्होंने अपनी सादगी नहीं छोड़ी।एक दिन विद्यासागर जी के एक मित्र उनके घर आए। विद्यासागर जी की मां को प्रणाम किया और वह उनके सहज-सरल स्वभाव को देखकर दंग रह गया।

उन्होंने पूछा, ''माताजी यदि आप आज्ञा दें तो मैं आपसे एक प्रश्न पूछना चाहता हूं।''

माताजी सहज मुस्कान के साथ बोलीं, ''पूछो बेटा, क्या जानना चाहते हो ?''

मित्र बोला, ''माताजी अब तो आपके बेटे बड़े अधिकारी बन गए हैं। उनका समाज में काफी नाम और सम्मान है। ऐसे में यदि उनकी मां मामूली चूड़ियां पहनें तो यह थोड़ा अटपटा लगता है। अब तो आपको सोने के गहने पहनने चाहिएं।''यह सुन कर विद्यासागर की मां जोर से हंस पड़ीं और बोलीं, पुत्र, विद्यासागर की मां के हाथ की शोभा न तो यह चूड़ियां हैं और न ही सोने-चांदी के गहने। इन हाथों की शोभा तो सदा गरीबों की सेवा करते रहने से आती है।

ऐसा जवाब सुनकर उनके मित्र उनके सामने नतमस्तक हो गए। उन्होंने कहा, ''माताजी आज मुझे विद्यासागर के सद्गुणी और परोपकारी स्वभाव के रहस्य का पता चल गया है। जिनकी माता सद्गुणों की खान हों, उनका बेटा सदा ही अच्छे गुणों से भरपूर होगा। आप धन्य हैं, जिन्होंने स्वयं के साथ ही अपने पुत्र को भी लायक बनाया है।''तभी विद्यासागर जी आ गए और अपने मित्र से बोले, ''मैं स्वयं चाहता हूं कि मेरे जैसी मां, हर भारतवासी के घर में हो, जो खुद के साथ-साथ अपनी संतान को भी सही रास्ता दिखाए।''

हॉलीवुड फिल्मों में क्यों काम नहीं करते शाहरुख खान? अब एसआरके ने खुद बताई वजह

शाहरुख खान न सिर्फ देश बल्कि विदेशों में भी एक प्रसिद्ध नाम है और दुनियाभर में लोग उनकी एक झलक पाने के लिए तरसते हैं. चाहे बीते दौर की हीरोइनें हों या फिर न्यूकमर, किंग खान के साथ रोमांटिक पोज देना और उनके साथ काम करना हर एक फीमेल स्टार का सपना होता है. अभिनय से ज्यादा वे अपने व्यक्तित्व के लिए भी जाने जाते हैं. अबिनेता 30 से अधिक वर्षों से बॉलीवुड के 'किंग खान' के रूप में राज कर रहे हैं. भले ही उन्होंने कोई हॉलीवुड फिल्म नहीं की हो, लेकिन उनका स्टारडम सात समंदर पार भी वैसा ही है जैसा कि भारत में. हाल ही में उन्होंने एक बातचीत में इस सवाल का जवाब दिया कि आखिर उन्होंने अब तक हॉलीवुड में क्यों एक्टिव नहीं की.

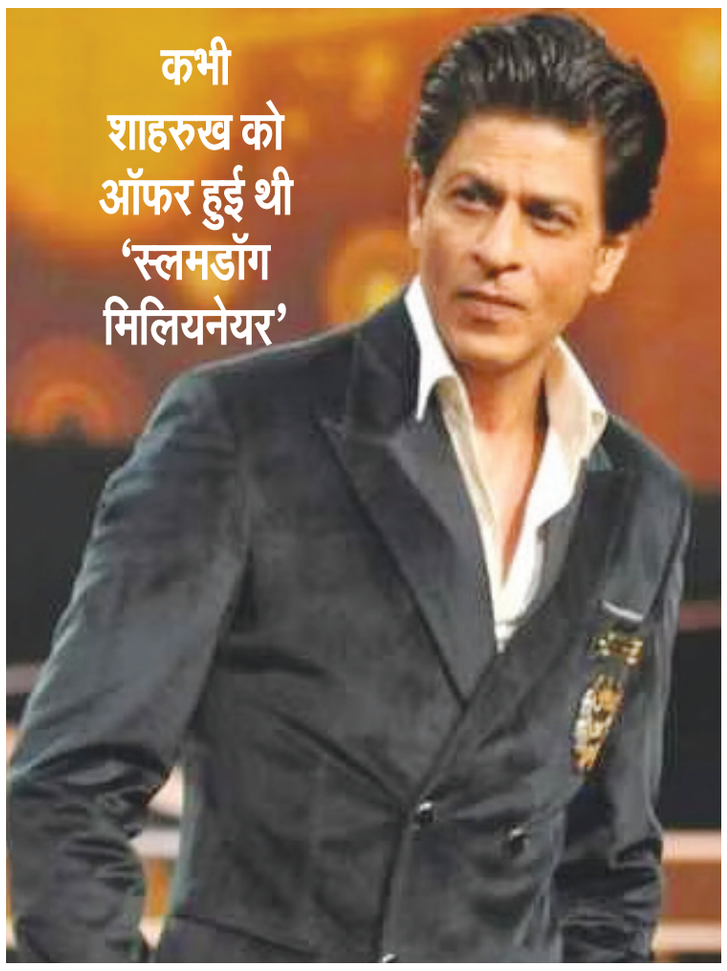

शाहरुख को ऑफर हुई थी 'स्लमडॉग मिलियनेयर'

जैसा कि हर कोई एक ही सवाल पूछ रहा है, 'शाहरुख हॉलीवुड में अभिनय क्यों नहीं कर रहे हैं?', किंग खान ने खुद इसके पीछे का कारण बताया है. इससे पहले, शाहरुख ने साझा किया था कि उन्हें डैनी बॉयल की 2008 की फिल्म 'स्लमडॉग मिलियनेयर' की पेशकश की गई थी लेकिन किसी वजह से उन्होंने इसे करने से इनकार कर दिया था. शाहरुख को टीवी गेम शो 'हू वॉन्ट्स टू बी अ मिलियनेयर?' में होस्ट की भूमिका की पेशकश की गई थी. लेकिन अनिल कपूर ने यह किरदार निभाया क्योंकि शाहरुख ने कथित तौर पर यह प्रोजेक्ट ठुकरा दिया था.

ब्राउन रंग के व्यक्ति का रोल मिलता तो हॉलीवुड में काम करेंगे

हाल ही में द नेशनल न्यूज के साथ एक इंटरव्यू में शाहरुख ने खुलासा किया कि अगर वे 46 वर्षीय ब्राउन रंग के भारतीय व्यक्ति की कहानी लेकर उनके पास आते तो वो हॉलीवुड में काम कर लेते. क्योंकि उस वक्त एक्टर की उम्र 46 साल थी. शाहरुख ने यह कहकर इसे भी स्पष्ट कर दिया, 'मैं जॉन ट्रैवोल्टा से बेहतर डांस नहीं कर सकता. मैं टॉम क्रूज से ज्यादा अच्छा नहीं दिखता. मैं इसकी आकांक्षा नहीं करता, इसलिए नहीं कि मैं ऐसा नहीं करना चाहता, बल्कि इसलिए कि मैं उनके जैसा नहीं कर सकता.

अभिनेता ने उस अफवाह पर प्रतिक्रिया व्यक्त की जिसमें कहा गया था कि वो पॉल श्रेडर की 'एक्सट्रीम सिटी' में लियोनार्डो डिकैप्रियो के साथ स्क्रीन साझा करेंगे. शाहरुख ने बताया कि इसके लिए 6 से 8 महीने की तैयारी की आवश्यकता होगी, और उन्हें दो और फिलहाल उन्हें अपने पेंडिंग पड़े 2 प्रोजेक्ट पूरे करने हैं. लिहाजा ये फिल्म नहीं बन पाई. काम के मोर्चे पर, शाहरुख खान अगली बार वाईआरएफ की 'पठान 2' में दिखाई देंगे. वो सुजॉय घोष की अगली थ्रिलर फिल्म में अपनी बेटी सुहाना खान के साथ भी स्क्रीन शेयर करेंगे.

मुंबई मेट्रो के अंदर डांस करने को लेकर ट्रोल हुईं नोरा फतेही, लोगों ने कहा- सस्ती नौटंकी

अभिनेत्री नोरा फतेही अक्सर ही सुर्खियों में रहती हैं। कभी डांस को लेकर तो कभी अपने लुक्स को लेकर। नोरा फतेही को बॉलीवुड में डांसिंग क्वीन भी कहा जाता है। फिलहाल नोरा अपनी अपकमिंग फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' में नजर आने वाली हैं, लेकिन नोरा का नाम तब सुर्खियों में आ गया, जब वे ट्रोलर्स के निशाना पर आ गई।

यूर्जस ने किया ये कमेंट

दरअसल, हाल ही में नोरा मुंबई मेट्रो में सफर करती हुई नजर आईं थी। इस दौरान उन्होंने मेट्रो के अंदर बेहद ही बोल्ड डांस किया था। इसके बाद जब नोरा फतेही का यह वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया तो वे यूजर्स के निशाने पर आ गईं। यूजर्स इस वीडियो पर कमेंट करके ट्रोल करने लगे। एक यूजर ने लिखा, 'कभी अच्छे कपड़े क्यों नहीं पहन सकती? वहीं, एक अन्य यूजर ने लिखा कि मेट्रो माई डांस क्यों कर रही हो। इस दौरान एक यूजर ने उन्हें 'सस्ती नौटंकी' तक कह डाला।

पहले भी हो चुकीं है ट्रोल

गौरतलब है कि इससे पहले भी नोरा ट्रोलर्स के निशाने पर आ चुकी हैं। टीवी की लोकप्रिय डांस शो 'डांस प्लस प्रो' में नोरा का एक परफॉर्मेंस खूब चर्चा में था, अपने इस डांस वीडियो को लेकर भी नोरा कॉफी ट्रोल हुईं थी। 'डांस प्लस प्रो' में रेमो डिसूजा, शक्ति मोहन, पुनीत पाठक और राघव भी नोरा का यह परफॉर्मेंस देख हैरान रह गए थे। उस दौरान नोरा ने नाच मेरी रानी पर स्टेज पर परफॉर्मेंस दी थी, जिसमें वे बेहद ही हॉट नजर आ रही थीं। परफॉर्मेंस के दौरान नोरा ने लोगों को तब चौंका दिया था, जब वे परफॉर्मेंस के दौरान अपने ऊपर पानी डालते हुए डांस करते देखीं गईं।

'कमांडों' बनने के लिए, खाए हर रोज घी के लड्डू और 5-7 केले, बंदूक चलाने के लिए अदा ने ली स्पेशल ट्रेनिंग

अदा शर्मा लगातार सच्ची घटनाओं से प्रेरित फिल्में कर रही हैं. बॉक्स ऑफिस पर उनकी 'द केरला स्टोरी' फिल्म सुपर-डूपर हिट साबित हुई. इसके बाद उनकी 'सनफ्लॉवर 2' आई. अब वह छत्तीसगढ़ की वास्तविक घटनाओं पर आधारित फिल्म ' बस्तरः द नक्सल स्टोरी ' लेकर आ रही हैं. यह फिल्म 15 मार्च को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी. इस फिल्म को अमरनाथ झा ने लिखा है जबकि इसे सुदीप्तो सेन डायरेक्टर कर रहे हैं. फिल्म में अदा शर्मा के अलावा राइमा सेन, शिल्पा शुक्ला, यशपाल शर्मा और कई अन्य कलाकार शामिल हैं.

अब फिल्म के रिलीज होने से पहले अदा शर्मा ने खुलासा किया बॉक्स ऑफिस पर उनकी फिल्में हिट या फ्लॉप होने से उनके ऊपर क्या असर पड़ता है. फ्री प्रेस जर्नल से बात करते हुए अदा ने खुलासा किया कि फिल्में बॉक्स ऑफिस पर चले या फिर न चले इस बारे में यदि कोई उन्हें याद नहीं दिलाता है तो वह इसके बारे में बिल्कुल भी नहीं सोचती हैं. अभिनेत्री ने बताया कि वह एकदम आउट साइडर एक्ट्रेस हैं. ऐसे मे उनके पास खोने के लिए कुछ नहीं है. अदा ने कहा कि वह एक ऐसी एक्ट्रेस बनीं तो सफलता का स्वाद चख रही है. अभिनेत्री ने कहा कि वह आभारी हैं कि उन्हें ऐसे किरदार निभाने को मिले जिनमें वह अपना दिल, खून और आत्मा लगा सकती हैं. बॉक्स ऑफिस के दबाव के बारे में पूछे जाने पर अदा ने कहा कि बॉक्स ऑफिस उनके हाथ में नहीं है.

हालांकि अदा को उम्मीद है कि 'बस्तर' भी 'द केरला स्टोरी' जैसा ही जादू करेगी. उनके मुताबिक लोग बस्तर को उतना ही प्यार देंगे जितना उन्होंने उनकी पिछली फिल्म को दिया था. इस बीच, अदा ने बताया कि वह अपने किरदार के लिए 10 किलो वजन बढ़ाया लेकिन उन्हें फिट भी रहना पड़ा. एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि वह हर रोज घी के लड्डू और 5-7 केले खाती थीं. कमांडो की शूटिंग के दौरान उन्होंने बंदूक चलाने का स्पेशल ट्रेनिंग भी की थीं. बस्तर के लिए, उन्होंने अपनी पिछली फिल्मों के विपरीत बहुत ही रॉ, गंभीर और रियल एक्शन सीखा.

किलियन मर्फी के ऑस्कर जीतने से खुश यामी गौतम

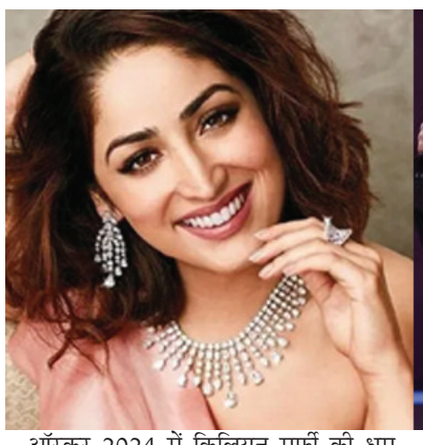

ऑस्कर 2024 में किलियन मर्फी की धूम देखने को मिली है। अभिनेता ने ओपेनहाइमर में अपनी मंत्रमुग्ध कर देने वाली परफॉर्मेंस के लिए ऑस्कर में बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड जीत लिया है। मर्फी ने एक साइंटिस्ट के रोल में ऐसा जादू फूंका कि पब्लिक देखती ही रह गई। केवल पब्लिक ही नहीं क्रिटिक्स भी हैरान रह गए। अब यामी गौतम ने किलियन मर्फी की प्रशंसा की है और उनके लिए एक नोट साझा कर बधाई दी है।

यामी ने एक नोट साझा कर लिखा, "पिछले कुछ वर्षों से किसी भी मौजूदा नकली फिल्मी पुरस्कारों पर कोई विश्वास नहीं होने के कारण मैंने उनमें भाग लेना बंद कर दिया है, लेकिन आज मैं एक उम्दा कलाकार के लिए बहुत में खुश महसूस कर रही हूं, जिसने अपने धैर्य, अभिनय और अच्छाई से सभी को अपना फैन बना लिया है। सबसे बड़े वैश्विक मंच पर उन्हें सम्मानित होते देखना हमें बताता है कि अंत में यह आपकी प्रतिभा है जो किसी भी चीज से ऊपर है।

जैसे ही यामी ने नोट पोस्ट किया, प्रशंसकों ने उनके कमेंट बॉक्स में तारीफों की बाढ़ ला दी। एक यूजर ने कमेंट किया, क्वीन। दूसरे यूजर ने लिखा है, बहुत आगे बढ़ें। जब किसी डिजर्विंग कलाकार को पुरस्कार मिलता है तो सभी काफी सम्मानित महसूस करते हैं।र एक और यूजर ने लिखा, सिलियन मर्फी यह अवॉर्ड पूरी तरह से डिजर्व करते थे। उन्हें अवॉर्ड लेता देख बहुत खुशी हो रही है।किलियन मर्फी ने क्रिस्टोफर नोलन निर्देशित ओपेनहाइमर में अपने बेहतरीन अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का ऑस्कर जीता।

वह प्रतिष्ठित पुरस्कार जीतने वाले पहले आयरिश मूल के स्टार हैं। इस बार ऑस्कर ओपेनहाइमर के नाम रही , क्योंकि इसने सर्वश्रेष्ठ चित्र और सर्वश्रेष्ठ निर्देशक सहित कार्यक्रम के सात बड़े पुरस्कार अपने नाम कर लिए। वहीं, बात करें फिल्म की तो 'आर्टिकल 370' में यामी गौतम ने जूनी हक्सर नाम की एनआईए एजेंट की भूमिका निभाई है, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया और अब यह बॉक्स ऑफिस पर सफलतापूर्वक अपना प्रदर्शन कर रही है।

ट्विंकल खन्ना को नहीं पसंद प्री-वेडिंग पार्टी बोलीं- मेरे बच्चे घर से भाग कर लें शादी

ट्विंकल खन्ना अभिनेत्री और लेखिका होने के साथ-साथ एक मां और पत्नी भी हैं। शादी के बाद ट्विंकल फिल्मों से दूर हो गई हैं, लेकिन वे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री अंबानी परिवार के प्री-वेडिंग कार्यक्रमों के बारे में अपनी राय जाहिर करती नजर आईं। साथ ही साथ उन्होंने अपने बच्चों की शादियों के बारे में भी कई दिलचस्प खुलासे किए।

नहीं करेंगी अपने बच्चों की प्री-वेडिंग पार्टी

ट्विंकल खन्ना बॉलीवुड में अपनी बेबाकी के लिए मशहूर हैं। वे अपनी बातों को बिना लाग-लपेट के बोल देती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने एक लेख में लिखा है, 'मुकेश अंबानी और नीता अंबानी ने प्री-वेडिंग कार्यक्रम का आयोजन इतना भव्य किया था कि अब कोई भी प्री-वेडिंग पार्टी उसके सामने फीकी ही लगने वाली है। ऊपर से न तो अक्षय देर तक जाग सकते हैं और न मैं नीता अंबानी के जैसे डांस कर सकती हूं इसलिए मैं अपने बच्चों की प्री-वेडिंग पार्टी नहीं करूंगी।'

घर से भाग कर लें शादी

ट्विंकल अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, 'मुझे शादियों में होने वाले ये ताम-झाम बिल्कुल पसंद नहीं हैं। मैं तो चाहती हूं कि मेरे बच्चे घर से भाग कर शादियां कर लें। मुझे इस बात से कोई परेशानी नहीं होगी कि उन्होंने अपनी मर्जी से शादी कर ली और मैं पार्टी का आयोजन नहीं कर पाई।' अभिनेत्री और लेखिका होने के साथ-साथ ट्विंकल खन्ना एक प्यारी सी बेटी की मां भी हैं। ट्विंकल अपने लेख में आगे लिखती हैं, 'मैं हमेशा सोचती हूं कि क्या मेरी बेटी शादी के बाद अपना सरनेम बदल लेगी। मैं चाहती हूं कि वह सुरक्षित रहे और खुश रहे। मैं अपनी तरफ से उसे अक्सर बताती रहती हूं कि बिना डरे अपने अधिकारों के लिए हमेशा आवाज उठाना चाहिए।'

ऑस्कर जीतकर गॉडजिला माइनस वन ने रचा इतिहास

96वें ऑस्कर अवॉर्ड्स में गॉडजिला माइनस वन ने इतिहास रच दिया है। फिल्म को बेस्ट विजअल इफेक्ट की कैटेगरी में पुरस्कार दिया गया है। 15 मिलियन डॉलर के बजट से बनकर तैयार हुई इस फिल्म ने चार बड़े बजट वाली हॉलीवुड फिल्मों को हराकर यह खिताब अपने नाम किया। दशकों में यह पहली बार है कि किसी गैर-अमेरिकी स्टूडियो फिल्म ने इस श्रेणी यह पुरस्कार जीता है। यह पहला मौका था जब 70 वर्ष में पहली बार गॉडजिला फ्रेंचाइजी की किसी फिल्म को नामांकित किया गया था और पहली बार में ही इस फिल्म ने अवॉर्ड हासिल करने में कामयाबी हासिल की।

इन फिल्मों को छोड़ा पीछे

गॉडजिला माइनस वन को ताकाशी यामाजाकी ने लिखा और निर्देशित किया गया है। उन्होंने इस फिल्म की वीएफएक्स टीम का भी नेतृत्व किया था। उनकी टीम में कियोको शिबुया, मसाकी ताकाहाशी और तात्सुजी नोजिमा शामिल थे। यह टीम अब जापान की सर्वश्रेष्ठ विजुअल इफेक्ट वाले ऑस्कर की पहली विजेता है। यामाजाकी और उनके उनकी टीम ने गार्डियंस ऑफ द गैलेक्सी 3, नेपोलियन, मिशनः इम्पॉसिबल - डेड रेकनिंग पार्ट वन और द क्रिएटर की वीएफएक्स टीमों को पीछे छोड़कर यह जीत हासिल की है।

नामांकन पर निर्देशक ने कही थी यह बात

इससे फिल्म को आस्कर के लिए नामांकन मिलने के बाद यामाजाकी ने खुशी जताई थी। उन्होंने कहा था, लगभग 40 वर्षों से मैं हॉलीवुड के विजुअल इफेक्ट्स की तारीफ करते हुए फिल्में बना रहा हूं। मुझे लगता है कि मैंने आखिरकार कुछ हासिल कर लिया है। नामांकन पर मैंने अपना ध्यान केंद्रित नहीं किया था, लेकिन मुझे इस बात की खुशी है। यह गॉडजिला के लिए एक अद्भुत दिन है!

अमेरिका कनाडा में फिल्म ने की जमकर कमाई

गॉडजिला माइनस वन को दुनियाभर में काफी सराहना मिली थी। यह फिल्म अमेरिका और कनाडा में 56.4 मिलियन डॉलर की कमाई कर इन देशों में अब तक की सबसे अधिक कलेक्शन करने वाली जापानी फिल्म बन गई थी।

'ओपेनहाइमर' को बेस्ट फिल्म समेत 7 ऑस्कर

96वें OSCARS अवॉर्ड्स 2024 में क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म ने अपना दबदबा कायम रखा। 23 कैटगरी में हुए तमाम नॉमिनेशन्स हुए थे। जिसमें से क्रिस्टोफर नोलन की 'ओपेनहाइमर' ने 13 में से सात अवॉर्ड अपने नाम कर लिए। जहां पिछली बार प्रेजेंटर की लिस्ट में दीपिका पादुकोण का नाम शामिल था। वहीं, इस साल किसी भी भारतीय सेलेब्स को मौका नहीं मिला।

एकेडमी अवॉर्ड्स 2024 के लिए लॉस एंजिल्स का डॉल्बी थिएटर 11 मार्च सुबह 4:30 बजे से लोगों की खचाखच भीड़ से भरा रहा। सामने रखी ऑस्कर की ट्रॉफी पर सबकी नजर थी कि आखिर ये किसे मिलेगी। 23 कैटगरी में ये अवॉर्ड दिया जाना था, जिसमें क्रिस्टोफर नोलन की 'ओपेनहाइमर' ने बाजी मार ली। इस मूवी ने अलग-अलग कैटगरी में 7 अवॉर्ड्स अपने नाम किए। वहीं, 'पुअर थिंग्स' ने भी 11 में से 4 ऑस्कर जीते। हालांकि भारतीयों के चेहरे मायूसी से लटके हुए दिखाई दिए। क्योंकि सिर्फ एक डॉक्यूमेंट्री फीचर फिल्म नॉमिनेट हुई थी और उसे ये खिताब नहीं मिला। उसका नाम था 'टू किल ए टाइगर' । जबकि 2023 में भारतीयों को दो ऑस्कर मिले थे।

ऑस्कर अवॉर्ड मनोरंजन जगत का एक प्रतिष्ठित अवॉर्ड है। जिसे पाने की चाहत इंडस्ट्री से जुड़ा हर एक शख्स रखता है। उम्मीद लगाता है कि इस बार उसकी मूवी तमाम कैटगरी में नॉमिनेट होगी और किसी एक में तो तुक्का लग ही जाएगा। हालांकि कई बार नॉमिनेशन्स में आने के बावजूद भी ये खिताब नहीं मिलता। जैसे कि रॉबर्ड डाउनी जूनियर के साथ हुआ, वह तीन बार नॉमिनेशन्स में आए लेकिन पहली बार उन्हें इस अवॉर्ड से नवाजा गया है। वहीं, बिली इलिश ने 87 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए सबसे कम उम्र में दो ऑस्कर जीतने का इतिहास रच दिया है।

ऑस्कर 2024 विनर कैटगरी	ऑस्कर विनर्स के नाम
बेस्ट पिक्चर	ओपेनहाइमर
बेस्ट एक्ट्रेस	एम्मा स्टोन (पुअर थिंग्स)
बेस्ट एक्टर	किलियन मर्फी (ओपेनहाइमर)
बेस्ट डायरेक्टर	क्रिस्टोफर नोलन (ओपेनहाइमर)
बेस्ट ओरिजनल सॉन्ग	व्हाट वाज आई मेड फॉर (बार्बी)
बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर	रॉबर्ट डाउनी जूनियर (ओपेनहाइमर)
बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस	डा'वाइन जॉय रैंडोल्फ (द होल्डओवर्स)
बेस्ट ओरिजनल स्कोर	लुडविग गोरानसन(ओपेनहाइमर)
बेस्ट साउंड	द जोन ऑफ इंटरेस्ट
बेस्ट लाइव एक्शन शॉर्ट फिल्म	द वंडरफुल स्टोरी ऑफ हेनरी शुगर
बेस्ट सिनेमेटोग्राफी	ओपेनहाइमर
बेस्ट डॉक्यूमेंट्री फीचर फिल्म	20 डेज इन मारियुपोल
बेस्ट डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट फिल्म	द लास्ट रिपेयर शॉप
बेस्ट फिल्म एडिटिंग	ओपेनहाइमर
बेस्ट विजुअल इफेक्ट	गॉडजिला माइनस वन
बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म	द जोन ऑफ इंटरेस्ट
बेस्ट कॉस्ट्यूम डिजाइन	पुअर थिंग्स
बेस्ट प्रोडक्शन डिजाइन	पुअर थिंग्स
बेस्ट मेकअप एंड हेयरस्टाइलिंग	पुअर थिंग्स
बेस्ट एडेप्टेड स्क्रीनप्ले	अमेरिकन फिक्शन
बेस्ट ओरिजनल स्क्रीनप्ले	एनाटॉमी ऑफ ए फॉल
बेस्ट एनिमेटेड फीचर फिल्म	द बॉय एंड द हेरॉन
एनिमेटेड शॉर्ट मूवी	वॉर इस ओवर! इंस्पायर्ड बाई द म्यूजिक ऑफ जॉन एंड योको

सिर चढ़कर बोल रहा 'शैतान' का काला जादू फर्स्ट वीकेंड में अजय-माधवन ने किया कमाल

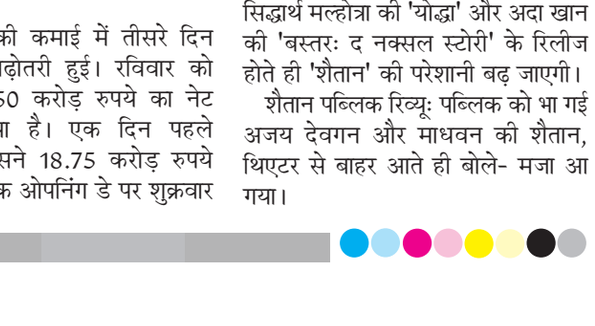

अजय देवगन और आर माधवन की 'शैतान' ने अपने पहले वीकेंड में धमाल मचा दिया है। फिल्म ने शानदार 54 करोड़ रुपये की कमाई की है। दिलचस्प है कि हॉरर जॉनर की यह पहली फिल्म है, जो देश में इस तरह से कमाई कर रही है। रविवार को फिल्म की कमाई 20 करोड़ के पार पहुंच गई।

'शैतान' का काला जादू बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रहा है। फर्स्ट वीकेंड में अजय देवगन और आर. माधवन की इस सुपरनैचुरल हॉरर-थ्रलिर ने 50 करोड़ रुपये से अधकि की कमाई कर ली है। देश में हॉरर जॉनर की यह पहली फिल्म है, जिसने पहले तीन दिनों में ही 54 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है। विकास बहल के डायरेक्शन में बनी 'शैतान' देखने के लिए रविवार को सिनेमाघरों में अच्छी-खासी भीड़ नजर आई। शाम के शोज में करीब-करीब 50% सीटों पर दर्शक नजर आए।

'शैतान' की कमाई में तीसरे दिन 9.33% की बढ़ोतरी हुई। रविवार को फिल्म ने 20.50 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है। एक दिन पहले शनिवार को इसने 18.75 करोड़ रुपये कमाए थे, जबकि ओपनिंग डे पर शुक्रवार को 14.75 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ था। इस तरह फर्स्ट वीकेंड में फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 54.00 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन कर लिया है।

'शैतान' के पास बचे हैं 4 दिन, आ रही है 'योद्धा'

'शैतान' का बजट 60-65 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। इसका मतलब है कि यह फिल्म पहले सोमवार को ही बॉक्स ऑफिस पर अपना बजट आसानी से निकाल लेगी। हालांकि, आगे जरूर इस बात की भी है कि सोमवार से गुरुवार तक फिल्म की कमाई की रफ्तार में बहुत कमी नहीं आए। खासकर तब, जब इस वक्त बॉक्स ऑफिस पर इसके सामने कोई बड़ा कंपीटिशन नहीं है। लेकिन अगले शुक्रवार, 15 मार्च को सिद्धार्थ मल्होत्रा की 'योद्धा' और अदा खान की 'बस्तरः द नक्सल स्टोरी' के रिलीज होते ही 'शैतान' की परेशानी बढ़ जाएगी।

शैतान पब्लिक रिव्यूः पब्लिक को भा गई अजय देवगन और माधवन की शैतान, थिएटर से बाहर आते ही बोले- मजा आ गया।

सुबह खाली पेट क्यों नहीं पीनी चाहिए चाय?

चाय एक ऐसा पेय पदार्थ है जो भारत में पानी के बाद सबसे ज्यादा पिया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि जो लोग बिना कुछ खाए इस हॉट ड्रिंक का सेवन करते हैं उनकी सेहत पर इसका क्या असर पड़ सकता है? भारत ही नहीं दुनियाभर के कई देशों में लोगों को सुबह जागने के बाद एक कप चाय पीने की आदत है, जिसे आमतौर पर बेड टी कहा जाता है, कई लोगों को इसके बिना कोई काम में दिल नहीं लगता, लेकिन ऐसा करना सेहत के लिए अच्छा नहीं है. डाइटीशियन ने बताया कि अगर आप सुबह नींद खुलने बाद खाली पेट चाय पीते हैं तो इससे आपको क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं.

1. पेट की समस्याएं

सुबह खाली पेट में चाय पीने से पेट की समस्याएं हो सकती हैं. चाय में मौजूद कैफीन पेट में गड़बड़ी पैदा कर सकते हैं और इसके अलावा एसिडिटी को बढ़ा सकता हैं, जिससे आपको अपच, कब्ज और पेट दर्द की समस्या हो सकती है.

2. पौष्टिकता की कमी

सुबह खाली पेट में चाय पीने से आपका शारीरिक पोषण की मात्रा कम हो सकती है. चाय में मौजूद कैफीन आपके भूख को दबा सकते हैं, जिससे पोषक तत्वों का सही संतुलन प्रभावित हो सकता है.

3. दिल से जुड़ी परेशानी

सुबह खाली पेट में चाय पीने से दिल से जुड़ी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है. चाय में मौजूद कैफीन के कारण आपको हाई ब्लड प्रेशर की शिकायत हो सकती है, जो हार्ट अटैक जैसी खतरनाक बीमारी का बड़ा कारण है.

4. डिहाइड्रेशन

चाय का सेवन करने के कारण सुबह खाली पेट में डेहाइड्रेशन का खतरा हो सकता है. चाय का बार-बार सेवन आपके यूरिनेशन को बढ़ा देता है जिसके कारण पानी की कमी का सामना करा सकता है. इसलिए खाली पेट चाय न पिएं और इसकी मात्रा सीमित करें

5. नींद की कमी

चाय हमारे नर्वस सिस्टम पर बुरा असर पड़ता है जिससे माइग्रेन समेत नींद की कमी की शिकायत हो सकती है, जिससे पहले ही 8 घंटे की सुकून भरी नींद नहीं आती है उन्हें लिमिट में टी का इनटेक करना चाहिए और बिना कुछ खाए इसे नहीं पीना चाहिए।

गर्मी के मौसम में खाए जाने वाले हेल्दी फूड्स

गर्मी के मौसम में हमें अपनी सेहत का खास ख्याल रखना बेहद जरूरी है, वरना तेज गर्मी, गर्म हवाएं और चिलचिलाती धूप आपको काफी बीमार कर सकती है. इस सीजन में हमारी कोशिश होनी चाहिए कि शरीर में कभी पानी की कमी न हो और अंदरूनी ठंडक मिलती रहे. आमतौर पर हीथ स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन का खतरा काफी ज्यादा रहता है, ऐसे में आपको कुछ ऐसे फूड्स का सेवन करना होगा, जो इस तपिश भरे मौसम में राहत दिलाने का काम करता है.

हरी सब्जियां : हरी सब्जियां वैसे तो हर मामले में सेहत के लिए फायदेमंद मानी जाती हैं, लेकिन गर्मी से राहत दिलाने मे भी इसका अहम रोल होता है. इससे पाचन तंत्र सही रहता है और पेट में होने वाली गर्मी का सामना नहीं करना पड़ता.

छाछ : दही और काला नमक मिलाकर अगर छाछ तैयार करेंगे तो इसे पीने के बाद शरीर को ठंडक मिलती है, साथ ही अगर कुछ ऑयली फूड खा भी लिया तो पाचन तंत्र नहीं बिगड़ता.

नींबू : नींबू में विटामिन सी की मात्रा काफी ज्यादा होती है. ये न सिर्फ हमें गर्मी से बचाता है, बल्कि अंदरूनी तौर पर फ्रेश भी रखता है. आप एक दिन में कई ग्लास नींबू पानी पी सकते हैं.

संतरा : गर्मी में संतरे का सेवन बढ़ा दें क्योंकि इसमें पानी की मात्रा काफी ज्यादा होती है, जो हमें डिहाइड्रेशन से बचाती है. इसमें मौजूद विटामिन सी, फाइबर और कैल्शियम भी शरीर को फायदे पहुंचाते हैं.

नारियल पानी : गर्मियों के मौसम में आप धूप और तपिश से परेशान हैं तो सॉफ्ट ड्रिंक कभी न पिएं, इसकी जगह नारियल पानी का सेवन करेंगो तो न सिर्फ शरीर को कई तरह के पोषक तत्व हासिल होंगे, बल्कि हीथ स्ट्रोक का खतरा कम हो जाएगा.

हार्ट अटैक को दो कोस दूर रखते हैं ये फूड्स

यदि तुरंत इलाज ना मिले तो हार्ट अटैक आने पर मौत से बच पाना बहुत ही मुश्किल होता है. एक समय तक हार्ट अटैक जहां ज्यादा उम्र के लोगों तक ही सीमित था, वहीं आज के समय में कम उम्र के लोगों में भी इसका जोखिम बढ़ते जा रहा है. इसमें कोई दोराय नहीं कि इसका एक अहम कारण खराब जीवनशैली और खान पान है.

आयुर्वेद एक्सपर्ट बताती ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में 3 ऐसे फूड्स के बारे में बताया है जिसकी मदद से हार्ट अटैक से बचा जा सकता है. उन्होंने यह भी बताया है कि आयुर्वेद आपको दिल के दौरे को रोकने, रक्तचाप को प्रबंधित करने, एलडीएल और ट्राइग्लिसराइड्स को कम करने और हर उम्र में आपके दिल के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद कर सकता है.

लहसुन

लहसुन एंटी-एजिंग मसाला है. आयुर्वेद के अनुसार, हार्ट के लिए एक टॉनिक की तरह काम करता है. इसके सेवन से बॉडी में ब्लड सर्कुलेशन अच्छा बना रहता है. जिसके कारण खून का थक्का नहीं बनता है और हार्ट अटैक का खतरा नहीं होता है.

ऐसे करें सेवन : आधा/1 कच्चा लहसुन (ताजा कुचला हुआ) खाली पेट या भोजन से पहले दिन में एक बार 8-12 सप्ताह तक खा सकते हैं.

अनार

आयुर्वेद के अनुसार अनार हार्ट हेल्थ के लिए सबसे अच्छे फलों में से एक है. इसके सेवन से ट्राइग्लिसराइड्स और एलडीएल का स्तर काफी कम हो जाता है जबकि एचडीएल का स्तर काफी बढ़ जाता है.

ऐसे करें सेवन : आप नाश्ते के रूप में प्रतिदिन 1 अनार या सप्ताह में 2-3 बार इसका सेवन कर सकते हैं.

अर्जुन छाल की चाय

यह जड़ी-बूटी कार्डियो-टॉनिक की तरह काम करती है. इसकी ठंडी प्रकृति, कसैला स्वाद और पचाने में आसान गुणवत्ता कफ और पित्त दोषों को संतुलित करने में मदद करती है और इसका कटु विपाक (पाचन के बाद प्रभाव) खून को साफ करने का काम करता है. इसके साथ ही यह कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है, आपके दिल को स्वस्थ रखता है.

ऐसे करें सेवन : 100 मिलीलीटर पानी और 100 मिलीलीटर दूध लें, इसमें 5 ग्राम अर्जुन की छाल का पाउडर मिलाएं और तब तक उबालें जब तक यह आधा न हो जाए. इसे छानकर सोते समय या सुबह/शाम भोजन से 1 घंटा पहले पियें.

लटकती तोंद कम करने के लिए समय से इस्तेमाल किजिए ये ड्रिंक्स

आज के समय में पेट निकलना बहुत आम परेशानी बन गयी है. इसका खतरा हर उम्र के लोगों में देखा जा सकता है. इसके पीछे का कारण अनहेल्दी लाइफस्टाइल और दिन प्रतिदिन कम होती फिजिकल एक्टिविटी है. पेट के हिस्से में जमा चर्बी बहुत जद्दी मानी जाती है. यानी की इसे हटाने के लिए कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है. वैसे तो एक्सरसाइज के बिना किसी भी तरीके से बॉडी के हिस्सों में जमे फैट को हटा पाना मुश्किल है. हालांकि कुछ चीजों की मदद से वेट लॉस जर्नी को आसान जरूर बनाया जा सकता है. ऐसे में यहां हम आपको कुछ मॉर्निंग ड्रिंक्स बता रहे हैं जो फैट को पिघलाने में मददगार साबित होते हैं.

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के अनुसार, मेथी के बीजों को पोषक तत्वों का एक पावर हाउस माना जाता है. मेथी के बीजों को रात भर भिगोकर उसके पानी को रोज पीने से वेट लॉस में भी मदद मिलती है. मेथी में घुलनशील फाइबर होता है, जो ब्लड शुगर के लेवल को नियंत्रित करने में मदद करता है. इसके अलावा मेथी में मेटाबॉलिज्म को बस्ट करता है जो वेस्ट लॉस के लिए बहुत जरूरी होता है.

जीरा पानी

जीरा एक ऐसा मसाला है जो पाचन क्रिया को दुरुस्त रखने के लिए जाना जाता है. सुबह के समय खाली पेट गुनगुने पानी में जीरा डालकर पीने से पेट साफ होता है और पाचन क्रिया तेज होती है. इससे वजन कम करने में भी मदद मिलती है.

हर्बल चाय

हर्बल चाय ना सिर्फ स्वादिष्ट होती है बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है. ग्रीन टी, पुदीना, दालचीनी जैसी हर्बल चाय सुबह के समय पीने से आपका मेटाबॉलिज्म बढ़ता है और शरीर में जमी चर्बी तेजी से कम होती है.

हल्दी+अदरक पानी

अदरक और हल्दी दो शक्तिशाली मसाले हैं जो अपने एंटी इंफ्लेमेटरी गुणों और चयापचय-बढ़ाने वाले प्रभावों के लिए जाने जाते हैं. ऐसे में अपनी सुबह की शुरुआत एक कप अदरक और हल्दी के पानी से करके आप अपने मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर सकते हैं और वेट लॉस को आसान बना सकते हैं.

ब्लैक कॉफी

एनआईएच में प्रकाशित एक स्टडी के मुताबिक, ब्लैक कॉफी में कोई कैलोरी नहीं होती है. साथ ही कैफीन मेटाबॉलिज्म को थोड़ा तेज करने का काम करता है. ऐसे में यदि आप वेट लॉस करने का प्रयास कर रहे हैं तो ब्लैक कॉफी का सेवन आपके लिए मददगार साबित हो सकता है.

महिलाएं 30 की उम्र के बाद ना दोहराएं ये गलतियां, हेल्दी होगी लाइफ

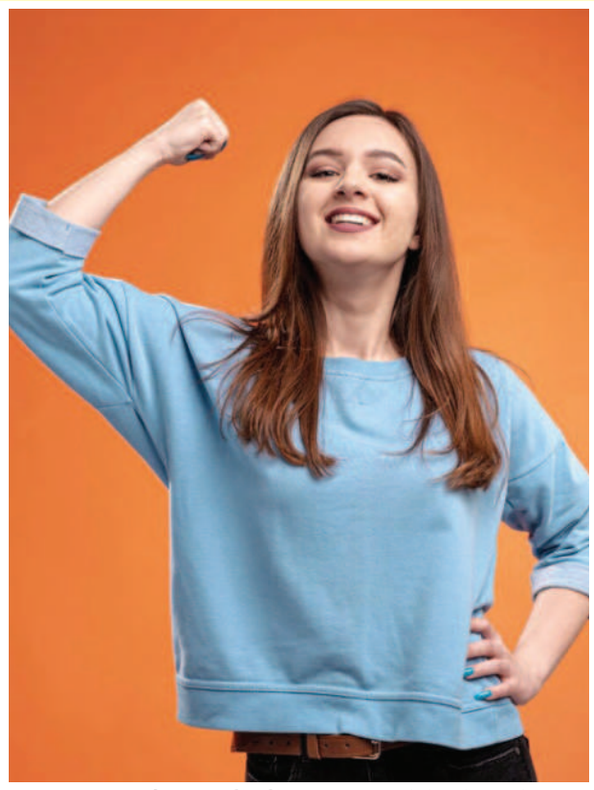

दुनिया के सामने डटकर खड़ा होने के लिए महिलाओं के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होना भी जरूरी है. खासकर 28 से 30 की उम्र के बाद शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रहने के लिए महिलाओं को अपनी लाइफस्टाइल में जरूर कुछ बदलाव कर लेने चाहिए. क्योंकि तीस की उम्र के बाद हमारे अंदर शारीरिक और मानसिक तौर पर कई बदलाव आने लगते हैं. हम मानसिक तौर पर भी काफी मैच्योर हो चुके होते हैं और अपना अच्छा-बुरा समझने लगते हैं. ऐसे में हर किसी को उम्र के इस पड़ाव तक अपनी पर्सनैलिटी में कुछ बदलाव कर लेने चाहिए.

अगर आप भी 30 साल के हो चुके हैं या होने वाले हैं तो अब समय आ गया है कि आप खुद पर ध्यान देना शुरू कर दें. 30 की उम्र बताती है कि बताती है कि अब आपके लापरवाही और लड़कपन के दिन बीत चुके हैं और आप अपनी और अपनों की जिम्मेदारियां उठाने के तरह मैच्योर हो चुके हैं. हालांकि, उम्र का ये पड़ाव हर किसी के अंदर कई तरह के शारीरिक और मानसिक बदलाव लेकर आता में ये बदलाव संकेत देते हैं कि आपको अपनी लाइफस्टाइल और पर्सनैलिटी बदलनी होगी. इस आर्टिकल में हम आपको लेट ट्वेंटीस से लेकर 30-35 साल तक लोगों के अंदर होने वाले शारीरिक और मानसिक बदलावों के बारे में बताएंगे. साथ ही आपको ये भी बताएंगे कि आपको उन बदलावों को किस तरह स्वीकार करना है और उनके साथ-साथ खुद को कैसे तब्दील करना है.

30 के बाद मेटाबॉलिज्म होने लगता है स्लो

सबसे पहले बात करते हैं हेल्थ की. अगर आप 30 साल के हो चु जाइए. इस पड़ाव पर आते-आते महिला और पुरुष दोनों के शरीर अपने मेटाबॉलिज्म के अनुसार अपनी डाइट में बदलाव नहीं करते. जिस तरह वो 25, 26 और 27-28 की उम्र में अनहेल्दी खाना-पीना खाते हैं, वही खानपान वो 30 के बाद भी जारी रखते हैं जिससे शरीर पर बुरा असर होता है.

लाइफस्टाइल और डाइट में करें बदलाव

उम्र की इस दहलीज में आपको अपने डाइट पैटर्न में बदलाव कर देना चाहिए. अब आपको फास्ट फूड कम और हेल्दी फूड ज्यादा खाना है. अपनी डाइट में फल, सब्जियां, साबुत अनाज, फलियां जैसी चीजें शामिल करनी है. साथ ही ढेर सारा पानी पिएं. पानी शरीर का मेटाबॉलिज्म तेज करता है और पेट की सेहत भी बेहतर करता है. प्रोटीन, विटामिन और खनिजों से भरपूर डाइट लें. बेहतर रहेगा कि तीन बार पेट भरकर खाने के बजाय थोड़े-थोड़े अंतराल पर छह बार खाएं.

30 की उम्र के बाद के रिलेशनशिप होते हैं खास

कई रिसर्च में ये सामने आया है कि अर्ली ट्वंटीस की तुलना में 30 के आसपास बनने वाले रिश्ते ज्यादा मजबूत होते हैं. वास्तव में इस उम्र तक लोग खुद को पहचानना और समझना शुरू कर देते हैं और वो अपने पार्टनर को भी समझते हैं. वो खुद को स्वीकार करने लगते हैं और दूसरों को भी वैसे ही स्वीकार करते हैं जो वो हैं. वो दूसरों को जबरन बदलने की कोशिश नहीं करते. इस उम्र तक लोगों को अपने ऊपर भरोसा हो जाता है और उनकी दूसरों पर भरोसा करने की क्षमता भी बढ़ती है. उम्र के इस पड़ाव तक आते-आते लोग अपने पार्टनर को ज्यादा प्यार, तवज्जो और इज्जत देने लगते हैं.

दूसरों के साथ ही खुद के लिए भी जिम्मेदार बनें

आमतौर पर 30 की उम्र के बाद इंसान पर चाहे-अनचाहे तमात तरह की जिम्मेदारियां आ जाती हैं जिन्हें पूरा करते-करते अक्स अपने आप को भूल जाता है. ध्यान रहे कि आपके आसपास के लोगों से पहले आपका शरीर आपकी जिम्मेदारी है. अगर आप स्वस्थ रहेंगे तभी आप अपने आसपास के लोगों का ख्याल रख पाएंगे. इसलिए खुद को दरकिनार ना करें और हर हाल में अपना खूब ख्याल रखें.

30 के बाद पैसों को करें मैनेज

अगर आप 30 साल से ऊपर के हो चुके हैं लेकिन आपने अभी तक अपने पैसों को सेव करना नहीं शुरू किया है तो आपको इस दिशा में सजग हो जाने की जरूरत है. उम्र की इस दहलीज पर आपको सेविंग स्टार्ट कर देनी चाहिए. आपकी तनख्वाह कम हो या ज्यादा या आप बिजनेस करते हों. आपको अपनी महीने की कमाई का कम से कम 25 फीसदी हिस्सा सेव करना है. अगर आप इससे ज्यादा सेव करते हैं तो सोने पर सुहागा है. लेकिन आज से आपको हर हाल में बचत करनी है. आप अपने पैसों को कई तरह की स्कीमों में इनवेस्ट कर सकते हैं जहां आपको बढ़िया इंटरेस्ट मिलेगा. इस तरह आपकी सेविंग बढ़ती जाएगी.

30 के बाद हड्डियां होने लगती हैं कमजोर

गलत खानपान और खराब जीवनशैली की वजह से आजकल 25 से 30 साल के युवा भी हड्डियों में दर्द की शिकायत करने लगे हैं. हालांकि 30 के बाद हर व्यक्ति की बोन डेंसिटी कम होने लगती है. बोन डेंसिटी हड्डियों में मौजूद मिनरल्स की मात्रा को कहा जाता है. अगर आपकी बोन डेंसिटी कम होने लगती है तो इसका मतलब है कि आपकी हड्डियों तक जितने मिनरल्स पहुंच रहे हैं, उससे ज्यादा उससे बाहर जा रहे हैं. बोन डेंसिटी उम्र बढ़ने के साथ कम होती जाती है इसलिए अपनी हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए आपको 30 के बाद कैल्शियम, विटामिन डी और मिनरल्स से भरपूर आहार को डाइट में शामिल कर लेना चाहिए. इसके साथ ही नियमित कसरत करनी चाहिए और कैफीन, शराब और तंबाकू का सेवन कम से कम कर देना चाहिए.

शादी या रिलेशनशिप दिल से करें, दुनिया के कहने से नहीं

अगर आप 30 क्रॉस कर चुके हैं और लोगों के तानों और बार-बार पूछताछ से तंग आकर शादी करने की सोच रहे हैं तो ऐसा ना पूरे जीवनभर का कमिटमेंट है जो आपको किसी दूसरे व्यक्ति के साथ निभाना है. ऐसे में लोगों और दुनिया के डर से कोई ऐसा करें जिससे आपको आगे चलकर पछताना पड़े. अब जमाना बदल चुका है. लोगों की सोच और जिम्मेदारियां भी बदल चुकी हैं. का कॉन्सेप्ट बीत चुका है. अगर आप 30 के पार हो चुके हैं तो इसका मतलब ये नहीं है आप आपकी जिंदगी का मकसद सिर्फ है आपको जब लगे कि आप इस बंधन के लिए तैयार हैं तब ही शादी करें।

नाक में थक्के जम जाते हैं आयुर्वेदिक उपचार बताएं

प्रश्न. मेरी उम्र 40 वर्ष है। पिछले दो माह से पीठ के दर्द से पीड़ित हूं। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

–दिवाकर रेड्डी, सिकंदराबाद

उत्तर. पीठ का दर्द कई कारणों से हो सकता है। जन्मजात विकृतियां, उठने बैठने के ढंग में खराबी, कमजोर मांस पेशिया , कंडराओ में अकड़न या सूजन, व्यायाम का अभाव, भोजन में पोषक तत्वों की कमी, बचपन में पीठ पर चोट लगना, वात वृद्धि आदि कारणों से पीठ में दर्द हो सकता है।

आप जिस स्कूटर या मोटरसाइकिल का प्रयोग करते हैं यदि उसके शाक अब्जॉर्बर खराब हो गए हो तभी भी कंधे व पीठ में दर्द संभव है। ज्यादा झुक कर कार्य करना,एक हाथ से वजन उठाना घंटों एक ही आसन में बैठे रहना भी पीठ के दर्द को बढ़ा सकता है।

पीठ पर रूमाटाइज तेल या उंझा महानारायण तेल की मालिश करें। रूमाटाइज टीकिया, उंझा महायोगराज गुग्गुलु व उंझा वातगजांकुश रस की टिकिया दिन में तीन बार भोजन के बाद लेवे। उंझा अश्वगंधारिष्ट,उंझा दशमूलारिष्ट 10– 10 मिलीलीटर दवा को दुगने पानी में मिलाकर भोजन के बाद लेवे। नित्य हल्का व्यायाम करें, टहले व सदा प्रसन्नचित्त रहें। गरिष्ठ भोजन, वातकारक आहार,कंदमूल (आलू, रतालू,अरबी,मूली आदि) का सेवन एवम् रात्रिजागरण ना करें। बासी खाद्यान्न व ठंडा पेय,आइसक्रीम आदि के सेवन से बचें।

प्रश्न : मेरी उम्र 37 वर्ष है। भौहों के ऊपर वाले हिस्से में दर्द होता है और नाक में थक्के जम जाते हैं। आयुर्वेदिक उपचार बताएं ।

- ए मन कोटेश्वर राव, करीमनगर

उत्तरः आपको पीनस रोग हो गया है । इसे ही साइनोसाइटिस के नाम से जाना जाता है। इस रोग की प्रारंभिक अवस्था में सिर में भारीपन , भूख कम हो जाना, नाक से स्राव, स्वर भेद (आवाज बदल जाना) भौंहों के ऊपर तेज दर्द आदि लक्षण दिखाई पड़ते हैं। बाद में नासिका में स्राव गाढ़ा होकर नाक में थक्के जमने लगते हैं । नासा - विवर में कफ जमने लगता है। इसमें संक्रमण होने से गंध और स्वाद का ज्ञान होना बंद हो जाता है।

घरेलू उपचार में पांच ग्राम घी में भुनी अदरक दिन में दो बार देवे। पांच ग्राम अदरक को 250 ग्राम दूध में उबाल ने और इसे नथुनों में डाले । औषधि में ऊंझा महालक्ष्मी विलास रस एक से दो गोली पीसकर मधु से या फिर चित्रक हरितकी अवलेह में मिलाकर सेवन कराएं। ऊंझा तालीसादी चूर्ण या तालीस्यूल का सेवन भी पीनस में एक हितकारी औषध सिद्ध हुई है। नाक में षडबिंदु तेल डालने से बहुत आराम मिलता है। भौंहों के ऊपर का दर्द और पिनस से उत्पन्न शिरशूल कम होने लगता है।

लघु आहार, गरम पानी, पुराने चावल, कुलथी शिग्रु याने सहिजन की फली, मूली, लहसुन , त्रिकटु हितकारी है । अभिष्यंदीकारक जैसे दही व गुरु द्रव्य, असात्म्य भोजन, स्नान, अधारणीय वेगों का धारण, दिन में सोना, जमीन पर सोना, क्रोध करना आदि का परित्याग करें।

प्रश्न : मेरी उम्र 21 वर्ष है। जब कभी स्टेज पर जाता हूं, भाषण करता हूं, तब पैर कांपने लगते हैं बोले नहीं जाता । ऐसा क्यों होता है ? यह कैसे ठीक होगा ?

- नंदकिशोर वर्मा, हैदराबाद

उत्तर : उत्तेजना के दौरान शरीर में कुछ हार्मोन अधिक मात्रा में उत्पन्न होने लगते हैं, जिसके कारण घबराहट, पसीना, व एक विशेष प्रकार के भय की अनुभूति होने लगती है। पैरों, होंठों व हाथों में कंपन होने लगता है। कई बार रक्तचाप भी बढ़ने लगता है । जो व्यक्ति अस्थिर प्रवृत्ति के होते हैं, जिनमें आत्मविश्वास की कमी होती है, उनमें इसका प्रभाव अधिक देखने को मिलता है। ऐसे में धैर्य धारण करें, संयम से काम ले । और घर में आदमकद शीशे के सामने ठहर कर भाषण का अभ्यास किया करें। निरंतर अभ्यास से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

निरंतर प्राणायाम का नित्य अभ्यास , ब्राह्मी घृत और ऊंझा ब्राह्मी वटी का नित्य गाय के दूध के साथ सुबह और शाम में सेवन किया करें। ऊंझा सारस्वतारिष्ट एवं ऊंझाअश्वगंधारिष्ट का प्रत्येक 10 मिलीलीटर दवा को दो गुनगुने पानी में मिलाकर सेवन करें। इससे मानसिक क्षमता बढ़ती है। और धीरे-धीरे आत्मविश्वास लौटने से , कहीं भी पब्लिक प्लेस में बोलने से, हाथ पैरों में कंपन होना समाप्त हो जाता है। सकारात्मक विचारों वाले मित्रों की संगति करने से, आप अपने भय से मुक्ति पा सकते हैं।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के 11 लाख जवानों को सौगात

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के 11 लाख जवानों के लिए राहत की खबर है। गृह मंत्रालय ने सीएपीएफ कैंटीन यानी केंद्रीय पुलिस कल्याण भंडार (केपीकेबी) पर मिलने वाले उत्पादों पर 50 फीसदी जीएसटी छूट देने की बात कही है। इस बाबत सोमवार को गृह मंत्रालय द्वारा कार्यालय ज्ञापन जारी किया गया है। कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है कि केंद्रीय पुलिस कल्याण भंडार से सामान की खरीद पर 50 फीसदी जीएसटी सहायता दिनांक एक अप्रैल 2024 से लागू होगी। यह सहायता बजट के माध्यम से देय होगी। कन्फेडरेशन ऑफ एक्स पैरामिलिट्री फोर्सेस मार्टियरस वेलफेयर एसोसिएशन, इस छूट के लिए लंबे समय से आवाज उठा रही थी। इसके लिए एसोसिएशन ने अनेक केंद्रीय मंत्रियों को ज्ञापन भी सौंपा था। पीएमओ के साथ पत्राचार के माध्यम से यह मांग उठाई गई थी। बजट सत्र से पहले एसोसिएशन ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से आग्रह किया था कि वे अंतरिम बजट में सीएपीएफ कैंटीन के उत्पादों पर 50 फीसदी जीएसटी छूट देने की घोषणा करें। एसोसिएशन के पदाधिकारियों का कहना था, सीपीसी कैंटीन पर जीएसटी टैक्स के चलते 20 लाख पैरामिलिट्री परिवारों का घरेलू बजट बिगड़ जाता है। ऐसे में सीएपीएफ कंटीन में मिलने वाले उत्पादों पर सेना कैंटीनों की तर्ज पर जीएसटी में 50 फीसदी की छूट प्रदान की जाए। एसोसिएशन के चेयरमैन एवं पूर्व एडीजी एचआर सिंह व महासचिव रणबीर सिंह के मुताबिक, केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के जवानों व उनके परिवारों के लिए 26 सितंबर 2006 को सेंट्रल पुलिस कैंटीन (सीपीसी) की स्थापना की गई थी। इसका मकसद था, जवानों को बाजार भाव से सस्ता घरेलू सामान मुहैया कराना। सीपीसी कैंटीन के अस्तित्व में आने से पहले सुरक्षा बलों की यूनिट द्वारा सेना की सीएसडी कैंटीन से घरेलू उपयोग वाला सामान खरीदा जाता था। देश भर के विभिन्न राज्यों में तकरीबन 119 मास्टर कैंटीन और 1778 सीपीसी कैंटीन हैं। सीपीसी कैंटीन में मिलने वाली वस्तुओं को थोक भाव में अगर कहीं से खरीदते हैं तो कैंटीन और बाजार की दरों में कोई फर्क नहीं रह जाता। एसोसिएशन के पदाधिकारियों के अनुसार, अब सीपीसी कैंटीन का नाम बदलकर केंद्रीय पुलिस कल्याण भंडार किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2020 में वोकल फॉर लोकल का नारा दिया था। इसका सीपीसी कैंटीन पर देखने को मिला। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश पर एक जून 2020 से केंद्रीय पुलिस कल्याण भंडार कैंटीनों में स्वदेशी वस्तुओं के इस्तेमाल पर जोर दिया गया। जीएसटी के लागू होने से पहले बिहार, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, मणिपुर, मेघालय, हरियाणा, राजस्थान, झारखंड, तमिलनाडु, उड़ीसा व केरल आदि राज्यों द्वारा सीपीसी कैंटीन में मिलने वाली वस्तुओं पर वैल्यू एडेड टैक्स (वैट) की छूट दी गई थी।

10 ग्राम सोना पहली बार 65,500 के पार

इस साल 70 हजार पर पहुंचने की उम्मीद, चांदी 72,539 रुपए किलो बिक रही

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। सोना आज यानी सोमवार (11 मार्च को) ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम सोना 680 रुपए बढ़कर 65,635 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले 7 मार्च को सोना पहली बार 65 हजार के पार निकला था। वहीं, आज चांदी में भी तेजी है। ये 274 रुपए महंगी होकर 72,539 रुपए प्रति किलो ग्राम के भाव पर बंद हुई। इससे पहले बीते दिन चांदी का भाव 72,265 रुपए था। चांदी ने बीते साल यानी 2023 में 4 दिसंबर को 77,073 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

मार्च में अब तक 3 हजार से ज्यादा महंगा हुआ सोना

मार्च में अब तक सोने-चांदी के दामों में शानदार तेजी देखने को मिली है। महीने की शुरुआत यानी 1 मार्च को सोना 62,592 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो 11 मार्च को 65,635 रुपए पर आ गया है। यानी सिर्फ 11 दिनों में ही इसकी कीमत में 3,043 रुपए प्रति 10 ग्राम की गिरावट आई है। वहीं चांदी भी 69,977 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 72,539 रुपए पर आ गई थी।

70 हजार तक जा सकता है सोना

मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार, आने वाले दिनों में सोने में तेजी जारी रह सकती है। इसके चलते इस साल के आखिर तक सोना 70 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी भी 75 हजार प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

2023 में 8 हजार रुपए से ज्यादा महंगा हुआ था सोना

साल 2023 की शुरुआत में सोना 54,867 रुपए प्रति ग्राम पर था जो 31 दिसंबर को 63,246 रुपए प्रति ग्राम पर पहुंच गया था। यानी साल 2023 में इसकी कीमत में 8,379 रुपए (16%) की तेजी आई। वहीं चांदी भी 68,092 रुपए से बढ़कर 73,395 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

सोना खरीदते समय इन 4 बातों का रखें ध्यान

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें

हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। नए नियम के तहत एक अप्रैल से छह डिजिट वाले अल्फान्यूमेरिक हॉलमार्किंग के बिना सोना नहीं बिकेगा। जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होगा। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी एचयूआईडी कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- एज़ेड4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव हो गया है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

कीमत क्रॉस चेक करें

सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है। 24 कैरेट सोने को सबसे शुद्ध सोना माना गया है, लेकिन इसकी ज्वेलरी नहीं बनती, क्योंकि वो बेहद मुलायम होता है। आमतौर पर ज्वेलरी के लिए 22 कैरेट या इससे कम कैरेट सोने का इस्तेमाल किया जाता है। कैरेट के हिसाब से ऐसे चेक करें कीमतः मान लीजिए 24 कैरेट सोने का दाम 60 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम है। यानी एक ग्राम सोने की कीमत हुई 6000 रुपए। ऐसे में 1 कैरेट शुद्धता वाले 1 ग्राम सोने की कीमत हुई 6000/24 यानी 250 रुपए।

अब छोटे अडानी करेंगे कमाल, एयरपोर्ट बिजनेस में लगाएंगे 60,000 करोड़

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)।गौतम अडानी के बेटा अब छोटे अडानी कमाल करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. दरअसल, अडानी ग्रुप अगले 5 से 10 सालों के बीच 7 हवाई अड्डों के विस्तार के लिए 60,000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना बना रहा है. ग्रुप की योजना इन हवाई अड्डों की क्षमता में विस्तार कर कंपनी की कमाई में इजाफा करना है.

अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर करण अडानी ने हाल ही में बताया कि अडानी एयरपोर्ट्स होल्डिंग्स अगले पांच सालों में एयरसाइड पर 30,000 करोड़ रुपये खर्च करेगा जबकि उसके अगले पांच से 10 सालों में सिटीसाइड के लिए 30,000 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे. इसके तहत 7 एयरपोर्ट्स पर काम किया जाएगा. इसमें मुंबई, अहमदाबाद, लखनऊ, मंगलुरु, गुवाहाटी, जयपुर और तिरुवनंतपुरम शामिल है.

बता दें कि एयरपोर्ट के दो साइड होते हैं- एयरसाइड और सिटीसाइड. एयरसाइड में एयरक्रॉफ्ट्स का आना-जाना यानी अराइवल और डिपॉर्चर होता है, जिसमें रनवे, कंट्रोल टॉवर्स, एयरक्रॉफ्ट मेंटिनेंस और रिफ्यूलिंग जैसी सभी सुविधाएं शामिल होती हैं. वहीं सिटीसाइड एयरपोर्ट कमर्शियल बेनिफिट के लिए बनाए जाते हैं.

इसके तहत पैसेंजर्स के फायदे के लिए हवाई अड्डे के चारों ओर कमर्शियल फैसिलिटीज बनाई गई हैं. दूसरे शब्दों में कहें तो एयरसाइड हवाई अड्डे का वह सुरक्षित क्षेत्र है जहां केवल बोर्डिंग पास वाले यात्री पहुंच पाते हैं, जबकि सिटीसाइड या लैंडसाइड हवाई अड्डे का सार्वजनिक क्षेत्र है जो किसी के लिए भी पहुंच योग्य है.

मुंबई हवाई अड्डे पर अलग है खर्च

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स के बंसल ने यह बात साफ की कि 60,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत खर्च में नवी मुंबई हवाई अड्डे के पहले फेज के डेवलपमेंट के लिए आवंटित 18,000 करोड़ रुपये शामिल नहीं हैं, जिसका ऑपरेशन मार्च 2025 तक शुरू होने वाला है.

लखनऊ एयरपोर्ट टर्मिनल 2 जे लिए कंपनी का क्या है प्लान?

बंसल ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लखनऊ हवाई अड्डे पर नए टर्मिनल का उद्घाटन करने के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, यह एक बड़ी रकम है, लेकिन अदाणी एंटरप्राइजेज इंटर्नल अक्रुअल्स के जरिये इनपर निवेश करेगी. हम एईएल के तहत काम करने वाला एक स्टार्टअप हैं, इसलिए एईएल हमारे लिए इसे फंड करेगा. इंटर्नल अक्रुअल्स कंपनी द्वारा कमाया गया वह मुनाफा है जिससे कंपनी अपने विजनेस का विस्तार करने के लिए फिर से निवेश करती है.

यानी यह कंपनी की पहले से कमाई गई रकम है जो उसके पास रखी हुई है.

एडवांस होंगी एयरपोर्ट पर सुविधाएं, मंजूरी की दरकार

बंसल ने कहा कि अपने मौजूदा हवाई अड्डों के सिटीसाइड के संबंध में, अदाणी ग्रुप होटल, कन्वेंशन सेंटर, रिटेल ऑउटलेट और खाने-पीने की दुकानों समेत एंटिग्रेटेड सिटीसाइड बनाना चाहता है. बंसल ने शहर के विकास के लिए 5 से 10 साल की समयसीमा के कारणों को समझाया. उन्होंने कहा, सिटीसाइड के डेवलपमेंट के लिए पर्यावरण मंजूरी, जमीन की मंजूरी जैसी कई चीजों की जरूरत होती है. हमारे कुछ हवाई अड्डों पर, हमारी जमीन पर विभिन्न उद्देश्यों के लिए अतिक्रमण किया गया है, इसलिए हमें इसे साफ करने की जरूरत है. हमें मास्टर प्लान को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण से मंजूरी लेनी होगी. एक बार यह सब पूरा हो जाए तो हम तेजी लाएंगे. जहां भी मंजूरी उपलब्ध है, हम छोटे पैमाने पर शुरुआत कर रहे हैं अगर ये मंजूरी तेजी से मिलती है, तो हम इसे अगले पांच सालों में करेंगे.

शहर से पास आ रहे अडानी के हवाई अड्डे

बंसल ने बताया कि अडानी द्वारा संचालित सभी हवाईअड्डे ज्यादातर समय शहर से दूर थे, लेकिन अब ऐसा नहीं है.

उन्होंने कहा, अहमदाबाद और जयपुर जैसे शहरों में, वीकेंड में घूमने के लिए लिमिटेड ऑप्शन्स हैं. हालांकि, इन शहरों के भीतर हवाई अड्डों के केंद्रीय स्थान के कारण, शहर के विकास के लिए पर्याप्त अवसर हैं.

बायजू ने बंद किए सारे ऑफिस, वर्क फ्रॉम होम करें सभी कर्मचारी

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। संकट में फंसी एडटेक कंपनी बायजू ने बड़ा फैसला लेते हुए अपने सारे ऑफिस बंद कर दिए हैं. सभी कर्मचारियों को आवश्यक रूप से वर्क फ्रॉम होम करने का आदेश दिया गया है. निवेशकों के साथ विवाद में फंसी कंपनी अपने लगभग 20 हजार कर्मचारियों को वेतन बांटने में नाकाम रही थी. इसके बाद कॉस्ट कटिंग के चलते बायजू ने यह बड़ा कदम उठाया है.

हेडक्वार्टर को छोड़कर देशभर के सभी ऑफिस बंद

जानकारी के अनुसार, बायजू ने बेंगलुरु के आईबीसी नॉलेज पार्क स्थित अपने हेडक्वार्टर को छोड़कर देशभर के सभी ऑफिस बंद कर दिए हैं. सभी कर्मचारियों को अगले आदेश तक वर्क फ्रॉम होम करने के निर्देश दिए गए हैं. सिर्फ बायजू के ट्यूशन सेंटर चलते रहेंगे. इससे कंपनी को काफी पैसा बचाने में मदद मिलेगी. इससे पहले बायजू के फाउंडर और सीईओ बायजू रविंद्रन ने कर्मचारियों से वादा किया था कि उनकी फरवरी माह की वेतन 10 मार्च तक आ जाएगी. मगर, कंपनी सैलरी देने में असफल रही. कंपनी ने रविवार को दावा किया था कि उसने सभी कर्मचारियों को पार्ट पेमेंट किया है. कंपनी मैनेजमेंट ने पत्र लिखकर बकाया वेतन देने के लिए कर्मचारियों से और समय मांगा था.

बायजू रविंद्रन और शेयरधारकों में चल रहा विवाद

बायजू रविंद्रन और कंपनी के कुछ शेयरधारकों में इस समय नए बोर्ड के गठन को लेकर विवाद चल रहा है. यह मामला कोर्ट में चला गया है. कोर्ट ने राइट्स इश्यू से मिले पैसे को फिलहाल इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी है. कुछ समय पहले शेयरधारकों ने बायजू रविंद्रन और उनके परिवार को बोर्ड से हटाने पर मुहर लाग दी थी.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	कुंभ	में	कुंभ...	05-00	बजे
चंद्र-	मीन	में	मीन...	06-37	बजे
मंगल	मकर	में	मेष--	08-13	बजे
बुध-	मीन	में	वृष--	09-57	बजे
गुरु-	मेष	में	मिथुन..	11-58	बजे
शुक्र-	कुंभ	में	कर्क...	14-10	बजे
शनि-	कुंभ	में	सिंह...	16-22	बजे
राहु-	मीन	में	कन्या..	18-29	बजे
केतु-	कन्या	में	तुला.....	20-36	बजे
			वृश्चिक..	22-44	बजे
			धनु.....	00-58	बजे
			मकर...	03-05	बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु - वसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-29 सूर्यास्त. - 18-21
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तरे - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया - 07:13 - तक उपरान्त तृतीया
मास - फाल्गुन शुक्ल पक्ष, मंगलवार 12 March
नक्षत्र - रेवती- 20 - 29 - तक उपरान्त अश्विनी
योग - शुक्ल - 07 - 52 - तक उप ब्रह्म
करण- कौलव - 07 - 13 - तक उप- तैतिल
विशेष:- तृतीया तिथि क्षय
व्रत -त्योहार - फुलेरा दूज,अबुझ मुहुर्त

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:25 से 16:55 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग.	06:29 - 07:57	अशुभ	काल	18:21 - 19:55	अशुभ
उत्पात	07:57 - 09:27	अशुभ	लाभ	19:55 - 21:25	शुभ
चंचल	09:27 - 10:56	शुभ	उत्पात	21:25 - 22:55	अशुभ
लाभ	10:56 - 12:26	शुभ	शुभ	22:55 - 24:25	शुभ
अमृत	12:26 - 13:55	शुभ	अमृत	24:25 - 01:56	शुभ
काल	13:55 - 15:25	अशुभ	चंचल	01:56 - 03:26	शुभ
शुभ	15:25 - 16:55	शुभ	रोग	03:26 - 04:56	अशुभ
रोग	16:55 - 18:21	अशुभ	काल	04:56 - 06:29	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आप अपने कार्य क्षेत्र में कुछ भ्रमित है और काफी समय से कुछ प्रश्न आपकी परेशानिया बढ़ा रहे है । आज इसका हल आपको नजर आ सकता है । आप इस विचार पर अडिग रहे और समाधान निकलने की कोशिश करे चाहे वह कितना भी अटपटा या अजीब लगे । अगर आप कुछ जोखिम लेंगे तो आपको अत्यधिक लाभ होगा जो अपने सोचा भी न होगा ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आप अपने कार्यो को करते हुए धैर्य रखते है , पर आज आप में अधिकार की भावना रहेगी । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की चीजे अपनी गति से आगे चलेंगी और ज्यादा पाने की चाह आपको पीछे की और धकेल सकती है । आपमें हमेशा धैर्य की भावना रही है और हमेशा से निर्धारित मार्ग की तरफ आप अग्रसर रहे है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
कार्य क्षेत्र में आपका जीवन संतुलित रहेगा । आप अपने प्रभावशाली नरम कौशल के लिए जाने जायेंगे । आप को और अधिक ज्ञान पाने के लिए कई अवसर मिलेंगे तथा आप अन्य लोगों के साथ इस ज्ञान को साझा भी कर सकते हैं । लेकिन कुछ अप्रत्याशित परिस्थितियों में आपको भारी वित्तीय नुकसान हो सकता है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आपको एक अप्रत्याशित स्रोत से , धन लाभ होने की संभावना है । सट्टा उद्यम, शेयर बाजार में और छोटी अवधि के निवेश में सफलता मिलने की पूरी संभावना है। आपका वित्तीय भाग्य उच्च चल रहा है । बस आप अपने आवेग पर लगाम लगाने की कोशिश करे और आप अपनी वित्तीय सुरक्षा का आनंद भी ले पाएंगे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
कुछ भ्रम की स्थिति आज आपके कार्य क्षेत्र में आने की संभावना है। आप अपने कार्य क्षेत्र में काफी अच्छे तरीके से कार्य कर रहे है , साथ ही साथ आपको एक व्यापार में शामिल होने के लिए एक प्रस्ताव मिल सकता है जो काफी भरोसेमंद है और पुरस्कार से भरपूर भी परन्तु इस तरह का प्रस्ताव आप ने पहले न देखा न सुना इसलिए आप अनिर्णय की स्थिति में रहेंगे ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
अपनी नौकरी के क्षेत्र मैं बदलाव लाने का ये उपयुक्त समय है । अगर आप नौकरी से सम्बंधित किसी दुविधा में थे तो ये समय नौकरी में परिवर्तन लाने का समय है जो की आपको उचित दिशा में ले जाएगा और आपके लिए फायदेमंद होगा । इस उपरांत अगर आपको कुछ जोखिम लेना पड़े तो न सोचे क्योंकि यह जोखिम ही आपको अंत में मददगार साबित होगा ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आपके लिए एक भाग्यशाली दिन है। आप किसी भी बैठक या बातचीत में शीर्ष पर रहेंगे। आप बहुत आसानी से किसी भी घुमावदार स्थिति से बाहर आ जाएंगे । आपके प्रयासों की सराहना की जाएगी। अगर आप एक संपत्ति में आज निवेश करने की योजना बना रहे हैं, तो आपको एक अच्छा सौदा मिल सकता है। सावधानी से दस्तावेजों को पढ़ने के बाद ही अपने हस्ताक्षर करे।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज कार्य क्षेत्र में आप किसी गलतफहमी का शिकार हो सकते है , लेकिन अपने सहकर्मियों की आलोचना न करे ।आप ग्रहों के प्रभाव की वजह से तनाव और गुस्से में आ सकते है और आप इसकी भड़ास अपने सहयोगियों पर निकाल सकते है । इसकी वजह से आपके कार्यस्थल में अनावश्यक और अतिरिक्त तनाव पैदा होगा।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
कुछ परिवर्तन आपके कार्यस्थल में होने की संभावना है। वे पहली बार में हतोत्साहित लग सकते है, लेकिन जल्द ही वे आप के लिए नए अवसर को खोलेंगे , लेकिन इस अवसर का लाभ उठाने के लिए आपको साहस और विश्वास की छलांग लगाने की आवश्यकता पड़ेगी । ये उद्यम आपको जोखिम भरा लग सकता है।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज के दिन की शुरुआत उल्लेखनीय होगी। आपको पदोन्नति या नई जिम्मेदारी की पेशकश की जा सकती है और भाग्यशाली लोगों को नयी नौकरी के अद्भुत अवसर प्राप्त हो सकते है! आपकी कड़ी मेहनत की प्रशंसा चारो और हो रही है और ये समय इसका फल पाने का समय है । वितीय स्थिति में धन के प्रवाह की वजह से मजबूती आने की संभावना है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आप सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन आपकी प्रगति रुक सकती है। अगर आपने किसी भी गैजेट या कुछ रचनात्मक वस्तु का उत्पादन किया है, तो उसे जल्द से जल्द उस पर क़ानूनी एकाधिकार करवा ले । लोग ये साबित करने की कोशिश कर सकते हैं की ये वस्तु उन्ही की है , हालांकि वास्तविकता में वे शायद ही कोई भी उत्पाद की एक प्रतिकृति के निर्माण में आपके करीब आ सकते हैं।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज के दिन आपको एक अप्रत्याशित रूप से उपहार आपके दिल के निकट के व्यक्ति से मिल सकता है। आज का दिन आपके लिए काफी उत्तम रहेगा । आपके सहकर्मी और आपसे उच्च पद पर तैनात सहकर्मी आपसे खुश रहेंगे तथा आपसे पूरा सहयोग एवं सहायता करेंगे जिसकी वहज से आप अपना काम समय पर पूरा कर पाएंगे तथा सांयकालीन बेला में आप किसी समारोह का भी आयोजन कर सकते है।

पं ।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

बिटकॉइन पहली बार 71,000 डॉलर के पार, 14 साल में एक रुपया आज करोड से ज्यादा

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। देश की सबसे पुरानी, सबसे लोकप्रिय और सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन आज नए रेकॉर्ड छू लिया। सोमवार को इसकी कीमत पहली बार 71,000 डॉलर के पार पहुंच गई। पिछले 24 घंटे में इसकी कीमत में काफी तेजी आई। कारोबार के दौरान यह 71,030 डॉलर पर पहुंच गई। इस साल बिटकॉइन की कीमत में करीब 70 फीसदी तेजी आई है। हाल में बिटकॉइन ईटीएफ खुलने और फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद से बिटकॉइन की कीमत तेजी से बढ़ी है। अमेरिका के सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन ने जनवरी में 11 स्पॉट बिटकॉइन ईटीएफ को मंजूरी दी थी। एक मार्च को खत्म हफ्ते में अमेरिका के दस सबसे बड़े स्पॉट बिटकॉइन फंड्स में इनफ्लो 2.2 अरब डॉलर पहुंच गया। इनमें से दो अरब डॉलर से ज्यादा ब्लैकरॉक के आईशेयर्स बिटकॉइन ट्रस्ट के खाते में आए हैं। जानकारों का कहना है कि बिटकॉइन की कीमत 76,000 डॉलर तक जा सकती है। इस बीच ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी का मार्केट कैप 2.68 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गई है। अकेले बिटकॉइन का मार्केट कैप 1.399 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गई है। कॉइनमार्केटकैप के मुताबिक ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में बिटकॉइन की हिस्सेदारी 52.17 फीसदी है। कॉइनमार्केटकैप के मुताबिक बिटकॉइन की कीमत में पिछले एक साल में 200% से अधिक तेजी आई है। बिटकॉइन दुनिया की सबसे पुरानी क्रिप्टोकरेंसी है। इसे 2009 में लॉन्च किया गया था। साल 2010 में इसकी कीमत 0.008 डॉलर यानी करीब 66 पैसे थी। तब एक डॉलर में आप 125 बिटकॉइन खरीद सकते थे। तब आपने 1.30 रुपये में दो बिटकॉइन खरीद ली होती तो आज आपके निवेश की वैल्यू 1,17,50,720 रुपये होती। बिटकॉइन के वर्चुअल क्रिएटर सतोशी नाकामोतो ने 28 अक्टूबर, 2008 को इसका व्हाइटपेपर जारी किया था लेकिन इसकी मिंट डेट तीन जनवरी, 2009 थी।

इंस्टैंट सेटलमेंट के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में सेबी का बड़ा कदम, 28 मार्च से लॉन्च हो रहा टी+0 ट्रेड सेटलमेंट

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। इस महीने के आखिरी हफ्ते से शेयर बाजार में कारोबार करने वाले निवेशकों के लिए नए दौर की शुरुआत हो रही है।शेयर बाजार के रेग्यूलेटर सिक्योरिटीज एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया 28 मार्च 2024 से टी+0 ट्रेड सेटलमेंट साइकिल की शुरुआत करने जा रहा है जिसे इंस्टैंट सेटलमेंट की दिशा में बड़े कदम के तौर पर देखा जा रहा है।फिलहाल टी+0 ट्रेड सेटलमेंट को ऑप्शनल बेसिस पर लॉन्च किया जा रहा है।म्यूचुअल फंड की बॉडी एम्फी के कार्यक्रम के दौरान सेबी चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने कहा कि कि सेबी टी+0 ट्रेड सेटलमेंट साइकिल को ऑप्शनल बेसिस पर 28 मार्च से शुरू करने जा रहा है।पिछले वर्ष ही सेबी चीफ ने मार्च महीने से शेयर बाजार में ट्रेड वाले दिन ही सेटलमेंट की शुरुआत के संकेत दिए थे और उसके 12 महीने के भीतर इंस्टैंट सेटलमेंट का भरोसा दिया था।फिलहाल भारतीय बाजार में टी+1 ट्रेड सेटलमेंट का प्रावधान लागू है।सेबी ने दिसंबर 2023 इंस्टैंट सेटलमेंट पर सुझाव लेने के कंसलटेंट पेपर भी जारी किया था।कंसलटेंट पेपर्स में सेबी ने कहा था कि, आज के दौर में भरोसेमंद, लो कॉस्ट और तेजी के साथ ट्रांजैक्शन ऐसे फीचर्स हैं जो निवेशकों को बेहद आकर्षित करते हैं।ऐसे में शेयरों के खरीद-फरोख्त को लेकर सेटलमेंट समय को घटाने से निवेशकों को इस एसेट क्लास की ओर आकर्षित करने में मदद मिलेगी।सेबी ने कहा था कि पहले फेज में टी+0 सेटलमेंट साइकिल को दिन के 1.30 बजे तक के ट्रेड के लिए शुरू किया जाएगा और फंड्स और शेयरों के सेटलमेंट की प्रक्रिया को शाम 4.30 बजे तक पूरा कर लिया जाएगा।

सेबी के कंसलटेंट पेपर के मुताबिक दूसरे फेज में वैकल्पिक इंस्टैंट सेटलमेंट का विकल्प मौजूद होगा जिसमें फंड्स के साथ सिक्योरिटीज दोनों की ट्रेड टू ट्रेड सेटलमेंट की जाएगी।दूसरे फेज के लागू होने के बाद पहले फेज के टी+0 के ऑप्शन को बंद कर दिया जाएगा।भारतीय शेयर मार्केट में अभी टी+1 सेटलमेंट का प्रावधान है।

हफ्ते के पहले सत्र में 617 अंकों की गिरावट के साथ शेयर बाजार हुआ बंद, मिडकैप, स्मॉलकैप स्टॉक्स में रही बिकवाली

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। हफ्ते का पहला कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के निवेशकों के लिए बेहद निराशाजनक रहा है. भारी बिकवाली के चलते बाजार औंधे मुंह गिरकर बंद गिरकर बंद हुआ है. बैंकिंग और एनर्जी स्टॉक्स में बड़ी गिरावट देखने को मिली है. मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स की भी जमकर पिटाई हुई है. आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 617 अंकों की गिरावट के साथ 74,000 के नीचे 73,502 अंकों पर बंद हुआ है. जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 161 अंकों की गिरावट के साथ 22,332 अंकों पर बंद हुआ है.बाजार में गिरावट के चलते मार्केट कैपिटलाईजेशन में कमी आई है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट वैल्यू घटकर 389.60 लाख करोड़ रुपये पर आ गया है जो पिछले सत्र में 392.75 लाख करोड़ रुपये रहा था. यानि आज के सत्र में निवेशकों को 3.15 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है. आज के कारोबार में हेल्थकेयर और फार्मा को छोड़कर सभी सेक्टर्स के शेयरों में गिरावट रही. बैंक निफ्टी 507 अंक गिरकर बंद हुआ है. इसके अलावा ऑटो, आईटी एफएमसीजी, मेटल्स, मीडिया, एनर्जी, इंफ्रा, ऑयल एंड गैस और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए. मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी मुनाफावसूली रही.

सेंसेक्स के 30 शेयरों में 8 शेयर तेजी और 22 गिरकर बंद हुए. जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 20 शेयर तेजी के साथ और 30 लाल निशान में क्लोज हुए.आज के कारोबार में अपोलो हॉस्पिटल 2.58 फीसदी, नेस्ले 1.97 फीसदी, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 1.44 फीसदी, हिंडाल्को 1.28 फीसदी, सिप्ला 1.27 फीसदी, बजाज फिनसर्व 1.01 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. जबकि टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 3.24 फीसदी, बजाज ऑटो 2.47 फीसदी, पावर ग्रिड 2.43 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है.

हर महीने 5 लाख का बिजनेस, एक रात सब खत्म

फिर दो दोस्तों ने शुरू किया क्यूआर कोड का बिजनेस, टर्नओवर 4 करोड़

नई दिल्ली, 11 मार्च (एक्सक्लूसिव डेस्क)। बदलते वक्त के साथ अधिकांश रेस्टोरेंट्स में अब फिजिकल मैन्यू देखने की जरूरत नहीं पड़ती है। हम टेबल पर लगे क्यूआर कोड को मोबाइल से स्कैन कर फूड ऑर्डर कर लेते हैं। हालांकि, अब तक जितना मुझे पता था, गूगल स्कैनर के जरिए ही क्यूआर कोड स्कैन कर फूड ऑर्डर किया जा सकता है। शायद आपको भी यही पता होगा। यदि मैं कहूं कि वॉट्सऐप में भी एक स्कैनर होता है, जो रेस्टोरेंट में लगे क्यूआर कोड को स्कैन कर आप को मेन्यू सीधा वॉट्सऐप पर दिखाता है। जिसके बाद आप खाना ऑर्डर कर सकते हैं।

इसी बिजनेस मॉडल को डिटेल में जानने-समझने के लिए इंदौर में रेस्टोरेंट के लिए क्यूआर कोड और टेक्नोलॉजी प्रोवाइड कराने वाली कंपनी 'यूपीएसएएलई का दफ्तर है। सामने कंपनी के को-फाउंडर सुकृत राय एक क्यूआर कोड के साथ डेमो दे रहे हैं। कहते हैं, 'इंडिया में करीब 50 करोड़ वॉट्सऐप यूजर्स हैं। अब आप समझ सकते हैं कि इसका कितना बड़ा मार्केट है।

सुकृत के साथ उनकी बिजनेस पार्टनर और इस कंपनी की को-फाउंडर नेहा खंडेलवाल बैठी हुई हैं। नेहा बातचीत शुरू करने से पहले ही बोल पड़ती हैं, 'दूसरों की तरह आप ये मत समझ लीजिएगा कि हम दोनों हसबैंड-वाइफ हैं। पहली नजर में लोग यही सोच बैठते हैं। दरअसल हम दोनों साथ में इसलिए काम कर रहे हैं, क्योंकि बिजनेस को लेकर हमारे सोचने का तरीका एक-सा है।'

नेहा कहती हैं, 'फैमिली लेवल पर हम दोनों एक-दूसरे को बहुत पहले से जानते हैं। अच्छे दोस्त रहे हैं, इसलिए पर्सनल बॉन्डिंग है। सुकृत टेक्नोलॉजी का एक्सपर्ट है और मैं रेस्टोरेंट इंडस्ट्री को बेहतर समझती हूं। मैं अभी भी सुकृत और नेहा के बिजनेस को ठीक से समझ नहीं पा रहा हूं। पूछने पर नेहा मेरे मोबाइल के वॉट्सऐप से एक क्यूआर कोड स्कैन करती हैं। कहती हैं, 'वॉट्सऐप स्कैनर से क्यूआर कोड स्कैन करते ही आपके वॉट्सऐप पर एक मैसेज आएगा। इसमें रेस्टोरेंट मैन्यू से रिलेटेड सारे डिटेल्स आ जाएंगे।

हम रेस्टोरेंट का डेटा भी कलेक्ट करते हैं, जिससे रेस्टोरेंट को पता चलता है कि उनका कौन-सा प्रोडक्ट ज्यादा बिक रहा है। किस समय में कस्टमर किस प्रोडक्ट की ज्यादा डिमांड कर रहे हैं। कस्टमर का फीडबैक क्या है। मंथली, एनुअली कितना सेल हो रहा है। ये सारा डेटा रेस्टोरेंट के पास कलेक्ट होता है।' रेस्टोरेंट के फीडबैक को लेकर सुकृत कहते हैं, 'कुछ डेटा ऐसे भी आते हैं, जिसमें कस्टमर फूड ज्यादा या कम सर्व करने को लेकर फीडबैक देते हैं। कस्टमर बाथरूम से लेकर साफ-सफाई का भी फीडबैक देते हैं।'

सुकृत कहते हैं, '2006 में इंजीनियरिंग करने के बाद मैंने एक नोएडा बेस्ड आईटी कंपनी जॉइन की थी। यहां कुछ सालों तक काम करने के बाद मैंने रेस्टोरेंट्स के लिए सोशल मार्केटिंग का अपना काम शुरू किया। बाद में सोचा कि इस सेक्टर के लिए सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट बनाऊं। मैं इंदौर आ गया। खुद की कंपनी के लिए फंडिंग भी मिल गई थी, इसी बीच।'

उसी समय मेरे बेटे का जन्म हुआ था। कुछ महीने बाद पता चला कि उसे 'ऑटिज्म' है। देशभर के कई बड़े डॉक्टरों को दिखाया, लेकिन कुछ हुआ नहीं। मैं पूरी तरह से डिस्टर्ब हो चुका था। दरअसल ऑटिज्म ऐसी बीमारी है जिसमें बच्चे का मानसिक, शारीरिक विकास आम बच्चों की तरह नहीं हो पाता है। सब कुछ छोड़छाड़ के तीन-चार सालों तक इधर-उधर भटकता रहा, लेकिन कुछ असर नहीं

हुआ। अभी भी स्थिति वही है। मेरी पत्नी ने फिजियो की ट्रेनिंग ली, ताकि वो बेटे का ध्यान रख सके। मैं तो मेंटली रूप से डिस्टर्ब हो चुका था। अपना पूरा काम-धंधा छोड़ दिया था। परिस्थिति को स्वीकार करने में काफी वक्त लग गया। इसी बीच नेहा अपना बिजनेस आइडिया लेकर आई। जहां से मैंने और नेहा ने अपना दूसरा बिजनेस करियर शुरू किया।'

नेहा कहती हैं, 'स्टडी कम्प्लीट करने के बाद मैंने इंदौर में ही साल 2017 में 'मेक माई सैंडविच' नाम से अपना आउटलेट लॉन्च किया था। देखते-देखते शहर में 5-6 आउटलेट्स हो गए। अच्छा-खासा बिजनेस चल रहा था। महीने में 5 लाख का बिजनेस हो रहा था। तभी 2020 में कोरोना की वजह से सब कुछ बंद हो गया। सभी आउटलेट्स बंद हो गए। पूरा धंधा चौपट। जब धीरे-धीरे फिर से आउटलेट्स खुलने शुरू हुए, तो मुझे लगा कि यदि इन रेस्टोरेंट्स को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाया जाए, तो रेस्टोरेंट अपने कस्टमर से डायरेक्ट जुड़े रह सकते हैं। मैंने सुकृत से बात की। उन्हें भी आइडिया अच्छा लगा। तब हम दोनों ने इस बिजनेस की शुरुआत की।' जिस लोकेशन पर हम लोग बात कर रहे हैं, उससे कुछ किलोमीटर की दूर स्थित एक रेस्टोरेंट में सुकृत और नेहा मुझे लेकर चलते हैं। नेहा कहती हैं, 'मैंने रेस्टोरेंट्स की प्रॉब्लम को जिया है। मुझे पता था कि रेस्टोरेंट बिजनेस को लेकर किन-किन समस्याओं को फेस करते हैं।' सुकृत रेस्टोरेंट से रिलेटेड कुछ डेटा बताते हैं। कहते हैं, 'इंडिया में 10 में से 8 रेस्टोरेंट गलत मैनेजमेंट की वजह से हर साल बंद हो जाते हैं। वो यदि अपनी सर्विस पर ध्यान दें, तो उनका बिजनेस बेहतर तरीके से चल सकता है। हमने एक और स्टडी की। दुनिया के बाकी देशों में रेस्टोरेंट में जाकर खाना खाने का कल्चर 30-40% है, जबकि इंडिया में ये अभी 8-10% परसेंट है। धीरे-धीरे ये बढ़ रहा है। हम चाहते हैं कि रेस्टोरेंट के साथ कस्टमर का बेहतर एक्पीरिएंस हो।' सुकृत और नेहा ने इस बिजनेस में तकरीबन 2 करोड़ रुपए का इन्वेस्ट किया था। सुकृत कहते हैं, 'मेरा पहला बिजनेस महज 2 हजार रुपए का था। आज देखिए कि हम सालाना 4 करोड़ का टर्नओवर कर रहे हैं। देशभर में डेढ़ हजार से ज्यादा क्लाइंट्स हैं। इंदौर के अलावा दिल्ली एनसीआर, मुंबई, हैदराबाद समेत 6 से ज्यादा राज्यों में हम सर्विस दे रहे हैं। हमारा सब्सक्रिप्शन बेस्ड मॉडल है। इसके लिए रेस्टोरेंट को मंथली फिक्स चार्ज देना होता है। आने वाले वक्त में रेस्टोरेंट इंडस्ट्री लगातार ग्रोथ कर रही है। बाहर जाकर खाने का कल्चर बढ़ रहा है। हम धीरे-धीरे पैन इंडिया काम करने पर वर्क कर रहे हैं।'

गेवरा खदान में कर्मचारियों ने किया काम बंद हड़ताल का एलान

मांग पूरी नहीं होने तक आंदोलन रहेगा जारी

कोरबा, 11 मार्च (एजेंसियां)। गेवरा खदान में निजी कंपनी के कर्मचारियों ने काम बंद हड़ताल का एलान किया है। गेवरा सीजीएम कार्यालय के बाहर ठेका कर्मियों का प्रदर्शन जारी है। समान वेतन की मांग कर रहे हैं। साथ ही शोषण का आरोप भी लगाया है। आरोप लगाते हुए कहा है कि सुधर जाओ नहीं तो सुधार देंगे। कोरबा जिले में एसईसीएल प्रबंधन की मनमानी के खिलाफ एक निजी कंपनी के कर्मचारियों ने आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। कोल माइंस अधीनियम,समान वेतन और मेडिकल की सुविधा दिए जाने की मांग को लेकर रुंगटा ठेका कंपनी के कर्मचारियों ने पहले दो खदान में काम बंद कर दिया। फिर गेवरा सीजीएम कार्यालय के सामने धरने पर बैठ गए है। रुंगटा कंपनी खदान के भीतर कोयले का खनन काम करती है। ठेका कर्मियों के हड़ताल पर चले जाने से खदान के भीतर उत्खनन का काम पूरी तरह से ठप्प हो गया है। खदान के भीतर वाहनों की लंबी कतार लग गई है। ठेका कर्मियों के द्वारा प्रदर्शन करने की सूचना मिलते ही पुलिस और विभागीय सुरक्षाकर्मियों की टीम मौके पर पहुंची और स्थिती को नियंत्रण में लिया। कर्मचारियों ने बताया कि काफी लंबे समय से रुंगटा कंपनी में काम करते आ रहे हैं। जिसमें अन्य चार और कंपनियां भी हैं। जो कोयला उत्खनन का काम करती हैं। सभी कंपनियों में अलग-अलग कर्मचारी है। जिनका वेतन अलग-अलग है। ऐसे में समान वेतन सबको नहीं मिल पा रहा है और न ही उनको मेडिकल सुविधा मिल रही है। इन बातों को लेकर वह हड़ताल करने के लिए बाध्य है। इससे पहले भी कई बार अपनी मांगों को लेकर निजी कंपनी और एसईसीएल प्रबंधन के समक्ष अपनी बातें रखी थी। लेकिन अब तक पूरी नहीं हो सकी। जिसे लेकर सभी कर्मचारी आक्रोशित है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही दीपका थाना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची।

मेडिकल ऑफिसर ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बिलासपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। बिलासपुर के सिरगिट्टी थाना क्षेत्र में मेडिकल ऑफिसर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सिरगिट्टी पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। दरअसल प्राप्त जानकारी के अनुसार पूजा चौरसिया जिला अस्पताल में वह डॉक्टर थी महिला का मायका सिरगिट्टी थाना क्षेत्र के तिफरा में है। पुजा की मां और भाई अमेरिका में रहते हैं। बताया जा रहा है की महिला का विवाह चार साल पहले डॉक्टर अनिकेत से हुई थी जिनके कोई बच्चे नहीं थे पति-पत्नी सरकंडा थाना क्षेत्र मे रहते थे। वहीं डॉ पुजा तीन चार दिनों से अपने मायके स्थित घर पर ही अकेले रह रही थी और कल फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

किसानों ने किया चक्काजाम

कई मांगों को लेकर धरने पर बैठे अन्नदाता, आवागमन ठप्प

कबीरधाम, 11 मार्च (एजेंसियां)। कबीरधाम में आज किसानों ने पोंड़ी-बिलासपुर नेशनल हाईवे में अपनी विभिन्न मांगों को लेकर चक्काजाम कर दिया। करीब 500 से अधिक किसान सड़क पर बैठे हुए हैं। ये दोपहर तीन बजे से चक्काजाम कर दिए हैं। यह प्रदर्शन समृद्ध छत्तीसगढ़ किसान संघ के बैनर तले हो रहा है। संघ के जिला अध्यक्ष सोनी वर्मा ने बताया कि चक्काजाम को लेकर बीते दिनों पंडरिया एसडीएम को सूचना दी थी। उनकी प्रमुख मांग सरदार वल्लभ भाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना पंडरिया में लंबित मूल भुगतान करने, राज्य सरकार गन्ना का 400 रुपए प्रति क्विंटल में

समर्थन मूल्य पर खरीदी करे, पेराई सत्र 2023-24 मे गन्ना किसानो की बोनस प्रोत्साहन राशि का स्पष्ट दिशा निर्देश जारी करें। धान की चौथी किस्त की राशि किसानों के खाते में डाली जाए। गन्ना सिंचाई को ध्यान में रखते हुए बिजली कटौती बंद किया जाए। किसानों को कृषि कार्य के लिए 24 घंटे बिजली दी जाए। पंडरिया के क्रांति जलाशय, कुबा डैम का विस्तार किया जाए। इसके अलावा भूमिहीन मजदूर को 10 हजार रुपये वादा के अनुसार दिया जाए।

अगले 4 दिनों में 4 डिग्री चढ़ेगा पारा

डोंगरगढ़ सबसे गर्म, 9 जिलों में तापमान 35 डिग्री पार, अंबिकापुर रहा सबसे ठंडा

रायपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में आने वाले चार दिनों में अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री तर बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक शनिवार को डोंगरगढ़ में दिन का तापमान सबसे ज्यादा 37.8 डिग्री रहा। सबसे कम न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 11.9 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

राजनांदगांव जिले में दिन का तापमान सामान्य से 5 डिग्री ज्यादा है। यहां अधिकतम तापमान 36 डिग्री पर पहुंच गया है। वहीं, रात का तापमान 20 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है, जो सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा है। रायपुर में आज मौसम साफ रहेगा। राजधानी में आज का अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री के आसपास रहने की

संभावना है।

प्रदेश के 9 जिलों का तापमान 35 डिग्री के पार पहुंच गया है। सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान डोंगरगढ़ में 37.8 डिग्री, दंतेवाड़ा में 36 डिग्री, बीजापुर में 35.2 डिग्री, बस्तर में 35.3 डिग्री, कांकेर 35.8 डिग्री, नारायणपुर में 35 डिग्री, बलोद 36.8 डिग्री, रायपुर में 36.5 डिग्री राजनांदगांव 36 डिग्री रहा।

रायपुर में अधिकतम तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। यहां रविवार को दिन का पारा 36.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, वहीं न्यूनतम तापमान 21.5 डिग्री रहा। दिन और रात का तापमान सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा रिकॉर्ड किया गया है।

रविवार को सरगुजा संभाग के जिलों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रिकॉर्ड किया गया है। सरगुजा में अधिकतम तापमान 31.7 डिग्री रहा। रात का तापमान 11.9 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। दिन का तापमान सामान्य से 1 डिग्री अधिक रहा। वहीं, रात का तापमान सामान्य से 3 डिग्री कम रिकॉर्ड किया गया। बिलासपुर में दिन का तापमान 34.8 डिग्री रहा जो सामान्य से 1 डिग्री अधिक था। यहां रात का तापमान 17.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। जो सामान्य से 1 डिग्री कम रहा।

मुखबिरी के शक में युवक को नक्सलियों ने उतारा मौत के घाट

बीजापुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। बीजापुर में नक्सलियों ने कुटरू इलाके में एक युवक का अपहरण करने के बाद उसकी हत्या कर शव तेलीपेठा और पाता कुटरू मार्ग पर फेंक दिया। नक्सलियों ने शव के पास भैरमगढ़ एरिया कमेटी के नाम का पर्चा भी फेंका हैं। जिसे शव के साथ बरामद किया गया है। पुलिस ने बताया कि बीते आठ मार्च को कुटरू थाना क्षेत्र के तेलीपेठा निवासी पुसू हेमला पिता दोये हेमला उम्र 35 जो वर्तमान में कुटरू में निवासरत था। पुसू हेमला व्यक्तिगत काम से अपने गांव तेलीपेठा गया हुआ था। उसी दिन नक्सलियों ने तेलीपेठा से उसका अपहरण कर लिया।

नक्सलियों ने मुखबीरी का आरोप लगाते हुए युवक पुसू हेमला की हत्या कर शव को तेलीपेठा व पाताकुटरू मार्ग पर फेंक दिया। नक्सलियों ने शव के पास भैरमगढ़ एरिया कमेटी के नाम से पर्चा फेंका है। जिसमें मुखबीरी के आरोप में हत्या करने का जिक्र हैं।

बीजेपी के डॉ प्रदीप वर्मा और जेएमएम के डॉ सरफराज अहमद ने भरा नामांकन पत्र

बीजेपी के डॉ प्रदीप वर्मा और जेएमएम के डॉ सरफराज अहमद ने भरा नामांकन पत्र

रांची, 11 मार्च (एजेंसियां)। 21 मार्च को होने जा रहे राज्यसभा चुनाव को लेकर सोमवार को सत्ता पक्ष और विपक्ष की ओर से चयनित उम्मीदवार नामांकन दाखिल किया। बीजेपी की ओर से डॉ. प्रदीप वर्मा ने नामांकन पत्र भरा है। वहीं, महागठबंधन की ओर से डॉ सरफराज अहमद ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। डॉ. प्रदीप वर्मा के नामांकन भरने के दौरान बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह, राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, बीजेपी के प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय समेत पार्टी के अधिकतर नेता मौजूद थे। विधानसभा के प्रभारी सचिव सह राज्यसभा चुनाव के निर्वाची पदाधिकारी सैयद जावेद हैदर के सामने दो सेट में नामांकन दाखिल की। एनडीए के सभी विधायक प्रस्तावक बने।

नामांकन दाखिल करने के बाद डॉ प्रदीप वर्मा ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी पंचायत में झारखंड की जनता का आवाज बनने का प्रयास करूंगा। अगर ऐसा कर पाता हूं तो पार्टी ने मुझ पर दिखाया है, वह सच साबित होगा। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री, गृहमंत्री सहित पार्टी के तमाम पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुझ जैसे सामान्य कार्यकर्ता को राज्यसभा के लिए नामित किया है, उसके लिए आभार व्यक्त करता हूं। वहीं, गांडेय के पूर्व विधायक डॉ सरफराज अहमद ने भी अपने समर्थकों के साथ नामांकन पत्र भरा। डॉ सरफराज अहमद जेएमएम के प्रत्याशी हैं, जिसे गठबंधन ने सपोर्ट किया है। नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान उनके साथ सीएम चंपाई सोरेन, राजद के सत्यानंद भोक्ता, आलमगीर आलम और माले के विधायक विनोद सिंह साथ थे।

नामांकन कर निकले डॉ सरफराज अहमद ने कहा कि मैं चंपाई सोरेन, हेमंत सोरेन सहित गठबंधन के सभी साथियों को धन्यवाद देता हूं।

भाजपा पार्षदों ने महापौर और सभापति को सद्बुद्धि देने के लिए भगवान राम से की प्रार्थना

धमतरी, 11 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव को लेकर आचार संहिता कभी भी लग सकती है। दूसरी ओर नगर निगम धमतरी में बजट बैठक के लिए 28 मार्च के दिन को तय किया गया है। जिससे गुस्साए भाजपा पार्षदों ने नगर निगम के सामने नगाड़ा, ढोल बजाते हुए राम भगवान का गुणगान करते हुए प्रदर्शन किया और महापौर एवं सभापति को सद्बुद्धि देने के लिए भगवान राम से प्रार्थना की। साथ ही भाजपा पार्षदों ने निर्वाचन आयोग के नाम से निगम प्रशासन को ज्ञापन सौंप कर मांग किया है कि आचार संहिता लगने के दौरान नगर निगम में बजट बैठक के लिए विशेष अनुमति प्रदान करें। जिससे शहर का विकास निरंतर जारी रहे।

गौरतलब है कि बीते साल भी बजट बैठक के दौरान भारी हंगामा के चलते नगर निगम में बजट पेश नहीं हो पाया था, वहीं इस साल भी बजट बैठक नहीं होने के आसार नजर आ रहे हैं। विपक्ष के भाजपा पार्षदों का कहना है कि महापौर और सभापति बजट बैठक से भाग रहे हैं, कहा की जानबूझकर सभापति ने 28 मार्च को बजट बैठक की तिथि तय किया है। जबकि कुछ दिनों में अब चुनावी आचार संहिता लगने वाला है। विपक्ष के पार्षदों का कहना है कि महापौर की उदासीनता के चलते शहर के विकास पर ब्रेक लग गया है।

जिस महिला को बताया एक लाख की इनामी वह फर्जी निकली

बीजापुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। दो मार्च को पुलिस ने पामेड़ थाना क्षेत्र के जारपल्ली के जंगल से जिस एक लाख रुपये की ईनामी महिला नक्सली कट्टम रामबाई को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने का प्रेसनोट जारी किया था। अब उस मामले को लेकर नक्सलियों की दक्षिण बस्तर डिवीजन कमेटी के सचिव गंगा ने प्रेसनोट जारी कर पुलिस की उस कार्यवाही को फर्जी बताते हुए रामबाई को बिना शर्त रिहा करने की बात कही है। नक्सलियों के दक्षिण बस्तर डिवीजन कमेटी के सचिव गंगा ने नौ मार्च को प्रेसनोट जारी कर कहा था कि दो मार्च 2024 को बीजापुर जिला पामेड़ थाना अंतर्गत ग्राम जारपल्ली के जंगल से एक लाख की ईनामी महिला माओवादी कट्टम रामबाई को गिरफ्तार करने का पुलिस प्रशासन द्वारा प्रेसनोट जारी किया गया। मगर यह एक फर्जी गिरफ्तारी और सफेद झूठ के सिवा कुछ नहीं है। प्रेसनोट में सचिव गंगा ने लिखा है कि सच्चाई यह है कि कट्टम रामबाई अपने परिजनों और गांव वालों के साथ मिलकर तेलंगाना मिर्ची तोड़ने और कुली मजदूरी करने गई हुई। इसी दौरान डीआरजी ने वहां से उठाकर पामेड़ थाना में एक झूठा केस दर्ज करके उन्हें जेल में बंद कर दिया।

हाथियों ने बरपाया कहर

सूरजपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के आदिवासी अंचल क्षेत्र सरगुजा संभाग में इन दिनों हाथियों का उत्पात जारी है। इसी कड़ी में सूरजपुर जिले के प्रतापपुर वन परिक्षेत्र के तहत एक गांव में सोमवार की अलसुबह दो दंतैल हाथियों ने वृद्ध ग्रामीण के घर को तोडना शुरु कर दिया। इसी बीच आवाज सुनकर घर से पति-पत्नी जैसे ही घर से बाहर निकले तभी हाथियों ने दोनों को घर के सामने ही कुचलकर मार डाला। बताया जा रहा है कि पिछले साल भी हाथियों ने उक्त दंपति का घर तोड़ा था। इधर सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम के ऊपर ग्रामीण भडक़ गए। सूरजपुर जिले के प्रतापपुर वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम दरहोरा निवासी हरिधन 69 वर्ष अपनी पत्नी नन्ही 66 वर्ष के साथ रहता था।

तीन मंदिरों में तोड़फोड़

मूर्तियां खंडित की, विरोध में लोगों का सड़क जाम, समझाने में जुटी पुलिस

रांची, 11 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड में एक बार फिर मंदिर में तोड़फोड़ हुई है। राजधानी रांची से सटे बुढ़मू के उमेडंडा में असामाजिक तत्वों ने तीन मंदिरों में तोड़फोड़ की। वहां देवी-देवताओं की प्रतिमा को खंडित कर दिया गया है।

मूर्तियों को क्षतिग्रस्त करने की खबर सोमवार सुबह तेजी से फैली। आक्रोशित ग्रामीणों की भीड़ मंदिरों में जमा होने लगी। लोगों में काफी आक्रोश है। गांव वालों ने पास की सड़क को जाम कर दिया है। मौके पर पुलिस तैनात है। बताया जा रहा है कि घटनास्थल के आसपास पुलिस बलों की संख्या बढ़ाई जा रही है। लोगों को समझाने का प्रयास किया जा रहा है। इससे पहले 8 जनवरी को रांची के बरियातू में श्रीराम जानकी मंदिर में चोरी हुई थी। चोरी के बाद मूर्तियों को भी क्षतिग्रस्त किया गया था। अबतक मिली जानकारी के अनुसार घटना उमेडंडा स्थित प्रसिद्ध प्राचीन आस्था और भक्ति के स्थल में बने तीन मंदिरों की प्रतिमाओं को खंडित किया गया है। घटना बीती रात की बताई जा रही है। सोमवार सुबह श्रद्धालु मंदिर में पूजा करने पहुंचे तब देखा कि प्रतिमाएं खंडित हैं और इधर-उधर बिखरी पड़ी है। जानकारी के मुताबिक शिव मंदिर के शिवलिंग, नंदी, बंजरग बली की मूर्ति और भगवती मंदिर में पिंडी और भगवती त्रिशूल को अज्ञात अपराधियों ने खंडित किया है।

दबंग ने महिला के मकान पर चलवाया बुलडोजर

बिलासपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। बिलासपुर में एक दबंग पड़ोसी ने गरीब महिला से विवाद के बाद उसका मकान बुलडोजर चलवा कर ढहा दिया। विरोध करने पर महिलाओं के साथ जमकर मारपीट भी की गई। दोनों पक्षों के विवाद में 8 लोग घायल हो गए। दयालबंद सोनकर मोहल्ले में रविवार की घटना से नाराज लोगों ने चक्काजाम कर दिया। वहीं पुलिस राजस्व का मामला बताकर तमाशा देखती रही। साधना रजक रोजी-मजदूरी करती हैं। उनके पड़ोसी गिरधारी गोरख से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। कल शाम करीब पांच बजे गिरधारी गोरख और उसके लोग बुलडोजर लेकर पहुंच गए।

यहां उन्होंने महिला के मकान को बुलडोजर से ढहा दिया। मना करने पर विवाद करते हुए गाली-गलौज कर उनकी पिटाई भी कर दी। पीड़ित परिवार ने इस घटना की जानकारी पुलिस के डायल 112 को दी। खबर मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। लेकिन, पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की, जिससे नाराज लोगों ने चक्काजाम कर दिया और नारेबाजी करते हुए जमकर हंगामा मचाया। इधर, विवाद और मारपीट करने के बाद रसूखदार परिवार के लोग भी सिटी कोतवाली थाना पहुंच गए। उन्होंने पथराव और मारपीट करने का आरोप लगाते हुए महिला और परिवार के लोगों के खिलाफ केस दर्ज करा दिया। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर केस दर्ज किया है।

अयोध्या से लौटा श्रद्धालुओं का जत्था, राममय हुआ रेलवे स्टेशन

प्रत्याशी महेश कश्यप ने किया स्वागत

जगदलपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। पांच दिन पहले जगदलपुर करीब 1100 से अधिक रामभक्तों के जत्थे को लेकर ट्रेन अयोध्या रवाना हुई थी। आस्था स्पेशल ट्रेन सोमवार सुबह वापस लौटी। इस मौके पर एक बार फिर जगदलपुर रेलवे स्टेशन पर माहौल भक्तिमय नजर आया। प्लेटफार्म पर ढोल-नगाड़े बज रहे थे, ट्रेन से उतरने वाले श्रद्धालुओं के साथ-साथ स्टेशन पर मौजूद लोग भी जय श्रीराम के नारे लगा रहे थे। रामभक्तों का यह जत्था जिस उत्साह के साथ भजन कीर्तन करते और नाचते-गाते ट्रेन से रवाना हुआ था, उसी अंदाज में उनकी वापसी हुई। स्टेशन पर कई श्रद्धालु ढोल-नगाड़े की धुन पर नाचते नजर आए। उनके चेहरों पर रामलला के अलौकिक दर्शन का आनंद साफ झलक रहा था। जगदलपुर रेल्वे स्टेशन में भाजपा प्रत्याशी महेश कश्यप ने सभी श्रद्धालुओं का ढोल बजाकर व पुष्प वर्षा के साथ उनका भव्य स्वागत किया। इस मौके पर अनेक श्रद्धालुओं ने अपनी अयोध्या यात्रा के अनुभव भी साझा किए।

पाकिस्तान बदलेगा प्रथम महिला की परिभाषा

राष्ट्रपति की बेटी को दिया जा सकता है पद

इस्लामाबाद, 11 मार्च (एजेंसियां)। देश की फर्स्ट लेडी (प्रथम महिला) शब्द को राष्ट्रपति की पत्नी के तौर पर जाना जाता है। लेकिन भारत का पड़ोसी देश पाकिस्तान इसकी परिभाषा को ही बदलने जा रहा है। जी हां, पाकिस्तान में यह दर्जा आसिफ भुट्टो जरदारी की बेटी आसिफा भुट्टो जरदारी को दिया जा सकता है।

दरअसल में पाकिस्तान के 14वें राष्ट्रपति के तौर पर रविवार को आसिफ अली जरदारी ने शपथ ली, लेकिन लोगों के मन का यह सवाल है कि पाकिस्तान की प्रथम महिला कौन बनने जा रही है। पाकिस्तान मीडिया ने सोमवार को बताया कि इस्लामाबाद में राष्ट्रपति भवन में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान जरदारी के साथ उनकी सबसे छोटी बेटी आसिफा भुट्टो जरदारी भी थी।

आसिफा को मिल सकता है प्रथम महिला का दर्जा

जरदारी की सबसे बड़ी बेटी बख्तावर भुट्टो जरदारी ने रविवार को सोशल मीडिया पोस्ट एक्स पर पोस्ट साझा किया, जिसमें बख्तारवर भुट्टो जरदारी ने अपनी बहन आसिफा को टैग किया। उन्होंने लिखा, शपथ ग्रहण समारोह में अपने पिता के साथ देखा जाना सुखद है। गौरतलब है कि प्रथम महिला राष्ट्रपति की पत्नी होती है। हालांकि, इस मामले में राष्ट्रपति जरदारी अपनी पत्नी, पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के 2007 में मौत होने के बाद विधुर हैं।

पहले कार्यकाल में खाली था प्रथम महिला का पद

बता दें देश के राष्ट्रपति के रूप में उनके पहले कार्यकाल 2008 से 2013 तक के दौरान प्रथम महिला का पद भी खाली रहा। हालांकि अब स्थिति पूरी तरह से बदल गई है। आसिफा आठ फरवरी के चुनावों से पहले पार्टी के चुनावी अभियान में सक्रिय रूप से शामिल थीं और उन्हें अपने भाई बिलावल भुट्टो जरदारी, जो उस समय पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार थे, के लिए समर्थन मांगने के लिए कई रैलियों की मेजबानी करती हुई नजर आई थी।

राजनीति में सक्रिय है आसिफा, कर चुकी हैं प्रचार

आसिफा ने 30 नवंबर, 2020 को मुल्तान में पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) की रैली में अपनी राजनीतिक शुरुआत की। इसके अलावा, अतीत में, मदार-ए-मिल्लत फातिमा जिन्ना भी आधिकारिक कार्यक्रमों सहित विभिन्न अवसरों पर कभी-कभी अपने भाई कायदे आजम के साथ जाते थे। वह एक विधुर भी थे। विदेशों में ऐसे कई उदाहरण हैं जब राष्ट्रपतियों ने, जो विधुर थे, अपनी बेटियों, बहनों और यहां तक कि भतीजियों को भी अपनी प्रथम महिला बनने के लिए कहा गया था।

कैबिनेट के लिए पीएम शहबाज शरीफ ने की 19 नामों की सिफारिश

इस्लामाबाद, 11 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कैबिनेट के लिए 19 नामों की सिफारिश की है। पीएम शहबाज शरीफ ने राष्ट्रपति जरदारी को नामों की सिफारिश करते हुए पत्र लिखा है। अब राष्ट्रपति जरदारी अगर मंजूरी दे देते हैं तो सोमवार या मंगलवार को ही कैबिनेट का शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है। साथ ही शपथ ग्रहण के बाद ही पहली कैबिनेट बैठक भी आयोजित की जाएगी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने जो लिस्ट भेजी है, उनमें नेशनल असेंबली के 12 सदस्य और तीन सीनेटर्स के नाम शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रविवार को पीएम शहबाज शरीफ ने मैराथन बैठक की, जिसमें कैबिनेट के लिए नामों पर फैसला हुआ। शहबाज शरीफ ने 4 फरवरी को पाकिस्तान के पीएम के तौर पर शपथ ली थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जिन नामों की सिफारिश की गई है।

हैती में जारी गृह युद्ध के बीच अमेरिका ने अपने दूतावास से कुछ कर्मियों को वापस बुलाया

पोर्ट ऑफ प्रिंस, 11 मार्च (एजेंसियां)। हैती में बढ़ती हिंसा और आपातकाल की स्थिति के बीच अमेरिकी सेना ने वहा अपने दूतावास से कई कर्मियों को वापस बुलाने का अभियान चलाया। अमेरिका की तरफ से यह कदम हिंसा में वृद्धि, सरकार के लिए खतरा पैदा करने और बड़ी संख्या में विस्थापन को बढ़ावा देने के बाद उठाया गया है। इससे पहले इसी महीने सशस्त्र गिरोह ने हैती के दो सबसे बड़े जेलों में जेल तोड़ने की साजिश रची थी। जिस वजह से हजारों की संख्या में कैदी जेल से फरार हो गए। सशस्त्र गिरोह ने इस दौरान अपने प्रधानमंत्री एरियल हेनरी के इस्तीफे की मांग भी की। हैती के पीएम देश छोड़कर भाग गए हैं और वे संयुक्त राष्ट्र समर्थित सुरक्षा बलों के हस्तक्षेप के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से गुहार लगा रहे हैं। अमेरिकी दक्षिणी कमांड ने यह स्पष्ट किया कि दूतावास के कर्मियों को वापस बुलाने का

अभियान केवल दूतावास की सुरक्षा के अनुरूप चलाया गया है। उन्होंने कहा, दूतावास के अंदर और बाहर कर्मियों की यह एयरलिफ्ट दुनिया भर में दूतावास की सुरक्षा बढ़ाने के लिए हमारे मानक अभ्यास के अनुरूप है, और सैन्य विमान में कोई भी हैती का नागरिक नहीं था। सुरक्षा कारणों से यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल ने भी हैती में अस्थाई रूप से अपनी उपस्थिति कम कर दी है। सूत्रों के अनुसार, जर्मनी और यूरोपीय संघ के दूतावास भी अपने कर्मचारियों को यहां से निकाल रहे हैं। कैरिबियाई देश हैती में गृह युद्ध की हिंसा की आग में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। देश में फैली इस हिंसा के कारण 362,000 हैती वासियों को विस्थापित होना पड़ा। सशस्त्र गिरोह देश की राजधानी पर कब्जा कर चुके हैं। वे राष्ट्रपति भवन समेत कई सरकारी इमारतों को निशाना बना रहे हैं। सड़कों पर गोलियां चल रही है। सशस्त्र गिरोह दुकानों और घरों में तोड़फोड़ कर रहे हैं, जिसके बाद हैती में 72 घंटों के लिए आपातकाल लगा दिया गया है।

पुर्तगाल में कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी बनी किंगमेकर

सेंटर-राइट गठबंधन की जीत, पर बहुमत से दूर

लिस्बन, 11 मार्च (एजेंसियां)। पुर्तगाल में रविवार को हुए प्रारंभिक आम चुनाव में सेंटर राइट डेमोक्रेटिक अलायंस गठबंधन को जीत मिली है। गठबंधन को 29.5 फीसदी वोट मिले हैं। हालांकि गठबंधन बहुमत का आंकड़ा पार करने में असफल रहा। ऐसे में पुर्तगाल में जोड़-तोड़ की राजनीति शुरू हो गई है और अगर बात नहीं बन पाई तो फिर से चुनाव हो सकते हैं। खास बात ये है कि पुर्तगाल के चुनाव में कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी चेगा की लोकप्रियता में जबरदस्त उछाल आया है और पार्टी को 18 प्रतिशत वोट मिले हैं। अस्पष्ट नतीजे में चेगा की पार्टी किंगमेकर बनकर उभरी है। सेंटर राइट डेमोक्रेटिक अलायंस गठबंधन के नेता लुइस मोंटेन्ग्रो ने सोमवार को जीत का दावा किया, लेकिन उन्होंने कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी चेगा से गठबंधन को लेकर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मोंटेन्ग्रो के गठबंधन में कई नेता कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी के साथ गठबंधन के इच्छुक हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में पुर्तगाल की राजनीति में जोड़-तोड़ का खेल होगा और सरकार गठन में थोड़ा वक्त लग सकता है। पुर्तगाल में दशकों से दो पार्टियों सोशलिस्ट पार्टी और सेंटर राइट डेमोक्रेटिक पार्टी की ही सत्ता रही है और यही दोनों पार्टियां बारी-बारी से पुर्तगाल की सत्ता पर काबिज रही हैं। हालांकि इस बार के चुनाव में ये दोनों ही पार्टियां स्पष्ट बहुमत पाने में विफल रही हैं। वहीं आंद्रे वेंचुरा के नेतृत्व में कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी चेगा का उभार हुआ है और वह किंगमेकर बनी है। चेगा का गठन महज पांच साल पहले हुआ था, लेकिन कम समय में ही ये पार्टी तेजी से उभरी है और अब तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई है।

बीते साल नवंबर में भ्रष्टाचार के आरोप लगने पर पीएम एंटोनियो कोस्टा ने इस्तीफा दे दिया था। हालांकि भ्रष्टाचार के आरोप पीएम कोस्टा पर नहीं लगे हैं, लेकिन उनके इस्तीफे से पुर्तगाल में फिर से चुनाव हुए हैं।

मालदीव के 187 में से 36 द्वीप चीन के पास

मुइज्जू ने चीनी कंपनियों को लीज पर सौंपे, 12 हजार करोड़ रुपए से द्वीपों को डेवलप करेंगे

माले, 11 मार्च (एजेंसियां)। चीन ने मालदीव में अपनी ताकत बढ़ाने का अभियान तेज कर दिया है। अब राष्ट्रपति मुइज्जू ने मालदीव के 187 आबाद द्वीपों में से 36 द्वीपों के अधिकांश हिस्से को चीनी टूरिज्म कंपनियों को लीज पर दे दिया है।

चीनी कंपनियां 12 हजार करोड़ रुपए की लागत से इन द्वीपों को टूरिज्म के लिए डेवलप करेंगी। मालदीव ने हाल में कई द्वीपों के विकास के प्रोजेक्ट शुरू किए हैं। अपनी चीन यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुइज्जू ने चीन से ज्यादा से ज्यादा टूरिस्ट मालदीव भेजने की अपील की थी। इस साल के आरंभ के दो माह में चीन के 4 लाख चीनी टूरिस्ट मालदीव पहुंचे हैं। मालदीव और चीन के बीच जनवरी 2024 में रासमाले में 30 हजार हाउसिंग यूनिट बनाने का प्रोजेक्ट शुरू हुआ था।

भारत से तनाव के बीच मालदीव ने पहली बार तुर्किये से मिलिट्री ड्रोन खरीदे हैं। इनका इस्तेमाल समुद्री सीमा की सुरक्षा के लिए किया जाएगा। मालदीव की मीडिया के मुताबिक, ये ड्रोन्स 3 मार्च को मालदीव डिलिवर किए गए, जो फिलहाल नूनु

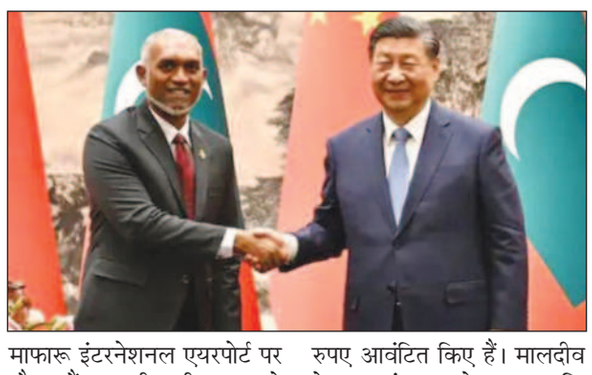

माफारू इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर मौजूद हैं। मालदीव की सरकार ने अब तक ड्रोन्स खरीदने को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। फ्लाइट रडार वेबसाइट के मुताबिक, एयरक्राफ्ट तुर्किये के टेकिडाग से मालदीव एयरपोर्ट पहुंचा था। टेकिडाग में तुर्किये की ड्रोन बनाने वाली कंपनी बायकर बेयरेकतार कंपनी का शिपमेंट सेंटर है। इसके बाद अनुमान लगाया जा रहा है कि तुर्किये ने मालदीव को अपने टीबी2 ड्रोन सप्लाई किए हैं। इससे पहले अधाधू ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि राष्ट्रपति मुइज्जू की सरकार ने ड्रोन खरीदने के लिए बजट में से 300 करोड़ से ज्यादा रुपए आवंटित किए हैं। मालदीव के रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि सरकार सड़क, समुद्र और हवाई रास्ते से देश की सुरक्षा में सेना की मदद के लिए आधुनिक उपकरण खरीद रही है। इससे पहले 4 मार्च को राष्ट्रपति मुइज्जू ने घोषणा की थी कि मालदीव में अब एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन ईईजड (समुद्री सीमा) की 2487 निगरानी शुरू की जाएगी, जिससे देश की रक्षा की जा सके। वहीं इसके 2 दिन पहले ही मालदीव ने चीन के साथ एक रक्षा समझौता किया था। इसके तहत चीन से मालदीव को मुफ्त सैन्य सामग्री (कम खतरे वाली) और मिलिट्री ट्रेनिंग मिलेगी।

इससे पहले जनवरी में चीन के दौरे से लौटने के बाद राष्ट्रपति मुइज्जू ने वेलाना इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचते ही देश की सुरक्षा को लेकर बयान जारी किया था। उन्होंने कहा था- हमारा देश छोटा है, लेकिन इसका ये मतलब नहीं कि आपको हमें धमकाने का लाइसेंस मिल गया है।

मुइज्जू ने आगे कहा था- हिंद महासागर किसी एक देश का नहीं है। मालदीव इस महासागर का सबसे बड़ा हिस्सा रखने वाले देशों में से एक है। हमारे पास समुद्र में छोटे-छोटे द्वीप हैं, लेकिन 9 लाख वर्ग किलोमीटर का एक बड़ा एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन है।

चीन ने कहा था- मालदीव की आजादी की रक्षा करेंगे

राष्ट्रपति मुइज्जू के दौरे के वक्त चीन ने कहा था कि वो मालदीव के राष्ट्रीय हित में किए जा रहे विकास के एजेंडे में उसकी मदद करेगा। मालदीव की संप्रभुता, स्वतंत्रता, क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय गरिमा की रक्षा करने में चीन उसके साथ खड़ा है।

हैदराबादी महिला की हत्या

चंद घंटे पहले ही पति-बेटा हैदराबाद रवाना हुए थे पुलिस ने कहा- कातिल को जानती थीं विक्टिम

केनबरा, 11 मार्च (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में एक भारतीय महिला की हत्या कर दी गई है। चैतन्या स्वेता मधागनी का शव विक्टोरिया राज्य के बकली इलाके से शुक्रवार को बरामद किया गया। पुलिस ने घटना की जानकारी शनिवार को दी। 'ऑस्ट्रेलिया टुडे' की रिपोर्ट में पुलिस सूत्रों के हवाले से कहा गया- हमें शक है कि स्वेता हत्यारे को जानती थीं। उनके पति का नाम अशोक राज वारिकुप्पाला है। वो पांच साल के बेटे के साथ कुछ घंटे पहले भारत के शहर हैदराबाद के लिए रवाना हुए थे।

रिपोर्ट में किसी का नाम तो नहीं लिया गया, लेकिन पुलिस सूत्रों के हवाले से ये जरूर बताया गया है कि हत्यारा शायद ऑस्ट्रेलिया से बाहर जा चुका है। रिपोर्ट के मुताबिक- स्वेता की हत्या 5 से 7 मार्च के बीच किए जाने का शक है। इसी दौरान उनके पति भारत के लिए रवाना हुए। करीबियों ने भी इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया है कि जिस वक्त अशोक भारत रवाना हुए, करीब-करीब उसी दौरान स्वेता भी लापता हुईं। स्काय न्यूज की रिपोर्ट में कहा गया है कि अशोक ने पड़ोसियों और ऑस्ट्रेलिया में मौजूद अपने कुछ रिश्तेदारों से फोन करके स्वेता के बारे में जानकारी हासिल की थी। अशोक ने पुलिस से फोन पर बातचीत की है और जांच में मदद का भरोसा दिलाया है। 'द ऐज' अखबार से बातचीत में पुलिस प्रवक्ता ने कहा- हमें शक है कि स्वेता हत्यारे को जानतीं थीं। हालांकि, जांच चल रही है। लिहाजा अभी पुख्ता तौर पर कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। हम ये जरूर मानकर चल रहे हैं कि हत्यारा ऑस्ट्रेलिया छोड़कर जा चुका है। पुलिस को जब स्वेता का शव मिला तो उसने जंगल के इस इलाके को सील कर दिया।

नाइजीरिया में खोजा गया प्राचीन शहर

शोधकर्ताओं को मिला 1000 साल पुराना इतिहास

कैंब्रिज, 11 मार्च (एजेंसियां)। नाइजीरिया के क्वारा राज्य की राजधानी इलोरिन एक लंबा और समृद्ध इतिहास वाला नाइजीरियाई शहर है। हालांकि, इसके सुदूर अतीत के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। पुरातत्व अब इस इतिहास और योरूबा दुनिया के अन्य प्राचीन हिस्सों के साथ इलोरिन के संबंधों को उजागर कर रहा है। उत्तर-मध्य नाइजीरिया में स्थित और मुख्य रूप से योरूबा भाषी, इलोरिन को 1700 के दशक के अंत में प्रसिद्धि मिली। यह ओयो साम्राज्य का एक महत्वपूर्ण उत्तरी प्रांत था, जो 1500 और 1800 के बीच जीवंत था। वर्तमान नाइजीरिया के सवाना और वन क्षेत्रों के बीच अपनी रणनीतिक स्थिति और ओयो साम्राज्य से इसके संबंध के कारण, इलोरिन 1800 के दशक तक अंतर-क्षेत्रीय व्यापार नेटवर्क, शिल्प उत्पादन

और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के केंद्र के रूप में विकसित हुआ।

यह शहर योरूबा-एडो दुनिया और पूरे पश्चिम अफ्रीका में घोड़ों, कृषि उपज और लैटेराइट पत्थर के मोतियों, वस्त्रों और मिट्टी के बर्तनों जैसे शिल्प के व्यापार के लिए प्रसिद्ध था। इलोरिन गुलामों की खरीदफरोख्त के केंद्र के रूप में भी जाना जाता था। इसके अलावा, 1800 के दशक में, इलोरिन सोकोतो खलीफा के तहत इस्लामी अमीरात प्रणाली में एकीकृत हो गया। इस एकीकरण के परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण सामाजिक-राजनीतिक परिवर्तन हुए और शहर के विस्तार में योगदान मिला। मौखिक परंपराओं और लिखित स्रोतों ने हालांकि इलोरिन के अधिकांश इतिहास को संरक्षित किया है, 1800 के दशक से पहले शहर का दीर्घकालिक कब्जा हाल के पुरातात्विक अनुसंधान तक काफी हद तक अज्ञात रहा। यह इलोरिन के आसपास के समुदायों जैसे इग्बोमिनलैंड, एडे और ओसोग्बो की स्थिति के विपरीत है, जहां पुरातात्विक अध्ययनों ने उनके निपटान इतिहास में अंतर्दृष्टि प्रदान की है। इलोरिन पुरातत्व पर मेरा डॉक्टरेट शोध इस अवधि पर नई रोशनी डालता है। यह 1800 के दशक से पहले शहर में 1,000 वर्षों से अधिक के मानव कब्जे को उजागर करता है। इस शोध ने शहर के पहले अज्ञात निपटान इतिहास और व्यापक योरूबा दुनिया के साथ इसके संबंधों को उजागर करने की प्रक्रिया शुरू की।

यूक्रेन जंग लड़ रहे नेपालियों ने भारत से मदद मांगी

मास्को, 11 मार्च (एजेंसियां)। रूस में फंसे कुछ नेपाली युवकों ने भारत सरकार से मदद मांगी है। इन लोगों का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वो कह रहे हैं कि उन्हें धोखे से रूसी आर्मी में भर्ती कराया गया और फिर जंग लड़ने भेजा गया।

वीडियो में युवक भारत सरकार से उन्हें वापस नेपाल पहुंचाने के लिए मदद मांग रहे हैं। उनका कहना है कि नेपाल सरकार मदद नहीं कर पा रही है इसलिए भारत सरकार इस मामले में दखल दे। मिलिट्री यूनिफॉर्म पहने नेपाली युवकों ने वीडियो में कहा- हमें हेल्पर की नौकरी ऑफर हुई थी। रूस पहुंचने पर आर्मी में भर्ती कर लिया गया और यूक्रेन के खिलाफ जंग लड़ने भेजा गया। हमने मॉस्को स्थित नेपाली एम्बेसी से मदद मांगी, लेकिन हमें मदद नहीं मिली।

केट मिडलटन की फोटो पर विवाद, छेड़छाड़ की आशंका

न्यूज एजेंसियों ने अपने प्लेटफॉर्म से तस्वीर हटाई, यह सर्जरी के बाद सामने आई पहली फोटो

लंदन, 11 मार्च (एजेंसियां)। ब्रिटेन की राजकुमारी केट मिडलटन की जनवरी में पेट की सर्जरी हुई थी। सर्जरी के बाद 10 मार्च को उनकी पहली तस्वीर सामने आई। अब इस तस्वीर को लेकर विवाद शुरू हो गया है। आशंका जताई जा रही है कि इस तस्वीर में कांट-छांट की गई है।

यही वजह है कि ज्यादातर न्यूज एजेंसियों ने इस तस्वीर को अपने प्लेटफॉर्म से हटा लिया है। तस्वीर में केट तीनों बच्चों जॉर्ज, चार्लेट और लुइस के साथ मुस्कुराती नजर आईं। 42 साल की प्रिंसेज ऑफ वेल्स केट मिडलटन को पेट संबंधी दिक्कत थी। उनकी सर्जरी हुई थी और वो दो हफ्ते हॉस्पिटल में रही थीं।

काट-छांट किसने की इसकी जानकारी नहीं

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, गेटी, रॉयटर्स, एसोसिएटेड प्रेस और एएफपी समेत कई समाचार एजेंसियों ने अपने प्लेटफॉर्म से केट की तस्वीर हटाई। रॉयटर्स के पिक्टर एडिटर्स का कहना है कि केट की बेटी के कार्डिगन की आस्तीन का हिस्सा ठीक नहीं दिख रहा था। इससे लग रहा है कि फोटो से छेड़छाड़ की गई है। हालांकि ये किसने किया है इसकी जानकारी नहीं मिली है।

विवाद को लेकर फिलहाल रॉयल फैमिली की तरफ से कोई बयान जारी नहीं किया गया है। हालांकि जिस दिन फोटो रिलीज की गई थी तब रॉयल फैमिली ने बयान में कहा था कि यह फोटो केट के पति प्रिंस विलियम ने विंसडर पैलेस में खींची थी। केट ने अपने X अकाउंट पर फोटो शेयर करते हुए लिखा था- पिछले दो महीनों से जारी आप लोगों सपोर्ट के लिए धन्यवाद।

ये पहली बार नहीं है जब केट को लेकर विवाद हुआ हो। पिछले साल एक किताब में दावा किया गया कि प्रिंसेस डायना की बहू केट मिडलटन (प्रिंस विलियम की पत्नी) को शादी के पहले फर्टिलिटी टेस्ट से गुजरना पड़ा था। इसकी वजह यह थी कि वो

किसी शाही परिवार से नहीं आतीं। ब्रिटेन के शाही परिवार के करीबी रहे टॉम क्विन ने गिल्डेड यूथ : एन इंटिमेट हिस्ट्री ऑफ ग्रोइंग अप इन द रॉयल फैमिली नाम की किताब लिखी।

इस किताब में एक चैप्टर प्रिंसेस डायना और प्रिंसेस केट मिडलटन पर है। इसमें लेखक ने एक अहम खुलासा किया। इसके मुताबिक- 1981 में जब प्रिंस चार्ल्स और डायना की शादी हुई तो डायना का फर्टिलिटी टेस्ट कराया गया था। केट मिडलटन (प्रिंस विलियम की पत्नी) ने भी शादी से पहले 2011 में यह टेस्ट कराया था।

यूक्रेन जंग पर बनी डॉक्यूमेंट्री को मिला ऑस्कर

कीव, 11 मार्च (एजेंसियां)। '20 डेज इन मारियुपोल' को बेस्ट डॉक्यूमेंट्री फिल्म का ऑस्कर अवॉर्ड मिला है। फिल्म में रूसी हमले से तबाह हुआ यूक्रेनी शहर मारियूपोल दिखाया गया है। 24 फरवरी 2022 को शुरू हुई रूस-यूक्रेन जंग के एक महीने में यह शहर 90% तबाह हो गया था। फिल्म के कई शॉट्स तब ही रिकॉर्ड किए गए थे। एसोसिएटेड प्रेस (एपी) और पीबीएस फ्रंटलाइन ने मिलकर ये डॉक्यूमेंट्री बनाई है। फिल्ममेकर और फोटो-वीडियो जर्नलिस्ट मस्टीस्लाव चेर्नोव इसके डायरेक्टर हैं।

चेर्नोव ने अवॉर्ड लेते हुए कहा- 'काश यह फिल्म बनाने की जरूरत नहीं पड़ती। काश रूस ने यूक्रेन पर कभी हमला किया ही नहीं होता। मैं चाहता हूं कि सीजफायर हो जाए। सभी लोग आजादी से रहें। मारियुपोल के वो लोग जिन्होंने अपनी जान दी है, उन्हें कभी नहीं भुलाया जाएगा, क्योंकि सिनेमा यादें बनाता है और यादें इतिहास बनाती हैं। ग्लोरी टू यूक्रेन।' वीडियो जर्नलिस्ट मस्टीस्लाव चेर्नोव जंग शुरू होने से एक घंटा पहले मारियुपोल पहुंचे थे। वो 20 दिन यहां रहे। उन्होंने तबाह हुई इमारतें, रोते-बिलखते लोग, बच्चों-महिलाओं की लाशें, अस्पतालों-थिएटरों पर बमबारी और सामूहिक कब्रों को रिकॉर्ड किया।

तिब्बत को आजादी दो

दिल्ली की सड़कों पर उतरे तिब्बती तो बिलबिलाया चीन, भारत के खिलाफ उगला जहर

बीजिंग, 11 मार्च (एजेंसियां)। तिब्बती लोगों ने रविवार, 10 मार्च को चीन के खिलाफ दुनियाभर में विरोध प्रदर्शन किया। भारत में भी कई शहरों में चीन के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। तिब्बती समुदाय के लोग 10 मार्च को राष्ट्रीय विद्रोह दिवस के रूप में मनाते हैं, इस दिन चीन के खिलाफ तिब्बती लोग अलग-अलग तरीके से विरोध जताते हैं। अपने खिलाफ हुए प्रदर्शनों पर चीन की प्रतिक्रिया आई है। भारत में चीन के दूतावास के प्रवक्ता वांग जियाजियान ने सोशल मीडिया पर विरोध प्रदर्शनों के लिए गुस्सा जाहिर करते हुए इन लोगों को एजेंडे के तहत प्रदर्शन करने वाला बताया है। वांग जियाजियान ने कहा, तथाकथित तिब्बती निर्वासित सरकार, तिब्बती स्वतंत्रता को आगे बढ़ाने के एजेंडे के साथ एक पूर्ण अलगाववादी राजनीतिक समूह है। यह पूरी तरह से चीन के संविधान और कानूनों का उल्लंघन करने वाला एक अवैध संगठन है। इसे दुनिया के किसी भी देश की ओर से मान्यता नहीं दी गई है। ऐसे संगठन के बयान अफवाहें फैलाते रहते हैं और तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करते रहते हैं। चीन में अलगाव पैदा करने का उनका ये एक विफल प्रयास है। वांग ने कहा है कि शीजांग प्राचीन काल से ही चीन का अभिन्न अंग रहा है। शीजांग के आर्थिक विकास, स्थिरता, जातीय एकजुटता, धार्मिक सद्भाव, सांस्कृतिक जीवन शक्ति को संरक्षित किया जा रहा है। उसके पारिस्थितिक पर्यावरण और जीवन-स्तर में सुधार हो रहा है। शीजांग स्वायत्त क्षेत्र के सभी जातीय समूहों के लोग चीन की केंद्र सरकार और क्षेत्रीय सरकार की नीतियों का खुले दिल से समर्थन करते हैं।

भारत का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि कुछ देश और मीडिया को शीजांग से संबंधित मुद्दों के बहाने चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करता है।

पोप के 'सफेद झंडा उठाने' वाले बयान से नाराज यूक्रेन

पेरिस, 11 मार्च (एजेंसियां)। कैथोलिक ईसाइयों के सर्वोच्च धर्मगुरु पोप फ्रंसिस ने यूक्रेन को जंग खत्म करने के लिए सफेद झंडा उठाने का साहस रखने की सलाह दी थी। इस पर वो भड़क गया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने आत्मसमर्पण से साफ इंकार कर दिया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफेद झंडे को युद्धविराम करने, बातचीत के लिए इच्छुक होने या आत्मसमर्पण करने के संकेत के तौर पर माना जाता है। जेलेंस्की ने पोप का नाम लिए बिना जंग में यूक्रेन के चर्च और धर्मगुरुओं के योगदान की सराहना की।

उन्होंने कहा- यूक्रेन के चर्च और धर्मगुरु दुआ, बातचीत और आशीर्वाद से लोगों की मदद कर रहे हैं न कि ढाई हजार किलोमीटर दूर बैठकर उन पक्षों के बीच मध्यस्थता कराने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें एक पक्ष जीना चाहता है और दूसरा पक्ष आपको बर्बाद करना चाहता है। ब्रिटिश मीडिया बीबीसी के मुताबिक, वेटिकन में यूक्रेन के राजदूत ने पोप के बयान की तुलना उन लोगों से की जिन्होंने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान हिटलर के साथ बातचीत करने की वकालत की थी। वहीं, यूक्रेनी विदेश मंत्री दिमित्री कुलेबा ने भी पोप पर आरोप लगाते हुए कहा कि वेटिकन ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाजी जर्मनी का विरोध तक नहीं किया था। इस आरोप पर वेटिकन ने बयान जारी कर कहा कि उसने पर्दे के पीछे रहकर यहूदियों के लिए काम किया था। उन्होंने कहा- हमारा झंडा पीला और नीला है। यह वह झंडा है जिसके लिए हम जीते हैं, मरते हैं और जीतते हैं।

पावर सेक्टर में राजस्थान बनेगा आत्मनिर्भर

भजनलाल सरकार के इस कदम से दूर होगा बिजली संकट

जयपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। आने वाले सालों में राजस्थान को बिजली के संकट से जूझना नहीं पड़ेगा। पावर सेक्टर के क्षेत्र में राजस्थान आत्मनिर्भर बनने जा रहा है। राज्य सरकार ने बिजली उत्पादन के लिए विद्युत निगमों और केन्द्रीय उपक्रमों के बीच 5 एमओयू और 1 पावर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए। इन एमओयू के बाद अब राज्य में ऊर्जा क्षेत्र के विकास के लिए 1.60 लाख करोड़ रुपए के निवेश किए जाएंगे। सचिवालय में हुए एमओयू के दौरान सीएम भजन लाल शर्मा, डिप्टी सीएम दिया कुमारी, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, मुख्य सचिव सुधांश पंत मौजूद रहे। कार्यक्रम में केंद्रीय कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी वीसी के माध्यम से जुड़े।

सचिवालय में हुए एमओयू के तहत 3325 मेगावाट क्षमता की थर्मल आधारित प्रोजेक्ट्स के लिए राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरवीयूएनएल) के साथ कोल इंडिया लिमिटेड, राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम

(एनटीपीसी) और एनएलसी इंडिया के बीच एमओयू किया गया। साथ ही अक्षय ऊर्जा आधारित 28 हजार 500 मेगावाट की परियोजनाओं के लिए आरवीयूएनएल और एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के बीच एमओयू किया गया। ये नए प्रोजेक्ट जॉइंट एंटरप्राइज के माध्यम से विकसित किए जाएंगे और इन पर 1 लाख 50 हजार करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम और पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन के बीच 10 हजार करोड़ रुपए के निवेश का समझौता किया गया। साथ ही 600 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजनाओं के माध्यम से बिजली की आपूर्ति के लिए राजस्थान ऊर्जा विकास निगम और एसजेवीएन ग्रीन एनर्जी के बीच पावर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए) भी किया गया।

राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम की ओर से छबड़ा तापीय विद्युत परियोजना में 1600 मेगावाट कोयला आधारित परियोजना के लिए एनटीपीसी के साथ और 25000 मेगावाट सौर/पवन परियोजना के लिए एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के साथ समझौता किया गया। कोल इंडिया लिमिटेड के साथ 1600 मेगावाट पिट हेड कोयला आधारित परियोजना, 2250 मेगावाट सोलर परियोजना, 200 मेगावाट पन-विद्युत पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट और 50 मेगावाट विंड परियोजना सहित कुल 4100 मेगावाट की परियोजनाओं के लिए भी आरवीयूएनएल की ओर से एमओयू किया गया। साथ ही 125 मेगावाट की पिट हेड लिग्नाइट आधारित परियोजना और 1000 मेगावाट सौर परियोजना के लिए एनएलसी इंडिया लिमिटेड के साथ भी एमओयू किया गया।

एनर्जी सेक्टर में महत्वपूर्ण एमओयू साइन किए गए। इन जॉइंट प्रोजेक्ट्स में एनटीपीसी 1 लाख 16 हजार करोड़ रुपए , कोल इंडिया 26 हजार 700 करोड़ रुपए , एनएलसी 5 हजार 50 करोड़ रुपए और पावर ग्रिड 10 हजार करोड़ रुपए निवेश करेगा। साथ ही एसजेवीएन ग्रीन एनर्जी की ओर से भी 2250 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा।

भाजपा को लगा बड़ा झटका, चूरू सांसद राहुल कस्वां कांग्रेस में शामिल, मिल सकता है टिकट

जयपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में कांग्रेस के करीब 25 बड़े नेता भाजपा में शामिल हो गए थे। मायूस कांग्रेस के लिए आज सोमवार का दिन मुस्कुराने का है। चूरू सांसद राहुल कस्वां ने पहले भाजपा से इस्तीफा दिया फिर कांग्रेस में शामिल हो गए।

लोकसभा चुनाव 2024 से पहले राजस्थान की 2 दिग्गज पार्टियों भाजपा-कांग्रेस में भगदड़ का माहौल है। लगातार भाजपा-कांग्रेस से नेता एक दूसरे का दामन थाम रहे हैं। 10 मार्च को राजस्थान कांग्रेस में मायूसी छा गई। कांग्रेस के करीब 25 बड़े नेता पार्टी को छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। पर आज 11 मार्च का दिन कांग्रेस के लिए बड़ा दिन है। चूरू सांसद राहुल कस्वां ने पहले भाजपा से इस्तीफा दिया फिर कांग्रेस में शामिल हो गए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राहुल कस्वां को कांग्रेस की प्राथमिकता सदस्यता दिलाई। इस अवसर पर मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, राहुल कस्वां ने किसानों के मुद्दे को जोर शोर से उठाया। खरगे ने कहा सभी नेताओं से चर्चा करने के बाद और उनकी सहमति से यह फैसला लिया गया।

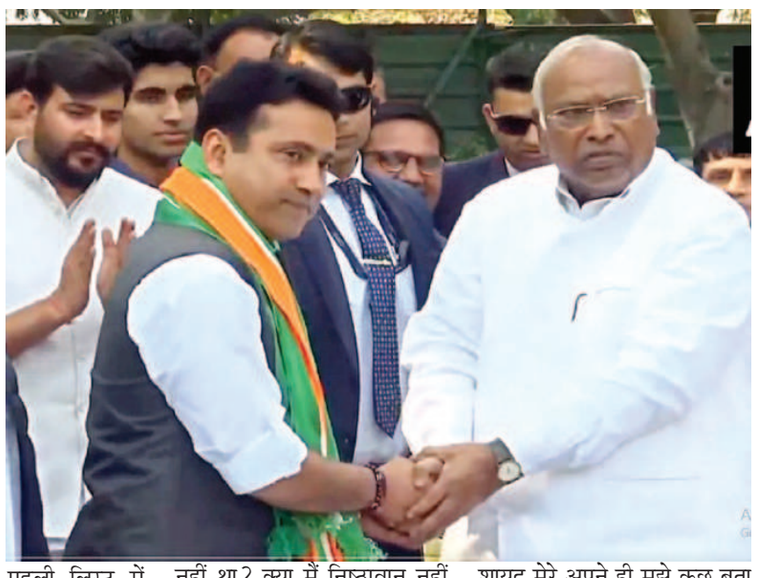

इस अवसर पर सुखजिंदर सिंह रंधावा, टीकाराम जूली और गोविंद सिंह डोटासरा मौजूदा थे। ऐसी उम्मीद है कि कांग्रेस की राजस्थान को लेकर आने वाली लोकसभा उम्मीदवार की पहली लिस्ट में राहुल कस्वां घोषित किया जा सकता है।

राहुल कस्वां टिकट कटने से नाराज है। लगातार भाजपा पर हमला बोल रहे है। हाल ही में उन्होंने भाजपा आलाकमान से सवाल करते हुए लिखा कि आखिर मेरा गुनाह क्या था? क्या मैं ईमानदार नहीं था? क्या मैं मेहनती नहीं था? क्या मैं निष्ठावान नहीं था? क्या मैं दागदार था? क्या मैंने चूरू लोकसभा में काम करवाने में कोई कमी छोड़ दी थी? मा. प्रधानमंत्री जी की सभी योजनाओं के क्रियान्वयन में, मैं सबसे आगे था। ओर क्या चाहिए था?

जब भी इस प्रश्न को मैंने पूछा, सभी निरुत्तर और निःशब्द रहे। कोई इसका उत्तर नही दे पा रहा। शायद मेरे अपने ही मुझे कुछ बता पाएं।

चूरू सीट पर वर्तमान सांसद राहुल कस्वां को इस बार भाजपा से टिकट नहीं मिला है। कस्वां परिवार की तीसरी पीढ़ी के राहुल कस्वां चूरू लोकसभा क्षेत्र से वर्तमान में सांसद हैं। वह 2014 और वर्ष 2019 में दो बार लगातार चुनाव जीते।

कांग्रेस नेताओं के पाला बदलने पर पूर्व सीएम अशोक गहलोत का छलका दर्द

कहा- पार्टी ने जिन्हें मंत्री बनाया आज वही छोड़कर भाग रहे

जयपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में पूर्व मंत्री लालचंद कटारिया, राजेंद्र यादव समेत कांग्रेस के कई नेताओं के बीजेपी में शामिल होने पर अब पूर्व सीएम अशोक गहलोत का दर्द छलका है. पूर्व सीएम ने कहा है कि जिन नेताओं को कांग्रेस ने पहचान दी और उन्हें राज्य मंत्री और केंद्रीय मंत्री बनाया और उन्हें पार्टी में बड़े पदों पर बिठाया, आज वही नेता पार्टी के मुश्किल वक्त में छोड़कर भाग रहे हैं.

कांग्रेस नेताओं के जाने से नाराज पूर्व सीएम ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक लंबा-चौड़ा पोस्ट लिखा है. उन्होंने कहा, कुछ लोग कह रहे हैं कि उनके ऊपर केंद्रीय एजेंसियों का दबाव है इसलिए वो बीजेपी में जा रहे हैं. ये समय किसी के दबाव में आगे झुकने का नहीं है बल्कि लोकतंत्र को बचाने और देश के भविष्य के लिए संघर्ष करने का है.

पूर्व सीएम बोले- राहुल दबाव का मुकाबला मजबूती से कर रहे

उन्होंने कहा, नेताओं को गांधी परिवार से प्रेरणा लेने की नसीहत देते हुए पूर्व सीएम ने कहा कि राहुल गांधी और उनके परिवार को ईडी ने पूछताछ के बहाने कई दिनों तक परेशान किया, यहां तक कि उनकी संसद सदस्यता भी रद्द कर दी गई, सरकारी बंगला खाली करवा दिया, लेकिन वो हर दबाव का मुकाबला मजबूती से कर रहे

हैं. अन्याय, महंगाई, नफरत और बेरोजगारी के खिलाफ यात्रा कर जनजागरण का काम कर रहे हैं. राजनीति में मुकाबला इस तरह डटकर किया जाता है.

देश में हर संस्थान प्रेसर में हैं: गहलोत

अशोक गहलोत ने आगे लिखा है, आज देश में हर संस्थान पर प्रेसर है. हर व्यक्ति तनाव में महसूस कर रहा है.

इन तनाव और दबाव का मुकाबला सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही कर सकती है और देश के लोकतंत्र को मजबूत और सुरक्षित रख सकती है.

दरअसल राजस्थान कांग्रेस को उस समय बड़ा झटका लगा जब पूर्व केंद्रीय मंत्री लालचंद कटारिया, पूर्व मंत्री राजेंद्र यादव और पार्टी से पूर्व विधायक रिछपाल शर्मा, पूर्व निर्दलीय विधायक आलोक बेनीवाल, पूर्व राज्य पार्टी प्रमुख सेवा दल सुरेश चौधरी, विजयपाल मिर्धा, खिलाड़ी बैरवा, रिजु झुनझुनवाला, रामपाल शर्मा बीजेपी में शर्मा समेत कुल 9 नेता बीजेपी में शामिल हो गए.

चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका

लालचंद कटारिया अशोक गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे थे. वहीं, राजेंद्र याद भी सरकार का हिस्सा थे, लेकिन अब आगामी लोकसभा चुनाव से पहले इन्होंने पाला बदलकर कांग्रेस का बड़ा झटका दिया है.

लालचंद कटारिया की गिनती राजस्थान में बड़े जाट नेता के तौर पर भी होती है. वो मनमोहन सरकार में केंद्रीय मंत्री थे.

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 1158 बदमाशों के ठिकानों पर दबिश, 396 गिरफ्तार

जयपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस ने जयपुर में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने बड़ी संख्या में लूट के आरोपियों को विभिन्न ठिकानों पर दबिश देकर गिरफ्तार किया है।

राजधानी जयपुर में पुलिस कमिश्नरेट ने मोबाइल, पर्स व चेन लूट के चालानशुदा व वांटेड 1158 बदमाशों के ठिकानों पर एक साथ दबिश दी। कार्रवाई में 396 बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। इनमें 289 को शांतिभंग के मामले में गिरफ्तार किया जबकि अन्य को विभिन्न मामलों में गिरफ्तार किया।

पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि एडिशनल पुलिस कमिश्नर कैलाश बिश्नोई की निगरानी और चारों जिलों के

डीसीपी के नेतृत्व में 3 हजार पुलिसकर्मियों ने कार्रवाई को अंजाम दिया। कैलाश बिश्नोई ने बताया कि शहर में लगातार स्नैचिंग के मामले सामने आ रहे हैं। इनको देखते हुए बदमाशों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया गया। गिरफ्तार किए बदमाशों से अन्य वारदात के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

किस जिले में कितने पकड़े

डीसीपी पूर्व के क्षेत्र में 400 ठिकानों पर दबिश दी गई। कार्रवाई में 109 बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। डीसीपी पश्चिम के क्षेत्र में 186 स्थानों पर दबिश देकर 126 को गिरफ्तार किया। डीसीपी उत्तर के क्षेत्र में 394 स्थानों पर दबिश देकर 109 बदमाशों को गिरफ्तार किया जबकि डीसीपी दक्षिण के क्षेत्र में 178 स्थानों पर दबिश देकर 52 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पायलट के गढ़ में जयपुर की मेयर लड़ सकती हैं चुनाव

गुर्जर बाहुल्य सीट पर इस 'कार्ड' से बीजेपी साधेगी निशाना

टोंक, 11 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव को लेकर राजस्थान में सियासत लगातार गर्म है। राजस्थान में कांग्रेस और भाजपा दोनों में ही उठापटक देखने को मिल रही है। बीजेपी ने 15 लोकसभा सीटों पर अपनी पहली सूची जारी की। अब राजस्थान की 25 सीटों में से 10 पर और घोषणा होनी बाकी है। इधर, राजस्थान की टोंक सवाई माधोपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दलों में उम्मीदवारों के लिए मंथन चल रहा है। बीजेपी की तरफ से दो महिला गुर्जर नेताओं का नाम काफी सुर्खियों में चल रहा है। वहीं कांग्रेस की ओर से सचिन पायलट और देवली उनियारा के विधायक हरीश मीणा का नाम चर्चा में है।

मेयर सौम्या गुर्जर सुर्खियों में

टोंक सवाई माधोपुर लोकसभा सीट से इस बार दो गुर्जर समाज की महिला नेताओं का नाम चर्चा में है। इसमें एक नाम जयपुर की

ग्रेटर नगर निगम की मेयर डॉक्टर सौम्या गुर्जर का है। बताया जा रहा है कि बीजेपी के पैनल में उनका नाम काफी आगे चल रहा है। टोंक सवाई माधोपुर लोकसभा सीट गुर्जर बाहुल्य सीट है। ऐसे में बीजेपी गुर्जर वोटर्स को साधने के लिए सौम्या गुर्जर पर दांव खेल सकती है। कांग्रेस की तरफ से भी सचिन पायलट का नाम काफी चल रहा है। ऐसे में बीजेपी पायलट को टक्कर देने के लिए महिला गुर्जर नेता डॉक्टर सौम्या गुर्जर को उतार सकती है। सौम्या गुर्जर आरएसएस से भी जुड़ी हुई हैं। इसलिए टोंक से बीजेपी उन्हें टिकट दे सकती है।

सौम्या गुर्जर करौली जिले की निवासी हैं। उनकी राजनीति के साथ-साथ योग व एथेलेटिक्स में भी अच्छी पकड़ रही है। सौम्या गुर्जर राजस्थान के डांग इलाके की महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में भी कार्य करती रही हैं। सौम्या गुर्जर ने राजस्थान विश्वविद्यालय से दर्शनशास्त्र में पीएचडी की। वह जयपुर नगर निगम ग्रेटर के वार्ड 87 से भाजपा पार्षद हैं और महापौर के चुनाव में सौम्या गुर्जर ने कांग्रेस प्रत्याशी दिव्या सिंह को 44 वोटों से हराया। इससे पहले सौम्या गुर्जर राज्य महिला आयोग व करौली जिला परिषद की सदस्य भी रह चुकी हैं। सौम्या गुर्जर की शादी राजनेता राजाराम गुर्जर से हुई है। राजाराम गुर्जर करौली के सभापति भी रह चुके हैं।

अलका गुर्जर भी टिकट की दौड़ में

टोंक सवाई माधोपुर से बीजेपी की ओर स गुर्जर महिला नेताओं को उतारने चर्चा चल रही है। इस लोकसभा सीट से टिकट की दौड़ में सौम्या गुर्जर के बाद बीजेपी की राष्ट्रीय मंत्री अलका गुर्जर का नाम भी चर्चा में चल रहा है। अलका गुर्जर बांदीकुई की विधायक भी रह चुकी है। उनके पति नाथू सिंह गुर्जर, जो भैरूसिंह शेखावत और वसुंधरा सरकार में मंत्री रह चुके हैं। बीते दिनों टोंक दौरे के दौरान मीडिया ने उनसे लोकसभा चुनाव लड़ने को लेकर सवाल किया। जिस पर उन्होंने कहा कि पार्टी उन्हें जो भी जिम्मेदारी देगी। वह उसे पूरी ईमानदारी के साथ पूरा करेंगी।

बीएपी से गठबंधन कांग्रेस के गले की बन सकती है फांस

मालवीय के जानें के बाद नहीं मिल रहा विकल्प?

डूंगरपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को एक बार भी बड़ा झटका लगा। महेंद्र सिंह मालवीय के बाद कांग्रेस के 25 नेता बीजेपी में शामिल हो गए।उधर, वागड़ क्षेत्र में भी कांग्रेसी नेताओं के बीजेपी में शामिल होने के प्रयास जारी है। वागड़ क्षेत्र में कांग्रेस की हो रही लगातार टूट को देखते हुए अब कांग्रेस डैमेज कंट्रोल करने के प्रयास में जुटी हुई है। इसको लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और क्षेत्रीय पार्टी बीएपी से गठबंधन के लिए गुप्त रूप से तैयारी कर रही है। हालांकि, इसको लेकर कांग्रेस के नेताओं में विरोध उभर रहा है। आशंका है कि यह गठबंधन कांग्रेस को कहीं भारी नहीं पड़ जाए।

गहलोत के संपर्क में है राजकुमार रोत

मालवीय के जाने के बाद वागड़ क्षेत्र में कांग्रेस कमजोर पड़ती जा रही है। मालवीय अपने साथ कई कांग्रेसी नेताओं को बीजेपी में शामिल करने के लिए जुटे हुए हैं।

इससे पहले उन्होंने करीब एक दर्जन नेताओं को शामिल करवाया। इधर, आगामी लोकसभा चुनाव में नुकसान की आशंका के कारण कांग्रेस वागड़ क्षेत्र में एक्टिव है। इसके चलते मालवीय की कमी को पूरा करने के लिए कांग्रेस ने क्षेत्रीय पार्टियों से हाथ मिलाने का प्लान बनाया। उधर, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और बीएपी पार्टी के विधायक राजकुमार रोत के बीच गठबंधन की चर्चा चल रही है। लेकिन वागड़ क्षेत्र के कांग्रेस के नेता इस गठबंधन का विरोध कर रहे हैं।

बीएपी से गठबंधन करना कांग्रेस को नहीं पड़ जाए भारी

वागड़ क्षेत्र में कांग्रेस महेंद्र जीत सिंह मालवीय की कमी को पूरा करने के लिए क्षेत्र पार्टियों से गठबंधन करने की तैयारी में है। लेकिन उनका यह दावा कांग्रेस पर ही भारी न पड़ जाए, क्योंकि इस गठबंधन को लेकर कांग्रेस के नेताओं में जमकर विरोध देखने को मिल रहा है। इसको लेकर चर्चा हो रही है कि इस गठबंधन से नाराज होने के कारण आने वाले समय में कई कांग्रेस के नेता पार्टी का दामन छोड़ सकते हैं। इससे कांग्रेस को चुनाव में नुकसान उठाना पड़ सकता है।

कांग्रेस क्यों गठबंधन करना चाहती है क्षेत्रीय पार्टियों से?

महेंद्रजीत सिंह मालवीय कांग्रेस के दिग्गज और आदिवासी के प्रभावशाली नेता थे। उनका वागड़ क्षेत्र में काफी प्रभाव है। लोकसभा चुनाव से पहले उनका कांग्रेस पार्टी छोड़कर जाना और अन्य कांग्रेसी नेताओं को बीजेपी में शामिल करने से कांग्रेस की चिंता बढ़ गई है। लिहाजा कांग्रेस का मानना है कि BAP क्षेत्रीय पार्टी से गठबंधन से कांग्रेस को इसका फायदा मिलेगा। लेकिन इस गठबंधन के विरोध में वहां के कांग्रेसी नेताओं की राय इसके विपरीत है। उनका मानना है कि BAP से गठबंधन करने से कांग्रेस पार्टी कमजोर पड़ेगी।

भालू फिर हमलावर, महिला को उतारा मौत के घाट, दो अन्य घायल

सिरोही, 11 मार्च (एजेंसियां)। सिरोही में एक बार फिर आबादी क्षेत्र में भालू ने दस्तक देकर एक महिला को मौत के घाट उतार दिया। घटना सिरोही जिले के गुजरात बॉर्डर के समीप पादर गांव की है। दरअसल महिला शौच के लिए गई थी। इस दौरान भालू ने महिला पर हमला कर दिया। महिला के चिल्लाने पर पति व एक अन्य व्यक्ति भी मौके पर पहुंचे, लेकिन भालू ने उन्हें भी घायल कर दिया। इसके बाद भालू महिला को घसीटकर दूर तक ले गया। ऐसे में गंभीर रूप से घायल महिला ने दम तोड़ दिया। वहीं ग्रामीणों ने शोर मचाकर भालू को भगाया। शव को मंडार पीएचसी की मोर्चरी में रखवाया गया है।

गौरतलब है कि इससे पहले भी माउंट आबू में भालुओं के कुनबे ने दस्तक देकर एक महिला को गंभीर घायल कर दिया था। महिला के सिर व कान को चबा लिया था, जिससे रक्तनली कट गई थी। चिकित्सकों ने तत्काल ऑपरेशन कर महिला को बचा लिया। महिला को हमले से बचाने की मशक्कत करते दो अन्य परिचित भी भालू के शिकार हो गए थे। चिल्लाने के आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे और भालुओं को भगाया।

बता दें कि पप्पू पुत्र हीरा गरासिया निवासी माण्डवा फली उदयपुर हाल तोरणा गांव माउंट आबू अपनी पत्नी पवनी देवी, मित्र कालूराम गरासिया, चंदू गरासिया, रुमा गरासिया व भीका गरासिया के साथ मजदूरी करने माउंट आबू आए हुए थे। वे मजदूरी कर शाम को घर लौटते और एक साथ भोजन बनाते थे। देर शाम वे घर लौटे। कालूराम रोटी बनाने के लिए आटा गूंथ रहा था। आटे में पानी डालने के लिए पवनी देवी पास में से ही पानी ले रही थी कि अचानक चार भालुओं ने एक साथ पवनी देवी पर हमला कर दिया।

हार्ट अटैक से हुई मौत समझकर किया था अंतिम संस्कार

सीसीटीवी फुटेज में मारपीट का हुआ खुलासा

झुंझुनू, 11 मार्च (एजेंसियां)। जिले के उदयपुरवाटी में 24 जनवरी की सुबह किरोड़ी निवासी शोभाराम का शव रास्ते में पड़ा मिला था। इस पर उनके परिजनों ने हार्ट अटैक से मौत मानकर बगैर पोस्टमार्टम के उनका अंतिम संस्कार कर दिया था। बाद में शक होने पर परिजनों ने आसपास के सीसीटीवी देखे तो सामने आया कि मृतक के साथ मारपीट हुई थी। परिजन ने अब हत्या का आरोप लगाते हुए थाने में मामला दर्ज कराया है। मामले के अनुसार शोभाराम 23 जनवरी को घर से निकलकर उदयपुरवाटी गए थे। देर रात तक घर वापस नहीं पहुंचने पर परिजनों ने आसपास के लोगों से पूछताछ की लेकिन उनका कोई पता नहीं लगा। दूसरे दिन 24 जनवरी की सुबह सात बजे मृतक के बेटे नानूराम ने चाचा राजेंद्र प्रसाद को बताया कि उसके पिता शोभाराम का शव किरोड़ी गेट के पास पड़ा हुआ है। सूचना मिलने पर परिजनों ने वहां पहुंचकर आसपास के लोगों से पूछताछ की तो वहां मौजूद गुलाब और अन्य लोगों ने कहा कि ज्यादा ठंड की वजह से शोभाराम को हार्ट अटैक आ गया। इसके बाद उन्होंने परिजनों को जल्दी अंतिम संस्कार करने की बात कहकर बगैर पोस्टमार्टम के अंतिम संस्कार करवा दिया।

शराब के नशे में था पति, पत्नी ने नहीं दिया खाना तो हुआ हिंसक, बुरी तरह पीट-पीटकर ली जान

नागौर, 11 मार्च (एजेंसियां)। शराब के नशे में पत्नी को खाना देने को कहा तो उसने इनकार कर दिया। इसके बाद उसे तब तक मारता रहा जब तक की वो बेहोश नहीं हुई। चूंटिसरा में पत्नी अंजू कंवर की हत्या के आरोप में गिरफ्तार भवानी सिंह से पुलिस की पूछताछ के बाद यही वजह सामने आई। पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद भवानी सिंह का मेडिकल कराया। उसे सोमवार को अदालत में पेश किया जाएगा। आरोपी ने पत्नी से मारपीट के दौरान किसी तरह का हथियार इस्तेमाल नहीं किया। मेडिकल बोर्ड ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा, उसका अंतिम संस्कार किया गया।

सदर थाने के सीआई अजय कुमार मीणा ने बताया कि मजदूरी करने वाला भवानी सिंह शराब का आदी है। आए दिन वो पत्नी अंजू के साथ मारपीट करता रहता था। उसकी दो बेटियां ननिहाल व बेटा चाचा के पास रहता था। शुक्रवार को वह मजूदरी पर भी नहीं गया, रात को शराब के नशे में आया और सो गया। इसके बाद करीब चार बजे वो जागा तो उसे भूख लगी, उसने खाने के लिए कुछ देने के लिए अंजू को जगाया। उसके ना-नुकर करने पर भवानी सिंह का पारा चढ़ गया । उसने अंजू पर हमला बोल दिया। दीवार से उसका सर फोड़ा, बुरी तरह पीटकर उसे निढाल कर दिया और भाग छूटा। सुबह इधर-उधर से सूचना मिलने पर पास रह रही रिश्तेदार और अंजू का देवर रवि सिंह वहां आया । उसने पुलिस को सूचना दी।

अग्रवाल मानव सेवा का स्वास्थ्य जांच शिविर सम्पन्न

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल मानव सेवा मंच का 169वां नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर रविवार को उप्पागुडा स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर हैदराबाद में सम्पन्न हुआ। मंच के प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि शिविर का शुभारंभ भारत माता और महाराज श्री अग्रसेन जी की पूजा अर्चना से किया गया। आज के प्रायोजक राधेश्याम गुप्ता एवं श्रीमती यशोदा देवी गुप्ता ने दीपक प्रज्वलित कर पूजा अर्चना की।

मंच के प्रधान संयोजक विनोद अग्रवाल, संयोजक विष्णु गुप्ता, श्याम सुंदर अग्रवाल, सह संयोजक, जय प्रकाश अग्रवाल, दीपक अग्रवाल पवन पोद्दार, अजय गुप्ता, अनुराग गुप्ता, अग्रवाल समाज धांसी बाजार शाखा के कार्यकारणी सदस्य मुकेश केडिया, अग्रवाल समाज शालीबंडा के परामर्शदाता महावीर डाकोनीया एवं कार्यकारणी सदस्य फतेह चंद मितल, करूणाश्री सेवा समिति के सचिव श्री पापुला वेंकेटेश्वर राव, वेकेंटेशम नयनी और श्रीमती पदमावती लावन्या, मंच में सहायक मनोजसिंह ने भाग लिया।

इस शिविर में रैंडम ब्लड़ शुगर, रक्त चाप ह्रदय रोग जांच हेतु ईसीजी, 2 डी इको, सामान्य रोग, स्त्री रोग, हड्डी रोग की जांच की गई। स्वरूप आईं सेंटर अबीड्स और पंजागुट्टा, हैदराबाद के नेत्र चिकित्सकों के द्वारा नेत्र जांच की गई। डॉ. हरि बाबू ने त्वचा रोगियों को सेवा प्रदान की। डॉ. आशीष तोदी द्वारा दंत जांच हेतु सेवा दी।

हैदराबाद के विशेषज्ञो द्वारा फिजियोथेरेपी सेवा प्रदान की गयी। हिमायत नगर, हैदराबाद के डॉक्टरों की पूरी टीम ने नाक, कान और गल्ले की जांच कर मरीजों को सेवा प्रदान की। शिविर में करीब 400 स्थानीय लोगों ने उपलब्ध स्वास्थ्य जांच सेवाओं का लाभ उठाया। अभिमन्यु अग्रवाल एवं पुष्पक अग्रवाल के नेतृत्व में निशुल्क औषधि का वितरण किया गया। इस शिविर में 12 मोतियाबिंद रोगियों को नि:शुल्क शल्य चिकित्सा गहन परीक्षण के बाद किया जाएगा। मंच की सभा में 170वां शिविर 31 मार्च 2024 रविवार को आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

अणुव्रत अमृत महोत्सव कार्यक्रम का समापन

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अणुव्रत अनुशास्ता, महानतपस्वी आचार्य महाश्रमणजी के पावन सन्निध्य में पूरे साल से चल रहे अणुव्रत अमृतमहोत्सव कार्यक्रम का समापन समारोह बी.एस. बुटाला सांस्कृतिक भवन, महाड़ में मनाया गया। त्रिदिवसीय कार्यक्रम का प्रथम दिन अणुव्रत कार्यकर्ता का सम्मान समारोह के रूप में मनाया गया।

इसमें मुख्य अतिथि शिवराज पाटिल (पूर्व लोकसभा अध्यक्ष एवं पूर्व गृहमंत्री भारत सरकार) रहे। मुख्य अतिथि द्वारा पूरे भारत से आये हुए अणुव्रत कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। हैदराबाद से अन्य व्यक्तियों के साथ अणुव्रतसेवी निर्मला बैद को सम्मानित किया किया गया। अपने कार्योकी फाईल निर्मला बैद ने पूज्यवर को भेंटकी। साथ में श्रीमती हेमप्रभा दुगड थी।

मुख्य अतिथि ने अपने विचारों की प्रस्तुति देते हुए अणुव्रत के महत्व के बारे में बताते हुए अणुव्रत को जीवनचर्या में अपनाने हेतु बल दिया। पूज्यवर ने पूरे कार्यों को ध्यान से देखा।

श्री गोपाल गौशाला में गौ महोत्सव की धूम

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। इब्राहिमपटनम स्थित श्री गोपाल गौशाला में अमावस्या के मौके पर भव्य गौ महोत्सव का आयोजन किया गया। श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट के चेयरमैन तुलसीराम बंसल ने बताया इस मौके पर कार्यक्रम का आगाज गौ पूजन के साथ हुआ। जिसके बाद भजन कीर्तन का कार्यक्रम हुआ। जिसमें हजारों की तादाद में लोगों ने शिरकत की और प्रसादी का लाभ उठाया।

यह भव्य कार्यक्रम सरूरनगर से हीरालाल सैणचा और अशोक लटेचा, बीएन रेड्डी नगर से भाणाराम भूराराम वरपा, नादरगुल से नवीन इलेक्ट्रीकल्स हार्डवेयर के नत्थाराम सोलकी, सरूरनगर से अमराराम देवासी, करनमनघाट मनाराम हसाराम आगलेचा, इब्राहिमपट्टनम से राजुराम सेपटा, अलमासगुड़ा से अमराराम सिन्दड़ा और तेजाराम देवड़ा, साईदाबाद से चुन्नीलाल चोयल, मंगनूर से नत्थाराम भायल, बड़गपेट बालापुर से दिलीप आगलेचा और सरूरनगर के मेघाराम कारपेंटर की ओर से आयोजित गया। कार्यक्रम में दिलीप पंसारी, अर्जुन कुमार गोयल, महावीरप्रसाद अग्रवाल,सतवीर गर्ग, विनोद गर्ग, राजुराम सेपटा, रमेश काबरा, मुकेश सैनी, सुनील सिंघल, सरोज सिंघल,सुरेश गोयल, एकता सैनी, कल्पना सिंह, चैताली झाडे और खुशी पांड्यान सहित भाग्यनगर से हजारों की तादाद में गौभक्तों ने शिरकत की।

आज पहुंचेगा परम चमत्कारी श्री श्याम निशान

हैदराबाद , 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्री श्याम मित्र मंडल अतापुर की ओर से आयोजित 12वीं श्री श्याम निशान यात्रा में शामिल होने वाला प्रभु श्री श्याम का प्रिय सूरजगढ़ श्री श्याम निशान मंगलवार की रात्रि 9 बजे सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पहुंचेगा। श्री श्याम निशान यात्रा के संयोजक पवन नालपुरिया ने बताया की यह वही सूरजगढ़ का श्री श्याम निशान एवं मोरछड़ी है जो खाटू के श्याम मंदिर के भारी भरकम ताले को झाड़ा देकर अपने चमत्कार से खोला था । हैदराबाद के श्याम मंदिर में चढ़ाए जाने की प्रेरणा नालपुरिया परिवार की बेटी एवं सूरजगढ़ निवासी श्याम भक्त नंदकिशोर अग्रवाल की पुत्रवधू स्वर्गीय सीमा अग्रवाल ने श्री श्याम मित्र मंडल अतापुर को दी थी जो श्री श्याम मित्र मंडल अतापुर श्याम भक्तों ने सहर्ष स्वीकार करते हुए चौथी बार हैदराबाद के काचीगुड़ा श्री श्याम मंदिर की भव्य गुंबद को सूरजगढ़ के चमत्कारी श्री श्याम निशान समर्पित करेगा। हैदराबाद के अतापुर से काचीगुड़ा श्याम मंदिर में चढ़ाए जाने वाला श्री श्याम निशान की पूजा फागुन की एकादशी को एक ही साथ बड़े ही विधि विधान के साथ पूजा अर्चना करने के पश्चात किसी श्याम भक्त के द्वारा हैदराबाद लाया जाता है। 19 मार्च को शाम 5:00 से रामबाग राम मंदिर प्रांगण में सूरजगढ़ श्री श्याम निशान की स्थापना की जाएगी वहां विधि अनुसार निशान को सैकड़ो श्याम भक्त मनोकामना मौली बंद कर पूजा अर्चना करेंगे तथा उसके पश्चात 20 मार्च को रामबाग राम मंदिर से प्रारंभ होकर सूरजगढ़ श्री श्याम निशान यात्रा काचीगुड़ा श्री श्याम मंदिर पहुंचेगी।

चुनाव बांड के विवरण का खुलासा किया जाना चाहिए

एसबीआई के चेयरमैन को गिरफ्तार किया जाए...सीपीएम

सिरपुर कागजनगर, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीएम पार्टी के नगर सचिव मुंजम आनंद कुमार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार एसबीआई चेयरमैन के चुनावी बांड का ब्योरा सार्वजनिक करने और मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज उठाने वाले एसबीआई चेयरमैन को गिरफ्तार करने की मांग की है। सोमवार को सीपीएम पार्टी की केंद्रीय कमेटी के आह्वान पर कागजनगर कस्बे में एसबीआई बैंक के सामने विरोध प्रदर्शन किया गया।

इस अवसर पर सीपीएम जिला सचिव कोटा श्रीनिवास और नगर सचिव मुंजम आनंद कुमार ने संबोधित किया।आज चुनाव प्रणाली के संवैधानिक मूल्यों को गिराने वाले तरीके से मोदी सरकार देश के कॉरपोरेट संस्थानों के मालिकों के साथ जनता के लाखों करोड़ रुपये बांट रही है और हर साल कॉरपोरेट संस्थानों के कर्ज माफ कर रही है। परिणामस्वरूप, सीपीएम केंद्रीय समिति और अन्य बुद्धिजीवियों ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और कहा कि चुनाव प्रणाली को संविधान द्वारा गलत ठहराया जा रहा है और यह प्रणाली सही नहीं है। एसबीआई की ओर से किसी पार्टी को पैसा दिया गया है और यह पैसा किसने दिया है। देश के प्रत्येक डेमोक्रेट ने चुनावी बांड के मामले में धोखाधड़ी की इस प्रथा की निंदा करने का आह्वान किया है। इस विरोध प्रदर्शन में सीपीएम के जिला सचिव कोटा श्रीनिवास, पार्टी नगर सचिव मुंजम आनंद कुमार, सीपीएम नेता आर. तिम्मा राव, ऊटला रवि, नीतीश और अन्य ने भाग लिया।

महिला शक्ति योजना का उद्घाटन कार्यक्रम सफल हो

जिला अतिरिक्त कलेक्टर दीपक तिवारी

आसिफाबाद 11 (स्वतंत्र वार्ता)। जिला अपर समाहर्ता (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा हैदराबाद के परेड ग्राउंड में किये जाने वाले तेलंगाना महिला शक्ति योजना कार्यक्रम सफल हो। जिला ग्रामीण विकास विभाग परियोजना अधिकारी सुरेंद्र, जिला पंचायत अधिकारी भिक्षा गौड़, जिला चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी तुकाराम, अतिरिक्त पी डी रामकृष्ण, आरटी सीडी एम. श्रीधर के साथ समीक्षा की। इस अवसर पर जिला अपर समाहर्ता ने कहा कि सरकार द्वारा महिलाओं को एक करोड़ रुपये तक के ऋण एवं बीमा सुविधा के प्रावधान के तहत जिले की महिला स्वयं सहायता समूहों की 750 सदस्यों को परिवहन हेतु आवश्यक गतिविधियां तैयार कर क्रियान्वित की जाए।

वारंगल शहर बलदिया मुख्यालय के काउंसिल हॉल में चल रहे जनसुनवाई कार्यक्रम में जनता से अनुरोध पत्र प्राप्त कर रहे अपर आयुक्त अनिसुर रशीद, अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण।

वारंगल डीसीसीबी के संयुक्त अध्यक्ष मार्नेनी रविंदर राव और उनकी पत्नी ऐनोलु सांसद मधुमति कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। सरकारी सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी को हैदराबाद में स्कार्फ पहनाकर पार्टी में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया।

वारंगल शहर उप-महापौर रिजवाना शमीम मसूद, पार्षद मारुपल्ला रवि, पल्लम पद्मरावी, सिद्धम राजू, बोगी सुवर्णा सुरेश ने हैदराबाद में पूर्व विधायक नरेंद्र के नेतृत्व में तेलंगाना राज्य के पहले मुख्यमंत्री केसीआर से मुलाकात की।

हनुमाकोंडा पुलिस स्टेशन में आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर थाने में कार्यरत महिला कर्मियों को शॉल ओढ़ाकर और उपहार देकर सम्मानित किया गया।

डॉ अहिल्या मिश्र को गार्गी 2024 सम्मान

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सूत्रधार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था, हैदराबाद के तत्वावधान में एक विशेष कार्यक्रम 'गार्गी 2024' का आयोजन सांस्कृतिक केन्द्र ला-मकान में किया गया। सुहास भटनागर ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। गार्गी 2024 सम्मान ग्रहिता डॉ अहिल्या मिश्र को कार्यक्रम की अध्यक्षता करने हेतु मंच पर सादर आमंत्रित किया गया। सेंट जोसेफ्स स्कूल, हब्शीगुड़ा की हिन्दी विभागाध्यक्ष श्रीमती ज्योति गोलामुडी विशेष अतिथि और संस्था सचिव श्रीमती आर्या झा को मंच पर सादर आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी हुई विशिष्ट महिलाओं ने अलग-अलग विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए।

अर्चना लोण्ढे ने अपने विषय-समय के साथ बदलती औरत पर बोलते हुए कहा कि उनकी दादी उनके लिए प्रेरणा स्रोत रही हैं। उन्हें पढ़ने-लिखने का अवसर नहीं मिला लेकिन उन्होंने अपनी बहुओं और पोतियों की पढ़ाई में भरपूर सहयोग किया।

उन्होंने कहा कि शादी के बाद पति का कुछ नहीं बदलता लेकिन एक महिला की पूरी जिन्दगी बदल जाती है। श्रीमती संगीता पमनानी ने रसोई से दिल तक विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। रोशनी तिल्वानी ने नौकरी और नारी सुरक्षा पर विचार व्यक्त किए।

सुश्री खुशबू सुराणा ने अप्साइक्लिंग और गृह सज्जा व आभूषण पर जानकारी दी।

इस अवसर पर डा. अहिल्या मिश्रा को 'गार्गी 2024' सम्मान से सम्मानित किया गया। इसके अन्तर्गत उन्हें ट्राफी, शाल, मोती माला, क़लम और नोटबुक से सम्मानित किया गया। उन्होंने संस्था के समस्त सदस्यों को निरन्तर आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया। उसके बाद विशेष अतिथि श्रीमती ज्योति गोलामुडी और अन्य वक्ताओं तथा क्रांति मैडम का सम्मान किया गया।

द्वितीय सत्र में कहानीवाला के सुहास भटनागर, आर्या झा और शिल्पी भटनागर ने कहानियों की शानदार प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में वाजा तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष एन.आर. श्याम, यूनियन बैंक ऑफ के वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) देवकांत पवार, पुष्पक साहित्यिकी की सम्पादक डॉ आशा मिश्र, श्रीमती किरन सिंह, श्रीमती शुभ्रा मोहन्तो, श्रीमती ममता सक्सेना, श्रीमती सोनी कुमारी, श्रीमती हर्षलता दुधोड़िया, श्रीमती अनीता गिड़िया, प्रवीण कुमार, राजेश कुमार, एम चंद्रा, श्रीमती भावना पुरोहित, मयूर पुरोहित, शुभा कार्तिक, सूरज कुमारी गोस्वामी, श्रेयस वेमुला, डैनी कुमार आजाद और ज्योति आर उपस्थित थे।

श्री महर्षि गौतम गायत्री ट्रस्ट हयातनगर की त्रैमासिक बैठक संपन्न

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्री महर्षि गौतम गायत्री ट्रस्ट हायातनगर के प्रबंध ट्रस्टी जीतेंद्र लाल उपाध्याय व मंत्री श्रीमती कंचन जोशी की अध्यक्षता में त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में ट्रस्ट के उपाध्यक्ष श्री लक्ष्मी नारायण जोशी, ओम डिडवानिया, व सदस्यों में शिव चोबा, नरसिंग उपाध्याय, पवन उपाध्याय, ललित जी शर्मा,आनंद व्यास, मनोज कुमार व मनीष व्यास उपस्थित थे ।

डीसीपी की शिकायत

वारंगल, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एसएनएम क्लब में विकास कार्यक्रमों का शिलान्यास करने वाले कई मंत्रियों के कार्यक्रम में पत्रकारों को अभद्र भाषा से अपमानित करने वाले वारंगल सेंट्रल जोन के डीसीपी की प्रेस क्लब के पदाधिकारियों और कई पत्रकार संघ के नेताओं ने वारंगल पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय में सीपी से शिकायत की। हनुमकोंडा प्रेस क्लब पहुंचे पूर्वी पत्रकारों, प्रेस क्लब के सदस्यों और डीसीपी ने काले बैज के साथ अभद्रता के खिलाफ पत्रकारों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के लिए विरोध प्रदर्शन किया। वारंगल प्रेस क्लब से वे 250 पत्रकारों के साथ रैली के रूप में मार्च करते हुए पुलिस आयुक्त कार्यालय पहुंचे और पुलिस आयुक्त अंबर किशोर को एक ज्ञापन सौंपकर डीसीपी के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा।

एन फिट बॉक्सिंग क्लब हैदराबाद ने आज राकेश जायसवाल, भाजपा पार्षद जामबाग को आमंत्रित किया, जो मुख्य अतिथि थे, उन्होंने एन फिट बॉक्सिंग क्लब के प्रतिभागियों के विजेताओं को पदक और प्रमाण पत्र वितरित किए, जिन्होंने उप्पागुडा पुराने शहर में आयोजित छत्रपति शिवाजी महाराज चैंपियनशिप में पदक जीते, नरेश गौड़ बॉक्सर और कोच भी उपस्थित थे।

16 मार्च को होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए दंडाधिकारियों की नियुक्ति: न्यायाधीश के युवराज

आसिफाबाद. 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सह वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश के युवराज ने एक बयान में कहा कि इस महीने की 16 तारीख को जिला अदालत में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत कार्यक्रम के लिए न्यायाधीशों और लोक अदालत के सदस्यों को नियुक्त किया गया है। समझौता मामलों का निपटारा, दीवानी, फौजदारी, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालयों से संबंधित सभी प्रकार के मामलों के लिए वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश सह सहायक सत्र न्यायाधीश, मजिस्ट्रेट के रूप में वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश, के. युवराज, जिला न्यायिक सेवा संगठन के सचिव, धीरज भौमिक, एम. चरण तेजा, प्राचार्य लोक अदालत के सदस्यों के रूप में प्रधान कनिष्ठ सिविल न्यायाधीश, जे. अनंतलक्ष्मी, लोक अदालत के सदस्य के. किशोर, जे. उन्होंने कहा कि विद्यासागर की नियुक्ति हो गयी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

पीएम मोदी ने ...

पीएम ने कहा कि कोई भी देश या समाज में नारी शक्ति की गरिमा बढ़ाते हुए ही आगे बढ़ सकता है। लेकिन दुर्भाग्य से पहले की सरकारों के लिए महिलाओं की मुश्किलें और उनका जीवन कभी प्राथमिकता नहीं रही, मेरा अनुभव है कि अगर महिलाओं का थोड़ा अवसर-सहारा मिल जाए तो उन्हें सहारे की जरूरत नहीं रहती है वे लोगों का सहारा बन जाती हैं।

नमो ड्रोन दीदी स्कीम की शुरूआत 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी। इसके तहत 1 लाख महिलाओं को अगले 5 सालों में ट्रेनिंग देने का लक्ष्य रखा गया। इस योजना को देशभर के कृषि विज्ञान केंद्रों के जरिए लागू किया गया। सरकार का कहना है कि इस स्कीम का मकसद महिलाओं को सशक्त बनाना है। उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत करना है। यह स्कीम कृषि में लगने वाली लागत में कमी ला सकती है। इससे रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे।

सरकार ने जारी ...

नागरिकता हासिल करने की अवधि को 1 से 6 साल किया गया है। सीएए को लेकर देश में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिली थीं। कई राजनीतिक दलों ने भी इसका विरोध किया था। उस वक्त केंद्र सरकार इसे लागू करने का मन बना चुकी थी, लेकिन कोरोना के चलते सीएए अधर में लटक गया। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में 200 से अधिक जनहित याचिकाएं दायर की गई थीं। इन सबके बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह यह कहते रहे कि सीएए हर सूरत में लागू किया जाएगा। कोविड-19 महामारी के कारण इस अधिनियम को लागू करने में देरी हुई है। जो लोग सोचते हैं कि ऐसा नहीं होगा, वे गलत साबित होंगे।

सीएए, किसी व्यक्ति को खुद नागरिकता नहीं देता है। इसके जरिए पात्र व्यक्ति, आवेदन करने के योग्य बनता है। यह कानून उन लोगों पर लागू होगा, जो 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से भारत आए थे। इसमें प्रवासियों को वह अवधि साबित करनी होगी कि वे इतने समय में भारत में रह चुके हैं। उन्हें यह भी साबित करना होगा कि वे अपने देशों से धार्मिक उत्पीड़न की वजह से भारत आए हैं।

चाइल्ड पोर्नोग्राफी मामले ...

मद्रास हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ फरीदाबाद के जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस और नई दिल्ली स्थित बचपन बचाओ आंदोलन ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। मामले में सोमवार को याचिकाकर्ता संगठनों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एचएस फुल्का ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि हाईकोर्ट का फैसला कानून के विपरीत है। इस दौरान सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि हाई कोर्ट का फैसला अत्याचारपूर्ण है। एकल न्यायाधीश यह कैसे कह सकता है? शीर्ष कोर्ट ने इसे लेकर नोटिस भी जारी किया है। साथ ही तीन सप्ताह में जवाब भी मांगा है। इसके अलावा, अदालत ने चेन्नई निवासी एस हरीश और तमिलनाडु के दो संबंधित पुलिस अधिकारियों से भी जवाब मांगा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

फ्रेंच ओपन बैडमिंटन में सात्विक साईराज और चिराग का जलवा

युगल खिताब अपने नाम किया

पेरिस, , 11 मार्च (एजेंसियां)। फ्रेंच ओपन बैडमिंटन में सात्विकसाईराज और चिराग ने जलवा बिखेरा है। दोनों ने युगल खिताब जीतकर भारत का नाम रोशन कर दिया है। टूर्नामेंट के फाइनल में दोनों ने चीन के ताइपे के ली जे ह्युई और यांग पो ह्वेन को हराकर पुरुष युगल का खिताब अपने नाम किया।

मौजूदा विश्व चैंपियन जोड़ी के खिलाफ पहला गेम आसानी से जीतने के बाद सात्विक और चिराग ने दूसरे गेम में भी कोरियाई जोड़ी को वापसी का मौका नहीं दिया। भारतीय जोड़ी ने यह मुकाबला केवल 40 मिनट में अपने नाम किया। इसके बाद फाइनल में भारतीय जोड़ी ने चीनी ताइपे के ली झे हुई और यांग पो ह्वान को हराया। इस जोड़ी ने सेमीफाइनल में जापान के ताकुरो होकी और यूगो कोबायाशी को हराया था।

इस साल तीसरा फाइनल खेला, जीता पहला खिताब

भारतीय जोड़ी ने इस साल लगातार तीसरी बार फाइनल में जगह बनाई। हालांकि, वह इस साल एक भी खिताब नहीं जीत पाए, लेकिन दोनों ने अपना पहला खिताब हासिल कर लिया। फ्रेंच ओपन में यह जोड़ी तीसरी बार फाइनल में पहुंची। सात्विक और चिराग ने शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल में कोरिया की जोड़ी को 21-13, 21-16 से हराया था।

पैरिस ओलंपिक के लिए ट्रायल शुरू, बजरंग पुनिया और रवि दहिया को लगा तगड़ा झटका, मिली शिकस्त

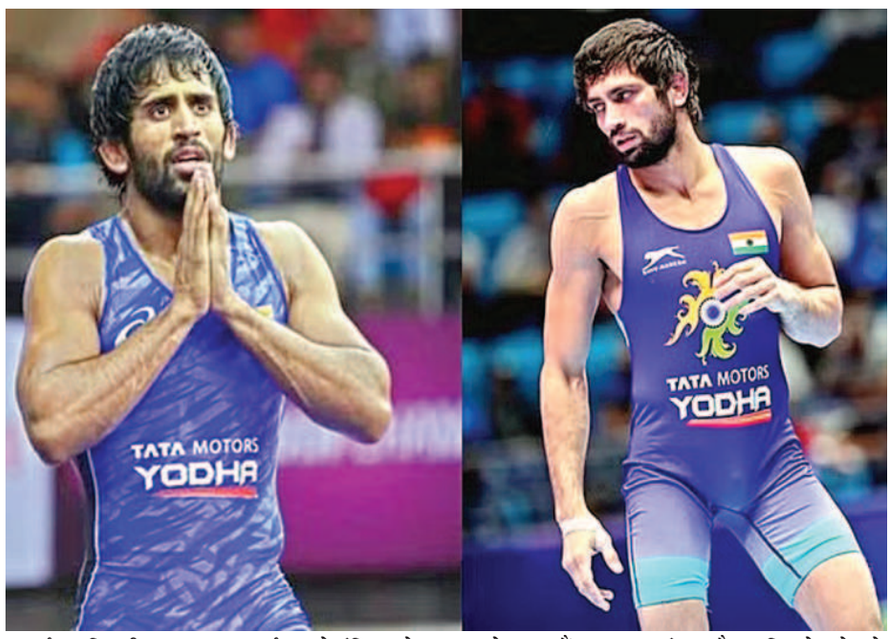

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय रेसलर बजरंग पुनिया और रवि दहिया को पेरिस ओलंपिक से पहले तगड़ा झटका लगा है। दोनों रेसलर तीन महीने के बाद होने वाले पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गए हैं। आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए हुए चयन ट्रायल में दोनों को हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद वे पेरिस में भाग लेने की दौड़ से बाहर हो गए।

बजरंग और रवि ने टोक्यो ओलंपिक खेलों में पदक जीते थे। हालांकि, इस बार वे चयन ट्रायल को पार करने में असफल रहे। बजरंग को 65 किग्रा पुरुष फ्रीस्टाइल सेमीफाइनल मैच में रोहित कुमार के खिलाफ 1-9 से करारी हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने रविंदर के खिलाफ जीत के बाद सेमीफाइनल मैच में अपनी जगह बनाई थी।

वहीं, रवि दहिया चोट से वापसी करने के बाद भी छाप छोड़ने में नाकाम रहे और ट्रायल के अपने शुरुआती मैच में अमन के खिलाफ 13-14 से हार गए। अपने दूसरे मैच में दहिया को उदित के खिलाफ ट्रायल में दूसरी हार का सामना करना पड़ा।

ट्रायल में मिली हार के बाद अब बजरंग और रवि पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन राउंड में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

वहीं, ट्रायल के विजेताओं को एशियाई और विश्व ओलंपिक क्वालीफायर में खेलने का अवसर मिलेगा।

एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप का आयोजन 11 से 16 अप्रैल के बीच होगा, जबकि एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर 19 से 21 अप्रैल तक आयोजित किए जाएंगे।

मणिपुर के एमएमए फाइटर ने प्रधानमंत्री मोदी से की खास अपील, भावुक कर देने वाला वीडियो हुआ वायरल

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। मणिपुर के मिक्स्ड मार्शल आर्ट फाइटर चुंगरेंग कोरेन का एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जातीय हिंसा से प्रभावित पूर्वोत्तर राज्य का दौरा करने और शांति बहाल करने की अपील कर रहे हैं। इस वीडियो में चुंगरेंग कोरेन भावुक नजर आ रहे हैं। उन्होंने यह बयान कथित तौर पर मैट्रिक्स फाइट नाइट (एमएफएन) में एक बाउट के बाद दिया है।

कोरेन ने कहा, 'यह मेरा विनम्र अनुरोध है। मणिपुर में हिंसा हो रही है। लगभग एक साल हो गया है। लोग मर रहे हैं और कई लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। इन राहत शिविरों में भोजन और पानी की कमी है। बच्चे ठीक से पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं। भविष्य स्पष्ट नहीं है। मोदी जी, कृपया एक बार मणिपुर का दौरा करें और राज्य में शांति बहाल करें।' अमर उजाला इस वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं करता है।

कांग्रेस ने साझा किया वीडियो

सोशल मीडिया हैंडल एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर वीडियो क्लिप साझा करते हुए युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास ने हिंदी में लिखा, 'यह मणिपुर से चुंगरेंग कोरेन हैं। काश प्रधानमंत्री के लिए मणिपुर उनके परिवार का हिस्सा होता तो आज शायद मणिपुर का हर नागरिक रोने को मजबूर नही होता।'

भाजपा की ओर से प्रतिक्रिया नहीं

भाजपा ने अभी तक इस घटना पर कोई बयान नहीं दिया है। मणिपुर में जातीय हिंसा में पिछले साल मई से अब तक 200 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और करीब 50 हजार लोग विस्थापित हुए हैं। अधिकारियों का कहना है कि जातीय हिंसा अराजकता में बदल गई है।

मणिपुर हिंसा

अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मैतेई समुदाय की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के बाद क्षेत्र में हिंसा बढ़ गई है। मणिपुर की आबादी का लगभग 53 प्रतिशत हिस्सा बनाने वाले और मुख्य रूप से इम्फाल घाटी में रहने वाले मैतेई, नागा और कुकी सहित आदिवासियों के विपरीत हैं, जो 40 प्रतिशत हैं और मुख्य रूप से पहाड़ी जिलों में निवास करते हैं।

जेसीओ का अपहरण

पिछले हफ्ते भारतीय सेना के एक सेवारत जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) को हिंसाग्रस्त मणिपुर के थौबल जिले से हथियारबंद लोगों के एक समूह ने कथित रूप से अपहरण कर लिया था और लगभग नौ घंटे बाद उन्हें मुक्त करा लिया गया था। सेना ने बाद में एक बयान में कहा था, 'सुरक्षा बलों के समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप जेसीओ को शाम में सुरक्षित बचा लिया गया। जेसीओ फिलहाल थौबल जिले में वाइखोंग पुलिस थाने (काकचिंग के निकट) में हैं। मणिपुर पुलिस घटना की जांच कर रही है।

विनेश ने 3 घंटे कुश्ती के 2 ट्रायल रोके

ओलिंपिक से पहले 53 केजी में दोबारा ट्रायल की मांग थी; अब 2 कैटेगरी में लड़ रहीं

पटियाला, 11 मार्च (एजेंसियां)। पटियाला के स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के सेंटर में चल रहे नेशनल विमेंस रेसलिंग ट्रायल्स के दौरान करीब तीन घंटे तक ड्रामा चला। यहां स्टार पहलवान विनेश फोगाट ने करीब तीन घंटे तक महिलाओं की 50 केजी और 53 केजी वेट कैटेगरी के ट्रायल शुरू नहीं होने दिए। विनेश के इन दोनों वेट कैटेगरी में हिस्सा लेने पर सहमति बनने के बाद दोपहर 1:30 बजे ट्रायल्स शुरू हो सके।

विनेश अधिकारियों से 53 केजी वेट कैटेगरी के आखिरी ट्रायल ओलिंपिक से ठीक पहले दोबारा कराने का लिखित आश्वासन या फिर दोनों वेट कैटेगरी में लड़ने की इजाजत देने की मांग कर रही थीं। दोबारा ट्रायल कराने के पीछे विनेश का कहना था कि अगर डब्ल्यूएफआई के हाथ में फिर कमान आ गई, तो चयन नीति बदल सकती है। बाद में एडहॉक बॉडी ने उन्हें दोनों कैटेगरी में लड़ने की इजाजत दे दी।

आईओए द्वारा गठित एडहॉक बॉडी पहले ही कह चुकी है कि 53 किलो वर्ग के लिए अंतिम ट्रायल होगा, जिसमें इस भारवर्ग के शीर्ष 4 पहलवान उतरेंगे। ट्रायल के विजेता को अंतिम से मुकाबला करना होगा और उसमें विजयी रहने वाली पहलवान भारत का प्रतिनिधित्व करेगी।

पटियाला में मौजूद एक कोच ने भास्कर को बताया कि विनेश सरकार से आश्वासन चाहती थीं, क्योंकि उन्हें डर है कि अगर डब्ल्यूएफआई के हाथ में फिर कमान आ गई, तो चयन नीति बदल सकती है और 53 केजी से पहले कोटा हासिल कर चुकी अंतिम पंघाल को भेजा जा सकता है, पर सरकार दखल नहीं दे सकती।

दीपा मलिक बोलीं- उचित सुविधा उपलब्ध होने पर ज्यादा अंतरराष्ट्रीय पैरा स्पर्धाएं आयोजित कर सकते हैं

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) की पूर्व प्रमुख दीपा मलिक ने कहा कि दिव्यांग खिलाड़ियों को उचित सुविधाएं मुहैया कराने से ही देश में अधिक से अधिक बड़ी अंतरराष्ट्रीय पैरा प्रतियोगिताएं आयोजित की जा सकती हैं।

दीपा का पीसीआई अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल शनिवार को दो बार के पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक देवेंद्र झाझरिया के निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने के साथ समाप्त हो गया।

उन्होंने कहा कि होटल, होस्टल और सार्वजनिक परिवहन को दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए 'यूजर फ्रैंडली' (इस्तेमाल के अनुकूल) बनाया जाना चाहिए। दीपा ने शनिवार को 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''अगर हमें बड़े पैरा खेल आयोजनों की मेजबानी करनी है और यहां तक कि दिव्यांग (विकलांग लोगों) की आबादी का समर्थन करना है तो हमें सार्वजनिक परिवहन, होटल और होस्टल में सुविधा मुहैया कराने पर काम करने की जरूरत है।

आखिरी गेंद पर सनसनीखेज फैसला, 1 रन से हारने वाली दिल्ली खुद एक रन से जीती

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। अगर विमेंस प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन में कोई एक टीम सबसे ज्यादा रोमांचक मुकाबलों का हिस्सा बनी है तो वो है दिल्ली कैपिटल्स. पिछले सीजन की रनर-अप दिल्ली कैपिटल्स को इस सीजन के पहले ही मैच में आखिरी गेंद पर हार का सामना करना पड़ा था और फिर उसके बाद एक और मुकाबले में उसे सिर्फ 1 रन से शिकस्त मिली थी. मेग लैनिंग की कप्तानी वाली टीम ने इस बार यही तरीका जीत के लिए अपनाया और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को सनसनीखेज अंदाज में 1 रन से हरा दिया. दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में सुपर मैच खेला गया, जिसमें दिल्ली ने पहले बैटिंग की और 181 रनों का दमदार स्कोर खड़ा किया. पिछले मैच में यूपी वॉरियर्स के खिलाफ 139 रन का लक्ष्य भी हासिल करने में नाकाम रही दिल्ली की बैटिंग इस बार दमदार रही. उसके लिए शेफाली वर्मा और मेग लैनिंग की ओपनिंग जोड़ी ने पावरप्ले में ही 50 रन पूरे कर लिए थे.

इसके बाद जेमिमा रॉड्रिग्ज और एलिस कैप्सी ने विस्फोटक पारियां खेलीं. भारतीय बल्लेबाज रॉड्रिग्ज ने पहले बाउंड्रियों का हल्ला बोला और सिर्फ 26 गेंदों में अर्धशतक जमा दिया. फिर एलिस कैप्सी ने भी रनों की रफ्तार बढ़ाई. दोनों के बीच 97 रनों की बेहतरीन साझेदारी हुई. हालांकि बैंगलोर की टीम में लौटी ऑफ स्पिनर श्रेयांका पाटिल ने 4 विकेट लेकर दिल्ली की रफ्तार पर लगाम लगाई.

ऋचा-पैरी की कोशिशें आखिरी बॉल पर नाकाम

बैंगलोर ने दूसरे ओवर में ही कप्तान स्मृति मंधाना का विकेट गंवा दिया था. इसके बावजूद टीम तेजी से रन बटोरती रही और इसकी वजह रहीं दिग्गज ऑलराउंडर एलिस पैरी, जिन्होंने तीसरे नंबर पर आकर रनों की बारिश कर दी. उन्हें सोफी मॉलिन्यू का भी अच्छा साथ मिला और दोनों के बीच 80 रनों की साझेदारी हुई.

बस यहीं पर पैरी रन आउट हो गई और बैंगलोर की पारी लड़खड़ाने लगी. हालांकि ऋचा घोष और सोफी डिवाइन ने मोर्चा संभालकर हमला बोल दिया. 142 के स्कोर पर डिवाइन आउट हो गई और यहां से ऋचा घोष ही टीम को जीत के करीब तक ले गईं. आखिरी ओवर में बैंगलोर को 17 रनों की जरूरत थी. ऋचा ने पहली और पांचवीं गेंद पर छक्के जड़कर जीत की उम्मीद जगा दी. आखिरी गेंद पर 2 रनों की जरूरत थी लेकिन जेस जोनासन की गेंद को ऋचा ने सीधे फील्डर के हाथों में खेल दिया. शेफाली वर्मा का थ्रो सीधे जोनासन के हाथों में आया, जिन्होंने ऋचा को रन आउट कर दिया और टीम 1 रन से मैच जीत गई. इसके साथ ही उसने टॉप-3 में अपनी जगह पक्की कर ली.

10 कैच लपकने के बाद एलेक्स कैरी ने दोहराया 25 साल पुराना इतिहास

ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट सीरीज में न्यूजीलैंड का किया सूपड़ा साफ

क्राइस्टचर्च, 11 मार्च (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 2 टेस्ट की सीरीज जीत ली है. वेलिंगटन में पहला टेस्ट मैच जीतने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने क्राइस्टचर्च में खेले दूसरे टेस्ट में भी 3 विकेट से जीत दर्ज की और सीरीज पर कब्जा कर लिया. इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया का रेड बॉल क्रिकेट में न्यूजीलैंड पर जो दबदबा सालों से कायम है, वो यहां भी बरकरार दिखा. बता दें कि इससे पहले टी20 सीरीज में भी ऑस्ट्रेलिया ने मेजबान कीवियों का सूपड़ा साफ किया था.

क्राइस्टचर्च टेस्ट में न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलिया के सामने जीत के लिए 279 रन का लक्ष्य रखा था. जीत के इस लक्ष्य को पाना चौथी पारी में उतना आसान नहीं था, जो कि महसूस होता भी दिखा, जब एक वक्त सिर्फ 80 रन पर ही ऑस्ट्रेलिया के 5 विकेट गिर गए.

लेकिन, इसके बाद एलेक्स कैरी ने क्रीज पर लंगर डाल दिया और वो किया जो 25 साल पहले बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ने ऑस्ट्रेलिया के लिए किया था. साल 1999 में एडम गिलक्रिस्ट पहले ऐसे विकेटकीपर बल्लेबाज बने थे, जिन्होंने चौथी पारी में 90 रन से ज्यादा का स्कोर कर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई थी. गिलक्रिस्ट ने होबार्ट में खेले उस टेस्ट की चौथी पारी में नाबाद 149 रन बनाए थे. अब वही काम चौथी पारी में ऑस्ट्रेलिया के लिए साल 2024 में एलेक्स कैरी ने किया है. उन्होंने नाबाद 98 रन की पारी खेलते हुए ऑस्ट्रेलिया को क्राइस्टचर्च टेस्ट में जीत दिलाई है.

क्राइस्टचर्च टेस्ट में 98 रन की नाबाद पारी खेल, ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाकर इतिहास दोहराने से पहले एलेक्स कैरी ने एक और काम कैच पर कैच लपकने का किया. उन्होंनें दोनों ही पारियों को मिलाकर मैच में कुल 10 कैच लपके. इस तरह मैच में कुल 112 रन (पहली पारी 14 रन, दूसरी पारी 98* रन) और 10 कैच लपकने के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड 17 विकेट लेने वाले न्यूजीलैंड के गेंदबाज मैट हेनरी को मिला.

साल 2000 से अब तक ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच 27 टेस्ट खेले गए हैं, जिसमें 21 पर ऑस्ट्रेलिया का कब्जा रहा वहीं न्यूजलैंड को सिर्फ 1 में जीत मिली है. जबकि 5 टेस्ट दोनों टीमों के बीच ड्रॉ रहे हैं. क्राइस्टचर्च टेस्ट में हार का नुकसान न्यूजीलैंड को डब्ल्यूटीसी के पॉइंट्स टेबल में भी हुआ है, जहां वो एक पायदान खिसककर दूसरे से तीसरे स्थान पर आ गया है. न्यूजीलैंड को हराकर ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे स्थान पर कब्जा कर लिया. भारत डब्ल्यूटीसी टेबल में पहले नंबर पर है.

जय शाह ने कहा- आईपीएल खेल सकते हैं पंत

विकेटकीपिंग की तो वर्ल्ड कप टीम में भी मिल सकता है मौका

मुंबई, 11 मार्च (एजेंसियां)। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने इंडियन प्रीमियर लीग और टी-20 वर्ल्ड कप से पहले खिलाड़ियों से जुड़े कई अपडेट्स दिए हैं। उन्होंने विकेटकीपर ऋषभ पंत और केएल राहुल के भारतीय लीग से मैदान पर वापसी की बात कही। साथ ही मोहम्मद शमी के टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर होने की जानकारी दी।

शाह ने इंडियन प्रीमियर लीग में विदेशी निवेश की सूचनाओं को भी खारिज किया। वे सोमवार को मीडिया से चर्चा कर रहे थे। पंत साल 2022 में कार दुर्घटना का शिकार हुए थे, जबकि मोहम्मद शमी की चोट वनडे वर्ल्ड कप और केएल राहुल की इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान उभरी। दोनों एनसीए में रिहैब प्रक्रिया से गुजर रहे हैं।

पंत वापसी के लिए तैयार हैं

बीसीसीआई सचिव ने ऋषभ पंत पर की चोट से उबरने और खेल में वापसी पर जानकारी दी। उन्होंने कहा पंत आईपीएल में वापसी के लिए तैयार हैं। पंत दिसंबर 2022 में एक भीषण कार दुर्घटना के बाद से खेल से दूर हैं। शाह ने कहा- 'वे अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं, वे अच्छी कीपिंग भी कर रहे हैं। हम जल्द ही उसे फिट घोषित कर देंगे। अगर वे टी20 वर्ल्ड कप खेल सकें तो यह हमारे लिए बहुत बड़ी बात होगी। वह हमारे लिए एक अहम खिलाड़ी है। शाह ने कहा, 'अगर वह कीपिंग कर सके तो वह वर्ल्ड कप खेल सकते हैं। देखते हैं कि वह आईपीएल में कैसा प्रदर्शन करते हैं।' बांग्लादेश के खिलाफ होम सीरीज से शमी की वापसी संभव शाह ने बताया कि शमी सितंबर महीने बांग्लादेश के खिलाफ 3 टेस्ट और 3 टी20 इंटरनेशनल मैचों की होम सीरीज से वापसी कर सकते हैं। उन्होंने कहा- 'शमी की सर्जरी हो गई है, वे भारत वापस आ गए हैं। बांग्लादेश के खिलाफ होम सीरीज के लिए शमी की वापसी की संभावना है।

राहुल आईपीएल से वापसी कर सकते हैं राहुल दाहिने क्वाड्रिसेप्स (जांघ की मांसपेशियां) में दर्द की शिकायत के बाद इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के आखिरी चार मैच नहीं खेल पाए थे। लंदन में इलाज कराने के बाद उनके IPL में लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए खेलने की उम्मीद हैं। लोकेश राहुल को इंजेक्शन की जरूरत थी, उन्होंने रिहैब (चोट से उबरने की प्रक्रिया) शुरू कर दिया है और एनसीए (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) में हैं।' इंडियन प्रीमियर लीग में विदेशी निवेश नहीं इंडियन प्रीमियर लीग में विदेशी निवेश के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह संभव नहीं है, क्योंकि बीसीसीआई कंपनी नहीं सोसाइटी है। उन्होंने कहा- 'बीसीसीआई सोसाइटी है और कोई इस में निवेश नहीं कर सकता है।' पिछले साल खबर आई थी कि सऊदी अरब की नजर आईपीएल में अरबों डॉलर के निवेश पर है।

मेरा हैदराबाद

गरीबों का अपने घर का सपना पूरा होगा : रेवंत

सीएम रेवंत ने भद्राचलम में इंदिराम्मा आवास योजना की शुरूआत की

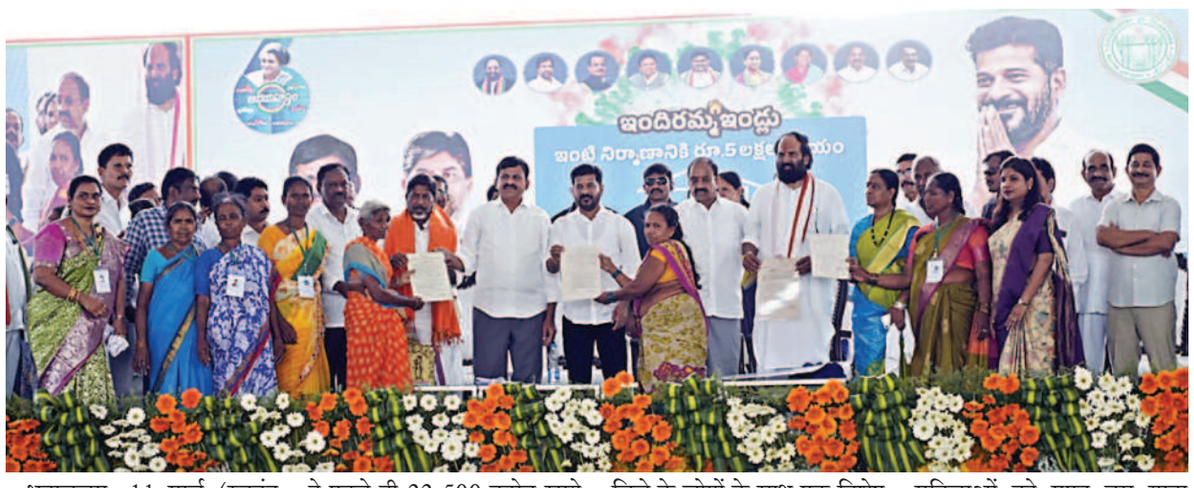

भद्राचलम, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को भद्राचलम में प्रतिष्ठित इंदिराम्मा आवास योजना शुरू की। इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें भद्राचलम के मंदिर शहर में भगवान राम की उपस्थिति में गरीबों के लिए इंदिराम्मा आवास योजना शुरू करने में बहुत खुशी हुई और इस योजना को शुरू करने का उद्देश्य गरीबों के लिए अपना घर बनाने का सपना पूरा करना था। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने पहले ही 22,500 करोड़ रुपये की लागत से 4,50,000 इंदिराम्मा घरों को मंजूरी दे दी है और इस योजना के तहत, महिलाओं के नाम पर घर के पट्टे दिए जाएंगे। पिछली बीआरएस सरकार में, तत्कालीन मुख्यमंत्री केसीआर ने डबल बेडरूम मकानों के नाम पर वोट मांगे और लोगों को धोखा दिया। यही कारण है कि लोगों ने केसीआर शासन को दफन कर दिया है और "इंदिरम्मा राज्यम" को चुना है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी और खम्मम जिले के लोगों के साथ एक विशेष बंधन बनाए हुए हैं, यही कारण है कि राज्य सरकार ने पुराने खम्मम जिले से इंदिराम्मा आवास योजना शुरू की है। मुख्यमंत्री ने कहा, आवास योजना के तहत, सरकार लाभार्थियों को अपने आवास भूखंडों में घर बनाने के लिए 5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। सभी पात्र गरीब वर्गों को घर स्वीकृत किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पहले से ही 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर, आरटीसी बसों में महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा और 200 यूनिट मुफ्त बिजली प्रदान कर रही है, मुख्यमंत्री ने केसीआर को खुली चुनौती दी और उनसे उन गांवों में वोट मांगने को कहा जहां डबल बेड वाले घरों को मंजूरी दी गई। रेवंत रेड्डी ने कहा, कांग्रेस उन गांवों में भी वोट मांगेगी जहां गरीबों के लिए इंदिराम्मा घर बनाए गए हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी से तेलंगाना में गरीबों के लिए स्वीकृत घरों का विवरण सार्वजनिक करने के लिए भी कहा है।

प्रधानमंत्री 85,000 करोड़ रुपये से अधिक की रेल परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे : अरुण कुमार जैन

दमरे पर परियोजनाओं में एक स्टेशन एक उत्पाद युनिट, पीएम गति शक्ति कार्गो टर्मिनल आदि शामिल

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 मार्च को अहमदाबाद, गुजरात से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भारतीय रेल पर 85,000 करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न रेल विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इस अवसर पर 10 नई वंदे भारत एक्सप्रेस गाड़ियों सहित 4 वर्तमान वंदे भारत गाड़ियों के विस्तारित किए जाने का भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। इसके साथ ही, संपूर्ण देश में सभी स्थानों पर समारोह आयोजित किये जायेंगे। इस संबंध में महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे अरुण कुमार जैन आज रेल निलयम, सिकंदराबाद में एक प्रेस वार्ता की। उन्होंने मीडिया कर्मियों को भारतीय रेल और दमरे क्षेत्राधिकार में राष्ट्र को समर्पित की जाने वाली परियोजनाओं, शिलान्यास/झंडी दिखाकर रवाना की जाने वाली गाड़ियों की विस्तृत जानकारी दी। दमरे पर परियोजनाओं में 193- एक स्टेशन एक उत्पाद युनिट (ओएसओपी), 9- पीएम गति शक्ति कार्गो टर्मिनल, 11- गुड्स शेड, 2- जन औषधि केंद्र, 14- दोहरी लाइन, तीसरी लाइन, गेज परिवर्तन और बाईपास लाइनें तथा 3- रेल कोच रेस्तरां शामिल हैं। दमरे पर जिन नई गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा, वे हैं सिकंदराबाद-विशाखपट्टणम वंदे भारत एक्सप्रेस, कलबुरगि-बेंगलूरू वंदे भारत एक्सप्रेस (दमरे से होकर गुजरेगी) और कोल्लम-तिरुपति मेल एक्सप्रेस है। एक स्टेशन एक उत्पाद : एक स्टेशन एक उत्पाद योजना का उद्देश्य 'वोकल फॉर लोकल' विज़न को बढ़ावा देना है जो स्थानीय/स्वदेशी परियोजनाओं के लिए एक बाजार प्रदान करता है और समाज के वंचित वर्गों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर पैदा करता है। प्रधानमंत्री द्वारा दमरे पर कुल 193 एक स्टेशन एक उत्पाद (ओएसओपी) स्टॉल राष्ट्र को समर्पित किए जाएंगे। इनमें तेलंगाना राज्य में 55 युनिट, आंध्र प्रदेश राज्य में 111 युनिट, महाराष्ट्र में 23 युनिट और महाराष्ट्र राज्य में 4 युनिट शामिल हैं। इन स्टालों पर बेचे जाने वाले कुछ उत्पाद पोचमपल्ली, गदवाल, कलंकारी और धर्मवरम साड़ियां, हथकरघा, मोती, एटिकोप्पाका खिलौने, लकड़ी के खिलौने, मिल्लेट आदि हैं। पीएम गति शक्ति कार्गो टर्मिनल रेलवे के कार्गो यातायात की वृद्धि में तेजी लाने के लिए नए कार्गो टर्मिनलों के प्रसार को बढ़ावा देने और मौजूदा कार्गो टर्मिनलों में सुधार करने के लिए भारतीय रेल द्वारा "गति शक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल" (जीसीटी) नीति शुरू की गई है। ये टर्मिनल संरक्षित और सुरक्षित परिवहन सुविधा प्रदान करते हुए उन्नत सुविधाओं के साथ रेल द्वारा परिवहन की जाने वाली वस्तुओं की संभलाई को सरल बनाएंगे। प्रधानमंत्री दमरे पर 9 गति शक्ति कार्गो टर्मिनल राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

उन्होंने कहा कि माल शेड विकास के तहत भारतीय रेलवे द्वारा हंग्री फॉर कार्गो जैसी पहलों के साथ माल ढुलाई वस्तुओं के परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में प्रमुख ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। तेलंगाना राज्य भर में कई गुड्स शेडों के हिस्से के रूप में सुधार/विकसित किया गया है ताकि उन्हें ग्राहक-अनुकूल सुविधाएं प्रदान की जा सकें ताकि न केवल मौजूदा फ्रेट बास्केट को मजबूत किया जा सके बल्कि यातायात की नई धाराओं को भी आकर्षित किया जा सके। प्रधानमंत्री द्वारा दक्षिण मध्य रेलवे पर कई गुड्स शेड समर्पित किए जाएंगे। दोहरी लाइन/तीसरी लाइन/गेज परिवर्तन और बाईपास लाइनें: हाल के वर्षों में दक्षिण मध्य रेलवे ने अपने रेल अवसंरचना में उल्लेखनीय परिवर्तन किया है। चाहे वह नई रेलवे लाइनें बिछाने की बात हो, मौजूदा लाइनों का दोहरी, तीसरी और चौथी लाइनों में विस्तार हो, विद्युतीकरण हो या आधुनिक रेल सुविधाओं की शुरूआत हो, इस जोन ने अपने रेल परिदृश्य में अभूतपूर्व बदलाव देखा है। प्रधानमंत्री द्वारा समर्पित रेलवे लाइन परियोजनाओं के सेक्शन काजीपेट-बल्हारशॉह, काजीपेट-विजयवाड़ा और विजयवाड़ा-गुडूर सेक्शन का तीसरी लाइन, गुंटूर-गुंतकल सेक्शन का दोहरी लाइन, विजयवाड़ा बाइपास लाइन सेक्शन और खंडवा-अमलाखुर्द गेज परिवर्तन है। महाप्रबंधक ने बताया कि दक्षिण मध्य रेलवे पर जन औषधि केंद्र सिकंदराबाद और तिरुपति में जन औषधि केंद्र राष्ट्र को समर्पित किए जाएंगे। रेलवे स्टेशनों पर आने वाले यात्रियों के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए, भारतीय रेलवे ने स्टेशनों के परिचरण क्षेत्रों और कॉनकोर्स में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र (पीएमबीजेके) स्थापित करने के लिए एक नीतिगत अवसंरचना की अवधारणा की है। रेल यात्रियों को अनूठा अनुभव प्रदान करने के लिए एक और कदम आगे बढ़ाते हुए, दक्षिण मध्य रेलवे ने हैदराबाद शहर के दो स्टेशनों काचीगुडा और नेकलेस रोड पर रेल कोच रेस्तरां प्रदान करने के लिए एक नई पहल की है. इस उद्देश्य के लिए उपयोग न किए गए रेल कोचों को सौंदर्यपूर्ण आंतरिक सज्जा के साथ नवीनीकृत किया गया है।

दमरे से चलेगी नई गाड़ियां

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दमरे से संबंधित नई गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। पहली ट्रेन सिकंदराबाद-विशाखपट्टणम वंदे भारत एक्सप्रेस है। इस मार्ग पर वंदे भारत गाड़ी सेवा के लिए यात्रियों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए, सिकंदराबाद-विशाखपट्टणम के बीच दूसरी वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जा रहा है। यह तेलंगाना से आरंभ होने वाली चौथी वंदे भारत गाड़ी होगी। सिकंदराबाद-विशाखपट्टणम के बीच दूसरी वंदे भारत गाड़ी सौंदर्यपूर्ण रूप से डिजाइन, अच्छी तरह से सुसज्जित सुविधाओं के साथ दिन में चलनेवाली एसी गाड़ी है। यह गाड़ी 80 किमीप्रघं की औसत गति के साथ सिकंदराबाद और विशाखपट्टणम के बीच 700 किमी की दूरी को 8 घंटे 45 मिनट में तय करेगी। गाड़ी की नियमित सेवा 13 मार्च, 2024 को विशाखापट्टणम से सिकंदराबाद और 15 मार्च, 2024 को (शुक्रवार) सिकंदराबाद से विशाखापट्टणम से शुरू होगी दूसरी ट्रेन कलबुर्गी-बेंगलूरू वंदे भारत एक्सप्रेस है। प्रधानमंत्री द्वारा कलबुर्गी-बेंगलूरू वंदे भारत एक्सप्रेस का हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। इस गाड़ी को दमरे के क्षेत्राधिकार में रायचूर, मंत्रालयम रोड, गुंतकल और अनंतपुर रेलवे स्टेशनों पर ठहराव प्रदान किया गया है। तीसरी ट्रेन तिरुपति-कोल्लम मेल एक्सप्रेस है।तिरूपति-कोल्लम मेल एक्सप्रेस को चित्तूर, काटपाडी जं, जोलारपेट्टई जं, सेलम जं, इरोड जं, तिरुप्पूर, कोयंबत्तूर जं, पालक्कड़ जं, त्रृश्शूर, अलुवा, एर्नाकुलम, कोट्टायम, चेंगण्णाश्शेरी, मावेलिक्करा, कायंकुलम जं, कोल्लम जं. पर ठहराव प्रदान किया गया है।

प्रजावाणी में जीएचएमसी में कुल 334 याचिकाएं प्राप्त

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में जनता की दलीलों की बाढ़ आ गई। विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की फरियादों की गहनता से जांच की गई और मौके पर ही समाधान के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को भेज दिया गया। जीएचएमसी में कुल 334 अनुरोध प्राप्त हुए, मुख्य कार्यालय में 257 अनुरोध प्राप्त हुए और जोनल में 77 अनुरोध प्राप्त हुए। चारमीनार जोन में 1, सिकंदराबाद जोन में 5, कुकटपल्ली जोन में 42, सेरिलिंगमपल्ली में 17, खैरताबाद जोन में 5 और एलबी नगर जोन में 7। अधिकारी समय रहते इन दलीलों का समाधान करने के लिए कदम उठाएंगे। इस जन सुनवाई में ईएनसी जियाउद्दीन, अतिरिक्त आयुक्त नलिनी पद्मावती, गीता माधुरी, सत्यनारायण, यादगी राव, जयराज कैनेडी, सीपीपी राजेंद्रप्रसाद, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पद्मजा, मुख्य कीट विज्ञान डॉ. रामबाबू, हाउसिंग एसई विद्यासागर और अन्य ने भाग लिया।

टीटीडी के पूर्व बोर्ड सदस्य श्रीवरु के दर्शन नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं : अध्यक्ष

तिरुमाला, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अध्यक्ष भुमना करुणाकर रेड्डी ने आज कहा कि बोर्ड ने टीटीडी बोर्ड के पूर्व सदस्यों को अपने परिवार के सदस्यों (पत्नी, बच्चों, मां और) के साथ श्रीवरु के दर्शन करने का अवसर दिया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि कुछ पूर्व बोर्ड सदस्यों को अक्सर श्रीवरु के दर्शन के लिए अपने परिवार के सदस्यों के अलावा अन्य लोगों को अपने साथ लाकर इस नियम का उल्लंघन करते देखा जाता है। उन्होंने कहा कि पूर्व बोर्ड सदस्यों को दिशानिर्देशों का पालन करना चाहिए अन्यथा यदि वे अपने परिवार के सदस्यों के बजाय अन्य लोगों को अपने साथ लाएंगे तो उन्हें श्रीवरु के दर्शन की अनुमति नहीं दी जाएगी।

भाजपा-बीआरएस कांग्रेस सरकार को गिराने की साजिश रच रहे हैं : सीएम

विधायक इंदिराम्मा के साम्राज्य को बचाने के लिए तैयार

मनुगुरु, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री और पीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने आलोचना की है कि भाजपा और बीआरएस कांग्रेस को हराने की साजिश कर रहे हैं क्योंकि उन्हें एहसास हुआ है कि कांग्रेस संसद चुनाव में 14 सीटें जीतेगी और अगर इंदिराम्मा में अभयहस्तम योजनाएं लागू की गईं तो कांग्रेस का झंडा तेलंगाना की धरती पर लहराएगा। मुख्यमंत्री और पीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने सोमवार शाम मनुगुरु प्रजा दीवेना सभा में बात की। बीजेपी नेता डॉ. लक्ष्मण आए दिन कहते रहे हैं कि लोकसभा चुनाव के बाद यह सरकार नहीं रहेगी और उन्होंने पूछा कि पार्टी आठ विधायकों के साथ सरकार कैसे बनाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार को गिराने की साजिश रची जा रही है। हाल तक मंत्री रहे तलसानी श्रीनिवास यादव के बेटे ने पिछले दिनों सिकंदराबाद से चुनाव लड़ा था और अब वे उन्हें फिर बीआरएस से टिकट देना चाहते हैं। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आलोचना की कि मोदी और केसीआर अंधेरे में सौदा करके कांग्रेस सरकार के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम नैतिकता के साथ राजनीति करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि बीआरएस विधायक उन्हें बता रहे हैं कि वे इंदिरम्मा के राज्य का समर्थन करेंगे क्योंकि भाजपा और बीआरएस कांग्रेस सरकार को गिराने की साजिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि वे कई वर्षों से बीआरएस में पार्टी में हैं, लेकिन वे अतीत में एक दिन के लिए भी मुख्यमंत्री से नहीं मिले, उन्होंने उनकी बात नहीं सुनी और उन्होंने यह नहीं देखा कि वह कैसे हैं। बीआरएस विधायकों का कहना है कि जब कांग्रेस की सरकार आई तो मंत्री सचिवालय में रहते थे, मुख्यमंत्री घर पर थे और गरीबों, मजदूरों और बच्चियों से सचिवालय में मुलाकात होती है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने खुलासा किया कि बीआरएस विधायक उनसे मिल रहे हैं और उन्हें बता रहे हैं कि कांग्रेस सरकार को पांच साल तक बचाना उनकी जिम्मेदारी है क्योंकि मुख्यमंत्री अधिकारियों से मिल रहे हैं और समीक्षा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर वह द्वार खोलते हैं, तो केसीआर, उनके बेटे और दामाद को छोड़कर सभी बीआरएस नेता कांग्रेस का झंडा पहनेंगे और इंदिरम्मा के राज्य और कांग्रेस सरकार के पीछे खड़े होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भद्राचलम विधायक वेंकटराव ने उनका समर्थन किया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट कर दिया है कि वे विनम्र और नैतिक राजनीति करना चाहते हैं। मोदी और केसीआर मिलकर उनकी सरकार गिराने की साजिश रचते हैं।

सीपी राचकोंडा ने पहाड़ी शरीफ़ थाने का दौरा किया

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आयुक्त तरूण जोशी ने आज रचाकोंडा आयुक्तालय में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के हिस्से के रूप में विभिन्न पुलिस स्टेशनों में अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रदर्शन और आम लोगों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं की समीक्षा करने के लिए महेश्वरम क्षेत्र के अंतर्गत पहाड़ी शरीफ पुलिस स्टेशन का दौरा किया। इस मौके पर स्टेशन के आसपास और बुनियादी ढांचे का निरीक्षण किया गया। आयुक्त ने स्वयं प्रत्येक स्टाफ सदस्य की कार्यप्रणाली की जांच की और कर्मचारियों को कर्तव्यों के पालन में उपयोगी विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी। स्टेशन में रिकॉर्ड की जांच करने के अलावा, उन्होंने रिसेप्शन, पेट्रोलिंग स्टाफ और सीसीटीवी के रखरखाव जैसे विभिन्न विभागों के प्रदर्शन की समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि समस्याग्रस्त क्षेत्रों के स्टाफ को हमेशा अलर्ट रखें। पहाड़ी शरीफ ने अधिकारियों व कर्मचारियों से बातचीत कर थाना क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए किये जा रहे उपायों की जानकारी ली। महिलाओं की सुरक्षा को उच्च प्राथमिकता देने की सलाह दी गई है। इस कार्यक्रम में डीसीपी सुनीता रेड्डी समेत अन्य अधिकारी शामिल हुए।

महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों से आगे : विजयलक्ष्मी

जीएचएमसी मुख्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह आयोजित

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी, डिप्टी मेयर श्रीलता शोभन रेड्डी, अतिरिक्त आयुक्त नलिनी पद्मावती, गीता माधुरी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पद्मजा और अन्य ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के लिए सोमवार को जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित समारोह में भाग लिया।इस मौके पर आयोजित बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए मेयर ने कहा कि महिलाएं जब महिलाओं का साथ देंगी तभी महिलाओं की उन्नति होगी। जब बच्चे का पोषण ठीक न हो तो पिता की जगह मां को बुलाया जाता है, महिलाएं चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हो जाएं, उन्हें विनम्र रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज में महिलाओं का सम्मान है। मेयर ने कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों से आगे हैं। जीएचएमसी महिला सशक्तिकरण का प्रमाण है।

महापौर ने कहा कि महिलाओं को सावित्रीबाई फुले, फातिमा और इंदिरा गांधी से प्रेरणा लेकर प्रेरित होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण एवं आर्थिक स्वावलंबन के लिए महिला दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिला दिवस के मंच पर महिलाओं द्वारा सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्र में हासिल की गई कई उपलब्धियों और महानता को दूसरों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रेरणा के रूप में लिया जाता है। अपर आयुक्त नलिनी पद्मावती ने कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के बराबर आगे बढ़ रही हैं। इस बैठक में उप महापौर श्रीलता शोभन रेड्डी, अतिरिक्त आयुक्त गीता माधुरी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पद्मजा मन्हानी कर्मचारियों ने भाग लिया।

इससे पहले महापौर गदवाल ने विजयलक्ष्मी महिला दिवस के अवसर पर केक काटा। 15 सफाई कर्मियों को सम्मानित किया गया। इसके बाद मेयर ने सफाई कर्मियों के साथ मिलकर दोपहर का भोजन किया। इस संयुक्त दोपहर के भोजन में उप महापौर श्रीलता शोभन रेड्डी, जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज़, अतिरिक्त आयुक्त और अन्य ने भाग लिया।

पंचायत सेवकों की समस्याओं को लेकर जिला अपर समाहर्ता को ज्ञापन सौंपा

आसिफाबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ग्राम पंचायत कर्मचारी एवं श्रमिक संघ सीटू ने ग्राम पंचायत कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए जिला अपर कलेक्टर को एक याचिका सौंपी है। कार्यक्रम में सीटू के जिला अध्यक्ष राजेंद्र हजाराई ने कहा कि ग्राम पंचायत कर्मचारियों का पिछले पांच से सात महीनों से वेतन लंबित है। जियो नंबर 60 के अनुसार पांच से सात माह का बकाया राज्य सरकार तुरंत भुगतान करे। पांच लाख का बीमा लागू करने की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने का अनुरोध किया गया है। कार्यक्रम में श्रीकांत गंगाराम बाबूराव टी गंगाराम दुर्गा प्रसाद अनिल ग्राम पंचायत कार्यकर्ताओं ने भी भाग लिया।

सीपीआरओ अनुभाग ने महिला कर्मचारियों को सम्मानित किया

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआरओ मोहम्मद मुर्तुजा और एपीआरओ जीवन कुमार ने संयुक्त रूप से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जीएचएमसी मुख्यालय के सीपीआरओ अनुभाग में महिला कर्मचारियों पर्यवेक्षक सुश्री शैलजा, पद्मा, कार्यालय उप-समन्वयक सुश्री लता ने कर्मचारियों को सम्मानित किया। इस सम्मान कार्यक्रम में रमेश, वरिष्ठ सहायक मोहम्मद मोहिसिन, रोहित, टाइपिस्ट, ओएस और अन्य लोग शामिल हुए।

फर्जी पासपोर्ट मामले में तीन पुलिसकर्मी समेत चार गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पहले गिरफ्तार किए गए 18 आरोपियों के अलावा, सीआईडी अधिकारियों ने फर्जी पासपोर्ट मामले में 4 और लोगों को गिरफ्तार किया है, जिससे अब तक गिरफ्तार किए गए आरोपियों की कुल संख्या 22 हो गई है। एक पासपोर्ट एजेंट कोप्पिसेट्टी कल्याण निवासी बी.के. गुडा, एसआर नगर हैदराबाद और एएसआई थिपन्ना, पुलिस एएसआई, ट्रैफिक पीएस, मारेडपल्ली, शेख नजीर बाशा, पुलिस एएसआई, पंजागुट्टा ट्रैफिक पीएस, गुंटूर वेंकटेश्वरलु, पुलिस एएसआई, एसएचई टीम, हाका भवन, हैदराबाद गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। धोखाधड़ी के साक्ष्य जुटाने और अन्य जुड़े आरोपियों की धरपकड़ के लिए जांच अभी भी जारी है। जांच में पता चला है कि श्रीलंका से अवैध अप्रवासियों को जारी किए गए 95 पासपोर्ट के अलावा, इसी तरह से 30 और पासपोर्ट जारी किए गए हैं, जिससे कुल पासपोर्ट की संख्या 125 हो गई है। आव्रजन प्राधिकारियों को अपनी ओर से आवश्यक कार्रवाई करने हेतु शिखा गोयल अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, सीआईडी, टीएस, हैदराबाद के निर्देशन में सीआईडी की विशेष टीमों द्वारा जांच की जा रही है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.